७७। । मान्यायाप्यायस्य



७७। | इस'यर'गाह्रद'य'द्वर

7.75.7

श्चर्यं

सहर्पार्थे।

र्वेग्यः से न्।

ब्रे.क्या

रोसरार्डमा

र्भेर्

\(\frac{1}{2} \)

७७। | इस'यर'गाह्र थ'र्नर

यानश्रान्

यत्। विक्रिं अक्ष्यं त्यश्च स्थान्य ह्या न्या विष्ठ द्वा विक्र स्थान्य स्थान्

धेव पर नहें द पर हु वे व इर्ग न निके निर पर नहें द पर से ह्यो | दे हे दे हि स्वे त्व विश्व विश्व वार्ष वार वार हि ते है ते है ते है ते है ते है ते हि ते हि ते हि ते हि ते हि ते है ते र्रे। ।गावन हेर धेन मुंबर हैं व हे धेर हे न इस मर हैं गाय इस म हु सर्वर म्) नन्या हे न अप्येव प्रमार युमान्ये। याववा अप्येव पा हे न प्येव व र्र्भेव रहे र्थे दि हे त्र इस पर हैं वा पर दि न्या पर है वा स्वर्ध के स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य यदे निया हे निर्मित्र अथा विद्युम निर्मे अर्क्त विश्व निर्मे अर्क्त विश्व के नि ग्वत्रंत्रं न्द्रिंत्रयः ज्वया ग्वत्यः धेत्रः प्रः न्द्रेत्रयः ज्वेत्रा अर्थः ग् याहे यार प्यतः नाहे त्यर क्षे नुदे । नि के वे सी र वे वा वाहे यार प्यतः भूति र्'त्युर्न्यर व्याप्तर व्युर्न्य विरामे । विव्यं हेर खेत्र विरामे विष्य डे न कु अळव की नें व नया पंदे न ने ने ने नवी व हिन् नु से प्रक्षू र न न न । इया वर्चेर्याम् अळव्याया क्षेत्र्यापराने निविदाने निया क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा वर्षेत्रा वर्षेत्र वर्षेत्रा वर्षेत्र वर्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र न'न्न। ने'निवेद'हेन्'सर्देद'मर'ह्नेप्रस्य स्थ्रम् मुश्य द'यर कुं सळंद' सर्वित्रमराङ्गियायमः सरमाक्तियामः स्राप्तिमः स्राप्तिमः । याववित्रसः स्राप्तिमः *ॱहेन*'धेव'व'र्श्चेव'रे'र्धेन'रे'व। ने'नवेव'हेन'य'त्रे'त्रम्' सेन'रानवेव'र्'क्टु मक्य वस्त्र सम्बादित स्त्र त्या स्तर स्त्र स

यन्ते प्रवित्रित् स्त्रित् स्त्राम्य प्रमान्य स्त्र स्त्र प्रमान्य स्त्र स्त्र प्रमान्य स्त्र स् ग्रम् मु अळव निवे न नु इस पर निवासर से प्रमुर न है। यह से है। न्वेरवाद्युविन्द्रस्यरायाञ्चेते सळ्वाहेन्स्य स्वापान्या ८८। यन्याः सेन्यः पेन्याः प्रत्याः याव्यः याव्यः याव्यः याव्यः प्रत्यः न्हें न्यरक्षे नुन्न न्या सुर्यः न्या से स्यापान्य स्वर्ये न न्या से स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स श्रुम्यामान्याः व्या श्रयान्या स्थयान्या स्थयान्या । मालवासाधीवासामाई नासमाधी हामान्या निर्मामान्या भी निर्मामान्या सुर-रु-अ-नक्ष्र्व-पदे कें अ-इअअ-य-अ-वें व-प्यें र-ग्यूर-। दे-र्गा-यश-ग्विव-यवया ग्वित संभित्र प्रमान हिंदा प्रमासी मुक्ती मिहे मार्से व दुः हिंदा प्रमान मार् वशुर्यत्रे भीराप्ता वर्षे भूषे प्रमेराव वसास्राप्त वे मस्राप्त प्रमाण यवसा ग्वित संभित सम्पर्हित सम्से ग्रु हो ने हे दे श्रीम वे ज्ञा गहे यार'प्पर'श्चें व'र्'घष'यर'वशुर'यवे'श्चेर'र्रे । यावव'हेर'पेव'व'श्चें व'हे' र्षे दिन के त्या व्यायाय म्याया म्यायाया म्यायाया म्याया मायाया म्याया म्याया मायाया मायाया मायाया मायाया म्यायाया मायायायायाया मायायाय दशुर-नर्दे। । ग्वन्य अधिन परितर्भे दार्थे दार्शे वर्षे दार्थे दार्थे प्राचित्र वर्षे वर्षे प्राचित्र वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे दिल्ली वर्षे वर्षे

मुँग्रायायमान्याव्यायाव्यात्र्याव्यायाव्यात्र्याः भी देःचवित्रः पदिराधारा स्वा डे'रेग्रारापर'नक्ष्पर्य, जुर्दे। विर्टेस'क्ष्र्य'पर्याण्या, क्ष्य'क्ष्य'ज्ञे यमान्स्यमान्मा यायमान्तु चेत्रसम्भाषमान्त्रापामान्याधित्। माव्य संस्थित संस्थान संस्थान मान्य संदे कुंत्य विने स्थित संस्थान सूत्र है। है : अन् र् नि : श्रें न र ना : श्रें न र से स्थय : है न र से हे र स स से ह र स स स स स स स स स स स स स स या स्टार्स इस्रायमार्से नामान्त्र पार हे नर लेव पासे दासे दारी देव धेव वे विशामशुर्शामा भ्राप्ता विश्वामा विवास हिन्सा धेव व क्षेत्र के खेंद डे व इर्मा स्टार्स इरास स्टार्स इर्मा स्टार्म न्ना इस्रायम् से प्रमायि क्कें वर्षी । मान्य के न धेव वर्षे वर्षे के पे न के व श्चराया हे नर येव यह नाम है ए ए हैं निष्ण राम है। वन्नामिक्तिन्त्री । कुष्यक्तिन्ति । विष्यक्तिन्ति । विष्यक्तिन्ति । विष्यक्तिन्ति । विष्यक्ति । विष्यक्ति । विषयक्ति । वि श्री र प्राप्त में मार्थ प्राप्त में मार्थ प्राप्त में मार्थ में म नम् जुर्दे । क्रुं अळव् त्यश्राध्यम् न्यायदे नेश्वायावव र ् ७०। । नर्हे र यर गुरुषा ग्वित संभित्र पर निहें दार गुले वा श्रुष्ण या इस पर हैंग

यानवित्रः न्याते याराधाराना हेरायरा से । जुटी । सेरायशा हसायराहेगाया याववर्त्र्याईर्प्यर्ग्यवया याववर्ष्याधेवर्यर्याईर्प्यर्ग्युविःवा श्रुर्या यावन र नहें र पर होते। अर यश्यर पर न्या परे के शरा यावन र नहें र यम् ज्ञित्या नाववः संधिवः यमः नाई नः यमः ज्ञः वे ना अस्या नाववः नः न्रहें न्यर होते। । इस्रायर हें ना यायश्यापर न्नायते स्वेश्वायानावद न्यहें न यम् ज्ञातमा नावव संभीव सम् नाईन सम् ज्ञाते वा श्रुमामा नावव र न्हें न्यर हुरें। । हु अर्बन ही अर्बन हे न्यार ले न। हुराया इस यर हेंगा यदे र्श्वे दःध्ययः मी अळव हे दःदे । अदः मी अळव हे दःगदः वे व। अग्या वः श्रू ५ भी मार्य रामी अर्क्ष के ५ ५ १ । इस मर हैं या मरे अर्क्ष के ५ या न श्रूयाय। श्रुयळंत्र श्रुप्यायये अळंत्र हेट्री । दे निवेत हेट्री अळंत्र हेट् यादः लेखा श्रूषाया यदः द्याः यदेः लेषः यदेः श्रुदः युवाः श्रीः यळ्वः हेदः र्दे। । यदः न्याः मदे स्वेशः मदे सक्ष्यः हे दः यदः वे स्व अर्थः । दे नविवःहे दः यार्श्वेर्ण्यायदे सक्वरहेर्ने॥ कुःसक्वरग्ने क्यायान्वे व। श्वराया इस्राचराहेनायाहस्य राश्ची हस्राचाञ्चाळेना राष्ट्राची प्राची हिलाहरू रायर श्रुळें नारा न्यना हु से नारा येता यर से नारा राष्ट्र है। यह से हो

या बुर्या शः क्रुं अळव रद्दा से संस्था क्रुं अळव रद्दा से संस्था युद्दा या क्रुं अळ्व'र्'। अअअ'र्'र'खेब'रा'आ'लेब'रा'क्चु'अळ्व'र्'र'। ५५ुआआउठ्याकुं' मक्यं निर्मा वर्षा श्रम् सक्यं निर्मा स्टर्म स्ट्रिम क्षे सक्यं निर्मा क्षे सक्यं निर्मा क्षे सक्यं निर्मा क्षे क्युं अळव 'न्रा विस्रक्षः क्युं अळव 'न्रा हेव 'हेर 'दर्ने वा नर 'दर्नु र 'न क्युं अर्द्धन प्रमान मान राज्य राज्य राज्य राज्य स्थान स मळ्यः न्रा नरेवामाकु मळ्या न्रा इवामाने न्यामान्याकु मळ्या न्रा लर.रेबा.सपु.श्रूर.व.रेटा। ई.पर्सेबा.बी.मेट.स.रेटा। रेवट.सू.रेटा। श्रूंचश. ५८। इट.क्र्न.ग्रे.लब.जग.५८। जम.ग्रे.लब.जग.क्रे.मळ्थ.५८। जम.क्रे. अर्द्धव:र्मा क्रेंशःशी:वावि:क्रुःअर्द्धव:र्मा वि:वावशःक्रुःअर्द्धव:रमा भ्रवाः अर्बेट कुं अळं त्रा र्य हिंद राक्च अळं त्रा यहर क्रें अया कुं यक्त न्दा मेन मुर्ग सक्त न्दा द्वित नामु यक्त न्दा रामु यक्त न्दा क् मैं अक्ष्य निता से मैं अक्ष्य निता में नि अक्ष्य निता में अर्ळव् 'न्ना क्यायर'ने शायाकु अर्ळव् 'न्ना यहे या हेव 'यने कु अर्ळव् 'न्ना यहेगा हेव या रेवा कु अळव रहा है अ कु अळव रहा है या कु अळव रहा श्रेश्रश्राचन कुष्याच कुष्यक्ष प्रमा ५५ वर्षे प्रमा धे प्रमाश्राप्त । भे प्रमाश्राप्त ।

भे कुं अळ्व'र्रा कुय'ळेव'रावेदे'रे श'ग्रे'श्रूदे कुं अळ्व'र्रा शुअ'ड्राइ योश्चित्रः निर्मा वर्षान् । निर्मायः स्वेतः निर्मायः निर् वसुवान्तर हो न हो । सु हु अर्क्ष न न । न अया न न न र र र है । सु अर्क्ष न न । नश्रमान्त्रमित्रेश्रामान्तः माश्रुयामान्ता नित्रम् मुःसळेत्। न्या स्रापतःसर्वतःत्रभः हुः अक्रेन् हुः अक्रेन् न्। इसः नेशः सर्वतः प्रशः हुः अक्रेनः न्ना डे.लर. सुर. सुरे. सुरे. सके नान्ना वर् के सासे नाय है। सके दाकु : सक्त दिया विद्युद्धाता कु सक्त दिया विद्या विद न्देशसें क्रुं अळव न्दा न्देशसें सेन्यक्रुं अळव न्दा गुव वशक्रें ब्रॅट्याम कुं यळवं प्रा इयापर ग्रुट म कुं यळव प्रा अर्थे र पा र्वेशयन्ता है ज्ञा हैन्यन्ता इसयम् नेशयन्ता वेशयन्ता ल्टिश शु नर्द्या न क्रुं अर्द्ध प्रम् विष् ग्री शहे श शु नह्रा श प्र । हे अःशु:न्ध्रन्यःकुःअळवःन्नः। ने क्ष्रनःने क्षःनु न्नः अश्रवःयःकुः अळवः यावव यार भेव यार रा यावव भर कु अळव र्या है। अळव अर् रायर राक्नु अळव र्रा अळव अ से रामक्नु अळव र्रा कुर र क्नु अळव र केव में म शुम्म स्वाम कर्ष म कर्ष कर्ष म म कर्ष म स्वाम कर्

क्रु अळंत्र ते अळंत् अप्टर पडरापा क्रु अळंत् पार ले ता नरें स रें हें पारा यदे से दाया क्राया के वार्ष सक्त सम्माद से वार्ष वार वार्ष वार वार्ष वार्ष वार्य वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार सक्त गर ले त रहे स ७०। सि स है ग्रस्ति से र त इस सर है ग यदे अळव अजार धेव पर्दे । किर रे के अळव जार वे वा पर्देर यदे निस्र भारी प्राप्त का स्वाप्त में निस्त के अर्थन स्वाप्त के निस्त विस्त के निस्त के शुरायाकुः अळवा यारावे वा वा त्रावा या श्री विस्र राशी दिस्य से से वा स्रायरा हैंना मदे अळव अन्तर्भेव मदें। ।ळं द से द स कु सळव नार वे व। ग्रा व्याया से दारा दिस्य राष्ट्री प्रम्य राष्ट्री प्रमानिय सम्भाव सम्भाव सम्भाव सम्भाव सम्भाव सम्भाव सम्भाव सम इस्र ने सास्रवर प्यसः ही दासके दाया इस्र स्मार्टिया प्रकेश सामाद प्रकेश मर्दे। डि.लर.मुर्स.मैं. मक्य.चीर.खे.ची चार्चियामामुर्सितमामामी. न्देशसंकिष्णरासेन्यते क्षेष्ठासकेन्त्या इसायराहेन्या यदे सक्तासायारा लुव.सर्च्। विवय.लट.क्वे.अळ्य.कॅ.क्रे। क्वे.अळ्य.कें.अळ्य.स्ट.। शुट.क्वे. सक्त दर्। इस पर हैंगा प कु सक्त दर। दे निवित हे द कु सक्त दर। अट.ट्या.सप्त. खेश.स.क्व. अळ्य.ब्री । लट.क्व. अळ्य.यावय.यावेश.प्रे। पट. नवेव कुं अळव ५८। ना बुनाय नहुव कुं अळव दें। । ४८ नवेव कुं अळव

ग्राम् वे व्राम्ने व्याप्त में व्याप्त में व्याप्त में व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत व्य नश्चेत्रम्याम्यः यदे अळ्द्रअदे । । या त्यायायः नह्न्यः क्रुं अळ्द्रयादः वे दा गुव नहगरायान धेव यने वे से रामराधेव रामे विवाद यावर्गानाने साधिवार्ते। सिरामी क्यामानार वित्वा ने प्यार कु सर्वन शे न्नरामी अः इस्रामः श्रुः केषा अः न्यमाः हासे नार्ते। । ने प्यानः सर्वे सः नश्रुः वः इस्रामः नडु'निहेश'हे। म'सूर्'लश जुर'न'र्रा धर'न्न'परे 'र्रेश से 'र्रा रेग्रभः दरः वर्त्रेयः नः दरः। र्शे से दरः वर्त्रेयः नः दरः। व्यवः हतः यथः हुरः नः ८८। हे.चर.चह्रवाश्वाराद्या श्रवाशायाद्या अञ्चवाश्वाराद्या वाश्वारा न्ना भेः न्यायान्ना न्यूयान्ना वान्नान्ते। वान्नान्ये। इस्रामानाते वा ने प्यान कु सक्त न्मा से निमान में स्वामा स्वामा स्वामा क्रियाश्वाराष्ट्रियो हिः यदः सर्देर् न्यू व इसाय न नुव नुः देया यदः हाः है। सक्त साम्य वृत्तान्ता सक्त सामेत पायम वृत्तान्ता धुया यास्टानी पट्टानी सायह्या प्राप्ता व्हें व्याचा प्राप्ता से से से से में ने वापा प्राप्ता क्रेंब : ब्रॅंट रूप पा उव रहरा क्रेंब : ब्रॅंट रूप पा उव : ब्रंब पार्ये । हि : विव क्रेंह र शे : क्रायानार ले जा क्रुयाया नहें ५ ५ से ५ स्याया धेतरें। । प्यर ५ मा

यदे ने शर्य दे इस या पार ले दा हुसाय। यह पा हे दा प्रश्व प्रश्व प्राप्त प्राप्त प्र यशयन्यायानः धेव याने वे इसायमः वाववायि यने वायः वहें वायिः क्रायाधिवार्ते। प्रियासक्वासान्ता ग्राच्यासानक्रवान्ता सेना धेरा न्ना श्रेन्यन्ना श्रेंश्यान्ना वहेनाः विन्यान्ना वन्यान्यान्। नश्रश्राप्ता हेव केट प्रवेष नर प्रवृत्ता न दे दे प्रवास में वे कुः अळव कुः क्राम्यरमाध्येव वे । १ वि वि से स्ट्रा नह दर। नि न्यामाय ५८। ब्रस्ट्र-५८। गुर्वाहेन-५८। हे.नर-वर्देग्राय-५८। नहें ५.स.५८। ने ख़ नु ल र्से ग्रम्भ मंत्रे से द मी इस ग्रम्भ धेत हैं। ने ल इस मर हैं ग म न्ना गुव-नुःहेनानन्ना धेन्याश्चःहेनानन्ना वेनानवे त्ययान्ना व्यानित्र श्रुवायन्ता कुवार्वेषावान्ता धरान्वायमः वहेवायास्य धेवाया ८८। टे.के.ये.ज.ज.य्यायान्य, क्ष्यायम् ह्या.यद्यः क्ष्यायाम्यात्यः विषयः ने निविष्के निन्दा धरन्यामके निन्दा मने वामके निन्दा अर्वे समके न ८८। होत्र हे त्येवा प्र हे ८८८। ह्ये अप्य खे ८५० १ हो ८ अप्य अप्य मेर परे न्विरमन्ता के मारी न्विरमन्ता धर न्या परे माय पर

ने भ्रातु त्या श्रीयाश्वाय के ने निविद हिन् श्री इस्य मान्या धेव हैं। । ने त्या प्यन निवा यदे क्रिंग्यान्त्। यदान्या यदे क्रिंग्यान्ता यदान्ता यदे हें य्राया न्ना धरन्नामदेख्यान्ना धर न्नामदेख्यान्ना धरन्नामदेः क्रुव दर्। यर द्वा धर वहेंव धर्दा दे के ये खर के वार्य संवे यर द्वा यशर्रिवेगाम्ब्रम्थाधेव। रुविगासेस्थाधेव। रुविगासेस्थायशसुर ७७। । न न पेता ५ विमा से सम ५ में १ विमा । वर्षायान्यापीवालेवा श्रूषाया कुष्यक्वावे इयायाष्ट्राक्यापीवा र्वे। अिट वे से अरु न्दर से प्रवास पीव वें। विस्थान में नाम निर्मा यदे ने माया है। मे समा प्रामेश समायमा हुर न प्राप्त में । दे प्रवितः हेर्दे वर्षासा हुराधेव दें। । ५ विया सुर से सामसूर्या पायेव। ५ विया यानस्यापान्याधितः वे त्र इत्या म्युयाते स्प्राप्त स्याप्ता याधितः वै। क्रुः अळव वे नश्रु अप्पान्दायानश्रु अपायाधिव वे। । ने निव वे ने निव स्था नर्भुश्रानाधितर्ते। दिःविगानिस्रश्राद्राःश्चे सकेदाश्चेश्रान्ध्रुश्रानाद्र्याधित। दि विगाः अप्रस्थाः प्राप्ते विष्ते श्रुष्याः वस्थाः उत् ग्रुष्यः पाद्रम्

धेवर्ते। रुविगाहेवर्डरायबेयानरायबुरानशानश्रूशायान्याधेव। रुविगा म्यान्यूर्यायात्र्याः धेराले त्रा श्रुर्याया याश्रुर्याते याश्रुर्यात्राधेरात्रे । क्रि सळ्य वे नसूसामान्य सामसूसामाधित वे । । ने निवेद हेन वे सामसूसामा स्नानानित्र । ग्रम्भान्य म्याम्भान्य । प्रमानित्र निर्मानित्र । अन्सूर्यापान्नाग्यम् ने निष्ठे त्रान्य निष्ठे । । ५ विषा निर्वे वा मन्त्राधिता नुःविताः सन्धू सम्मन्त्राधितः वित्ता क्षु सम्मा ननेतः सन्धः रायिष्ठेशात्रे। इस्रायमानवयानान्ता इस्रायमास्याववयान्ते। निःवा वसनामानि नित्रामानि के कि समानि नित्रामानि नित्रामानि नित्रामानि । निवत्ते निविद्यास्य स्थानविष्या स्थित्ते निविद्या स्थानि स सर-चल्या सदे निर्देश स्थान्य अस्य स्था विक्रु सळव दे निर्देश सर्मे अस्य स्टर्स न्रभू अर्याधिव दे। दि निवेव हे द्वे इस्य सम् अरववग्रासदे निवेद स्यान्य स्थ मार्चित्याधिवार्वे । दिवियाः कुतिः क्रेवा श्री शाम्यूष्यामान्याधिवार्वे । दिवियाः सर्द्धरमामाने साम्यापान्या न्येयामामान्या नन्यास्त्रेत्रम् मन्त्राधितः वे व इस्याम कुष्यक्ति वे वस्य उत् ग्री सामस्य मान्याधितः

वै। विरवे अद्धरमायने सम्मायने क्रिक् मुक्त सम्मायन वै। । इसम्पर्देगामन्ता धरन्यामदेन्वेसम्वेस्त्रे स्वतः स्वास्त्रम् धेव दें। १८ नवेव छेट वे नशे नशामा मेरे मे व में अप मार्थ के व वै। । ५: वेगः कें अप्यः हें वर्ष्य न सुर्यः पर्माधेवः वे। । ५: वेगः रेवर्षः देशमंदि देव की अर्दे है दिन। षे नेशम हैं व मशनहूरा मान्या धेव वे व। श्रुरामा कुःसळ्वःह्रेगामगासुर्याक्षेत्राक्ष्र्रामधीवःवे। विद्वे केरा यः हें तः प्रश्नात्र श्रुष्यः प्रापित् वः प्रीवः वे । क्रिः यळवः हो स्थानः नविवः तः ह्रायः प्रमः हें याः यः हें त्राम्यान्यू सामाधितः वे । । यदा द्रमामितः वे सामाने । यो वे सामाहें त्रामामि वर्षान्यस्यायाधेवार्ते। । ५ वियाया त्रुयाया उत्तर्पाणेव। ५ वियाया त्रुयाया उदायाधिदाराप्त्राधिदावे द्वा अर्थाया क्रुयां क्रुयां द्वायां द्वायां विष्ट र्वे। विस्थास्य हिंगामः न्राध्य न्यास्य भी सामाने मा बुग्रास्य हता साधि दारा धेव दें। विर प्र पेवविव के प्र विव के प्र वि ग्राज्ञग्राञ्ज अः भेज प्राप्त्राः हे १२ प्राप्ता विव प्राप्त म्राज्य स्व प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प

रु: सेर्-प्रन्ता विवास प्रान्दा वहसाय प्रान्ता विवास प्राप्त सेर्-प्रान्वा ग्राह्मे निवत्रान्त्रभावरा नुर्दे । दिविया वया पर्ना निवस्त्रभाषा न्या भिवा दिविया वया यः से न्यान्या धेव विष्या अस्या कुष्यक्व विष्या भेव विष्या विष्या विष्या वयानिन्द्राचित्रभाषाक्षेत्रक्षे । याहेशक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक्षेत्रक १९८६ : बना पः सेट्रपदे 'दसेन|सः पदे 'देव' मुस्यः बना पः सेट्रपः पेव 'म्री वनाः मः बन् मित्रे सक्त हिन् शे में त्र शे रात्रे साधित है। । यह निया मित्रे ले राम है। वगायावन्यस्य वुरवि ध्रिस्याहेन् संदि देन् ब्रीसावगायासेन् याधिन दे। रु विगायन्याम्या धेव रिविगायन्यायाम्यान्याधेव वे व अया म्। क्रुं अळव वे महि माधेव वे । माशु अ वे प्रत्य ग्रम् धेव वे । १ नि विव क्षेर्-वे वर्षासानुसाधिव के। वर्षानुसाने नर्ने नर्वे न्ये न्ये न्ये न्ये न्ये ग्रीशाधीताग्री। वर्षाग्रसाहे नमाने निया सक्त हिन्गी निवासी साने सा ७७। विवर्ते। दिविगर्हेवरस्य सन्दर्भ सन्दर्भ सन्दर्भ सी दिविग र्वे। । पारेशके रेव सेव संदर्भन प्राप्त प्राप्त स्थान ब्रेन्याधेवाने। यन्याधानान्या वर्षायान्या वर्षायान्या वर्षायाच्या

कुषानिव न् नुन्न नुर्दे । हिंद से स्थान न् नुरुष्त हैं देश से न्या यं से द्रायाद्या है व्हायायित्र द्रा वदावेद द्रा वदावेद स्वाया वदावेद से द मन्त्रान्ता वेवामायानहेवामान्ता अर्देवाममायगुरानायानहेवामान्त्रा ग्राम् ने निवार्त्त निवार्ति । इ.विवारिक्ष वास्त्रेवरम् निवार्षेव। इ.विवार वहिना हेत वर्षा वर्षा पार्ना धित ले ता अर्था नश्रम परिवाहित राधित हैं। । दे निवेत हैं दि नि हें ना हेत त्य राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र यदे ने श्रायदे सुँगशागुरुगाने पहिंगाहेन प्रशायन्यायः धेन में । सुँगशा याडिया'ते' त्रहेया'हेत' प'न्र त्रहेया'हेत' त्र श्राप्त र्शापीत'ते। । ने प्रवित'हेत' ग्रदःश्रुद्रद्रश्रुव्यायः श्रुव्यायः श्रुव्यायः विष्यायः विष्यायः विष्याः ग्रुव्यः वहिना हेत त्यरावन्यायाधेत श्री वासून निर्देश्याया बसराउन त्यराधारा न्या परे पन्या परे अळव हेन ग्री में व श्री या भी व लें। परे या हेव पा न्दः यहे गः हे वः यथः यन्यः यन्याः हे व्यः यः यविवः नुः यो हे यायः यः नृदः। यः यहिंग्रायान्याः स्टाने प्रविव र र प्रकृष्य र सुदे । र विया वर यो र या प्रवा र विगान्धे द्वानी त्वा श्रमा क्रिमक्ष के नाले व र्वे। भिरन्वे धिरर्भेषाधिवर्वे। क्रियायरर्हेगायवे क्रे प्रमानेप्राया

यश्र ने 'गिहे 'ग' धेन 'में । ने 'निनने ने हिं 'गिहे 'ग' अ' धेन 'में । किया पर हैं ग' महिष्यानानिवर्ता यहान्यासदिष्वेषामायहाने निवर्ते। १५ वियास्याषा यन्ताः भेता नुः विना सः नः न्नाः भेतः वे न इस्याया नाशुस्र ने स्यायः गिरुः यार धिव हैं। । दे निवेब है द वे ख न धेव है। इस पर वे रायर दाय र्देव श्रीशाधिव श्री। सळव साहित द्वी लित नश्चुत नवे र्देव श्रीशादी साधिव र्दे। । यदः द्वाः मदे क्षेत्रः मः यदः श्वः चः हे दः यदः दे व त्रः सः चः हे व त्रः सः चः हे व त्रः सः चः हो न प्रति : हो सः स्वा । तुः विवा न स्वा ध्येव। तुः विवा हाः वे सः प्रान्वा ध्येवः वे न इस्याम नश्याने निष्ठा निष है। इस्रायर प्रायदे प्रमेग्याय दे प्रमेश क्ष्याय प्रमाय है। इस्राय प्रमाय विद् धर-रु-वर्गे नदे नद्या हेट् ग्रे न्द्र मुक्त दे साधिव दे । । धर-द्या धदे ने स मः या मा मा में वा मा यो वा में । ने निविव के नियों के निया मि में विकास मि में विकास मि । निर विगायगारेटानाधेवा रुविगायगाहे नर्गाधेवावे वा अर्था याडिया'ते' 'खुव्य' त्रया' देर' या पुरुष त्रया' देर' यह या से राया है 'या 'धे द रहें। । के र न्तः इस्राधरः हेवा प्रान्ता प्रतः न्वा प्रदे विश्वापादी न्त्रा विष्य यिष्ठे या भी व रहें। । दे रविव रहे द रवे रविहे या व रविहे या व रविह या यदे हिर्दे । रि. वेया हे वर्तर र्या लेवा रे. वेया साहे वर रार्या लेवा वा श्चराया कुः सळव वे पारे पा धेव वे । शिट प्टर इस पर हेंगा पप्टर। षर द्या यदे के राय है सा है दा प्येत हैं। । दे प्य है द है पहि या है या है या है या है । र्वे। । ५: विया अर्द्धर अप्याप्तया धिव। ५: विया पे प्रयाप्तर अर्द्धर अप्याप्तया धिवः बे व इर्मा क्रुम्मक्त के महि मा धित के विमास हम राहे मा स लेव.हे। अर्थ्यस्थास्य स्त्रेन्यान्यस्थितः स्त्रेन्यान्यस्थितः उव इसस्य त्य इस न्य निया ना पीव निय दि ही र दे। । ५ विया हु पीव। ५ विगाक्तुः अप्येव वि व अर्था नवि वे कु प्येव वे । । ने नविव के न वे कु अ लेव वि । कु न्दरकु सालेव पर हे न्ध्राय प्रवेव न्त्रा प्रवय प्रव्या प्रवय प्रवय । अधिवः यन्ता कुन्तावरुषायन्ता कुन्तावरुषायाः अधिवायन्ता वज्ञभानु। दृद्रान्यक्रभाभाद्रा वज्ञभानु। दृद्रान्यक्रभाभाभाभी वाभाद्रान्याः ग्रहारे नविन-तु-नक्षःनर-जुर्दे । तु-विना-इस्रानर-श्चेत्र-नःधेत्। तु-विना-इस्रानर-श्चेतः मः अप्येत्वित्व अभाम कुः अळ्वते निष्ठिता प्येत्ते । अर्ते क्यामरः श्चेव'रा'य'भेव'र्वे । क्रियंपर'हेना'रा'भर'गरे'मा'भेव'र्वे । १२'रावेव'रेट्वे' गहिःगासाधेवर्ते। । पारान्गासदेः नेशासापारः इसासरः श्चेवः सासाधेवः

र्वे। । ५: विगा इस्रायम श्लेव पार्ट प्रवस्था प्राप्त । ५: विगा इस्रायम श्लेव । मेर्पार्याधेवालेवा भ्रमाया अशा मुख्यक्वावे यहि याधिवा र्वे। अिट वे क्यायर श्चेव या ये दाया भेव वे । क्यायर हे वा या भटा विशेषाः धेव दें। १८े प्रविव केट वे पारे पायाधेव दें। । यह द्या प्रदे के शरा वे क्या यमः श्चेत्राया से दाया विष्या के विष्या देशे वा सामा स्वाप्त के वा सामा से वा स्वाप्त से वा सामा से वा सिक्ष के सि र्विनार्विनार्विनारासेर्पार्यार्थेदावे व इस्याम कुष्यक्तिः विष्नार्थेद र्वे। भिरन्वे न्रमेग्रम्भः सेन् मः धेवन्ते। । इसम्पर्मे ग्रम्मः न्रम्भः न्यानि नियामानि नियामाना नियामानि नियामानि नियामानि नियामानि नियामानियामानि नियामानियामानियामानियामानियामानियामानियाम र्वे। । नुभेग्रामान्दान्यस्यामा न्दान्भेग्रामासेन्यान्दाहिः स्नामानिक्रान्। मर्द्धरमान्यस्थित्। मर्द्धरमान्यस्थित्। मर्भित्। मर्भित्। मर्भित्। मर्भित्। मर्भित्। मर्भित्। मर्भित्। मर्भित्। ८८. प्रथाता स्थाता स्या स्थाता स्या स्थाता स मेर्पान्याः स्टान्याः र्विग् मुन्य सेर्प्य र्या धेव ले व अर्थ या वित्रे मुन्य धेव र्वे। १८े प्रविव केट वे सुव सेट प्राधिव के। प्रमुख सा सुक प्र मार प्रा यदे दशेवायायदे देव श्रीयायी । दुःविवायद्यायद्या यादेद्यायद्या

नःक्ष्रः वुरः नः नवाः भेव। नः विवायन्यः याः यानः साधिव। सः वेर्मायः यानः सः थेवा नःक्ष्रमः ग्रुमः नायमः अप्यान्याः भेवः वे वा श्रुकः ना नवे वे वि स्वयः पः गशुयारुराधेवार्वे। १२ प्रविवाहेरावे स्यापामशुयारुराधेवार्वे। १५ विगायरें रायर एवर या भेरा वा श्रुराया वा श्रुरासे प्राची वा श्रीया वा श्रीय वा श्रीया थ्व न्या ग्रम्ने किंव नविव कें। । नुविया थ्व न्या थेव न्या थेव वे व। अर्थ मा गडिना स्रो धर द्या मदे ने राम प्रहे ना हेत त्यरा प्रद्राम पार धेत मर्दे। । यदः न्याः मदे भी शः मः यही याः हे वः मदि याः हे वः स्थाः यद्याः म यार प्रेंबर मरे 'बे 'स्वर मर्दर से 'स्वर मर प्रेंबर कें । दि 'चि व व व केंद्र मा के या स धेव दें। दिविया द्यो प्रत्या धेव। दिवया श्री द्यो प्रत्या धेव। दिवया श्री र् अर्म्बर्यार्मियाधेवाले व अर्था मुख्यक्वर्रा इसामराहेगामाने स्या मःगशुमः उरः धेवः दे। भिरः वे खरः तुः सम्बन्धः मः धेवः दे। । ने निववः वेतः वे 'न्वो 'न' धेव 'हे। इस' धर 'न्या' ध'न्यो 'नवे 'न्ये ग्रम्थ 'में व 'के राधेव 'की। वर्देन् परे 'लें व 'हव 'वर्ष मा नु 'लें दश सु 'वहें व 'च व हु द 'च वे 'सर्ख हें न ही ' र्देव श्रीश वे अप्येव दें। । यह द्वा सदे लेश स वे दिनो न वि व प्येव

वै। । ५: वेगः वेशः पः पश्यः वुरः नः ५८। ५: वेगः वेशः वश्यः पश्यः वुरः नवे हे ५ धुष:न्या:धेर्वा नु:विया:नश्रश्रश:यश:चुर:न:न्रः। नर्झे स्रश:यःयश:चुर: न'न्न। नमसम'रा'षम'त्वुर'न'न्न। नर्सेसम'रा'षम'त्वुर'नदे सेुं न'र्धुय' न्याधिव वि व अभामा कु अळव न्दर ह्या मर हैं या मरे व इस माया शुस कर'णेव'या इस'रा'गशुस'कर'ग्री श्रुर्'पुय'णर'णेव'र्वे। सिर'वे 'र्वे स'रा' न्दः नश्यश्याः प्रश्नाः व्याः व्य धेव दें। १८ निवेव के ८ वे इस माना सुसा कर साधिव या निर्देश समाना स्था वुर नदे हुँ र खुय विं द खेद दे। । यर र ना रादे ने राय दे नहीं सरा रायरा वुरानाधेनाथ। इसामानाशुसाळमानीःश्चित्राधेनाधेनाने। । ५ विनाःश्चित्राः हैन निया हैं निया हैन से हिंदी से किया निया है किया है कि साम के निया है कि साम कि साम के निया है कि साम कि साम कि साम के निया है कि साम कि सळ्द्र संसे न्यान्ता क्रिंद्र पासे न्यान्ता सळ्द्र संसे न्याने हेर्ने न्याने न्या भेत वि त्र हुराया कु सक्त ते क्या या महासक्त स्था क्या या वाश्वराकरामी श्रूराध्याधराधेव। श्रीरावे स्वापावाश्वराकरायाधेवाथ। इस्रायानिक्रामी हैं न्युयाधेव दें। इस्रायम हैं नाया वे इस्रायानिक्रा स्मा धेव न्या इस्रामा विकासी हैं दास्या धेव दें। दि न विव के दिन दें इस्रामा या शुरा

कर'यर'याधीत'या क्रेंर'मंहेर्'ग्रे क्रेंर्'यादर'। यक्रव'यासेर'र्सेर क्रेंर्' धुलाधेवार्वे। । यदाद्यायदे ने राया वे क्राया या शुरु कर धेवाया हें दाया केट्रा हो हो है है ज्ञान के कि ज्ञान के कार के का क सळ्त्र सः से ८ 'च' हो 'ह्रवा' से ८ 'पर 'वा शुर श' घ' दे र 'ते 'दे 'द्वा' हें श' घ' ५८ '। नर्भस्थान्त्रा नर्झे स्थानायसा चुराना हेराधे दारान्य नरा हुर्दे। ।ग्राट-रु-ने-न्या-हेट-रे-प्रहेंब-ही-श्व-विव्य-प्राध्य-र्थ-प्र-ने-र ७७। वि दे द्या नश्चिम्य स्थान यशयन्यायाधिवायमानवः चरान्त्री । यादानुनि न्याः इसायमान्यमानवे ः र्स्तिते श्चार्विवरागश्चर्यायात्रेर्यात्रेर्यात्रेर्याः हेत्य्ययावत्यायाः हेत्याय नक्ष.नर.चेत्र । रि.बुग.र्ज्ञेग.रादु.क्ष्य. विश्वश्र.रटा क्रेग.रादु.क्ष्य.विश्वश्र. ग्री परिंदर द्वा प्रेवा दुः विवा भ्रूवा पर्दे से सम्प्रा भूवा पर्दे के साम निर्मा क्ष्मामदे से सराप्ता क्ष्मामदे ने सम्मा है प्रायाम्य प्राया क्षेत्र है प्रायाम्य प्राया है स म्। कुः अळ्व वे ख्रूपा मदे ख्रूपा विषया ग्राम प्येत। ख्रूपा मदे ख्रूपा विषया ग्री। वर्षित्रःग्राद्राधित्। व्यापादिः सेससाद्राः। युगायदेः विसाद्राग्राद्रः धित्। देः न्यानी हुँ न् खुया धर धेव वे । अिर वे ख़्या मदे खुया विस्र सा छी प्रिंस न्रा

ञ्चनामदे से समान्ता भूनामदे ने मानन ग्री हुँ न खुला धे त है। । इसामर हैंना पर है। भ्रमा पदे से समा निष्मा भ्रमा पदे से मानवा पी है। निषा मी। श्चित् पुष्प न्दर खूया पदे रह्य विस्र स्था शे विस्र श्चर पी न पे विदेश है न दे इस्रामाम्बुस्राक्तरसाधिताया भूगामदे सेस्राम्पा भूगामदे सेस्रास्ता ग्री ह्यें ५ खुवा धेव दें। । यह ५ वा मदे १ वे या मदे १ क्षेत्रा मदे १ ये या यह १ ये या विका यद्यः भेरास्याधिता देः यद्विराशे क्षेत्रः भिर्मा स्थाने स् वर्षिरःग्रदः धेवः वै । दिः विगः श्चें वः यः द्याः धेव। दः विगः शेः श्चें वः यः द्याः धेव। र्विगः र्रेनिः सः प्यम् अप्वेता से र्रेनिः सः प्यमः संपेतः सः म्याः प्रेतः वे ता ह्यूराः म् कुः अळ्व १८८१ क्यायर हेंगा भन्ने क्याय माशुयाळ र धिव हें। विर हे श्चित्रायाप्यम् अप्येत्राश्चित्राश्चित्रायाम् अप्येत्रात्वे । । ने नित्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्वे यद्राया भेत्रा श्रे ताया यद्राया भेत्रा है। यद्रुश्राया ग्रुश्चा स्टि ही स्ट्री । यद्रुश्चा ग्रुश्चा स्ट्री । यद्रुश्चा स्ट्रिश्च । यद्रुश्चा स्ट्री । यद्रुश्चा स्ट्रिश्च । यद्रुश्च । यद्र न्यायदे ने शया है क्षेत्राय न्य है । क्षेत्र या प्रेत्र हैं। । नु हे या अर्थेट नश् श्रूट नर गुःन द्वा भेवा दुविवा नर्झे अश्रास्य श्वर नर गुःन द्वा भेवा दुविवा श्रद्भारत्म मुन्यस्य विद्या भ्रम्य मुन्यस्य मुन्यस्य विद्यापा मुन्यस्य स्यापा मुन्यस्य मुन्यस्य स्यापा स्या उर् जित्र दें। अिर दे निर्देशिय अप्याश्चर निर ग्रुप्त जित्र दें। विस्थानि हेंगा न वे अर्बेट नम् श्रूट नम् नु न न्या निर्मे सम्मास्य स्ट नम् नु न लेवः र्वे। १८ निवन १८ दे अर नर इन अपी कर्वे। १ १८ द्वा पर १ ने अपी श्चर नर ग्रु न भेव र मिं व भेव र में । क्रु अळव भ न से मारा द द द र र हे नर यावयाः पः तुः वियाः श्री साम् रही द्वा श्री साम् यवि करः से । सिरायः पर्दे । इस्रायम् हें गायायान्स्रीयास्य दस्य नुविया हे ता श्रुस्य या यास्य स्रो र्द्धरायाद्या श्रेस्रसाद्या द्वेसाइतायाहे यसाम्बनायदे । दे प्रविताहेर यान्द्रीयात्रात्रत्रानुः विया छे त्रा श्रुत्राचा याठेया श्रे वित्रान्त्र साहे नरः यावया पर्दे । शिश्वा की अक्ष्य अप्ते प्रेन प्रविच के ने त्या की न मायान्द्रीयायामदे के या इवामाने निमाना क्षेत्राम हो निर्देश कि मान न्ना शेस्रशन्ना केंश्राभिश्वासक्ष्यां हेन्न्या या प्यन्ते । प्यनः न्यासदे नेया सायान्येयायान्यान्यान्याने व्यास्त्रे म्यास्य वार्ययानि न्यास्य क्यायराहेंगायायविवावें। क्रियळवायायययाययाययायायायाय क्र्याश्चेत्राश्चर्याश्चरानम् नर्द्द्रन् यम् चित्रया श्चेश्चरानमः नर्द्द्रन्यमः चुः चित्रमा भे र्श्वेट नर नहें द्रायर चु ले सा श्रुमा म्रमायर नोर्वेद परे र्श्वेट

नशःश्चेंद्रानम् नर्हेद्रासम् नुते । ननात्यःकृषाध्यद्रन्नाःसम् वर्हेस्रसः सते । श्चिर्यं वर्षे वर्षे । क्रिं वर्ष्यं वर्षे रायान्द्रीयात्रासन्दर्भ नयात्याकृत्याध्यस्तन्त्र्यास्यस्त्रहे स्रत्यास्यते । श्रेष्टान्यः ग्रदःश्चेदःवरःवर्हेद्रःवरः बुदे । दिरेश्वः वेः श्वेः देः द्वाः वश्वः दरेशः वेः दुः विवाः धीर्या होर्या व प्रहेगा हेव परि प्रश्रम् गान्व र्रा रिया है अर्था पर्मित डे ता शेशशा वर्दे दारा दूर श्वराय दरा वर्शशान्त दर सेंदी शाय दर व्यन्तरे कुष्यक्त प्रमा भेरप्रम्भ सम्मेषा सम्मेषा सम्भेषा सामेष् निवेत्र र्रे वा अप्यान्ता निर्माणात्र वाहित्र पदि स्थापान्त स्थापान स्थापान्त स्थापान सळ्त'त्रा सेर'त्रा इस'यरहेंग'रा'धेर'या हेर्'या त'रहेगाहेत'यते' नर्भसामान्द्रामान्द्रेसारात्यार्स्रेस्सारास्य वहुमार्गे । नर्भसामान्द्रान्द्रा या बुर्या अभेदः सदे । अश्व । श्वि अभः समः यह वा सः ख्रेया अः इस्र अः सः स्टर् नविव-५-४-२म्भायम्भेगायम् जुद्रै। । ५६ अ.सं.५-विमाधिन त्यः जुन्यः वः वहिषा हेत वर्षा वर्षा पर्वे वर्षा वाह्य न्दर्भे वर्षा क्षेत्र वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे व श्चराया वर्देर्नान्द्राध्वरमान्द्रा वर्षसामान्द्रान्द्रासेदीसा मान्द्राध्वर

यदे कुः अळ्व १८८१ अ८ १८८ क्यायर हैं वा या ने १८वा है ८ की ने १विव है ८ थेन्या होन्या वर्षे । डिप्यम् सेन्य हे भ्रुं सकेन् हो नम्नु प्यम्ने प्वविवन् के देग्राया पर देगा पर कुर्दे। १८५ मे या ये ५ १८५ मे या ये ५ १ से ५ वे देशस्य प्रत्रे वा हेव पार्वि वशस्य । वर् ने या ये द प्रेया ये द प्रेया ये द म। अळव् अ.से ५.स.स् अळव् ५८.। क.स.म.स् अळव् ५.५.म् ५ ने न्यान्ते के न्यान न्यान्ता न्येयाय यान न्यान्य वन्याने यान न्वा वी अ न्वर सें वे के र त्वें व के त्व क्षा क्षा व स्था प्र हें वा प्रवे से सें हिन न्ना भेरन्द्रकुः अळव त्यन्भेग्रायन्ता ने निविव केन्नि त्या यद्यः भेशः यद्यः यद्याः संश्रा । द्यादः संद्यः श्री द्यादः संद्यः श्री व्यादः संद्यः स इस्राया में स्वाया में निव्या में डे त्र अभाग गरामी के दर्भाया अँग्राया दे द्वर में दे द्वा है द्या है मायार्श्विमायाप्त्रमायदेश निरायायदेशमयदे स्थिति है न्तु सुराया

<u>ढ़ॖ</u>ज़ॱॻॖऀॱ୴ढ़ॱॺॻऻॱड़ढ़ॱय़ॱॺॱऄॕॻऻॺॱय़ॱॻऻॸॱॸॖॻॱऄढ़ॱय़ॱ॓ॸॆॱॸॖॻॱॻॖॸॱड़ॖॸॱढ़ॖज़ॱ ग्री भ्रीर प्यव त्यवा प्यव रवश इस पर हैं वा परे दें कें दें कें द प्यव पर वर्ष वर ह्ये। विह्ने वा में दे त्या अवद्या परि हिंदा कुन ही । यद वा वा देव पर वा स्वा वा स्व यार द्या भी व स्पर्ने । द्या वे । ज्ञार क्ष्या ग्री भ्यव स्पर्या भी व स्पर्या भारति । यार्श्रेवाश्वान्यसात्त्री प्यत्वान्यवाः इस्रशायादान्यादि वाः हेत्याः प्येतः याः देः न्यान्ते स्थायानविव न्यान्य न्यान्य विवादि । । यादा न्या यही या हे व त्याया यह या निवादि । न्यान्ते । प्यतः न्याः प्रते । त्ये अः यः त्या अः रहेता श्राः विषयः यो । प्यतः ययाः अन्ति । स्य र्वे हिन्द्रा इस्राध्यायविषा प्रदे प्रदेव प्राद्रा इस्राध्यायविष्यि है नविव किन्यान्से नामान्या वनामा बमाना बसमा उन् वन्या सिंद नुप्तान्या कें पर्दे प्यानदे नर वात्र शायदे नद्या में प्येत हैं। । यस श्री प्यत यया इसस सर्वेर पर दे निवेद रु निश्च नर होते | दे प्य प्यस्ति | द्वर से ह्या से दर र्देवःर्रे द्रा इयायराम्बमायाद्रा के वदी वायदे वराम्ब

८८। अ.बूच.रा.जश.र्भात्रम्यावया.मू । क्रू श.मी.यांचे.स्थश.स्. नर्मः नित्रम्भारान्दा देवान्यायायवे के भावहितायायभाइयायराम्बनाः हो। ञ्चना परे रहेला विस्न राग्ने रनम्म राजना मार्थ र द्वारा रहे से परि स्वर राजना है र ८८.स्.चिष्ठेश.स्थ.तर.चावचा.म्। क्रिंचा.तपु.श्रुष्ठा.तपु.श्रुष्ठा.तपु.श्रुष्ठा. र्ना ग्री दिन द्राप्त के अपदिन पायश्वी प्राया विश्वास्य प्राया विषा वीं। वियानमान्या भूगामर्थेट ने न्येगमान्यमान्य से नार्थे न न्या स्त्राश् द्वाप्ति देव श्रीया द्वाप्तर पाविषा में। । यक्त सार्र पाविषा रवा येव नी पळेट न न निहेश प्रश्ना स्था पर में प्राप्त निव न निहासी साम स्था पर प्राप्त नकुर्दे। दर्भार्थे ख्रार्थे दे द्वाप्य इस्रायस्वस्य नकुर् के दे र्वे के द यादःद्याः धेव। दक्षेया श्रः यादः द्याः धेव। यद्याः से वे यादः द्याः धेवः वे वः श्रुश्या वहिषाःहेवःयः नृतः। वहिषाःहेवः यश्यः वन्श्यादेः यदः नृष्यः वि नेशमदे दे वे कि ने विकास के निर्मा विकास के निर्माण के यक्त सन्दर्भ दे निवित हिन्त्य द्येग्य संभित हैं। । ग्राश्य सन्दे ना त्या स्थान हेट्यी सन्दर्भाषामदे सक्त सन्दर्भ देवे दे नविन हेट्यी सक्त सम् न्भेगश्रामाधिवार्वे। ।निविष्वे न्यामी अर्क्ष्वा अप्यान्भेगश्रामा ने निया

मी 'दे 'चित्र'हेद'ग्री 'अळव 'अ'व्यंद्रभेग्राम्य 'घं प्रेत्र'हें। । घः अ'वे 'द्रभेग्रम्य ' सेन्याधेवार्ते। विस्रकारुन्यानायम्याकारावे हातस्या मी प्येवान्वासर्वे यद्रा ग्रम्यायाये द्राप्ते यळ्व यायाद्र द्रिक्षेत्र यथा नश्चित्र स् इयापर्चित्राप्याञ्चेतः यादे।द्वाञ्चराचदे।द्वेत्रःह्र्यापराचेद्वेद्द्वे । विषाग्चेया यम् वम् या प्रमानिक विकाद विका धरः वरः या शुक्षः यः दृदः ए ५६ दि । या तुवाकः ते त्यः ती कः वार्वे वः धरः द्यादः विः न्नरःलरःवर्ष्ट्रनः यदःश्चिरःह्य विवाश्चित्रःस्वत्रःव्यान्वेत्रा विवाश्चित्रः ग्राज्यायार्थी अळ्व अप्ता दे प्रविव है द धे द खा हो द प्रया है या हो या सवत वयानेया वियामीयायववावयायव्दार्टा । श्रि.श्रिटीः श्री.प्रदे वे.टे.क्षाया धेव दी | र्रे र्रे क्षे रेर् राहे क्षेत्र विषा क्षेत्र विषा क्षेत्र विषा

यदे तर् ने शन्ता विवायाविवा है शमित है राविवायाविवा विवाय यदे पर्ने अर्दा वाडेवा वाचेवा प्रवाडेवा प्रज्ञेवा यदे ही स्वाज्ञवा अर्थ्या प्रवास द श्र.क्रिया.स.स.क्रिया.स.स.स.याड्या.सद. ५२.५४१.ग्रीश.श्र्री १५.क्रेस.श्र.श्रुद. क्कें 'र्ने 'क्सर्य' श्री 'वे व्य' श्री र्या पार्वे व 'या वा खादे 'वे 'वस्या र्या क्सर्य ' ५८' श्रव ' बॅर-न-जर्भन वे । वर्मर श्री क्षे अकेर न इ दे विषा श्री शान वें दारि क्षे सकेन्गी क्षेत्रभागी भानक्षानमा गुर्दे। । ने त्या हो । व्या वि । व्या व नदे अळव अप्यन्भेग्राम्यन्। ने न्यायी शने नविव के न्यी अळव अप्य न्भेग्रास्यान्द्र्याः भेत्रः प्रम्य व्यास्रावयः प्रम्यः वेशः सम्यः प्रम्यः मळे ५ मी मळव सामा ५ में ५ मा मी भे मले व के ५ मी सक्त स्यान्ध्रीम्यान्याधेव दे । मिल्व र् र्व मान्यान्य स्यान्ध्र स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स्यान्य स् भे त्र शुर्रि । द्रभे नामा पार्य दे दे दे ति विद हे द शे अळव साधिद या हो द पमा बन्यरायमान्त्रनायमः नहेन्यमानुदे । विषानुभागविष्याप्रमान्या ह्य न्यर हो न्या वर्ने विषेठा हो राष्ट्री स्थापर वर पर इसापर न्यापर न्यापर न्यापर वसन्यास्य है वसुवा की खें तहत सरें व पर सुन पर हो न ने ॥ ॥ नस से शुअः इःनवेःम। क्रें अने। नशुः न्दः रें के नः न्दः वे। । गा बुदः न्दः यहे गः

क्रियाशश्चित्रपाद्या विद्याम्बेषानेष्ठ दे छित्र खेर्या क्रियाद्या विद्याप्त्या न्वीरशन्दार्वी रेसश्रासी । कुःसळ्दाननेदारानुन्वावीशनसूत्रानेता अभाषा इसायरामावयायि यहे नहेत्रायायविषासी । भिरादे यादेयायी शाहे। स्वानस्य श्री निस्य स्वानिस्य स्वानि यिर्विष्यः यायिश्वाश्चीयार्थे। दिःचविष्ठःहिन्दिः इयायरायायविष्याये चिष्ठः रानिक्षाक्षा । प्यरान्नापदे क्षाप्राचे इसायरास्यानवनापान्या इसायरा नवग्रायदे नित्रायाप्रदेशेग्रायाप्रदेश्यायाची नित्राय्या नि सक्त ग्राम् भेत माने से मान भेता या से मान भेता से मान भेता से सामे भित्र सामे भारती से साम से सिंह से सिंह स धेव वसा वे वा रे विया से न या न धेव पा ने वे कु सक्व धेव वे । कु सक्व यावव रावे कु अळव रवे रें र्या में। । भ्रूया अ इसमा ग्रूट हे रवे व र र हे । रेग्राराररेग् पराग्रें। कुंगळ्य्याराध्येत्रारे वस्राउट्कुं सळ्यः क्रुं अळंत् 'पट 'पेत् 'य। क्रुं अळंत् क्रुं अळंत् 'ग्रट 'पेत् 'पं दे 'घ्यश्र उट् 'ग्रट क्रुं सळ्त'णेत'त्रस'ले'त्। रे'लेग्। कु'सळ्त'कु'सळ्त'ग्नर'णेत'रा'रे'ते'कु'सळ्त' लेव वि । क्रु अळव लेव त्य क्रु अळव क्रु अळव अ लेव राष्ट्र लें दि ।

श्रीर क्रुं अळंत त्य श्रें ग्राश्चा पति दें प्रामी । क्रुं अळंत क्रुं अळंत त्य द्वापार । हैंगायर हो द्रायाद धोव यादे व्रथमा उद्धी दादद हु अळव द्राद्ध स्थित वर्तेषानायाम्यान्यास्य हिनापमान्तेनाय्येष्व वस्य स्रीताया स्रीत्याया स्रीताया स्रीताया स्रीताया स्रीताया स्रीताया स्रीताया स्रीत् हैंग'यर हो र यानर धेव या रे वस्र उर कु सक्व कु सक्व रह ख़्व पदे वर्तेषानायाम्यान्यास्त्रास्त्राहिनास्यान्तेन्याधेता वयालेखा सुप्ति हु सक्त कु सक्त या इसायर हैं या यर हो दाया से दाकु सक्त दिर स्वायते ह्रेंग्रश्यदे कुं अश्वा अळव त्य ह्रायर हेंग्रायदे कुं अळव ५८० अट वी नवा थ देया नश्य नश्य नवार धेव पर्ते । श्रिट क्रु अळव य इस पर हैं वा पर ने न्या कुष्यक्त कुष्यक्त न्या थ्वा प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्या क्षा स्वरं क्षेत्र स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं ग्रेन्यायन्थिन्ने। न्रेंशर्यास्त्राहेन्यायदेश्वेन्यः इस्रायम्हेन्यदेश्कुः सळ्त्यार धेत्र पर्दे । दे त्यश्च नर्हेना पर ते यहि या धेत ते । विस्थाप दे प्रा यामिन्यायान्त्रे मान्ने मान्ने मान्ने मान्ने मान्ने मान्ने मान्यायान्य विष् मन्याने मन्त्रेत्र मिन्या अर्थेन न्या ने मन्त्रेत्र अर्थेन न्या ने मन्त्रेत्र अर्थेन न्या वशुरानामाराधेवाया देरदेरनिवविवाकेदावित्याधेदायाधेदायाधेवावी सु

निले है। ने निले के दे पे प्राया हो दाया दे निले के दाया है दा यर खेर दे। इस पर हैं वा प्रश्न क्ष्र भारते थिर या हो र प्रश्न रे प्रविव हेर थिन्या हेन्या है श्रेन्त्य हैं म्या है न्या है वे अर्घेट नर वशुरा ने निविद हे द वे अर्घेट नर से वशुर विट हैं ग्रासर श्चे त्र शुर्र नदे नर ५८१ हिंग्य पर स् शुर्र द प्यट दे दे देंग हु इस पर पावग यदे ने निव के ने प्यो ने पर्व । ने निव के ने सर्व । ने निव के ने सर्व निव के ने सर्व निव के न ने निविद्य हैन भेन त्या के होन या भरा भेन ने निविद्य हैन हैं विश्व के ना हैन स्व ग्रद्रास्त्र में निविद्या में न हैंनायदे देंना हु इस सरस्य नवनायदे ने नविद हैन कुद नु सेन स्वित होन मर्दे। १८ निवेद हैर्ग्यार से सर्वेर मर्ने निवेद हैर् भेर्ष्य होर्म सम्पर से वशुर्रातायारावेद्रादे। देवासामसामङ्गेद्रायासे प्राचीदाया होदायसा सक्त संभेत्या होत्र पर्दे । । सक्त संभेत्या होत्र संग्रात भी यक्व संदे न प्यान्य में श्रास्त्र स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान्त स्वान न्यायम् हे अरशुः अर्वे मान दे अर अर्द्धन् अर्दे ना थिन त्या होन् हे ।

सक्त साधिन या होन या सक्त सासर्वे न न से विद्या न स्थान से वि क्षु हो नियम् व खु पिहेश्य पृष्टी | अळव स स में मारा सळव स पि निया हो दायर भे वशुराया पर पे दिने वर्षे हो दिने राम सुरदा में है। नुर्दे। । अळव अप्पर पेर पाने र पाने र पाने र अर्थे र प्रमेर प्रमाणिक प्रमाणिक र्षेन्ने। यने क्षेत्रे। न्येन्य सुन्वी पाक्ष्य न्ये । । सर्वेन सायम पीन्या त्रेन्यासळव्यासर्वेन्यन्से विश्वस्य विन्यान्य विनयान्य विन्यान्य विन्यान्य विनयान्य विव्यान्य वित्यान्य विव्यान्य विष सु'मासुस'म'सु'नुर्दे । डि'न्रें स'र्से सु'र्से ने न्या यो स'र्के स' बसस'ठन नसूस' याधीव वस्या देव हे साधीव विष्वा इस याधीव वे । कि सारे प्राणी सारे के क्षेत्राम् स्थेत्रास्य निर्मा स्थान हिन्द्र स्थेत्र स्थितः धेव दें। १८े १८ वा वी अळव हि ८ हे १३ तु धेव राम ना साम हा वे वा अर्था म ह्यु साक्षानु ते सक्त हिन पोन हो। सेन महिन है सापिन हो। यन क्षि हो। न्येर्न्त्र श्रुव्यवे व्यम् हेन् ग्रीम दे प्येन्त्य हन्त्र श्रुर्ने के न्ता निरह न्मा न्यम् यः छम् नम्। वे सः यः नम्। यः ने वा नम्। वाको सः नमः न्द्रवावार्शेषाश्रापये में ने हिन्दु ने पिन्या साधिन याने निवन दुने के हिन ग्रमः सम्प्रमासक्तासार्वसाहित्र्त्वे व्यित्तामा मेरिने हित्रम्य १५

याद्यार्थार्थरःसूदःवदेःद्देशःस्रेरःदेःखेद्रायाःस्रितःदे। । क्रुःसळ्दः क्रुःसळ्दः बियानु नदे सेट देया कु सळद नी यारे केंद्र दसे वाया सु सेट दें। यळवःहे १२१ न ने न विव १५ अ ८ मी श्र अ ८ मी में में १३ ५ ५ ५ १ इस पर हिंगा पश्चास्यापरहेंगापरे दें वें हिन्दा ने निवेद हेन् ग्री शने निवेद हेन् ग्री दें र्ने हिन्द्रा यह द्वापि के अप्याप्य यह द्वापि के अप्या वे अप्यापि के अप्यापि के अप्यापि के विकास नेसायरान्यायरे नेसा यदे रें में हिनान्येयाया सुरसे ने हि । हे से से माले व। नेवे में केन इस पायस्य राज्य स्वर् के स्वर् प्रवे हिम में। विषक्ते में में हेन्यार वीशक्तुः अळव द्वास्य प्यावया परि व्याने प्राप्त अनुव परि हो अर हे नर वर्रेग्र पर राजे र प्रवे छे र हे नर वर्रेग्र पर जे कु अळव व राज्या यश राधिव वें बिवा नेशव है नम पर्ने ग्राम दे हैं व में पावा है हिम श्रेट इस पर पावना पानवेत र कु सक्त या देवे के विद्या पर प्रमुक्त न न्ना कुः अळ्द्र ग्रिया व्याप्य प्रमाने प्रमान्य प्रमान्य विष्ट्री मान्य प्रमान्य विष्ट्री मान्य प्रमाने विष्ट्री विष्ट्र क्रियाश्वासे भ्रिम्पान्या केन्स्य स्थान्य स्थान्य अव । निवे धुरके नर वर्षे वायाय कुष्यक्त वारवा व्ययायय स्था सुरहे । वाया हे है क्ष्र-क्रुः अळ्व त्यः श्रेटः क्ष्यः प्रस्य दे वा प्रसः हो दः पा दे विव दः दे श्रेटः वी दिन द

गीर्भाक्कुः अळवः ग्रीः रें 'ते 'दे 'दे द्वादार प्रमान प्रमान हे भाव 'दे प्रमान हे प्रमान हे प्रमान है प्रम वर्रेग्रायदे श्वें तर्रे यात कुं यळत कुं रें से हिंद्ये दार वक्र है। दे मेर्नायर वयावरावश्वरावाद्या हे वरावर्षेष्ठारायामा विष्टुराद्या श्चः र्क्वेगश्रायवे : ध्रीरावन्या छेन् स्यार से छिन् न्या। याववः श्री न्यार न्या व्याप्त यदःश्चित्रन्तः यदःवर्श्वरःह्। ।यावयःश्चिःदयदःदःवर्श्वरःयःवेःश्चःसळ्यःयःवेः नर वर्देग्र प्रायम देवे भ्री र हे नर वर्देग्र प्रायम स्था र दि नि नि नि हेर्गीःरें तें हेर्धेवरमर्भे रुर्षे श्रुष्ये श्रुष्ये सुर्वे सुर्वे सुर्वे सुर्वे सुर्वे सुर्वे म्यून रान्दरद्वर है। यदे सु है। द्वे र व हु या स्वित ही या ही या ही या नि बेर्'र्र्'। ब्रुर'र्से'के'र्र्'। हर्र्' र्रेब'र्र्'। हेर्'ग्रे'खुर्यायार्सेवायायरे' ख्याञ्चाळ्याया क्षेत्राञ्च याच्या क्षेत्राच्या व्याच्या व्याच्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच् गैर्यायन्ना हिन् ग्राम्य भित्र याने प्रतित्र त्र कुष्यक्त प्यम हे प्रमाय विषय अळ्त्र-१८-११ नर-१८१ वास्य-वाष्ठे वा १८५ साम्य-१८-१८ वास्य-१८ १६ १६ १६ क्केट्रायम् हो मुक्त के में भाव में देश क्कु अळव व्या केट्राम्या में पारे पार्या

नरः अर्दे विवा धिव नरः द्रश्चे वाश्वा सदी देवाश्वा देवे । श्वेर देवे । श्वेर देवे । श्वेर देवे । श्वेर देवे । षर से रुर है। । ने क्षेत्र श्रव हरे में हेर है । ब सूर यश हुर न धेर र्वे। । गाय हे हे नर पर्ने गाय पर हे में हि द इसस ग्री सर्वे पर गाय पर नर होत्राणीवरमर वर्देत्वा देख्ररणदाक्षेत्रदरक्षे। वहारवयायया या न बुद्द नर है नर वर्दे नाया प्रवे हुँ त दुः वर्ष है र दे। निष्य है हुं सळ्त् न बुद त्र शहे नर पर्देवाश सर हो द त्र है । सर्दे त सर वाश प्राय सहो द मः भेत्रायराभे रहराहे । हि क्षे क्षु अळ्ता या बुहा यरा हे प्रारा हि वा या पर हो ८ व वे वाले से ८ वर हे वर वर्षे वायाय से उर है। । स्थाय विव ५ नर्वा.धेर.री.अ.लुच.सद्य.श्चिंच.री. लट.पर्वीय.धे। छे.नर.पर्ट्वायाया समया वे सर में श्वरक्षेत्र अपने से से से प्रायय नर हो द से दि से से से समुत्रामाधीताम्यासी मुद्दा है। दे त्यासी समुत्रामानी तदी धीताहे। सूदाविदा सर्वित्यराम्याययानरानेत्रपदे कुंदे वस्य उत्ताने न्या सेत्याद्रा क्ष क्रिंग्रायापराधेतायाहे नरावर्ग्यायाचे ते हिस्तावहेत रावे कु ते हे हा या बेशनुनरम्हेंन परश्वरायानेये भ्रम् महेंन्नुसेन्य बेशनुनरसे

हेट्याधेवाधर। श्रुप्यदे भ्रेष्ठेयातु सुरार्क्षण्या श्रुप्त्याचारा हेट धेव मशा ने दे ही र प्यत नि से से समुव मा धेव के ले वा अस मा ने हें न न बेर्यान्याने निर्देर्त्य केर्याने लेखान्या निरुष्य के विष्य निर्मान का निर्मान के विष्य निर्मान के विष्य के वि पर्याने त्या हे या प्रोत् देश हिंदा है हिंदी या प्राप्त है नि है से हैं से निस् हो न्याधित हैं। विन्यानि हो मान्ये के स्थानि वर्देग्रम्भारान्त्राची भाने वे न्वन्त्रा हेन् ग्राम्भाराधे व खेम्। वर्देन् नुसेन् सवे कुं अळव कुं निर्देश सें श्रेन पर वकुर वा शे हो न व वे शे श्रेन पर वकुर धराहें वा या प्यारा देवा वा पर प्रश्नुरार्से । वा वा वे ते हो से सा वा वे वे हो हो रा न्हें न नु से न नि से न गिविरः इस्राधरः हैं गाराश्यास्रास्यान कुर्तायस्य दिस्याने स्रा यः विश्वाप्तवृद्दान्तर्वित्रः देवित्राहे : भूदान्त्रवादाधिवः हे। प्रवृद्दान्तवेः न्देशस्य म्यापायाश्वस्य दे । प्याप्त म्याप्य हिंगापा म्याया गुत हु श्रेनः परिः

मुन्द्रिन्द्रिन्न्याधीत्रहे। ने सून्द्रवेषान्द्रेष्ट्रवामुक्षानु वर्षाहेत्रास्या मः क्रुवः भे वक्षन् प्रमः वशुमः प्रवे ने वे सीमः न् भे के श्राम्य श्वनः प्राधेवः वे इस्राचर हैं गायदे हैं नर पर्ने ग्रामा श्रम्या गुव वर्ष हैं वर्षे र स्पाय हैं गा राष्पर रुद्र है। दे वे वस्याम पर्दे षो ने मा की मा ने स्वाप के समा यदः कर् अः धेवः है। देवे छेरः ७७। । वर्हे दः दः से दः सरः है वा पः देवः से दः रायाधेव वे । वायाने कुषळव की नरें याचे इसायर वाववा यदे ही र इसा यम् हैं नामि हैं नम् वर्षे न्या वर्षे न्या ने हिंदी के वर्षे ने कि वर्षे ने कि वर्षे ने वर्षे न्नेश्वाराधरासुरावादेवावीशः क्षुः अळ्वादराह्मायराहेवायशः वसूशः यदे से समा उत्राद्या से समा उत्राद्यायार पाया पीत्र पदे दि मारी प्रसम उद्दर्भागायम् वयानम् वर्षम् है। द्री स्था है। द्री मान स्वापन द्रम यदे व्ययः निवेद दें विद्या श्रुयः या नरें या दें ते द्वाराम हें गारा श्रुद सें राया लुष्रे.यदुःक्री.जग्रःचीर.य.२८। इष्रायरःहू्याः य.र्वेषःसूरःयदुःक्री.जशःचीरः नः भेत्रः मर्या इसः परः हिनाः पः श्रुतः से दः सः भेतः परिः कुः पर्याः वुदः नः इसः परः नह्रम्यार्थायादाधित्रायः देखे वर्षे मायस्य स्मार्थः स्थायसः हिमायः श्रुतः ब्रॅट्र-चद्रे:क्रुंख्याः चुट्र-चःक्र्याः चर्याः चह्यायाः चारः धेवः चः ने वे वाववः श्रेः

इस्राध्य हिंगा प्रश्राचेत्र पाणेत्र प्रश्राक्षे प्रविष्ण हो। ग्रावित पुर्वे ग्रावित ही इस्रा धरःहेवाः धः देवः क्षेत्रः धरः वश्चरः दे। । देः सः वश्वावाकाः वः धरः इसः धरः द्वाः धरेः नन्गाकृत्रक्तान्त्री अर्वेद्राना इसाधरान्या धरावत्तुरः नराविदानु छुत्।धरानुः है। वर्रे क्षु है। द्येरव इयावर्रेर पर्यं क्षर में अदि अपि वर्षे सक्रायर ग्विया पदे न्वे रायरा सूर्ये वारा शुर् रेश रायर हो दारा द्या या सर्वे द नःश्वःक्षेत्राश्वःन्ताः न्रेशेनाश्वःसमःवश्वमःनःनेःन्दःवद्वे । । न्रेस्शःसःश्वःसःनेः न्यायमः नुः वियाया हुनः नः न्याः धेव। नुः वियाय हेवः मः न्याः धेवः वे खा क्षमः मन्ते वहेंत्रमण्यम् धेत्। म्राह्ममण्यम् धेत्रकें। । न्रेस्यम् ध्रमें न्यायः सर्र-नर्भात्र क्यापान् विवापदेश प्रति श्री न्यापानी न्या धेतापर नर्भातर गुःवे'त्। शुर्याया क्यायाग्रायाश्रयाश्री महें न्यान्नायवर्षाःवेन्यक्वायान्ना यद्य प्रह्में न्या हैं न्या त्रा सक्त सामे न्या प्रह्में न्या है न्या सिंद प्रह्में न्या सिंद प्रहमें निंद प्रहमें न वें। |दे'य'दर'रें'दे 'म'सूर'हे सासु'सर्'मदे 'यहेंद'मदे 'हेंदि'एय' वै । विष्ठेशसन् व स्त्रूर्वायायाय देव स्व स्त्रुर्वाय वि । विश्वस्य वे स

য়ৢ৴ॱनना'য়'ড়য়'न'য়'ড়৾৾য়'য়दे'दिद्व'য়दे' য়ॗॕॖ<u></u>৴৻ৠয়'য়৾| |৴৴৾য়৾য়ঢ়য়য় गुवःहेनःग्रीःननेवःयःवहेवःयःधेवःवे। । श्रःयःवे देवःन्यःयवे ननेवःयःवहेवः राधित त्री । वावत थर नवा या हवा से दारा देते हे साय सार्चे न सदे वहें तरा धेव है। यह भे वह गाहेव यह माहेव यह माहेव एक यह सम्ब मर्दे । निवे र्श्वेन खुवार्वे स्थानमानावना मदे निवार खेता स्वे स्वेम निवे श्चित् पुष्यः नदेव प्यापि वार पहिंचा राया धेव प्यर ह्या पर पावना में। वहिया हेव पान्दावहिया हेव त्यश्य वद्या प्रवे वहिंव पाने या है शा ग्राह कु गिर्देशःग्रीशः इस्राधरः विश्वासरा ग्रुः हो। यद्देशः सप्ति सामि हो र न्ना शक्षुन्ना शक्षुन्य भीतायाया महेताय है सम्मानिया है ता है ता है ता है ता स सक्त सन्दर्भ माना प्रदेश सम्भे माना सामि सक्त सामे द्राप्त सम्भ वहेंव पर वे अ ग्राम्य मा कु के र पर र के व के र पर वे के र र र व नेते कुंदी गार क्रेंद्र दी गार ले दा ह्यू अपा शसूर ग्री अप्पेर अपा रास्त्र भा धीव है। गुव वर्ष हैं व से रूप रामर वशुर नर्दे। दिव द्या रादे पे या राय

ल्ट्रिंग्यः वर्षे अत्रवे वर्षे व थेव है। इस्रायम ग्रम वर्ष माने वर्ष । दिवे श्रीम दे विश्व वा प्यम कुर्द नडर्भामान्द्रा क्रिन्द्रानडर्भामाधेनाने। भेगात्मास्तासेनाग्रीः र्श्केनाधेद्रामा यःभ्रान्त्रान्द्रिस्यायायार्थेग्या यास्यासेनाग्रीः यळ्त्यायाद्येग्यायायाः सुन्तुः ८८। श्रुविसेट्स्यानेसे प्रियामानिया वास्यासम्बूद्यान् नुर्दे। ।गायाने अळव या से ८ प्रते ५ ने ८ माया सळव सम प्रदेश व वे अळव यासेन्यादिवायरसे वश्चरमे । । यायाने से विद्वाव ने मे स्वायाय नमायाक्षयासे नामे दी मासक्रमासे नामे प्रति निर्माणाय हेनामान प्राप्त ने'य'अर्क्षत्'अ'अर्क्ष'वहिंद्र'पश्'अर्क्षद्र'अ'सेन्'प्रदिंद्र'पर'प्रवि र्ने। । यळव : यम् से : यहेव : यथ : ने : हे : सूम : यहेव : वे : वा ने ये : यळव : य ७७। ।ननेग'यदे भ्रेर'दर। अर्देन'हगरा सु'वहेन'यर हैं।वर्देगरायः मेर्प्यश्री । हि स्रे सळ्व सर्भे वहेव व पर सर्वे दहन मार्थ स्व दिव न क्रिंपर्देग्रथम् अर्ज्य अर्ज्य अर्ज्य अर्ज्य अर्ज्य वित्र वि र्ने त'न्र स'प्रहें त' प्रवे 'द्वे र' प्रमं अक्त स' से न' प्रवे त' प्राये प्रवे र

ध्रिम्प्रम्। न्रेस्यार्भेष्यार्भेष्यायाळ्यायायस्य उत्तर्भेष्यूम्प्रविष्यळ्यात्रेन् धेवर्दे। विष्यक्ते अव्याध्यान्य वहेवर प्रमः इसायमः चववाव। वहेवर प्रमः वर्गेग्'रार्वि'त'णेत्र'पर'हेदे श्रीर'हो ह्मा हे त्र श्रूराया वर्गेग्'पर हे सर्देन'यर'वर्'तु'न'स'धेन'यदे'सेर'इय'वर्त्तेर'य'ने 'दे 'वर्गेन्।यदे सेर' सर्वः यरवर्त्री होर्ने । देवे सळव् हेर्हे सूर्रे से ररेवा यर हा वे वा श्रुष्ठाचा श्रें श्रें रूट देवा चरे पो भेषा ग्रीषा श्री । दे हे सूर श्रें श्रें र देवा यर हो द्राप्त दे त्र के ते हो र व्यव प्यत्व या स्थान से हो द्रा के ता क्षा स्थान से शॅररेगायरे वे नहें रायदे नावे वे नाव श्राया धेव यह ही रारे। नायरे नेशमान्द्रमें अळव्या सेन्या संवित्त वि ने सेन्यि ही स्थळव्या सेन्य यदे ने शरा में अश्रामा प्यम् अन्यम् त्या ने प्यामें अश्राम अन्य है यान्दानवसायान्दानवसायापदासळव्यासासेन्यवे कुःस्टासे। नेप्दा सम्बन्धित स्वीत्र स्वा विदेशक्षेत्रे द्येत्र विद्या हेव साया यहेव व्या प्रदेश हेत्रायशायन्त्रामाञ्चे नान्ता वर्षामान्तान्यस्यायायानहेत्रत्र्यावणः या बेट्रपट्टा बेब्रयार्थेट्रपदेखें ब्रयायरत्त्वाप्यायते हेव्यया बेब्र

ब्रेट्रन्मक्री नर्दर्भ । नर्द्ध स्वर्भन्य स्वर्भ में अरम्भ सम्प्रम्य स्वरंभ में म नर्यायाः श्रीवार्याया विष्याचा विष्याचे स्वाप्यायाः स्वाप्यायायः स्वाप्यायः यः वेशः प्रशः भूगः नर्षयः यः श्रेग्रायः वेशः वदेवः यः न्याः भूगः नर्षयः यः श्रेग्रायः र्रा हि के लूट अ श्रे ह्या यर भ्रे चे र व व के स्या यक्ष या अ या अ या अ यर शे त्युर नमा दे से द हे सूर इस यर द्या यर त्युर हे ता हूरा या निवास इसराया वही वा हेव या प्राप्त वही वा हेव त्यरा विराधित विरा यदे क्यायर प्राप्त अळव या से प्राप्त भी शायदे प्राप्त शायि । यदः ने श्रायासूया पस्यायासँ याश्रायदे भे श्रायदे सुगुर्मा पर्दे देशस्याया र्श्वेदःचरः ग्रेदःमादःधेदःमःदेःहेदःयः श्कुःवन्नशः ग्रुःगद्गश्रःमःग्रुशःदशः श्रूमः न बुमः न वि । यहितः पर्वे । यहासः नु । उत्वः धोतः वि सः नश्रूतः तः यहितः पः ने वे । वर्ष्यश्च यादः धेर्याच्याचे द्वा विष्या विषया विष्या विषया वि वर्चश्राची वेचा त्त्रेच विष्टाची कि नेश्राची के में श्राची के नेश्राची के में विष्टा विष्टे श्राची के स्व

न्दःन्यमाः हुः सेन्या स्वाके सः भ्रेमि माः हुः सुराया धेवः प्रितः स्वा क्रियः वर्षे स्वा वर्षे स्वा नेशःहे ःक्ष्रमःने व्यान्धेवायायमः होन् देनः इयायमः ह्याप्यमः व्याप्यमः विन् दे । श्रुभाय। र्वेभायाद्वरानम् विभागिता विभा या देशक्रान् इसम्प्राप्त के निरम् प्रदेश के मानु मान कर्म सिन् पुरा वर्षा नेषा गुरियाद्येवाषायर ग्रेट्री विषा ग्रेषायर विष्यास्य र्ह्मेग'यर'ते<u>, ८,५१। १</u>०४।त्र:इस'य'क्य'त्रेय'त्रीय'योर्वे र'यदे'सळ्द'हेट्हें क्षे.ये.लुय.तर. यर्ह्रेट.तर.ये.खे.या श्रियाया व्यवश्रायर.यीर.ता वर्यश्राया नुसामा सुम्दर्भायन्सामित सक्त हिन् त्रात्रासे स्थान यशयन्यामानित्व के अभी निर्मास्य स्थापर न्यापान धेता स्थे। हें वर्से न्याया प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त है। यह प्राप्त विष्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स् र्देव श्री शासी वार्षे । वार वी कि हें वार्षे र शासा प्राप्त सूचा प्रस्था है प्रमा वि नःडंसःयःसुन्द्रायसःवन्सःयःबेसः तुः नवे के। हेवे सुरने सेन्यवे नेदः मुक्तायाधिव लेव। श्रुकाया वरे सुरक्षे नियं रात्र कुवे नियं रायः न्दर्भामान्त्रमान्ययानाधिताधाराङ्ग्रिमाना न्दर्भाममानुस्याम्याम्ययानानेना बेर्'न'स'स'पेर्द्र'न्र्' ग्रेर्-भूरिन्ट्'न्यःन'र्द्रस'न्नर्'हेर्'पेर्द्रपट्टे र्टाच्यानमानवटानांदेरामेरामा धेवामार्टा व्यामानः श्वेवार्टा सिना इता श्रीनाश्वारा राज्या राज्या इसा सम्प्राना राष्ट्रित स्वीत स्वारा रेज्या स्वारा स्वीत स्वारा स्वारा स्व नशः इसः धरः ७७। । नगः मः हेन् सेन् मः सेन् मः मिन् मः विवः न। यने सः स्वा ने निवेद र निक्ष नर होरी किंग ही रहिर महम समार निवास निवा ने निवित हेन गर धेव राष्ट्री वरे सुष्टी निवेर व से व विगागहेन से ग मदे के नन्ता हे न कु ने दे कु अ हि र न है अ न अ ने कु ने ने प्यश्न म्यानर तुःनवे भ्रेरःनर्हेन प्रगुराकेन से पार्हेस पर प्रगुरःन प्रश् नर्हेन प्रगुराः ৾ৼয়৻য়৻৴৽ৡ৴৻য়ৢয়৻য়৴৻য়ৼয়ৢয়৻ৡ৴৻৸য়৴৻য়য়৻য়ঢ়৻ড়ৢয়৻য়৾ঢ়৻ড়৻৴৽ৡ৴৻য়৻ नक्षानरामुद्री । डेवायाराची के मासूर्णी नवाया क्या श्रें रानरामे रापे हिर ग्री के ना अर्क्न अस्त्र अस्य प्रमाय है वा प्रमा है न न्या के निष्ठ है न स्था प्रमाय के निष्ठ हैं वा है त्रामाव्यामी के या म्यापर प्रदेश प्राप्त हो न हो स्थाप हे हिंदा नर ळुंपानविव नुःसर्वे सहसाविदः नुसाम् हिमा हुः हो। यदे सुः हो। नरे मान दे

बॅदि'न् वेनकायार्सेंद्र'हें वेन्यात्र न्वेनकायुर वेन्यर प्रमुरान न्या र्नारेनाग्रे क्रिन्यमणनन्त्रभुः १५ वहेर्मायायार्थेन्यायार्यार्भनाग्रहः नश्यानम् अर्वे अष्ठभाषानिव न् विताला पर्वे पाति । प्रविताला निवाला प्रविताला प्रविताला । हुदे। विकारहें राम्याहे सूरान्धे ग्रमाने वार्षि हुना हुना हुना हुना हुना न्यायायेग्यायम्हिग्यायाधिन्यात्तेनः यथायळव्यान्नायक्यायाहेन्देः इसामरार्धेन । सळवासासे दासाहे दारा हे दारा हो दारा हो दारा हो दारा हो दारा है वर्गुर्रानिः पराम्वर्गाभूनर्गाष्ट्रा है। है के नार्ता वस्राउदार्वाना न्मा गर्षे नम्मा अस्व मस्य निम्ना गुन मर्दे । युन्यन्ते प्रायळव हेन्द्रे सुन्यु प्रेव वे व हेन् सेन्याम बस्य उर्-१८। गर्ने र-पाम्रस्य ४ उर्-ग्री सासी मही निवे ही या निव र गर्ने र पा ह्य से दाराधिव प्रयान यात्र या ह्या निष्य है। दे प्यद दे विष्व दे देव से विष् हु:इस्राधर:न्या:संश्चें नृ:खुव्य:य:न्ना वस्रश्च न्यारें त्र्याची:श्चें नृ:खुव्य:यः न्न वस्र उन्यन्तर क्रुन्य वरे क्रुन्य वरे । विवाय प्रेन्य वर्षा र्याम्यायम्पर्वेषायम् नेर्पित्र हिन्। र्याहे र्या ग्रीयावर्षे पाठे वा श्रूयाया

न्नर में इस या ग्रुस पें न प्रते से र ने गाय ग्रुस मी साम र दे गा है। वेवा'रा'विषेश'ग्रद्र'त्रु'त्र'सेद'रा'ष्पद'द्वा' धर'ह्वास'रवि' ग्रुद्र'कुव'ग्री'वेवा' स्रे। क्रेवःहेःस्रःनः८८। हेःस्रमःधेरसःसुःश्चेवःपर्यःसे। । वःसर्यःवे पावसः ८व.ज्रुच.चीश्र्य.ची.८५८८२५च्य.व्याच्य्य.च्याच्य.च्याच्य.ची. र्शःश्रेशःवर्षेतःसरः वश्रुरःर्रे। । यात्रशःद्वःषेतः इस्राधःयाशुस्रायारः वे त्र द्यःश्रीत्रायःश्रीः द्यायः वर्षे ःश्रीवायः द्वायः स्त्रुवः यः श्रीवायः श्रीवः यः ध्रीवः यः ध्रीवः यः ध्रीवः यः यार श्रम्यामयः म्वार्यम् प्रमे प्रमान्यम् विमा श्रीमान होन् प्रयान लर.शु.रेयोद.य.रेर.पड़े.यर.शु.प्यीर.य.रेर.। १्रेव.शुरश्रायदु.श्चीय.यदु. मुँग्रान्द्रासम्बद्धाः सम्बद्धाः सम् उर्-र्-रहें वः श्रें रश्रायः वेवः हुः झः श्रें प्याः गुवः हुः श्रे प्य वृतः वेदः। ययाः यः हयः षर-द्यान्यर-वर्ड्स् स्रम् न्यर-वे स्री विश्व स्तर्म ने मानु है स्त्री न नवे स्त्री वामा न्तः अत्रुत्रः स्रुतः से त्यः वित्रः प्राप्तः त्रुः त्रापातः व्याप्तः स्राप्तः स्राप्तः स्राप्तः स्राप्तः व्या याक्यापादाद्वापादाद्वाचार्यात्वे स्थान्ते साम्यान्यात्वाचार्यात्वे साम्यान्यात्वे साम्यान्यात्वे साम्यान्यात्व षे केशवह्यायरवयुर्दे । हि सूरक्षियं विश्वस्य स्थायरवावया हे द। ह्यूया

या कु.वाश्वराक्त्रीय.हे। श्वराय.ट्रा श्वरायय.ट्रा क्र्याहेट.क्रिय. श्री । ने यः श्रुवः पाने वित्यः नवि । नवि । वित्याने वार्यः प्राप्तः नि नेरःक्ष्वः र्वेशः श्रुवः प्रान्धुवः प्रमः सह्दः प्रान्तानः धेवः पर्वे। । ने वः श्रुवः व्यसः वेः यादः त्रयाः १९वः व्याः योः वेयाः याद्यः श्रुवः यथः यहनः या १९वः व्याः विश्वः त्रुः यदः इस्रायम् प्रहेषा प्रमासहित्या पाराधित पर्वे । दि प्यार्के साहित्वे पारा वया पारा रदःचित्रं श्रीयाश्चिदःहे छ्दानाद्दा श्रूमानश्रूयाश्चीयायहे म्यायादे सुन्ते यहिराशीरायावर शे देव श्राम से पर्देन या यावर नया यो देव न्या विस्तान यार से पर्दे दाय पर्दे पार्के अ हि दा दे अ हत के अ हा पर्दे पार पर सह दाय है। ने अर्दे व पर क्षेत्र अर जुर कुन परे के अ ठव भी व प्यर क्या पर ७७। । गावना पर्वे प्रदेव पादना त्यः भूना पर्वे 'इस प्रश्ने प्रकेट र द्वा. पर्यादेशकाने व्याप्तर वर्षानामर वेत्री । १३व वेश है १३ न विवर्त र्राया स्थान्त्र स्थया ग्राम् दे निष्ठे । दे दे स्थम् स्थया वर्षे मान मेर्ग्यर सर्वि पर हैंग्राय पर जुर कुन पर प्रायम्य जिर्पर र वसवार्यायायायीत्र है। विटाळ्वायो स्रायायायी दे त्यायाया हिंगायायी हिंगायाया मिं वर्षान्य नर नुदे । हि सूर १९व र्षे शक्ते अ वर्षान प्रश्नर न हु १९ सरा रा

वर्गेया'रा'धेव' सर'र्धेरश्र'र्ह्म्या'रा'व। नर्या'कर्'र्सर'वश्चर'र्से । कुर् र्रेशःसरःवशुरःर्रे। । श्रेःवशुरःनरःवशुरःर्रःश्रुशःरुःश्लेगःसःश्लेःनरःवशुरःनः है। यदे सु है। द्ये र व से या या विवा रेस सा ग्री सा वहना पर शुराया वा दे रेस्रश्वर वृत्तः इस्रश्वर स्राया वित्रा दिस्र वित्रा वित्र खुर्राचर्रारा विष्याचा स्तर्या रेसर्भाग्री व्यन्थर्भाष्ट्रमासु वर्गन्य से व्यून्यराम् ने क्षेत्रने र्या हु क्ष्रभास्य वश्चराना न्दार वर्षा न्या क्ष्रभाग्य स्त्रे निविष्ठ र निविष्ठ । नुर्दे। |द्दे सूर्य नुरक्त से समार्यय मेगाय केत्र में समार् रवा हु हसमा राधित ले त्रा ग्राय हे के सम्बर्भ ही वर्ग प्राप्त में में हित्र के दाय में स्वर्भ रदःनवित्रः ग्रीशःहेत् : अदि । देश देश श्राप्त । अदे । देश श्राप्त । अदे । देश श्राप्त । अदे । वित्र । अदे । वित्र । अदे । वित्र । वित् नन्नाकिन्वन्सेन्यरक्वें स्वर्धिन्यरक्वें विष्युक्षे निर्मारक्वें स्वर्धाः श्रीश्वानन्त्राचर श्रीतान्त्राचे के दान्य के दान रेस्रअःग्रीःवर्ष्ण्याःष्ट्रस्याश्चात्रम् स्वान्त्रम् विद्या स्वान्त्रस्य स्वान्तः वशुरानान्ता वदानराग्चराकुनाशेस्रशान्यवाने । यदाने विदानु नक्षानरा

जुर्दे। निर्देशसंस्थासंने नियायशन्तियायहेयाः वियाश्येषा नुःवियाः वहिया र्कें यात्रा साधीत वि वा अत्रामा कु सक्त वे याहे या धीत वे । याहे त वे यहे गार्के गराधित वे । । गरे गारे गरे यह गार्के गरासाधित वे । । ने प्रवितः केट्र वे मिक्र मा प्यटा अप्येव स्पर्म वर्हेट्र सर हिंद्र । विह्ने मा कें मुर्थ हे स्थ्र न नविवर्त्रश्चेन्यन्ता वहेगाहेव्याष्ट्रन्यविवर्त्त्वश्चरात्र्री निर्वि निवा श्रुराया वहिनाहेत् श्री ग्राम्यायाय दि हो वित्त न्दा देनाय प्रमायाया यदे 'दे 'मिं द' दे 'दर्र श' से 'ग्रुअ' ग्रुअ' ग्रुअ' न्यू श' शें । हिंद' से रश' यदे 'श्रुव' य इस्रायम्प्रामित्राचे प्रेम् के स्त्री हिंद् प्राया ही हो हिंद् द्रा के स्वाहित ही न ग्रीयानसूयार्थे । विष्यासुर्स्वयानानि न्दान्देयार्थास्य विषय न्द्रभःस् व्याध्राध्राक्षेयानानु न्यान्यस्य भेव। श्रुभाम। इसाममः हेवा राःकुषानिवरणेरायाचेरापार्राय्वराय्यार्थर्यः शुःक्षियानानिःसं वस्या उन्-नर्भुशःश्री । यदःन्नाःचःहे व्हुःनःनत्ने दः व्यान्यःश्रुःने शःचःनत्ने न्दः न्देशः र्रे भू र्रे न्या यश न्रे शर्रे रुन्या यी श्राध्य न्या साही भू ना निव स्थित्रा शु नेयायानुत्रात्रम्यानेत्वा श्रुयाया धरान्यायदे नेयाययावि से वस्य उन्गिहेशसुः सेन्या वेशमसुन्या वेषा सुरामा नर्देशसें स्थिति न्या ॱढ़ॆॸॱॺॱॿॱॺॢॸॱॺॺॱॻॗॸॱॸढ़ॆॱॸॆ॔ॱक़ॆॸॱॻॖॏॺॱॸॆ॔ॱक़ॆॸॱॱऄॸॱय़ॱक़ॆॸॱॸॸॱ। ॸॸॱ र्शे। नर्डे अप्युन प्रन्या ग्री अपहे प्यया नुर्गे न्या त्या के या यय या उन्हें ने हैर सेर पा ले अ मासुर अ भे मा सुरुपा पर्या पर्या पर्या पर्या पर्या सामित है रहा नेर्स्सिन्देश्वित्रसेत्रसंदेश्वरम्यायासुस्यायस्त्रीत्रस्यस्यः वास्त्रस्याते। यळ्व हेन्दे वे हेन्येन्य हेन्त्य हेन्त्य हेन्त्य हेन्त्य हेन्य हेन्त्य हेन्त्य हेन्त्य हेन्त्य हेन्त्य हेन्त्य न्यामार्से में हिन्सेन्महेन्स्। । यळव हिन्से में हिन्सेन्महेन्यान वे या वर्ने भे के अन्यम् अभागी मासूर प्यमा गुरानदे हें में कि नाहें में हेन्सेन्महेन्नारलेना वन्से हो। वन्तेन्स्सानिन्स्सानिन्द्रेन्द्रिन्द्रेन् नम्प्रमुद्दानाधित्रपदे भ्रिम्भ्रेत्रा ग्रीश्रभे नगधित भ्री मद्दार्थ भ्री । नन्ने क्रे निर्मे निर्म यार वि व ने वि व ने ने ने व ने ने ने व ने ने ने ने ने ने ने ने

वे दिव द्याय दि वे हिन् से दाय वे या शु हो। द्ये र व द्यो क्षेट क्षेट्र प्रया रुषायदे गोट रुषा सट से ७०। । या से या मर गुरु व सम् समाय दिया धरायानुयामान्। द्रयामदी गोराद्रयाने त्याह्या हु कुत्र वे तकराधराने व न्यामित में किन्सेन मिले पर्वा पर्वा प्रमानिक विकास मिले प्रमान में प्रमान मे र्ने हेन सेन महिन स्वार ने निष्य के निष्य के महिन्य के निष्य के निष् न्या वे अळव हेन में केन से न स्था में में हेन सेन साथ व साथ न हेर्सेर्स्थिताचे। रेप्पराकेर्मग्रायस्य ग्रुस्से। रिप्या क्रुस्य क्वार्यः श्री निरम्भ स्ट्रास्ट्रिया सन्दर्भ स्ट्रास्ट्रिया सहिर्मेश स्त्री सहिर्मेश स्त्री स्ट्रिया स्त्री सिर्मेश सि नविन हे न ने में के न से न स हे न न मान में स ग्राम में हे न से न स स से त है। नर्डे अः खूत्र वित्रा श्री अरे । व्यक्ष पूर्वी दक्ष त्र क्ष निर्देत प्रामा है ना है अप असे प्र नम् श्रुमाने मः क्रियामासु नयद्रायमाही भ्रूप्यासुरमाया सु नुर्दे। विदेश युव प्दन्य ग्री य है प्यय द्वीरय वया के या बस्य उदाय ही या प्रदा यायवावायायान्यान्या वार्चेन्यावयावीयान्या स्टानवीवाग्रीयार्थेन्यासुःसुः द्यायश्वर्याया वे या गुर्या भे त्र अया अळ्या हेरारे में हेरा से राम क्षेत्रार्वे त्रायमान्वे त्रमाने पास्त्रमाने । । पर्वे साध्य प्रत्मा ग्रीमाहे प्यमा न्वीरश्चर्या क्रिंशाम्यस्य उन्त्वसास्यत्यः सुन्तुः विसामासुरसः वे द्वा सुर्यः या अळव हे न में हे न से न स हे न ने मिं व त्य र न वे न र हे न सुन र र्शे। । नर्डे अः धृतः वन्यः ग्री अः वे ः ययः नर्गे न्यः तया के यः वययः उनः श्रुः ययः हः नु वे या गुरु या शुरु या श्रु न में में हिंदा से दार हिंदा में द न्यानार्ने ने हेन्येन महिन्यम निर्मा के नासुन्य से । । नर्डे साध्य पन्य ग्रीशहे त्यश्च नर्वे दश्वश्वश्व मञ्जूष्य व स्थित दे । इस्र स्य दे नि यर खेर दे। मे ह्या पर यर पर द्या पर हे म सु सर्चे र दें ले म या सुर म ने दा श्चराया अळव हे ८ दे चे हे ८ से ८ मा हे ८ स्था ५ में ८ सा हे पा सुर सा से । १ र डेवे हिराले वा वरे सूर ह्या या के रामर धर र्या पर हे शा शु अर्वे राहे बिशायादायाश्चरशायादे वे से ह्यायर विदायर प्यदाद्यायर हे शाशु सर्वेद र्रे विश्वाम्बुर्यायाधेत्रायवे भ्रिम्मे । नर्रे साध्यायम् अम् न्वेरिकान्या वाज्यवाकाने व्येन में । इसाममाने कामदे नमाया व्येन मे। मृगानमृषानराधराद्यापराहेशासुरस्टितितित्वेराम्युरस्येन्। सुरामा श्चे जर्रे में हिन् सेन पहिन प्राप्त के का का किन सेन प्राप्त के का स्वाप्त के का स्वाप्त के का स्वाप्त के का स

न्वीर्याने वाश्रुर्यासी । नर्डे याष्ट्रवायन्या ग्रीयाही व्ययान्वीर्यावया वा बुवायः वे : व्यूट्री । इस्य : सर् अ यदि : तर : प्यट : व्यूट्री क्रूट : यर : प्यट : न्यानम् हे अःशुः अर्वेदः दे विश्वाशुद्रशः वे न श्रुशः व के शः इश्रशः ग्रीः यक्षत्र हिन् में किन्न निर्माय वा केन्न निर्मा केन्न की हो। वा किन्न केन्न केन्न केन्न केन्न केन्न केन्न केन्न वाक्षत्र केन्न में किन्न निर्माय केन्न मंद्रेन्ना न्वान्यामं में द्वान्यामं में द्वान्या देवें न्या ने न्या ने न्या ने न्या ने न्या ने नियम र्शे । वियानिकेन्दि स्वानिनेन्वित्रम् अळव्किन्से प्रवानिका वर्षायन्वाःसेनः समःवासुम्रासमःचक्षःयमः तुर्दे। । वर्द्धसः कृतः वन्राः ग्रीर्यः है 'यश'न्वे निश'वश ग्रा वा व्या श'न्द है सामर लेश मदे 'नर या दुंया निव द'र्' क्ष्रनन्दर्देशयरहेंग्यन्दर्। हेन्दरहेंग् यदेन्दर्नेद्रयदेख नविन-नुःश्रूदःविदः। नेःयः सेन्यसः धदः श्रूदः रें विश्वाशुद्रश्यने न श्रुश्या यक्त हिन्दे ते हिन्से न से न स्थान के न स्थान के न स्थान के स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान नमरायर ब्रूटारें विवानव्यस्याने न श्रुवा श्रुवारा श्रुवार में केंद्र से दार केरान्या देवान्यायारी विकित्योताया केराययान्वीरया हे वासुरया र्शे । नर्डे सः सूर विद्या श्री राहे व्यय दर्गे द्या द्या हे सूर नय दान वा स्था से ना

ग्रदःदनानाः केदः। वः देनाः नी : वर् : ने अः ददः न् वः वरः वश्चरः वः ददः। विदःग्रीः वरः षर दर्गामा केर के अ भी पर प्रेम अपन्य म्याप्तर प्रमुस परि पात्र अपने प्रेम प्रमा हुर्दे विश्वाश्वर्ष्य भेव। श्वर्षाया दे रे दे दे दे दे राष्ट्रे द्वार यश ग्रह स न्वेरिकास्य वाक्षुरकार्के । निर्देशक्ष्व प्यन्य ग्रीकार्दे प्यकान्वेरिका वस्य यादानी श्री माम्राया उदार के अया ग्री पदा के या माम्राया माम्राया प्राया प्राय प्राया प्राय प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राय प्राया प्राय प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्र धराशुराधाने 'के' व्यानक्षेत्र 'केरानक्ष्यामान्त्र हो नामाने । नामाने प्राप्त । यदे भ्राम्यया ग्रीया ग्राम्यो भीया से विया ग्रीम्या भीता सुयाया में में हिन बेर्पानेर्पान्यमाग्रम्भार्यान्येरमान्यम्यम्भार्यस्या ग्रीशहे त्यश्चर्मेटश अभा विशः भ्रेगामेशक्षास्य लेशस्य ग्रुप्तरे वा बुवा अर्दर । धेद ग्री अरह्म अर्थर भी अर्थर ग्रुग्व दे वर ग्री कें अर्धिद वदे वर ५८। थेर् से ने नर्रा नहर के स्थान का से स्थान का निष्ठा निष्ठा है। न्या ननेव भन्ने न त्या यार्वे स न ने न त्या ही व ने या या वे ना म ने न मेर्द्रिलेशः ग्राराम्बुर्याया वसम्यायायहिमाहेत्रः यथायत्यायाचे। नदेव मण्येव सम् नगव द्वार हैं विका निक्ष मिले वि द्वारा में में हिन बेर्पानित्रवस्य अप्तर्भात्रीत्राने वासुत्रामान्ता दे दे दे दे ते दे दे ते व

हेर्नार प्रश्ना ग्राम्य प्रति र शास्य माश्रम्य स्व । वर्षे साध्य प्रत्य ग्री साहे । यसर्गेर्स्य वस्य वस्य गान्त्र प्रम्स्य स्थि वस्य गान्त्र में प्राय प्रमा यरम्ब्रुह्र अर्थे। पूर्टे अर्थे ख्रुर्थे प्रेन्त्र म्या व्यक्ष ख्रे दे ख्रेर प्रदर्शे मिं वर क्रु सळ्त्र ग्राम्याश्वारा व्यार्थे वाश्वारा में भिस्त्र शहेर ग्राम्याश्वार सहंद छे त्र अळव ग्नान्या अर्द द्री दिवे देया ह या र मी अर्दे वे हिन्द विश यवस्य त्रे त्रमा हु पर्देग्या सम्यास स्थाने पर्देग्या सम्या त्रे हि स्रोम श्रेरःग्रान्य्रश्यास्त्रम् । दिवे देवा पुःग्रारःग्रीशः क्रुः अळवः व्या श्रेरः रया ने'गिहे'ग'त्य'इस'यर'हेंग'यर'तेन्'यदे'इस'यर'हेंग'य'दतुर'नशा नेदे' ह्येर इस पर हैं वा यावादवारा यह दारी। दि स्ट्रिस के रावार्य सार्थ से दि दवा ग्रीयागुवावयार्द्ववार्याच्ये स्वायाः वित्रायाः स्वायाः चित्रावीः देसयाः ॲंटशःशुःनष्ट्रदःयःधेदःर्दे। |देदेःदेवाःहःह्रयःयरःग्रुटःनदेःश्चिषायःग्रेःभ्रनयः

धेवःभूनशःधेवःर्वे। गुवःवशःर्वेवःश्रेंदश्यःयदेः र्वेशःदेः नवाःवीशःदेः नविवः क्षेत्रः अर्बेदः नः नृदः। धदः नृषाः सन्ने अः सः अर्बेदः नुः इस्रः सरः नृषाः सरः दशुरः नमा नेवे श्री र ने निवेश श्री अ वे स्याधर श्री र नवे श्री वाय खेर या श्री हैं वाय मदे में देशका विद्या शुम्बह्म मा क्षेत्र है। दे सूर त दे ते दे द्या मी में स रेस्रश्राणिव के। १८ किं विदे कें के खे खे दि हैं शारी के सम प्राप्त व न्नर नः हैं नाया थे।।। ने नि नि ने ने ने नि नया मान की या मान की नि नि नि हेन्याश्वरायान्त्रें वापराग्चानियां भें यात्री हेवान्तान्यान्यान्त्रो ना ५८। हिन्दर्र्यान् शेर्यहेन्यान्या । श्रायासर्वेन्यरानेन्या न्मा अिम्मिर्मिन्दि निवेद्यास्त्र सम्बेद्या मिन्सिक्ति माश्रुयाम्मित्र गुव नहग्राय पदे दें केंद्र न्या ग्वव शे न्यर में दें केंद्र न्या थेंद्र धेव मर्दे। । गावव श्री नगर मी शार्टि में हिन गार वि ना हेव है द र वर्षे या मर वर्द्युम् नवे में भें मुनाम धेव मर्दे । धिम्य सु गुन मवे में भें मुनाम बे न वर्रे भ्रेष्ट्रे इस्राधर द्यापर ग्रुपर श्रेर दिर दिर स्थापर स्यापर स्थापर स्थाप

येव ग्री पकेट न वस्र राज्य प्रमान्य स्थापर वर पर ग्री न दे होर प्रमा पिव ह्रवः वस्रशः उदः सर्देवः परः वश्चवः परः ग्रुः नवे दे श्रीरः के शः इस्रशः ग्रीः दे । प्रविवः हेट्-वयम्बर्गराये : षे :वेबर्ग्य:श्रुं ह्युया वयम्बरायवे :षे :वेबर्ग्य:ह्येम्बर मजार धेव मर्दे। गिव नहगरा मदे में के र जार ख नहेव वर्ष मन ह नेशनी श्रुशमा कुःसळ्दान्दासेदायनेषामाया नहेदाद्रशम्नानुः निश्राश्ची । पावदाशी निनदामी में भें भें निपादाया नहें दावशासना हु निश्रानी वा श्रूराया गुव नहगरायदे दे दे हैं दिया सर्व नम् वेव प्राया नहेव वर्षास्य हुःवेशःश्री । विदश्रश्रुः मुनःपदे दे दे हिंद्गादाया महेत्र दश्य दन हुःवेशःवे व। श्रुष्णा म्वन्त्रः न्वरः में दे केंद्रः भ्रुतः या गुन्नः वह्रम्या स्वे दे केंद्रः दे दे याह्रवः धेर्मा शुः सः युवः सः यः वहेवः वर्मः स्वः हुः वे मः स्व । विः यः वर्षे सः ध्वः वन्याग्रीयायरें हो व्ययागुव नह्यायायरे में में हिन्यायरें व व्यापाया नहेव वश्येश भेश सम् वश्चर में बोश नाम नाशुम्य साने महे देवे हिया सम निना यः वर्षेतः यःवयःन्त्रेन्यःहेःवाशुन्यःयःधेत्रःश्चे। नेवेःयळत्रहेन्वयःतेः साधिव वै । विवादिम वि देवे सक्व के न धिव सम्मानम न वि । वि । यस गुव नहग्रायायि में ने हिन्या इसाया नुष्टिन हे वा असाया सर्मे मन्त्रावः

इस्राचान्त्रः है। देवानी देवानी देवानी देवानी कियानी कियान र्रे ने हे द द रे के द रे के द रे के द रे के लिए हैं ते है द र र रे के हि द र र रे के हि द र र रे के हि द र र गुव व राहें व से द्रारा प्या सा प्या व इस प्रमान्य प्राप्त से प्रमान केट.टे.लूट४.की.<u>के</u>च.तपूरी ।टे.का. ट्रेंच.बी.ट्र.चू.केट.टे.लूट४.की.केच.स.ची. इस्रामानविष्ह्रे। दें ने नित्री सक्त ने ना नुष्टि स्थास में नियान नि यक्षव हे न थे न या स्वाप्त मान्य वा स्वाप्त विश्व क्षेत्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप ५८। वहेंव मवे सळव हे ५५५ वें र र र र है न मवें। १ ने पर हैं में हे ५ छै यक्त हिन्द् धेन्य शुः हैं वा पाने प्यति श्रुः है। निर्मेश में प्यति ने वा बुवाया थी। र्रे ने कि ने हिं । निर्देश में विने ने क्यायर के शायवे नर की रे ने कि न र्ने। । ५२ रू. सं. पर्ने : के या यो : से : के ५ : ने । । ५२ रू. सं : पर्ने : के रू. यो : यर : ग्री दें भें दें दें दें दें वे या ग्राया ये वाया या स्वाया मार्थे । दें प्या श्री । दें प्या वनानी अळव है ५ ५ ५ छे स्था शु हैं ना य है। यह सु है। न बन थ यह है । थिन्-नुःर्वेदःनर्दे। । यदैःवैःथीन्-नुःक्षेःवेदःनर्दे। । यदैःवैःथीन्-नुःवेदःनःयदः । धेव धेन द्वे ते वित्र के त्रिक्ष के वित्र के वित

नश्रुव र अंतर्भवे । यदे वे वे वे वाया पर पर पर वे । यदे वे वे वे वाया पर सेन् पर्दे । यदे दे : बना पान्य न्य राज्य । यदे दे : बना पासेन् पर्दे । यदे : वे पर्मा नुमार्से । । पर्ने वे पर्मा सम्मान्य में वे मानुमार्य मान्य मान्य मान्य न्त्रे नदे रहेषा श्री अया बुग्या ने मिडेगा सुदे रहे ज्ञा वा व्यक्ति सुर् ने पाना पाना धेत्रप्रभ्रे। ग्राच्यायायाद्दे भ्राचायवित्रत्। स्टार्स्यभूगायाद्वययाद्दरभ्रे सकेन्द्रमस्य अत्राचन्त्राचित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विष्य विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय हेर्र्र्जिस्यासुर्हेन्यासन्ते वर्षे स्था म्बन्ययायने ते सेनानी महर नर्दे । विने ने क्वान्ता क्वेन्ता सुरान्ता क्षेत्र में मा बुरानर्दे वे या मु नर धेरश शुः हैं ना रामार धेव या दरा केंद्र या दरा वर्ष शादर। वर् हो ५ १८६ १५ मा १५८ । इस सम् ने राय पर्ने हो पर्ने ५ मा वा हो ५ १ मे १ थी ५ छी । ग्राबुद्दान्त्री । प्रदेश्वे ग्राबुग्याव क्षेत्राये प्रिदेशे ग्राबुद्दान्त्री । प्रदेश्वे या बुया रासे दाया र श्रुरिय दे प्येदायी या बुदा न दे । यदि ने व्यव स्था प्येदा स्था प्येदा स्था प्येदा स्था प्य थेर ग्रीमा बुर नर्दे विश्व ग्रुम्य स्थित श्रुम्म माना प्रेत पर्दे । दि य वहेंत्र मदे अळत् हे ८ ५ जिंद्र अर्थे हें ना मते वि वि के महि न वि न वि वि वि वि वि ग्राज्यश्रादिक्षास्त्री ।ग्राज्याश्रादि के क्षान्ता के न्ता के न्ता के ग्राज्या

न्ना क्रेंश्यहें न्यरें वेशनुन्न प्रेंट्श शुंहें नाय न्या पेतर प्रेंत्र केंद्र नन्ता वर्षेशन्ता वर्षेत्रन्ति वर्षेत्रन्ति क्रायर्षेश्रायदि है। ग्राञ्चग्रायदिव पर्वे । विदे वे : श्रुप्तः । दे प्रम्य देवा च प्रम्य क्रॅंशल्ड्रेंत्र'सर्वे बेशा गुर्नर खें रशा शुर्हेना या नार खेत्र सर्वे । ने खा श्रेर मी । र्रे के नित्र व्यास्था के वार्ष के स्थाय विषय के नित्र विष व्या उव वे । | ने व वे व्या के न प वे के राष्ट्र के राष्ट्र वि राष धेव पर्दे | दि पर है : इव रह रहे पर्दे प्रस्ते व इव राहे राहे हैं । नःवेशःग्रःनः पर्भेशःवेशःग्रःनः पर्ग्रेन्स्स्रश्वेशःग्रःनः । नवे कें अ शें शें न ने न्या व शें र कं न शें न या र श शें न स र वें र श श हैं या र । यार धिव पर्दे । नि त्य गुव व य हें व से र य परि में हिन र धिर य शु में या प वे परि भू भे। ग्राच्यायपरि वे पर्दे दः क्याय दि प्रवेश परि । वे स्ट दि नडरा मन्दः गृहे सुगान्दानडरामन्दा वर्देन क्यारान्दा वे सूर ८८। यहिःश्रयाः ५८ सः यायः सः ५८। ५८ सः यः श्रयाश्रः स्वी स्वतः स्वी स्वतः स्व इस्र न्द्र न्त्र निकानु निकानु

नन्ता वर्षेशन्ता वर्षेत्रन्ता क्ष्मान्ता क्ष्मान्ता वर्षान्ता वे पर्दे द क्या शर्दर व उर्था पर्दर । वे श्वर दर व उर्था पर्दर । यहि ख्या दर नडर्भामान्या वर्षेत्रः कवार्यान्या वे सूरान्या वाहे सुवान्यान्यान्यास्य न:५८। ५८.त.स.सूर्याश्रामश्चारात्रुः देयो.यदुः क्रूब्रा. इस्थाः ५८.यताः वर्षः वेशः शुः नर खेर्या शुः हैं वा पावार धेव पर्वे । नि त्या इसा पर जुर पर्वे दें भें नि रु: वित्राशु: हेवा पाने दे वा या निवा निवा निवा गुनः *क्षेत्रपुर्वेत्रास्* सुर्हेनाया ने प्यते प्रमुशे मा त्यायाप्यते प्रेया त्या स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थाप वहेंब पर्वे । अधा किं र न न न वर्षे अन्त । वर्षे न वर्षे न वर्षे ५८। इस्राध्याने स्वाध्याप्ते के मात्रुट नर्दे । यदी के प्रदेश पर्दे ले सात्रु नर र्धेरशःशुः हैवा नवादः धेव निर्देश वालव प्यतः खुर नुः स्व निर्व राष्ट्रे रहे राष्ट्रे राष्ट्रे रहे राष्ट्रे राष् इसरायासुटानुःसानसूत्रायदे के राह्मस्यरार्शे हेया गुन्नर धेट्रासु हेया यान्यान्येव पर्वे । यान्ये वित्रुन्त् इस्यान्ये हिनाया वि इस्यान्ये स्वापन्ये ग्रुः हो। क्षेरायानहेन प्रदे देन ग्री में केंद्राया प्रदेश हो है नापादर। देन या नहेव मदे से दानी दें में हिन्य पेंद्र अस्ति मान्द्र से से दान

बेट नी में में हिट या पेट शाह्य हैं ना या प्रदा में वाया प्रहेव प्रवे में वा ही में में हेट्रायाधित्याशुः हेवायाद्या देवाहे वायावहेव्यवे देवहे वाहे विहास याधित्राशुःहेन्। पर्दे । १दे त्याक्षेत्राया नहेन् प्रवे देन् ती दे ति हित्याधित्रा शुःहेंगाःमःवे वि वे क्षेत्रे। ग्राञ्चन्याः शुः न्दे सः में वि वे ग्राञ्चन्याः शुः निन्याः वे न ग्रीअप्पेर्यास्यासुन्यान्यप्पेरार्दे विकापेर्यास्यासुरहेनामानारपेदासान्या हेरि नन्। वर्षेशन्। वर्षेत्रन्। वर्षेत्रस्यश्चीन्र्रेशर्थेविनन्। इस्रमः ने अप्रदे न्दे अप्रे दिने हे इस्याधर ने अप्रदे निष्कि हैन की अप्रे र अस्तु वुन सधीत्र ते विश्व श्वः त्रः स्थार्ट्स स्थार्ट्स वा निष्यार्दे त्रा प्राचित्र विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व यदे सेट मी में में हिन या पेट का कु हिना या दे पदी हु। इसे का से पदी दे श्रेर दे ना बुनाय वेया चुने। नरें या से निविष्य मा बुनाय साधित दें वेया धेर्या शुःहेंगायानायेत्रायान्। न्रेंशायें विनेत्रे से द्वे से स्वान्ता वर्षेश न्ता वर् होत्वस्यमान्ता इसा सम्भेषामानेषाहित। निर्देशमान्दि हो इस्रायम् भेरायासाधेव कें विश्वान्तमाधेन्यासास्य विश्वान्यामा धेवः मर्दे। ।दे त्यः भेदः त्यः नहेतः मदे स्भेदः नी दि दि हिदः त्यः पेद्र भः शुः हिना संदी। वर्रे भू भू र्रे अर्थे अर्हे न्याया स्वीत्र अर न्या बुन्य अले या क्या प्रमाहे ना प्रमाहे र

यद्रे व्यास्य स्वास्त्र मा वार व्याद व्यादा प्रत्य प्रत्य स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व नन्ता वर्षेत्रन्ता वर्षेत्रन्ता वर्षेत्रस्य इस्राचरक्राचर हैंना यर हो ८ पदे खें रश्र शुः हैंना य निर्धे त पदें। । दे खार्दे त खान हे त पदे र र्देव की रे रे के दाया धेर रास्तु है ना या वे प्यति सुर है। बेद प्यया या ने निया यदे न् ब्रुन्थ ग्री न्देश में ला से ८ न्से न्या ग्री या साम्या न सम्मा प्रमा हैंना'यर'हे र'यदे'र्षेरश्राह्मेंना'य'नार'षेद'य'र्रा' श्रेर'श्रान्नेनाश्रायदे' क्रॅंन्जन्म। वर्ष्वेशन्म। वर्षेत्रक्ष्रश्चीन्र्रेश्चर्यान्यः गर्हेग्रथः प्रदे : इस्राध्यः भेरापदे : द्रियाचे : यो स्वाधः यो स्वाधः यो स्वाधः यो स्वाधः यो स्वाधः नमः इस्राधमः हिंवा धमः हो दः धवे । धेंद्र सांस्युः हेंवा धः वादः धो दः धवे । । देः खः देः यिष्ठे या त्यायहेत्र पदे दे यिष्ठे यदि दे विष्ठे प्रायक्षेत्र विष्ठे ग्राज्यायाः शेष्ट्रा भित्रा शेष्ट्र भार्ते । यहित स्वारा स लूरश्रा ह्रेयात्रायोदालुबाराट्या क्रूराया पटी वर्शनेशायदा वर् हो ८ वस्य अ ८८ । इस स्य २ १० अ सदि नित्वा हो ८ हो १ दि सार्थे । वर्षे दे से स्थान इसायर के साम वे सामुद्रे वे साधित सामु हैं गाम ग्राट धे न पर्दे । ग्राव नहवाशायदे दें कें दिन्दिव पाने अर्दे रान्धु व। इयायाविशासु देवा

यम् ग्रुः है। सर्विषमः वर्ने ने म्यायहेव यान्या से माने वह्यायहेवः यवे । निःवः सरेवः परः वर् हो नः परा वर्षेवः पावे महाराष्ट्ररः रेषाः परः हा हो। हे अ शु कवा अ परे । अर्दे व पर पर ५५ हो ८ पर ५५ । विंद विं परे । अर्दे व पर पर ५५ । वेत्यन्त। बन्यवे अर्देन्यम् वर्त्तु वेत्यन्ति। वर्ष्यवि अर्देन्यमः वर् होर्यार्या वहर क्षेत्रमास्य वर्षे वारावे सर्वे सरवर् होर्यं । दे यासेरामी नहसादितामंत्री इसामामित्रास्यानि सास्यानि सास्यानि सामानि सास्यानि सामानि सामानि सामानि सामानि सामानि यश्रामुर्रायाद्रा धीयो यश्रामुरायदी ।दे याधीयो से द्रायाश्रामुरायादी वर्ने भू भू वर्ने के प्षेत्र वर्ने के भू नु प्षेत्र वे मानु नर वर्ने न मान्य पेत मर्दे । निःवःषे मो वश्युरःम है वनि क्षे है। वनि है वनि निःवनि क्षे नुःषेतः है। ग्राञ्चग्राक्षाञ्चात्रया इयाधरानेयायदे पर्वे याप्यया पर्वया चित्राचेत्राचित्रया पर्यायाचित्राचेत्राचेत्राचा हेया. हेत्राचे प्रवा श्रे ह्या हे श हु नवस्य द्यो वे श हु नवस्य से द्यो वे श हु नवस्य सुर दु स नक्ष्र्वापालेकान्त्राचित्रमा देग्ध्रादेग्ध्रानुग्यार्केम्कासम्प्रदेशसाम्पराधेवा हुः ह्रे। क्षे:ह्या:पं:य:ह्या:पर: ७०। । सर्देव:पर:वेव:प:८८। ह्या:

नर्षान्यः वर्षे नर्षान्यः विवादान्यः । से विद्यान्यः विद्यान्यः । सर्वेव सर्वेव सर्दा नित्रा से द्राया नित्रा कि सर्वेव सर्वेव सर्दा यक्त अप्यागुत्र नह्ना अप्यये में कें तुन्तु अमें तुप्यम् वित्र पर्वे । । वसमें शुसाद्वाष्ट्राया दे या ही सामा इससादी निहें दारा हु निहें सामें या हु खूसा श्रेराहे भ्रानाप्ता नहें प्रामाहे भ्रामानविदानु में भेरानु समें वापार विदासमा रेगायर गुःक्षे। यदे क्षर यदेवे पदें अभे पे देवे में के दान धेव ले अदेश व। रे.मे.४२८१ वा ब्यायाधीय में वियायय पर नियय। यर ही र ही। सेर या बुया शाधी वार्ते विशाधवाय ने नशासर शे हो ना सामा है में हिन हैं राजा न्ना वर्षेयन्ना वर्षेत्रक्ष्यान्ना इयायम्भेयाप्येवर्षेत्रकेष यव पर्ने न रामर हो द हो। से द इस पर ने राम पी व हैं वि रामव पर्ने न रा नर्भे हो द्राप्तर प्रवितः पर्मि हेगा सुर्दे ते सर्भे हे स्र मन् न्रें अर्थे वर्षे अर्द्धन है न्द्रे मा बुग्य थे वर्षे । विरदे मा बुग्य स धेव वें त्वे शर्धे दश शुः क्षेत्रा वर्ते ने प्राप्त विश्व सक्ष्य के न वै क्टेंन्यन्ता वर्षेयन्ता वर्षेत्रन्ता वर्षेत्रः

म्या अरक्ष इसायर ने यायायाये दार्चे वियायेर या शुः स्वियायर मे नियाय यावव 'पर या बुया था ग्री 'नर्से अ'से 'ने दे 'सळव 'हे न या बुया था पी व 'सर 'पें न था शु क्ष्यानमानुन् मदे के। या हेनामान से न्यादाया से मान्यान स्थान व्यट्याशुः केषान्य हो दायदे हो। या हे दाया है । स्वादाय से दाया दाया है दा नन्ता वर्षेयन्ता वर्षेत्रक्ष्यन्ता क्ष्यम्भेयन्तिया नेते सळव के न वा बुवाय धेव सम धेन या शुर्के वा नम हो न संदे छ। या के। साहेर्याया से प्रायाया इसायमाने यापायी तामा वित्रासा से किया वमा हो न प्रति के। या हे न व वे सी न पाय न सो न पान न पान व प्यान के पाने सी न वे देव पायह्याया अटावे देव पायह्या है। दे पा अटाया पाट पटायी अळवः हैन् ग्री देव नायय न्य होन् या देव हो हो हा ना नी अळव हैन ग्री देव नायय नरः हो दःषः प्यदः अप्येत। वा बुदः नवे अस्त्वः हे दः हो देवः वा अवः नरः हो दःषः यद्रायाधीत्। यहेत्रायदे सळत्रित्यी देत्राम्ययानम् होत्रायाद्रायाद्राया या भेराम्राप्तिक्षां अळव हेर्ग्यी न्या श्री देवाम्या न्या हेर् रदानी सळव हेट्यी देव मी नरान्य नराने दारायदा अवः र्वे। विषयिने सेराविरास्य विषयं सेरा की में विषये हैं विषये हिवास सम्बद्ध सम्बद्ध स्थान

वहेंव परि अळव हेर्गी नर्गी देव ला पर वहुन पर वशुर व वे देश व ने 'यम'ग्वन प्रवे 'भेर 'हममा ग्री'रें व 'र्से 'र्से 'श्र' प्रत्य हम मार्थ 'हमा प्रम वशुर्यात्राक्षे निर्माणायाराक्षे सुरार्दे । । ने सूरार्के केंद्रे ने मान्याया वह्रमामवे सेटाने न्या वसासेटाम्टान्टा मास्य स्वाप्त क्षेत्र सेट्र सेट्र वा वह्या पा न्मा भेमानायहेत्राचि अळत् केन् ग्री नम् ग्री हेत्र या प्यम् वहुवा चमः वशुर्यात्री ने भूर वित्रवि देव वाय ह्या यर वशुर्यात्रा देव हे से द यदे देव त्यावह्या यम वशुमा मे लेया खेन यदे देव त्यावह्या यम हे से उरक्षे हे सूरके उरान ने सूर हे सूर रहे अर्थ नहन्य अपदे सूर्य अ नश्रुव वेव हैं। । पाय हे ने स्रूर वेंद्र संय पीव संवे नेंव या वहु पा सर वशुर वनिनेशवासक्वनिन सेन्सिनेवित्यायह्यास्यत्युराननेत्रुत्र वशुरहे। यारासळ्या हेरासेरासदे देवाया वहुया सरावशुराय देवे देवाचे ने भूर खें द्राया थे द्राया दे भूर ग्राया नर हो द्राया दे प्या के स्वाया नर हो द्राया है प्याया स्वाया है भूर ग्राया स्वाया है प्याया स्वाया है भूर ग्राया स्वाया है भूर ग्राया स्वाया है भूर ग्राया स्वाया स्वया स्वाया स् बेट्र यं धिवर्ते। । यद्भे पर्वे यथा भेट पर्वे व यर हेट्र यं देवे यह व यर वेव या धेव यश देवे छिर केट है भ्राच दर्ग वहें दाय है भ्राच विव द न्रेंशर्से यारें में हिन्नु अर्दे वामर वेवायर स्वाकु बुनाय थेवाय नि

ग्वित :प्यट ही अ:य : ब्रस्थ : उट्ट दे :सर्खंद :सःय :प्रहें ट्ट :प्रसः परेट दे र संदे : धैरक्षेटाहे भ्रः नार्टा न्हें रामहे भ्रानानिवात् रहें मार्गे पार्टि में हिर र्अर्देव'मर'वेव'म'भेव'मर'नक्ष'नर'ग्रु'हे। हेदे ग्रेर'सळवः स'म'महेर पर्यायवेदर्यापारेट्र्रेन्र्रियाप्यराज्ञानेया श्रुर्याया देवार्याप्राप्तराख्याचीर्या रैगायर गुःश्रे। रेग्रायायार लेखा श्रुयाया वर्हेर्य सेर्पय दर्देयार्थे यासर्वित्यम्प्रत्वावावासी प्रसेवासायप्रता वर्हेत्याप्रम्यक्रायाम् वि सर्देव.सर.रेवाय.य.शु.रेश्चाय. ७०। ।सप्ट.हीर.हे। ट्रे.ब्रे.क्रे.ड्रेवा.लुव. र्वे। । पावन : धर पाठे गा पी : श्ले : पात रा पाठे गा धे न : धे र : हे। वरे : श्ले र न्देशसंख्यनहेव्वय्यम्हेन्यः श्रेप्तायान्त्रेवायाया नहेन्यायानहेवः वर्षाग्रम्भिः से भ्रिः नाम्से प्राप्तिः से मान्या स्वीताः वर्षाः से प्राप्ति स्वीताः वर्षाः से प्राप्ति स्वीताः वर्षाः स्वीताः स्वीतः स्वीताः स्वीताः स्वीताः स्वीताः स्वीताः हेवाम न्वान्द्रभार्थाः विन्त्र भेटानु भेटानु व्यवस्य हेन्। यस नि ग्री नर्रेश्वर्रे सेन्यायात्रे पित्यासु हैया यम से तुयायय। ने सूम त नर्रेश र्भे त्यानहेत्रत्वराधीटान्टान्हें नाया हु। निर्मे त्या हिन्या हु। न्मेर्न्यन्यस्याम्बर्न्यः स्रित्रे वित्तम्याः वित्रम्यः मान्न्यः हि क्षःहि क्ष्रराधीरायानाई रामदे धीराया होरामारे क्षारे क्ष्रराके समाही हुर रु

यहिंग्राराये ने या जुते 'दिं या से 'दि का समुद्राराये 'या तुवाया प्रकृत 'द्रया सूद नरत्रशुरः नदेःद्वाराष्ट्रीयात्रशुरानरावशुरानय। देःक्षरादानहेंदायायः नहेत्रत्रशन्देशस्त्री भी नाला निष्ठा नाला निष्ठा नाला निष्ठा निष्ठा नाला निष्ठा गहेत्रसं अळत् असे न्यदे न्त्री न्या से समाहे न्या महिन्यदे अळत् स वस्र उर्दे से सूर नर त्यूर या हे नर से महिंद सदे से स्र दे से पर्दे द मनिवेत्र, मळ्या सम्मा क्रिया हित्यम वर्ष्यम् म्याम् स्याम् स्याम् ग्रदासळंत्रायायाईदाप्रयायवेदयापाकेद्राधेत्रायरादेवाप्यरामुदे । युदा यार ले त्रा नर्डे स धून प्रत्य ग्रीया चियाम से रया से से स्था थून म् । अर्क्ष्यः अन्ताः वार्षे द्रान्य वार्षे द्रश्या । वार्षे द्रान्य विष्य विषयः न। अळ्य.अद्य.र्थय.र्थय.वीय.तालुया। लट.र्या.अर्ब्रट.यद्य.क्य.पर्च्य. धी'ग्राव्यक्ष'ग्राट'अर्थेट'श्री'व्यगुर्म | ष्यट'ट्ग्रा'लेश'रा'क्स'ट्ग्रा'टे। | देश'व'प्यट' न्यान्यःस्याः हे या ह्या विद्वान्यः यहिषान्यः म्यान्यः या विष्यः वाहिष्यः सुः येत. दुराशी विश्वाही स्नेटायशिट्याता के येती हो पदी कि ही दिन प्राप्ता श्री र्रेदिः क्रें वे सुट रे क्रियं क्रियं वा वा वा के दार के सुट के खान

नन्ना हु हे नर पर्ने न्या राज्य हे न् नु हु प्यन्ना या ह्या या सूर्या यदे हिम् दे त्यानन्या हु सर्दे न प्यम् बे न प्यासे त्युमः न प्यम् साधि न प्र नवेत्र-तु-त्रि-प्या-स्वान-नवेत्र-तु-नवेत्र-तु-न्या-नवेत्। वर्ष्य-त्र-न्य-नवेत्। वर्ष्य-त्र-न्य-न्य-नवेत्। वर्ष्य-त्र-न्य-नवेत् र्विन्द्रित्त्रः वे । वित्रास्यः वे यान्त्रः निर्वे त्यायान्ता । श्चित्यायाः हेनान्तः हेशप्तह्याप्ता । इस्रायम् हेव वे प्रायाधिव। मि वे हे प्याश्वाप्ता कु अळ्व'र्रा भेर'र्र इस'यर'हेंग'य'य'र्सेग्राय'ळेंस'ख्'रें'र्गायसरें र्भेष्ठित्रत्रार्भे के अर्था में रेपे निष्या व्यया नुष्या में या स्थाना यार मी अ ग्राम्य अर्थे । मिं में हि न यहि अ स न न यो अ न सू अ भे न मा महिमामी अर्थो । मायाहे मान्व की न्नर मी में के नुष्य न्ना प्रदे नियानयानस्यानपान्येवाव। नेयावानवान्ते। निन्नाने में में हिन्दी गुवा नम्याश्रासदे दे ते हिन्या अर्दे व नम् लेव पाया नमेव व शाले शाम प्रमूप र्रे वे निर्भूषाया ने हे सुन्तु वे वा श्रुषाया ने र वे गुवाव र कें व से र र पर प्रशुर निर्वे ग्वित श्री प्रवट गी में भें प्रश्न स्था स्था भें ते श्री हिंस नर ग्रह्म नर विश्व र न त्या र ने स्था पर ग्रह्म नर विश्व र न ने । ने र

यासर्वित्यरास्यावेवायायानहेवावसानेसायरायसूरावा धेवायरारेमायरा हुर्दे। दिन्तिः हेर् नाशुस्रान्दा। देन्तिः हेर् सोर् पा हेर् नाशुस्राने सक्ता हेर् दे र्ने हिन्दोन्य हिन्दा हु निर्मे हिन्दोन्य हिन्दोन्य हिन्दा हेट्र सेट्र प्र हेट्र टे.पा सळ्य हेट्र टेंर्स हेट्र सेट्र प्र हेट्र से राष्ट्र प्र सेट्र प्र स्वाया यदे दि ते हैन दे ते हैन से न संभी मही । ने स्था ही न से ते हैन से न से हिन ५८। र्देव ५ साम दें भेर से ५ से ५ से ५ से १ । यावव छी ५ न म में भेर में क्षेर्रार्टे केंद्रियो द्राया धेर्या है। स्टार्थी क्षेत्रा केंद्रा की स्थारी स् यदे न्द्रीयाश्वरायं हेन्याधेव यदे हिन्द्री । नैवन्यय में नैवित्राये हिन्द्री केर्नार्वे क्राने : वेर्ना शुः शुन्न नामे : दें ने केर्ना केर्ना से नामे क्षेत्र के हो। हे : डेदे हिर्वे त्र कें अवस्थ उर् ही देव दसमाधित यह है। दे विदेश महिन्शीश्रास्यातिक्षेत्राचे स्वीत्राचे स्वीत र्वियाःलूरमाश्र. निशासमाग्रीः यार्याःलुयः वृत्या श्रिमाया वसमा र्वेन पर मुन्य प्रमाधिव ले वा क्षुराया गठिया में। विर्ने हिन या सुराय रे न्यायी अर्इटरवरे रें वर्षी अर्दे श्वेष्ठ अर्था उन्सी रें वर्षा स्वर्था वर्षी । देर

र्ने हिन्याशुक्र में ने न्यायी शने प्रविद्याने यात्र प्रश्न में निर्मा के याश्वर शन ळद्राभेद्रायः वह्रव्याद्रमञ्चव्याद्रवाद्रमञ्जूद्रमञ्जूष्यभाद्रविद्रभःहेः नन्द्राचानी देव ग्राम हे शाशु है वा शास्त्र ग्रामें । शि श्ले प्राप्त के शास नर्वेद्रायालेश है : भूद्राम्बुद्रश्रायादेवे : इस्रायम् माल्यायाहे : १ सु नु : धेद्राले : द्रा श्रुराय। रे.में.हेर्याश्रुराश्चिराहे। गुर्यन्त्रम्यारायये.हे.से.हेर्यायनहेर वर्षात्री गर्ने न्यावर्षाक्षे क्षे नाया गर्ने नाया क्षा प्रमानवा गर्ने । यावव श्री न्नरःगीःर्रे कें दिल्यानहेव व्यवश्वी रदःशे श्चीः नायान वें द्राम्यान्यः यावयाःवी । विष्ट्र शुः शुनः पदे में भें ने प्यानहेन न्या हेन स्वार्थ हिन स्वार्थ नि सूगानस्यामे दे सारी हो नायान के नाय स्थान व्यापायाधेत्रपरसेवापरस्त्रवे । । इस्यपरम् वर्षि क्षेष्वास्य वर्षे । रें नें हिन वाश्रुअल्य नहेव वश्राह्म सम्माववा है। गुव नहवाश पदे रें नें हेट्यानहेव्य राष्ट्रे म्यान्य प्रमान्य प्रमान्य द्वी हिंद्य हेट्य हेट्य प्रमान्य वीं। विवन शैं निन्द वी दें ने हैं निष्य नहें न स्थाने हस्य पर वर प्रे हीं हैं न मः सेन्यः इसः मन्यावयाः विविधि । विन्यः शुः युनः मने देः निः हेन् वः यहेनः वर्षावे क्रायम् वर्षाये क्रिं सक्त सामे न्या क्रायम् विवा वी । गुवः

नेशनान्त्री हुँ न्युयन्ते साधेत लेन हुरामा न्यानी हुँ न्युयायम्स धेव है। सक्व हैन सेन महिन्धेव मदे है र दें। मिलव है निर्मा में र्ने हिन्ने रामानामा हिन्युया धेता वे त्र हिराया ने महि महि महि हिन्युया वे 'धेव' क्रें न' श्री वसम्बर्ध में भेष प्रदेश में व सम्बर्ध प्रदेश हैं न खुवा वे अप्येव वे । वित्य शुन् वा नाये में वे कि नाया नाम की ही न खुय प्येव वे व इस्याया वयवायायदे पो नेयावि वदे हिंद् पुवा पे व दे । गुव नम्यासायवे दे ते हिन्देगसायवे क्या वर्ते राया सक्ता साया हुन्यर नहेंना यम् ग्रु नवस्य सळ्द्र संसे न प्राया श्रु न प्रमान है न प्रमान है न प्रमान वहिना हेत्र परि लेश पर्या हैनियापादी अळदा सासा ही नापर नहें नापर ह्ये। विह्ने वा में द्रायमाय द्रायमे प्रेमाय में वाया में न्हें न्यर हुरें। ।गुव नहग्राय पदे में कें नहें भ्राय नविव नुपावव ही न्नरमी में में हिन्द्र। धेरशसु मुन्म परे में हिन्गूर ने नविव नुन्न नर हुर्दे। गुन्ननह्रम्यायायदे दे र्वे हिन्यायर द्वारायर विवायायदे इया वर्त्तेर्रास्ट्रेन्त्रेट्रवाटः वी:ह्रेश्रायह्वारहेन् ह्यूश्राया व्यट्याशुःवातः

यदे दें तें हिन् शे हे शशु वहुवा वें । वें रशशु गुन यदे दें तें हिन् शे हे शशु ब्निश्रायते द्वायत्र्वेरायर्रे में हित् ग्राटा द्वाया प्रस्ते न् व्याय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय नम्यारायते दे ते हे दाया इसाया दुः विद्वा हुराया है रहसा दुः या विद्वा ही । न्नरामी दि से हिन्या दे से हिन्दा हो ज्ञा हु यदिया अप स इस पर यहें या मने उसानु गुव नह्याया सदे दें वें होन थेव सदे ही मा गुव नह्याया सदे र्रे में हिन् क्री स्वाह न्वी वादी न्यवा हु से न स्वाध्य क्री । वाद्य प्य यावव श्री नियम मी में भें हिन वा गाव नह्या अपने में भें हिन नु अमें व प्रम नवा कवा राजवा वा खा देवा विवाद की निवाद डे'त्। श्रूर्यामा परेदे'क्र्यामार्मार् प्रति । क्रुप्यक्रं प्रिति । प्रति । क्रुप्यक्रं प्रति । प्रति । प्रति । हुदे। । यावन प्यट यावन ही द्वर यो दे रे के द्वर है। यावर नम्बार्यास्त्रे में केंद्रायासमें वास्त्र वेवास्त्रागुवावर्यानसूरावाद्या दे यासर्विराधरावेवरासे दास्यागुवावसानक्षराचि । विरुषासु चुनायि दे र्ने हिन्या इस्राया नु व्येन् हे स्व इस्राया वित्या सु मुनाय दे दे ने हिन्दे

वस्रशंख्यात्र मार्थे वार्या धोवाया विष्या हो स्वास्त्र स इस्रायमः अश्वा विविधारास्त्रेन्त्री । गुरु नहवासायदे में विदेन्त्रा यहेव.तर.यहूर.तर.ये.खे.व। श्रूश्राता रहूश.त्रा.यश्रिश.त.ही क्री.शक्य. ५८ सेट ५८ इस धर हैं वा चा वर्षे । वा वर्षे ५५५८ वी दें कें ५५ वाट ख सर्वि, सर्वेव, स.पे. छेट्रटा नर्वाची क्रु. सळ्व. स. श्रुव, स. खर्वे । सिंह्स शुः ग्रुनः प्रदे में किन्यान त्यानहेव प्रमानहेन प्रमान हैन प्रमान विष्तु विष्तु विष्तु विष्तु विष्तु न्मा भे हेव पर नहें न पर जुटें। श्रिंभ दी। भेन न प्राप्त प्राप्त श्री न भेन न्ना स्रमः सेनः क्षे न्नः सर्वे वे वे न्ना । सिन्मः स्रः वे मन्नः गुवः हेवः श्रूरमा मिया यक्ता पर रेटा यहेव राजीया विषय हे गीय यहेव मारा है र र्ने हिन्से न्व हे शर्म हे र विश्व द्वार वि व्य श्वरामा मावव श्वर में निर्म में हेर्यायाश्रुर्येर्पार्या वाश्रुर्यायार्वे प्रायः विवायासेर्प्यायम् वर्गुरःर्रे। । पायः हे पावन ग्री प्रार्थः में र्रे र्रे र से प्रार्थ हे र वर्गुरः वे र व। श्रुषाय। वस्रवाउदाग्री वस्रवाउदाद्वा वस्रुवा से दर्गे वायरागुदादवा हेंदा

बॅरशमां बेर्मा विवस्त्वपुराते। दे बेर्म सम्बर्धा वर्षा वर्षा वर्षा वि वरप्रशुर्रो । वायाहे पेरिया शुः शुना परि दि वि हि द्यो द व हे या पा हे र त्रश्चरावे त्र अर्था वस्रयाउदाशी वस्रयाउदारी वस्रयाउदारी वस्रया वस्रयाउदारी वस वर्गुर-र्रे। ।गुर-नह्नार्यायि दे रे रे रे रे प्रथा रु र्ना हो र रे रा ह्या रा थ्रस्रे। ग्वन श्री नन्द मी में में हिन्से न सम् श्री न सम् श्री न सम् स्री न वह्रमायर ग्रुन्य न्दा मार बमाया या अदेव यर वेव या भ्रुन्य से ग्रेन्य होन्य न्या क्रिंश्यास्त्रित्यम् विवासः क्षेत्रायम् होत्यात्मा ते विविश्वायः सर्वेत्यमः बेव मदे नग कग राग्वराप्त राद्य सेव सेव स्थान सु दिव सम हो न सरे। । गावव हें बर्से दर्भायदे विद्या हिन्दु हो वर्षे दर्भ वर्षे प्राप्त वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व क्षेत्रप्रस्थासुम्बुन्यदे से के त्रि के त्रि होत्र स्वाप्ता वार बनाया सर्विन्यरावेव्यविःहेव् ग्रेन्यान्ता क्रियायासर्विन्यरावेवः प्रवे हेव् ग्रेन् मन्ता ने महि मान्य सर्दे न मर ले व सदे न मा कवा या व या र से व सी : हेत्र हो न पर्वे । विषय असु सुन पर्वे में के न व्यव र न सुवा सुवा स्थान। थः हो। ने निष्ठि निष्य अत्र इसामा थः में निष्ठी निष्ठे नि

न्देशसंखित यदे ध्रिन्दे । गुत्र नह्या शयदे दे ते हिन्ध नर नहें न पर चित्रमा स्वामानम् नार्हेन्यम् चुःवे स्वामान स्वामानम् नारम नुर्दे। । झ.न.हे क्षु.न.निवेष नु.स.हें त्रम् नगाय न न हे नम सर्वेष . चित्रमा स्वामायस्याई द्रायस्य चित्रा श्रमाया स्वामायस्य हिंद्रायस्य ह्रे। देवःग्रम् अर्हेनः नमः नगवः नः नमः हेः नमः अर्हेवः समः नगवः नः धेवः र्दे। जिस्सः शुःगुनःपदेःदेःने हेट्यानरःनहेट्याराम्यान्या न्हें न्यर ग्रु ले श्रु अपन अर्केन ए स्व नर नहें न्यर ग्रु वि । अर्केन ए द्यानाही भूगनानिव र नुःसर्केषा हुःसर्वेदान्य स्त्रातान्य । सर्केषा हुःहे नरः सर्वेद्यायरान्यायरान्यायराने निवेदार्वे । मिर्ने हेराम्बुस मेरि द्याप्यश्राह विगासुराभेर्भाभेत्राया सुरार्द्रायहरूपायर हुन्यर्पर्वाभेत्रवे व। श्रुमाना निवेनानी। दिविनासमान्तरान्तरमान्त्रमानाना नठर्भामान्ता सुर्वासे दानमान ह्या सम्मित्र होता सुर्वास याडेया'र्मे । रु'विया'ख्यार्टः चड्याराधेदाया वह्या'यर होरायाधेदा यन्ताः भेतः वे त्र अर्था गठेगार्गे । ५ विगासः भ्रेरायः भेतः भ भ्रेरायः

श्चेर्प्यर होर्प्य र्वा धेर्या श्चर्या विवामी । १ विवा श्चेर्या या वा क्षेत्रायन्तरमञ्जेत्रायक्षेत्रायक्षेत्रायम् होत्यान्यायेत्रावे वा क्ष्र्याया यदियाःवै । [5, वियाः क्षेत्रायायाः धेताया क्षेत्रायाः मुत्रायाः क्षेत्रायाः मुत्रायाः वियाः क्षेत्रायाः व भे हो द पर द्या भे द दे हा अरामा यह या मी । गुद यह यह पर पर दे दें के द या अर्देव पर लेव पर्दा दे या अर्देव पर लेव पर से द पर से अर्द्ध है द है। स्युर्यन्त्रः अभ्या विराम्यः विष्या द्वार्थः विराम्यः विरामः विरा नर गुःक्षे ने अन्याया अर्देन पर लेन प्रवस्त ने प्रासर्वेन पर लेन प्रासेन मन्द्रा दे नगायाक्षयानायासदिन मरले वास्या दे त्यासदिव मरले वास बेर्यो ।रे.व.व.वंरेर्जे. यर्वत्राचैर्यक्ष्याचिर्यक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्या र्धेरशःशःहैवायमः होन्यः धेव। ने अन्यः धेवः यमः मैवायमः हार्वे। १ने यः शेट रंश या यात्र मार्थ प्रति हो सेट रंश पीत हो। यह हो से शंही में हिंद हु याधीवार्ते स्रुयायादी हो त्यायार्देव यरावेव यायो हायरा धीव यरारे वा यरा हुदे। नगः कवाशः नगः यः १वः देः सम्बद्धः सदेः हुरः है । श्रेरः रुपाः कवाशः यावर्गान्य वेत्र ने श्रिन्म प्रमासी हो नाम ने श्रीन नु ते ने निया वा स्वाप सर्वित्यरावेवायाधीवार्वे। अन्यायावे ने त्यासर्वे न्यरावेवायासे नायधीवा

यम्भियाः यम् जुर्वे। । याववः क्रीः न्यम् यीः में स्वेनः यम् वेवः यः न्ना ने खासरें न प्रमाने न प्राप्ते प्रक्रित के न है प्राप्त प्रमाने प्रमाने प्रमाने प्रमाने प्रमाने प्रमाने प वा श्रुवाया गुवायहग्रवायायदे दें तें हो न्यायाया देवे प्रमाय विवादमाने वे र्रे में हिन्दुः वेद्र अर्डे म्यान्य होन्य होन्य है न्या में होने व्या अर्दे ह या स्वित प्रा थेवर्के। । अळवर अर्थ्य हेः नेवे न्दरन्वेव न्दर्ने वे ने के न्या थेवर पर र्धेरशःशुः हैं वा प्रमः हो दः प्राचे दे त्या अहें व प्रमः वे व प्राचे दः प्राचे व र्वे। । यळव् यदे पळे ८ पा अ श्रूर अ पा यळव् या या द्ये वा या पे या हे या हे या है या है या है या है या है या है ने या अर्दे न प्रमः वे न पा धे न ते । । यक्त अदे प्रके न पा श्रून शपा यक्त या मेर्पित निर्मास्य हिन्ने सामास्य स्थान स्थान स्थान स्थान निर्मे हि । स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान हुः है :क्षुः नः निवेतः नुः निशेषा श्रायः ते : ने : व्या सर्देतः यरः वितः या से नः या धीतः यरः रेगायर हुदे। । व्यट्या शुः ह्या नाये हे के दे त्या सरे तायर वेताय है। यासर्विनम्बन्धितास्य विवादास्य निष्ठित्रा स्वाद्य विवाद्य विवाद धेव है। रहीर शरे वे सर्वे सर्वे स्वरं पविषे पविषे प्रविश्व श्रु शुरु स्वरं स्वरं यदे भ्रिस्से । दे अर्थेट न द्रा देवा सद्दा अर्दे व दु अर्थ स्व अर्दे व

न् नुश्रापर अर्देव पदे प्रकृषः न्दा अर्देव पर बेव पा प्राप्त धेव पर ने वे गुवः बेव पार्वि व धेव पर नक्ष नर नुर्दे । गुव नहन् राय परे में कें न है क्षर ल्टिश्राश्चान्वेश्वान्त्रा श्वेश्वान्त्रा ।गुव्यान्त्रायाये दे दे विदेश श्रेटा ड्यानुः पेर्मा शुः ने मान्य नुः हो। गुवानह्रम्य मान्य मान्य। यळवाहेन सेनः मन्द्रा दे वे हे दे के दाय द्रा अ के अ मान्द्रा अ विषय विषय द्रा गुर वशहें व से र स पा उव स पी व प प प । इस पर जुर प स पी व प प र । यार्चेन्'स'त्र्रा'ते'न्न्। स्ट'नतेत्र्यीराधेन्रासु'सु'सु'स्र्रा न्ना वन्यायायायेवायन्ना यार्वेन्यायायायेवायान्ना नाष्ट्रमात्तुनाया अ'भेव'रा'त्रा थ्व'रा'अ'भेव'रा'त्रा के'थ्व'रा'अ'भेव'रा'त्रा अ' नर्डेरश्रामान्दा। अर्जे व्यानान्दा। नदे ना अप्येन प्रमान सूना नस्वान अ'भेव'रा'त्र'। सूना'नस्य'णर'अ'भेव। नरे'न'णर'अ'भेव'रा'अ'भेव'रा' न्ना वस्रशाउन्।नुःवस्राधावरःक्षेत्रःर्रःग्रेग्राधानः। नेःक्षःनुःवःर्श्रेग्रा यदे क्याय प्राची अप्पेर्य अपने अप्यम् नुदे । यावव नी प्राच में में में हेर्हिः सूर वेरा शुक्ति या सर हा वेतः श्रुयामा वहेर्मा या स्ट्रिया

च्रमःग्री:न्देसःमें वसमाउन्नम्भानायमःपेरमासुःनेमःगरःचः है। न्हें न्यर ग्रु नदे न्दें अ में ब्राया उन्याद ले ता वने क्षेत्र है। सुर में दे न्देशस्य न्द्रा विस्र श्री न्द्रेशस्य न्द्रा ही सके द्री न्द्रेशस्य न्द्रा हेत केट. वर्षावरावर्षिटावद्याद्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र न्रें अभे निर्मा निर्मा से दे निर्मे अभे निर ब्रॅट्यासदे द्र्र्यार्य द्रा हे नदे हें त्र्ये स्यासदे द्र्यार्य द्रा हो नदे । न्रें अभे प्राप्त प्रत्ये के प्रत यावर्षाणी निर्देश में निरा नेवार्षाणी निर्देश में निरा सेस्र एवं निर्देश न्देशस्य न्ता तुन वर्षे वे न्देशस्य न्ता थे न्याय है न्देशस्य न्ता ही न गी 'न्रें अ'र्से 'न्रा कुष्य केव 'निवेदे 'रे अ'री 'न्रें अ'र्से 'न्रा ग्वव 'वस्य' न्नर ने न्र में न्देश में अश्री निष्य कर असे असे निष्य में ८८। द्वाश्रव श्री नरशी ५६ मार्स ५८। वयायावर समय प्रमा सिक् ग्री-न्रेंश-र्रो-न्ता वर्-नेश-सेन्वर-नेश-सेन्सेन-स्री-सकेन्ग्री-नर-ग्री-न्देशस्तिन्। न्नायशहेशस्यावन्नित्तेन्देशस्तिन्। क्रेशस्रीशहेशः शुःवज्ञरःववे दिर्देशः से दिरा देशः सरः वज्जे दः ववे : कः दरः सञ्जन् । वि

नवे सन्ते न्दें अपे न्दा अर्चे दनवे त्या श्री न्दें अपे न्दा नर्जे अपवे । यसमी दूरिया मुन्द्र विवास प्रदे विवास प्रदे प्रदेश नर्डें अप्याक्षेत्राणी नर्से अप्तान्ता स्टाज्य कुनाणी नर्से अप्ताना षर-द्यान्यरः ह्रेवाश्रान्ति । जुर-कुन-ग्री-द्रिश-से-द्रा प्रदु-वेश-द्राः स्वर-ने वर्गेग्। परे परे असे प्राप्त वारे वा कु ही वा परे परे परे असे प्राप्त है वा परे परे परे वा वा वा वा वा वा वा व नश्रमान्त्र न्ता क्रांसे न्यान्ता मञ्जाश्रे न्या क्रिस्स यद्गे निर्देश से निर्मे वर्षे श्रामक्षेत्र यद्गे स्थास्य निर्मे श्रास्य निर्मे स्र निर्मे स्र निर्मे श्रास्य निर्मे स्र निर्मे श्रास्य निर्मे स्र निर स्र निर्मे स्र स्र निर्मे स्र निर्मे स्र निर्मे स्र स्र निर्मे स्र स्र स्र स्र स् नर्झे अ'मरे 'न्रें अ'में 'न्र'। इस'मर' इर'म'न्र'। वेष'की अ'मर्वेद'मरे 'हुं'। यकेन्द्रा बन्धर्मे क्षेत्रकेन्त्रक्षेयायदे न्द्रेयार्ये न्द्रा भे पहे गुरुष्य प्राप्त हो के कार्य के अपन्त प्राप्त मुद्रा राक्षेत्रम्यावियात्रात्रा श्रुवाशाहे केव्यार्थात्रा नवा कवाशायरा वर्डे अ'रा'न्र'। अळव'न्र'। न्ये'ग्रु'न्र'। क्य'रा'श्यक्षरा'ठन्'न्र'। अळेंग यवित'रा'न्रा। यह या कुया ग्री के या या दे या पा वसया उत् ग्री 'न्रे या पे स्रो। ने निवा ग्रम् क्षुं अन्ता के त्या प्रमा के वा खें मान्य मान का का कि

न्ता वा बुवाश वहुत न्ता हुवाय स्था तुर लेश पर हुदी । नृतु हैं शय स्थ च-१८। क्षेत्रक्षःच-१३-५८। श्चेषाःकुःक्षःचः ५८। क्षःविरःषीःश्वरः देशः न्यान्ता क्कें नाम नित्रात्रान्ता कें राम भारता मार्गेना साम नित्राम नित्राम नित्राम नित्राम नित्राम नित्राम नि याडेव सुन परे न्या में सु राज्या यावव खे राज्य सु राज्य हो से या स क्ष.चु.र्टा क्ष्रॅट.स.र्टा क्ष्रॅ्य.स.स्रेट्रा र्वेब.स.र्टा वाब्ट.य.स्रेट्र यन्ता गर्रेगन्ता गर्रेनन्ता क्षेत्रन्ता क्षेत्रस्य सेन्यन्ता नेः क्षेत्रस्य स्वर्थ मदे क्या ग्रम्य निया में या प्रमास्य भी या माना मुद्री । प्रमास्य मुन्य मिन र्ने हिन्दे सूर पेरिया शुः नेया सरा गुः ने वा श्रुया स्र न्य सूर निस्त स्र म्बर्यायने स्थाने ने निविद्यं के नित्ता थर निवासिय समय निवासि के अधि न्वेत्राने राज्य वात्राया र्या वात्राया वात्र प्राप्त विश्व बेर्यान्या मक्ष्रम् रुबेर्यान्या मार्वे अभिन्यान्या मार्वे केर्यान्या रु: केर्नार्या क्रिंगां केर्नां क्रिंगां क्रिंगा हरी दिन्ति है द्वाराया स्थान द्वाराया है द

ब्रॅट्श.स.क्ष्य.स. त्रुव.स। चावव.भीव.वश.ध्र्य.ब्र्ट्स. सर.घेट.स.ट्या. धेव ले व इस्या महिमामी । ५ लेमा निमा है ५ गुव वस हैं व से रस उद्दार्वित्र धिदाले द्वा अर्था याडेया ये। १५ लेया यद्या छेट इसायर द्या राधिताया इसायरा ग्रुटा निर्देशिया द्वारा द्वारा निर्वा श्रुराया याडिया'वी। ।गुवः वर्षाहेव'र्सेट्राया'ठव'हे 'क्षे'च'चबेव'र्र्'्र्य्या'चर्या'च षर दे निवेद र देवा पर हों। । गुद नहवार परे दे रें के द है पद न षेद बे व श्रुभाग वसास्रापय दराय दर्श मावव श्री द्रार में दें के दर्श पर नः धेन लेन अभाग मनेन सान्ता हिर में यान निरंदरी । धेर सा शुः गुनः परे दे दे हि दह प्राचा भे ति है सामा भे जन्म हो स्केत र्भे न्दर्भ । गुन्न नह्या श्रायदे में भें नहीं त्या नहेन नशार्थे दशा शु नहवाराधरानुः नःधेत्रावे न श्रुराधा वावत् नी द्वाराधी दे ने नि नि नि नि नि वर्षार्थे। । याववः श्री: न्वरः यो स्टिनें हि द्याः वहेवः वर्षायाववः श्री: न्वरः लेव.बे.वे श्रमा श्रम्पा श्रम्पा में र्टर में व.ज.चहेव.वमार्सा जिटमार्श ग्री गर्म राष्ट्र है. र्ने हिन्दे त्यानहेत्र वर्षा पेर्मा शु ग्रुनाया पेता वित्व श्रुमाया हिता श्रेमाया ८८ सूना नस्या त्रस्या त्रस्या उत् भी गात त्रस्य हेता से द्रस्या पासे द

५८। ह्यायकेरायनहेवावरार्थे। १८ विं वि दे देवावहेवायके ने रामन इस्राचर से हैं ना ना धेव दें ले साना ना सुरसा ना ने हे सूर इसा नर से हैं ना राधित्रायर रेगायर है। के धिराया की होराया या अवा धर र्गायर वर्षायायमा महिषा र्रो से द्वारायमा समा महामिष्ठ प्रमासमा न्रीग्रायायायार्देवायरायन्त्रिन्याययाक्ष्यायरात्रीक्षिण्याधीव। ग्रायाने धेन्यः भे होन्यः यश्यः धेवयन्ते ने श्वतः द्वयः निवयः धेन्यः होन्यः न्यः स्व मः विश्वान्तराभ्री निष्ठेरायेनायाद्या श्रीश्वायाद्या स्वातः श्रीशः मः इस्रायायाया प्रायम् । व्याया हे प्याप्तमः विद्यापाया लुव.व.वु.ट्रेश.व.विश्वश्चाश्चित्रत्व.श्चित्रश्चात्रत्व. ळॅशः इस्रशः ते : इस्राधरः हेना पाणी व : वे : वे शामारामा शुर्शापदे : मातुरः प्रार्टे : नेशम्बर्भस्यास्यसम्बुद्दानवे केंसासु से । वाषा हे मदानवेदः यश्योत्रात्त्वे नेश्वात्वेश्वात्रात्ते देशे नित्रात्त्वा यह निष्ठात्रात्रे नेश्वात्रात्रे नेश्वात्रात्रे नेश्व यदे सळ्व हे ८.२ हे स्ट्रूर से प्रयूर। याय हे ५ से याय संदेश स्टर स्टर हो न पाया धी वावावी वी ने यावा इसाय मासी हिंगा यदी ले या मना सर्देवा यम

वर् ने र्ना से र्ना के राया है। स्रमा सुमा या यह या या या से विद्या है। स्रमा हस यने न्या के नेया श्राया धेवावा है स्ट्रिम लेश मन ने इसायम के हिंगाया धेवा यर नक्ष पर जुले व अभाग दे के द्री मुभाग अर्दे के पर वर् जे द्रा सेन्यदे हुरिन्दे न्यायायाय निवास स्थानित स्थान समुत्रमदे के राने निवेद हेन धेत या ने पर मुस्रम्से हिंगा राधित र्वे। ।दे वे अर्देव धर ५५ हो ८ धर अे ८ ग्यट क्षेव हो खुनाय हो या नाट नी हो दे चब्रिन हेर्जी हिरारे प्रह्मिर्रा ह्या स्वर्धि स्वर्धि स्वर्धित स्वर्या स्वर्या स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्या न्भेग्रासदे अळव अने श्रासदेव शुसर् दिव सम् हो न ने ने के क्रासम भे देंगाय वेश हुदे। १८ विंदि दे दें ने ही खे दुदे दस्य पर नाहत ल प्राप्त नाम स ইবামার্সা ।।ব্রচান্ত্রনামীমমান্বাদার্সমমাগ্রীসের।ব্রমার্প্রীমারী।ব্রিনা বা वे कुः ध्रमः रेगाः परः ग्रः क्षे धः गरः वे त्र हिंगाः गे वसमः उरः प्रमः परः र्गः यर वर्षाय हेर् श्री श्री र प्राप्त वर्ष वा हेव व र ये प्रश्ने वाषा श्री से र यं हेर् श्री । धैरप्रा समुद्रे से सस्य वित्र मुद्रान ग्रुस्य मिन्द्र प्राय से प्राय हिन्द्र । मुर्दि। अवसायरामानवियाः यदः सायदः स्रोस्यान्दायि वियाः दिः स्रोस सञ्जनमंद्रिन्धिन मदि श्रिम्प्रम्। दे सद्यासम्मविष्य मदि सामदे से सस्

न्दःवर्रोषःपःहेन्धित्रःपवेःश्चित्रःर्दे। विवाःपःकेत्रःर्वःषःग्रुदःकुनःशेसशः न्ययः इस्र राग्नी के रार्श्वे न्या न दुः से यदे न्या ने से स्र राज्य खें न राज्य श्री न यम् हो न्यमः वशुमः नः धोवः हो। नदुः ग्रामः वे वा। वर्ने व्यः स्रे। बेगाया केवः से ८८.केथ.यदु.अर्टू.के.ता.श्रूचीश.यदु.क्षूश.चेट.क्ष्य.श्रु अश्राट्यदु.कें. क्रूँट. ग्रीश्वानश्रूश्वान्त्वाप्यी मो रायदी राम द्वा श्री यहिंदा या प्राप्त ने मिलेदा पुरायर्के प यन्ता मानवन्तमात्याश्चेवन्यन्ता श्रृंवन्यवन्त्रम् यस्त्रमाते १३वन्यः ५८। नन्माकेराक्केनाक्किनान्यान्या ने निवन्न नुमुन कुनायसासुरार्वे नायान्या सुर-र्से वा पान्स्स्रस्य कु के र प्रचुर्स्य ग्रीसा पित्रं चे प्राप्त प्राप्त वा वाव्य प्रवास्य मु:केर:यर:द्वा:यर:क्रेंब:य:दर। विवा:यु:द्वेब:यर:शॅर:क्रे:शेसशःय: न्दा वहवानन्दा हे नराहें नायर हो दायाद्दा नहीं साय है । इस साय सा इसासुप्रह्मायर हो द्राये । किंसा हुँ द्राय दुर्ये दे द्र्या वस्तर हो वी नर्शेन्द्रम्भः मुः केवः र्शे भुः नदे व्ययः धेवः वे व। श्रुभः म। वस्रभः उनः र्ने। 5. विगार्श्वेर प्रवेश्ययाधिव विष्व। श्रुयाया गरिगार्श्वेर गुर्पे। 15. विगाश्चित्रायदे स्यापराद्यापदे त्ययाधित वित्व श्चर्याया गठिगाश्चे नह

शुःबैट्ट्री व्रिशःरात्वशःवैटःयदुःशरःव्रवीःराःक्षेत्रःत्र्रेशःयदुःश्लेयशःशुः इरक्तिवे दस्याया स्पेरे रे वे किर्पाता सम्याप्ता वर्षाता ५८। व्याप्यक्षर्भन्य स्वाप्य न्युर्वे विकाहे स्नूर्यस्व पर्वे दे स्वाप्त न्युर्वे व यार धेव। जुर कुन केव सेंदे में केंद्र यार वि व। क्व में रादर। रर सरसः मुसः स्था हिन् पर्न नुत्रवायायायदे वात्रसः सुरायानः धेत्र पर्दे । निः थर:क्यायानविश्वास्त्रात्त्रः अश्वा । भ्रेष्ठः वहुगायवे गाव्याप्तरः अः वह्यायदे यात्र अन्ता ने अन्तर्भे या अन्य स्थित अन्तर्भा अन्तर्भ विश्व स्थ नु:न्रा क्रेंशःग्री:नृज्ञेरशःइसःधर:नृषा:धदेःसळ्वःहेन्ग्रीशःश्री ।नेःवः वह्यानदे न्यात्र स्त्र स्त्र स्त्र मुर्ग मुर्ग मुर्ग स्त्र स यदी विस्तर्भा की विद्या यदी पात्र राष्ट्रीय पित्र प्रिया है। दे दे विस्तर्भ स्वर्भ स्वर्भ से विद्या स्वर्भ स्वर्भ से विद्या स्वर्भ स्वर्भ से विद्या से वि यविश्वास्त्राचे त्याया नहेव यर त्या श्री यर श्री त्यीर विट तहिया यर श्री वशुरःर्रे। ।वायाहे वावश्यश्चराया से द्याप्यर शुराव के दिरार्थे क्षेत्रम्भायह्वायस्यकुरस्। प्रेयाभे यहवायये वात्रभावे ववाक्या ने ने भ्रायाधीव न् भ्रित के पावया शुराय ने प्याया यहेव पर क्रिया विषय

नना कन्य रूप र निर्मा स्थाप स् श्चे त्र्युर्रे । दे त्यः ने शः शुः येषाशः धरः धरिशः शुः यहवाशः धरे त्रव्यशः तुः वे ने अ गुदे ने विं व ने अ गुदे ने नविव के न वे वा अ यर हैं वा अ यदे प्रत्य अ नु ने नान्या शुरामा ने प्येत मित्र हो राने। ने ने भू या प्येत नु ने ने न्या प्येत नु ने ने न्या प्येत नि ने ने नरः गुःनः नदः। नवावाः सरः गुःनवी शः सरः वशुरः री। निः यः के शः ग्रीः नश्ची नशः क्रायर्द्रवारादे अळ्व हेट्दे अळ्व साम्रायर हेट्डे या मी शास्त्र पदे धैर'ग्रवश शुर'रा'रे'वे'ळें अ'ग्री'र्र्डीरअ'नेव'र्रु'इस'यर'रग्'यश'र्र्रा'र्छ' नःभेन्त्रे । निःनेःश्वः सःभेनः रु: बेन्द्रः से ह्याः पः न्रः नस्यसः रुद्रः नरः मक्त हेर ग्रेम पहिमा स्टान स्टान स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत राने वारास्याय स्थानिया स्या स्थानिया स्थानिय स्थानिया स्थानिया स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स ८८। गडिगाय हे८८८। बर्ट्सहे८८८। ब्राच्यक्ष्यायम्भार्से । देखा ग्रा व्यायाययायविष्ठ विष्या चुः चारे व्यायायया चीया की । चित्राया प्राया की स्वायाय

न्ना वर्षेशन्ना वर्षेत्रक्ष्यान्ना इस्राच्या वस्रा यर ने अपायशयान्त्र ने अप्राप्त दे प्रमायश्या में अप्राप्त विवाद प्रमा अदि रान्दा कुदे विस्रसान्दा सेदे विस्रसान्दा कुदानी विस्रसासमा कुदानी प्रथमः समान्वनः वे मा ग्रामा दे समान्यमा ग्रीमा भी । श्रीश्वाद्यात्रात्रा इत्याद्या श्वाद्या श्वेत्या ख्वाद्या खेराश्वे मक्टर्या त्रिर्ग्ने भ्रे मक्टर्यमान्वर विषय ग्रामाने भ्रम्य मक्ष्या ग्री माने वियायान्या न्रें अर्थे द्या न्रें अर्थे से दें से ना ले या गुरा ने सूरा यस सा गुरा भे वियायाधीतार्ते। १८ वाही स्ट्रियाधीयायमायमायमा क्री भाषीताली विवा वर्देर्न्सवे विस्रश्रास्त्र वर्देर्न्सवे विस्रश्राम्यश्राम्बद्गाः वेशः त्रानाः ने स्ट्रमः नश्रम्भः भ्रम्भः भ्रम्भः विवाद्यः विवादः व यश्याव्य वेश्वाद्याने सूर्य राम्या श्री श्री श्री त्राचा प्राची या से द्वारा से दिया स पिराया या विवाया से दारादे । पिराया प्याया विवादे विवादी पारी प्राया विवादी से प्राया विवादी से प्राया विवादी से प्राया विवादी के प्राया विवादी से प्राय के प्राया विवादी से प्राय के प्राया विवादी से प्राय के प्राया विवादी से प्राय से प्राया विवादी से प्राय से प्राया विवादी से प्राय से प्राया विवादी से प्राया विवादी से प्राया विवादी से प्राया वि ग्रीमार्श्वाचियात्राच्या श्राम्बर्धाम्या श्राम्बर्धाम्या श्राम्बर्धाम्यम्।

यय। भुः इस्रयः ययाव्याव्यः वेर्यः तुः नः ने ः भूरः नर्ययः तीर्यः से । तुनः नः न्रः। निरार्श्वे नार्या स्वरार्श्वे नार्या स्वराया विवासमा ह्या स्वराप्त स्वराप्त स्वराप्त स्वराप्त स्वराप्त स्वराप्त ८८। क्रेट.८८। ब्रियायायक्षया इययायया ब्रियायायक्षयाइयया यशम्बदाबेशन्तरने स्ट्रिन्य नश्चरात्र सामी श्रामी नामि । सामि । वर्रे भ्रामुकाम्बर्धा वे कामुनारे भ्रमानक्षा मुका के मान्या वे नर ग्रम्थायदी न्दायदी ख्रानुयायम्यास्य वियानु नरे ख्रमान्यस मीया भे विनामान्ता भेभभान्ता नक्षामदे नाम्भामान्ती न्ता वर्ते सु तुभा यावरार्से विया ग्रामाने प्रमानयसामी यात्री हिमामान्या सेस्रासेन प्रदे यावर्यान्यते प्रत्ये भू नुर्यामावर्या र्थे विष्यानु याते । अश्री भूमान्यया ग्रीशासी मियायाद्या सुन्दराक्ष्यायादी पात्रशायदी न्दरायदी सुन्तुशा यावर्थाक्षें विद्यान्ताने प्रमान्यक्षानीयः क्षेत्रान्तान्ता वस्यायायतेः यावर्गान्यते दिरायदे स्थान्य भागवर्गा र्या विर्वास्त स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स हिन याधेन में दिया है सूराविवाय है न्यूराविवाय है न्यूरा है न नमसम्मेषास्त्रीत्राचार्याचेत्राविष्ठा वर्षे स्त्राक्षेत्र वर्षाः स्त्री स्त्री

यदिया'य'यात्र अपये 'अप अ क्रुअ'क्क्ष अ 'दे 'यादिया'य'हे प् 'धेव 'व्या व प्रप्र हेराधेदावेशात्रानारे सूरानशयात्री शासी हिनायाधेदार्दे। । देखा है सूरात्रा नन्युन्यः प्रश्रान्यश्चा क्री श्राची नामित्राचा प्रमानित्राचा निष्या निष्या निष्या निष्या निष्या निष्या निष्या पिराया सामित्र सामित सामित सामित्र सामित्र सामित सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित र्रेषाम्बर्धित्राच्यात्रम्भानाम् स्थित्राच्यात्रम्भानाम् स्थानाम् शुरायाने हिनाया नहेता न्यायने स्थायने स्थायने स्थायने स्थायन सेसराउदानी नुनासहिन्दे वियानुना दे सूरानससानी सामी नामाधिता र्दे। १८.८८ क्रि.चिष्ठेश.ग्रीश.यश्वा.ग्रीश.श्री.विय.स.धे८.२.यक्षे.यर.ग्री.श्री न्हें न नुः से न निवासी के नश्रमः श्रीश्राभ्रीः श्रिनः सन्ता वहिषाः हेतः वश्रमः वन्त्राः संति श्रीश्रावहिषाः हेतः वरेदेर्ने सेर्प्स देदे हिर्प्तस्य क्रिस से हिन प्रवे । स्वर्षा बेना सर्र्रान्यस्त्रान्यरावद्वायासम्बन्धः वेशान्त्राः हे। केयान्यरावायाः स्वायाः रावरी सु है। अवे पर्टे अपाविस नहूर पाधिर हैं। । वनशाना ने दा सर्रेर्न्स्युः वृञ्चयः पः इसः पः निवे वे विषयः वे राजुः हो। से सरा उवः पेरिया सुः याञ्चेत्राम्स्ययार्धेत्यासुञ्चेत्रायराज्ञानवे छेर। जुराकुनासेस्याद्रावे

र्श्वेन्यः श्रुयः पः न्दः। सेस्र अरु रेज्ने प्यास्य स्थान्य स् ठु'नदे'सुर क्रेंद ग्राह्म अंग्रेस के द'रेंदे'दहेग हेद की विस्था के प्राह्म नुदे स्रीट हो न स्वा नक्कर है गा उर दुने निव त मिने गराय से स्री स्रुप्त पदि । वनशर्षेत्राशुप्देवपाप्ता वृत्रेक्षाण्येशप्तुवपापाक्षश्यापे श्रुवपापा नर्ड्र अः वृत्र वित्र स्वर्थ है । हैं न्या निर्देश हैं विष्य प्र है स्वर्थ है । हैं न्या वि र्वेनार्याया से न्याये सम्बन्धान स्थाय याना वे व ने प्यम् इसाया गढ़िया सुरा नम् न न ने वे से निया प्रमा यन्ता ने मान्त्र न्यह्मायर्थे । ने त्यने वे से न्यायह्माया है है से न्नु शेशशास्त्र म्सर्थाणें दशासुर्था श्रीताबिदः म्साधरासार्वे वाताने श्रीतातु अरशःकुशःइस्रशःश्चेःश्वयःयःवह्याःयदे । । देःयःदेःयाह्रवःदःवह्याःयःवेःहेः क्षेर्रायद्याक्रियाक्षयाम् ।देर्ग्ये क्षेर्राय्ये व्याप्त व्याप्त व्याप्त विष्याप्त वहिना हेत है और विर्धी नर रि. के समा उत्तर्म समा की ज्ञान न सुन पाय इंशाशुरवह्नवायवे धेर वह्नवायर सहर्पयं । देखां व्यायायर वे वा ने प्यट इस य महिरा सु नक्ष नर हु है। ने वे से नि प हैं ना य नि । ने महिर

क्रॅग्नापर्व । ने त्याने वे स्क्रॅन्या क्रॅंग्नापा के स्क्रेस राज्य क्रिस स्क्रिस क्रिस स्क्रिस स्क्रिस स्क्रिस ंडेट:इस्रायर:ब्रिय:नर:ब्रुर:पंदी:देवे:सेंद्राय:स्रह्मःक्रुराह्मस्रायःपेट्सः सुः ळग्रान्दान्ठरामदे हें तार्थे द्या मात्रस्य मात्रस्य प्राप्त स्था प्राप्त स्थान नठर्भायानात्रवाचनायाय्यारेनायमा होते। हे स्ट्रम्य नर्सेन्य होन्याहे नवित्रामिनेवार्यायायत्वरायर्गवार्यायवेतावेता है सूर्यार्ये द्वानिता वित्रा यासवासराक्षेत्रास्याधिवासी। नक्षेत्रासात्रमामीयावीयाधिवासी। मानवार्त्रा ने निवित्रमिनेवासाम ने निर्देर्ग मार्ग मी सामार्थी निरास मिर्ग पर्दे स्ट्रिस ने नविव निवास निवास निवास निवास स्थानित । सक्ति व निवास न धीव सव दी में ने नविव निवाय पाय न हैं न स सहिव सम न हैं न स्था र्रे अळर सूर्र् नुद्राचिर विश्वेष वे निष्ठेष में विरेत्र निष्ये के निष्ठेर प्राचेर मन्त्रना हेर विं व प्रवद विवा प्य प्रव प्रमः गुवः ह हैं र प्य प्रवेर व स्था न्मना हि से न पर स्क्री प्रमान के प् निवेद्रायात्रस्य अत्राह्म निवायात्रायात्र विद्यायात्र विद्यायात्र विद्यायात्र विद्यायात्र विद्यायात्र विद्याया है। है सुःहे सूराने नविवागिने गराया नहें ना हो ना रे सुरो सूरा निवा

हेर्यायम् याञ्चनायम् चेर्या ७७। । धिमाय। हे सुम् सम्पन्य हेर् यास्वरमाञ्चरास्य हो दासादे स्थादे स्थादे निवासा सामा सर्वे दास्या नर्शेन्द्रस्थरंभेव हि कु के लिन से बन्य की नम्बर्ध ने ने निवेद मिलेग्रामानित्राची प्रदेश दिस्या में प्रदेश न्राष्ट्रव पर्दे । नि नि विव मिलेया शास्त्रे पि व एव वि व स्थाय द्वापी शास्त्र श धररेगाधर गुःश्रे। अववर्त्वाद्रा देखासेद्रास्त्वाद्रा सेवार्थे न न्मा भे अद्यापान्मा सेस्र उत्ती में त्री अस्य उत्ता स्त्र र्शे । ने यः है सूर अवयः नवा वी राजे वा वने यः ने नविव वालेवारा ने विस्रभाग्रास्त्रस्य हुँ न्यायहै गाहे न्यान्त्र। यहै गाहे न्यस्य प्रस्थाय है या न्याःग्रमः। म्याःवीः श्चेत्रः ध्ययः यसः ध्यमः सम्यम् समः ध्यमः स्वा ध्रैर-दे-नविव-मिनेग्राय-पर्देद्र-पः वस्रय-उद्गायमः पद्माय-पद्मायः नेवे हिर नक्षेन्यर वेश्वाराविता धेव के । हि क्ष्रर हे सासेन्य धेव वे व थॅव निव की दे अदे निव में पर्ने निव थे वर्षे निव के विकास के वितास के विकास के विकास

स्त्रीत्रिश्चात्रम् । त्राच्चात्रात्ता क्वाश्चात्रम् । त्रवात्वात्रवात्ता श्रेत्रः श्रे अद्यास्त्री यह स्मार्ग निविद्याने विषया माने प्राया विद्या माने साम है। वे 'पॅव 'हव 'दर। अव 'य'पेव 'वें 'वे य' वे य'यर शुरु व हे 'या रुट 'सूया रुपेव ' ह्रव द्या यी अ या ब्रव त्य अ स्वे अ यी वि रहें व्य चर से अहंद स द्रा प्रें व ह्रव ने न्यायायक्षात्रश्रास्र स्वर्धित स्वरावेष स्वराधित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर वर्दे न्या व्यव म्वर प्रेत न्या क्रीत प्रेत स्वर मुख्य नु प्येत मारे स्वर से स्वर प्र न्य ऍन जिन ने निया में अरमन्या के निया बन निया निर्मा के निया के न नम् भी सहम् ना नम् नम् निम् क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र महिष्य क्षेत्र महिष्य क्षेत्र महिष्य क्षेत्र महिष्य क्षेत्र क्षेत्र महिष्य क्षेत्र क् मन्द्रा क्रिन्यन्द्रा न्वावन्त्रः श्रेन्यन्त्रा धेन्यन्ते नः श्रेन्यन् श्रेन्यन्त्रः षर-द्यान्यर-वर्षेयः यदे-द्येर-हेंद्र-सेंद्र्य-यादे-वयान्य-हत्य-द्र्य-स्व-य-५८। ऍव ५व ५ ५वा पावव की अ हैं वा अ पर प्रकुर व के रहर हैं सूक्ष ५ सेसस्वित्तुः गुन्तुः वहिन्यदे सेसस्य से सद्य पदे हिन्दि स्ट्रिस्से गर्षे नश ने नः ने निविद्याने गर्या भेरा भेरे । भेर निव्या अपने अ

स्रेग्र रहतः इस्र राग्ने सार्थः नर्से दाये से मान्या नर्दा स्र स्था मी सार्थः नर्भुन्यदे से रान्या के वास्त्र साम्यानी वासी वासी वासी से से रान्या है। र्वस्थराश्चित्राक्षेत्राचे स्थित्। क्षेत्राचे स्थर्या श्चित्राक्षेत्राचे स्थर्या श्चित्राचे स्थर्या स्थित्राचे स्थिते स्थिते स्थित्राचे स्थिते स्याचे स्थिते स्याचे स्थिते स्थिते स्थिते स्थिते स्थिते स्थिते स्थिते स्थिते स्थि मदे हिर्दा के वर्षायमणें रमा सु क्रमानर से वर्षुर नदे हिर्दे नविन मिनेना शर्म दे 'प्येन 'हन' दे ' द्या से 'बद' सं है। देश न दे 'द्या से 'याप्ये' नर्। हि.क्षेर्याम्भारम् नु.चं भविःक्षेरक्षत्रीयारीविष्यास् धैरहे। देशवरेरवाकेरामध्यायाधेवर्के। हिन्हरशेस्राउवर्धेर्देवर्धे यश्राउत्राम्भिन्ता वित्रासम्भिन्ता नित्रासम्भिन्ता स्वराप्ति नित्राम्भिन्ता स्वराप्ति स्वरापति स्वराप्ति स्वराप्ति स्वराप्ति स्वराप्ति स्वराप्ति स्वराप्ति स श्रूरमः वमः ग्विवानीः देवायाश्चित्रायाप्तराद्वायराश्चेवायरा सर्दिः यदेः धैरहे। देशक्रिन्याशेस्राड्यमी देवाची प्राच्या ह्या भी है। हि हिर सम्भाने न सेसमा उत्राची देव चु नदे ह्ये व त्यमा पर द्वा पर चुन पदे धिर-१८। देवे वनमानेमानमार्थे रामुन्य ने देवे विर-१८। दे १८८ वडोवारावाषर प्राप्तर पार्हित प्रदे हिरार्से । दे विद्याने प्राप्त इसमा

ते :श्रुनर्यः ग्री:दें राधीतःय। अः इस्ययः श्रुनर्यः ग्री:दें रायः धीतः पाते : क्रुः व्ययः रेगायर ग्रुन्स्रे। व्यापार वे व। ह्याय प्राप्ता रे वे के प्राप्ता क्रूश्चरा क्रिंट्टाययमा यमास्री हि.याह क्षेत्रास्यामालमाने या है. इस्र ते 'नक्ष्र से 'सूर नि से रागुव 'हु शक्ष्र नु स्र से न पार्ट । इग से क न्त्र-इत्राधित्र-प्रति भीत्र-प्रहि वास्य-प्रान्द-प्रवस्य प्रान्दः। नवाःसेद्र-प्रायः नहेतः यदे भ्रिम् श्रेन्यान्य वर्षायान्य वाल्य भ्री नेवाया श्रे वर्षा भ्रम् ७७। । श्वेर हे से दारादर। इसाय दर साइसाय से ले साय है हे रादर। ने 'वि' दि दे 'ने दे अ' हैं वा रापि 'ही रामें। । ने 'चि दे वा लेवा रापि 'हू राह्वा रा ब्रस्ट्रन्तुरः धेन्यान्ता रवातः विषयि का जुन्यस्य विष्ट्रीर पहे ग्रामा न्दः त्रयः नः न्दः। नगः पेन् स्वे से सेन् सं सेन् सं से सदयः नः न्दः। ग्वन् से सेन् यान्त्रीन्यस्य स्थित् सुन्यस्य हे प्राप्तस्य प्रस्तान्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्यस्य सिव्यानिक सिन्द्र मिन्द्र मिन् चलेत्र गानेवाश्रासते ह्वाश्राष्ट्रश्रम्भूचश्राग्चे देशमित्राधेत्रास्य देवास्य गु स्रे। व्यापार वे वा सेसरा उव की देव की ही र बुद कुव प्याप द्या पर

नश्चनमान्दा हेमासुःळगमान्दा विदाविनान्दायाविदानस्रेदमा राश्चे अदय नवे भ्रिन् के माग्री कुषा अद्दाना मन स्वा अद्दाना मन अहंदा यन्ता यत्रवर्षेषार्यान्तायार्वे नायात्री नायात्रे स्वार्थायात्र स्वार्य स्वार्थायात्र स्वार्थायात्र स्वार्थायात्र स्वार्थायात्र स्वार्थायात्र स्वार्य स्वार्थायात्र स्वार्थायात्र स्वार्थायात्र स्वार्थायात्र स्वार्य सरम्बर्धरे विवास सदय र द्रा दे व्राप्त र वर्षे के के दि । ॲंटर्अ:शु:ग्राञ्चर:तायाळग्रायाॲंट्याशु:तहट:त्रय:द्वट: रॅं।वे:त:द्रा सेसराउद्गानस्य उद्गानी हे केंसारे सामरावर्षे वासरासहित्यसारी ।है क्ष्ररार्टे में हिरायशक्ति वा ने निविद्यानियाश्वराम् स्थरादी वया प्रायस्थरा उरा न्दः त्रयः प्रदे : श्रे रः यद्याः केष्ट्रः युदः त्यः यः येष्ठः यः यद्द्यः यद्दः यः येष्ठः पर'षट'र्देश'ग्री थु'र्इस्ररा'दे 'वग'रा'ट्रट'थुरु'रा'षेतु'रस्र'ग्रीत्थ'तर' ग्रु'रा' धेव हे तर्यानर हो र प्रवे के सामाधेव के वि हि हिर यस यस ने वि हे नविव गिर्ने ग्राया इस्र राष्ट्र प्रमानिव । प सहर्भितः स्थाउत्रद्भा सेस्राउत् श्री देत्रसहर्भित स्थाउत् लेव मी भू इसमाने पर्टे प्राये के रमा भू प्रायान मान्य में प्रायान मान्य प्रायान प्रायान मान्य प्राया ८८। श्रेश्रश्च म्याया म्यायम् प्रक्तः यद्यः प्रश्च स्वरं र्रें। हि सूर्केशयश्लेवा वहेगाहेव दिया हेव पाहेव त्यश्य दिशाहे

सुत्रसुर्यार्क्षेत्रायाः प्रस्ययाः उत्ते स्टापी स्रुवा सुति सुत्र स्ति । सुत्र स्त्री । स्व राइस्राराण्चित्रायम् स्रीप्तयुम्या क्षेत्रात्ति होन्यान्य स्रवे राहे यान्यस्य से द्वाराष्ट्रस्य स्थानि स्थ क्षेत्रःकुः न्दः वर्ष्वशः तुः वर्षः भे त्र। वर्षे वर्षः के नः वे व्यक्षः वर्षः यमाग्रीमामम। देखेदायासकेदायमामम। कुःसेदायमायकेतायमायग्रीमा हेर्भुनर्भाग्रे देशधेदाग्री भ्राह्मर्भादी साधेदार्दे। गियाहे कुरोर्प्य लेव.व.वु.नुमाय.क्रि.मुनमाग्री.ह्मायात्री। क्रि.सममानु.मा लेव वि । विया हे ख़ु अर्के द प्रशासीय व वे देश व ख़े हे द शी कु अर्के द पर हे द न्याञ्चाकेतः न्याने वाके वाधिव सम्द्रम्या वादाने सर्वेतः धेव व वे ने याव अर्के न पाना प्या उत्तर वया थे हे न विकास व वे हे न र्देव-भेरः सर-प्रशुर-र्से। नियाने भ्रुंने रश्चे राधिवन वित्रे रोगाव भ्रुंस केराया ब्रेन्यर प्यतः क्षेत्रं केन्यं केन्यं केन्यं विष्यं क्षेत्रं विष्यं क्षेत्रं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं र्देव से द स्वर प्रमुक्त से । । याय हे दे याहे याय प्रेव व व वे दे या व सर्के द स्य

यव निर्माय परि भ्रु हि न मान से स्था पर हो न पर ने ही । पर नि मान पर स्याप धरावशुराववे धेरा देशका क्षुदेश वश्वामा स्थापा वर्षा पराद्या धरा वर्चीयःत्रमःविष्यःतः पूर्वमःवर्चीमः यशः हे त्यादः शुः वर्चनः हे। अकूरः तवः क्रेव क्री अपवर निवाय पर निर्मा क्रिया के अपवर क्रिव क्री अपवर निवाय पर निर्मा केरावराञ्चररायाप्राप्ता वेर्या श्रेति भीता हा श्रित्या या प्राप्ता प्राप्ता वि नर वर्येय सर्टा कें अल्लेष्ट ताता सूर्या अत्या अविश्व स्त्र हिं यो अत्यह यो स र्टा वक्षः वर्षः वा नम्भमः प्राप्तः प्रमः वर्षे वा समः वर्षे मः र्रे। विष्यास्त्रात्वासाद्ये निविष्ट्रे। स्नाम्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रा न्वायान्ता दे रे वे के न्ह्रायम् न्वायान्ता ह्वायाह्य सम्प्राप्ति । ने याह्रवाशान्ते अञ्चाद्या चे कें कें आयार्के दायाद्या खुदा कें निया वाद्या न्गाय न पर्वा अक्षा अ न्या असे मुस्य स्था असे व प्या पर्वा चु पर्वा व देशायरावरीवायवे नात्रशारमा द्वेवायात्रा शुःश्वेनाशास्त्रायरास्तेता पर्दे । हि सूर न्वा बुवाराय सेवाराय से हार स्वर की नहें सार्ध त्या वा बुवाराय र्श्रेग्रायरपर्देग्रयपायनग्रायरप्राप्यरपिर्यः प्रेत्रःश्चे। इसायरायरपितः

यर विंद दुः कुत्यर शुः वे त्र अदेव यर नहें द्याय वे दिया शुः वे अश्वरे श्रेट ल पात्र शर्म हो द्वारा माने शर्म हो द्वीया शर्म पा त्वीया शर्म हो । श्रेट उद श्रे प्टें अ से मा बुग्राय अंग्राय प्रदे प्यान गुरेट ग्याट ग्रीय प्रेंट प ने ने निन्न के निन्न हरा हरा नि दे नि नि स्थान के नि स्थान के नि स्थान का व्या बुग्रायार्थे ग्रायाये से टाउव की के राने न्या मी में में के नार्थे न्या स धेव संख्याने यागुव नह्याया सामार धेव साने वे नह्याया साम्यया धेर्मा लेव.सर.र्च्या.सर. चेत्र । अर्द्रव.सर.यर्ह्नेट.स.स.ल्यूटश्र.श्री.स्था.स.स्था धरानश्रुवानवे श्रीराउन् श्री क्याधराने शायवे प्रश्चे वायाया श्रेंग्रथं प्रदेश्वेद खेत्र की न्देश से निर्देद निर्देश के न्या के निर्देश के ळॅर्यान्ते हे इश्वाद्यात्रायाः विकेषाराध्यात्रे विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा विवादा धर गुर्दे। दि त्य दे रच हु गुन धर गुर वदे रे गुरु य पर हें द य य दे वदे थे म्रे। ब्रम्कुन से समान्यते समानमून माने निवेत पुरिया प्रमान्ये । प्रिया सर्वित्यर्ग्याहेन्यायाधित्यासुर्गे सयायदे सेटाया वहेव्यदे स्यापर नेश्रायदेः न्रीयाश्रायात्रात्रात्रम्याश्रायदेः दे दि दि दि त्यानः धीत्रायाने दी। तन्त्रः लट. श्रे. रश्चे वीश्रो श्रे. र्रे. व. लट. श्रे. रश्चे वीश्री विशे वीश्रे रासे र लट. श्रे.

न्भेग्राक्षेत्र साक्षेत्र सान्ता भे क्षेत्र नान्ता क्षेत्र नान्ता सा वनान्याया भे वनानाया वनानायम् भे वसुराना नार्वे द्रायाय्याया नविन ग्री अप्पेर्या शु शु रत त्यया पर्या विया ग्री है। परे सुर परे वे नन्ग्रास्तरे भें न संभित्र हो। ने त न साम स्पेन साम भेत से हो म र्रे। । नर्हे ५.२ अ५ मदे न्वन्य हे ५ शे में हे ५ या ५ थे व म दे है शे अभय नश्चेतः सदे वेवा सर वेत्र अर्डे म्या स्थान स्थान से स्थान स् य.र्ट.। भ्रु.यर.पर्वीर.य.र्ट.। प्याया.त. रेट! प्याया.तर.पर्वीर.य.लाट. धेव है। दे अ श्वर्य निराधें र या शु या ने या या ये गाव व या हैं व से र या या र्यः हि से प्राची दे स्थान के स्थान के स्थान स्य र्नः हुः हुः नः धेवः द्वा ॥ नयः में खुयः दुः नुगः म। हुरः दुनः सेयसः रूपदेः यट.रे.ब्र्.स.स.लट.रेचा.सर.एड्र्स.सर.पर्वीर.यपु. प्रु. प्रु. प्रु. है। सर र वें रायदे मिले रहा। सर र वें राय पर र माय र या निया अट.र्-र्झेश्यते त्रव्यश्चात्रः द्वा अट.र्-र्झेश्यः स्त्राध्यः र्वा पर्दे । दे र्वा ग्रम् ग्रम् ग्रुम् ग्रुम् ग्रुम् व विषय । हैंगायदे हें नर्भात्रा स्व हु द्वेव सर्गावर्भ सन्द में देशरान विव

र्वे । विरः कुनः से सर्यः नियरः इसर्यः ग्रीः नर्यसः पदेः निसर्यः निरः वे व अर्थः य यरयाक्त्र्याक्त्री कें या इसया पार्षे दारा हे दादा थे दा के या नया दता हु हो ना ना दा लेव.सर्द्र। विट.केच. श्रुष्ठा.र्यया. इष्ठा. क्रुंग्री.केंग्री.वर्ष्या. यहा. वर्ष्या. यार वे व इस्या सरम क्रिया की के सम्मान के समान के सम्मान के सम्मान के समान के सम्मान के समान क र् जिर् के अप्यश्चर प्रमु । वर जिर् जिर क्वर के अश्चर प्रमु इस्रम् में भेर्म् स्वर्ति । वस्रम् निर्म्य विष्ठ्व विष्ठ्व विष्ठ्व । स्वर्मः स्वर्मः विष्ठ्यः स्वर्मः यार्चेनायम् तुर्यायम् भेष्ठेरा स्थाम्य म्या तृष्टी । न्या स्वर्या श्रेश्रश्नात्रम्यश्राण्चीःश्रेटःनहेःनःगटालेःन। श्रुशःम। श्रृगानश्रयःनरः ग्वरायदे से सर्ग उदा इसराय हे मार्श क्षेट नहें न ग्वट धेद पर्दे । विट ळ्न से सरा न्याय इसरा ग्री स्वेट हे जाट ले जा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त श्री स्वाप्त स्त यान्वरापदे से सराउदा क्रमाया हे सार् से दिन प्रेन पार पीदा पर्दे । जिरक्षितः सेस्रश्रान्यतः इस्रश्राः भेशः स्वानारः वे त्र अरामा वेशः ग्रु-न-त्यःहे स्थ्र-न-निवर्-नु-प्येन्-नःकेन्-ग्रीशःहेन्।श्रानःप्यनःप्यनःप्येवः पर्दे । जिरक्षितासेसस्य नियतः इसस्य ग्रीः यो निस्य वार विष्य श्रुस्य । निस्य तुःयःहे स्ट्रेन्प्पेन्पादेन्ग्रीयाहेन्यायान्यान्प्पेन्पर्वे । स्ट्रेस्यायान्येन्

गश्रमः भे। शेस्रमः प्रमः येतः प्रमः। गत्रमः प्रायः प्रेतः प्रायः सेस्रमः प ५८। वेजायर सेस्रायदे । जिर क्वा सेस्रार्भ तर हे स्ट्रम श्चेत पा ने'यः ७७। । नहेन नशःश्चेन पार्ये रशःशुः नगः पा इस्रायः नतुनः नुः नेगाः परः नुःक्षे क्षेत्राचरानुः नदे नदे सार्चा व्यास्त्रा सुन्ना सुन्ना सुन्ना विस्र सार्चे दस शु:८वा:घ:८८। क्षे:वःर्षेदशःशु:८वा:घ:८८। श्रेश्रशःर्षेदशःशु:८वा:घ:८८। दवाः धेंदशः शुः दवाः यः ददः विशः यः धेंदशः शुः दवाः यः ददः। द्वेः अः धेंदशः शुः न्यानाक्षे। व्यान्याक्षान्यानाने न्याम्यस्य उत्यानाक्ष्यान्य व्यान्य व्यानान्य व्यानान्य व्यानान्य व्यानान्य व धरानुर्दे। दिःषाञ्चेत्राधरानुः नदेः दर्देशार्धेः व्यासानुस्याधानुस्यः । वर्रे भू भू अट रें र्टर भू कें गुरु रा भेर में अप वर्षे भू र मुं के वर्षे भू क वेद्रायाद्या भेष्यराभेष्ठ्रायाकेद्राची सामक्रियामराश्चेद्रायरा वेद्रायाद्या वर्देर्न्सवे रुअ हेर्न् ग्रेअ रुअ शुः श्चेत्र प्रस्ते हेर्न्य प्रम्या विदेवा व स्वार्थ विश्वार्थ । सुत्र सुत्र । र्कें न्या भारते दे राग्ने त्रा भारते व्या भारते व्या स्था सुत्र स्था स्था स्था स्था स्था स्था स न्देशस्नान्द्रभावद्रेशसङ्गेन्शीयः वाद्यः वाञ्चेत्रस्ति होन्सन्द्र। विद्यास र्वे नि से द्वारा में देश के देश के देश में

राश्चेत्रपरानेत्रपर्दा श्चित्रश्चायाक्षेत्रपारिक्षण्याक्षेत्रप्रमानेत्रप्रभानेत्र श्चेत्रयर होत्यत्रा स्वाक्षित्रथे प्रस्ता हिन्ने व्याप्त होता स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वा यद्। । ने न्यः व्वत्यः विषयः इस्यान्यः न्याः यः इस्यानः व द्वतः व दे विष्टे । वर्षे व यदे निर्देशयम् अःभी अःभिनःयदे स्वेदः श्वेदः स्वायः श्वेदः यदः नेदः यदः । ददः मी र्ले प्रश्न श्रुवरुष प्रप्ता श्रुव प्रयम् श्रेत प्रप्ता हिया लेटा दे आक्रवारुष नवित्र-तुः र्वेन-नन्गः श्चेत्र-प्र-ति न्यान्य-प्रक्षाः वित्र-प्र-त्वाः श्चेत्र-प्र-वेत्यन्ता न्वरस्य बुवावया श्वेत्यर वेत्यन्ता गुयायर व्याने वशःश्चेवःचरः त्रेदःचद्दः। ददः धॅरःसदः सदः वीः खंषः बदेः विष्टः इस्रश्रः थः येग्रायर रे से र गुरायेग्रायर सर्के र पर गुराद्या रे वे रे ग्रिक्षेर श्री या नावत निवास श्रीत यम हो नायर हो निवास है। या स्वाप मारा है वा पर महारा है वा पर स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप नड्रिं पर्ने सुरक्षे । नन्नाने क्षेत्र पर्म हो नप्ते पर्ने पर्ने सुक्ष नु क्रें अ शे अश्र से द निमः श्रें व निमः श्रें द निमः श्रें द निमः श्रें द निमः श्रें द स्मः श्रें व स्मः श्रें श्चित्राचर श्चित्राचर हो दाराद्रा वद्या हे दायावत द्या व्यवस्या अहस

यवस्य कुरारे स्रुसार् से से समायर है वायर है रायर है रायर है । याववार्या यव र प्यव पर्दे ग्रामाया से १ है। यर श्री व प्यर श वे न प्राप्त । श्वे व प्रवे प्रव्यव्य व से न में सूत्र न से श्वे व प्रास्थिव प्रमः धेव र्वे सूम्रान् से त्राप्त सुव राष्ट्री व राष्ट्री व राष्ट्र याने निवे निवे सूत्रानु से सून्य सुनि मार्श्वे नामा है निवान है सिकंस नि नग्रः निष्णः शुः श्रे १ सृः नमः श्रे वः पाः श्रे वः प्रमः हो नः प्रमः प्रमः । व्यवाषाः प्रमः श्रुः नमः क्रियायास्य प्रत्य स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत इसामराद्यापाइसामायङ्के वदे सु है। रदाविव श्री सारोसरा उदावसरा उद्दायानुस्रसायदे सेस्राराष्ट्रिया श्रीताया श्रीताया स्तरा होता स्तरा होता स्तरा हो । श्चेत'रा'त्य'रेत'र्से केदे'र्शेसर्याग्रीर्याश्चेत'राश्चेत'यर'तेर'य'र्रा' वर्रे' क्षे ग्रैशःश्चेत्रःपःश्चेतःपरःग्रेतःपर्दा पदेःष्ट्रःश्चे। श्रेरःश्चेतेःदेःसःद्दा श्रेषाशः वहें गानी दे सामावव त्यासी महिंदान रूसे मासूदी दे साम्दा निर्मा है द

व्यट्याशुः वेट्याश्चित्रास्य भी होत्रायय श्चित्राय्य विष्ट्रीय विष्ट्रीय विष्ट्रीय विष्ट्रीय पर-तु-नदे-दे-स-नसूत्य-नदे-सेसस-ग्रीस-स्रुद-प-स्रुद-पर-तुन- प-८-। वर्रे भ्रेष्ट्रे अर्देन पर प्राव ना इसाय न नुत्रे से क्षेट्र के प्राय के प्राय के शेशशास्त्राचरात्रावाता प्रा श्चितासी वित्राचात्रास्त्राच्या प्रा शेशशस्तरहुर्गवरतर्रा श्चेत्रयाश्चेत्रयर होर्यादाधेर्यरे नदे श्रेश्वराद्या सहस्राचराम्यावनायवे श्रेश्वराद्या देश्वराश्चे श्वरायवे सेससन्दा इसम्पर्वके नदे नससम्मेन्यदे सेससन्दा हित्र्त्र दर्गेट्र-संसेट्र-सदेरसेसम्भीमा सेसम्सार्मेद्र-सम्द्रावर्गनमः श्रीद्र-संश्रीद्र यर ब्रेन्यन्ता क्रिंटकें ७७। विदेन्दिन्यन्तर्भाषावर्षेत्रप्तन्तः धरावळें नः इस्रश्राया गुस्रश्रायदे स्रोस्रश्ची शाश्ची दाराश्ची दारा गुर्नि । सूगा'नसूष'न'इसस'ष'सूर'हे 'नदे 'सेसस'ग्रीस'हेव'प'हेव'पर'हेर'य' न्दा ध्रेवः न्वःन्दाः ध्रवः या इस्रयः या दावः विदेशस्य श्रेष्यः श्रेष्ठः । नर्ने न्यान्य । अहंदानि या इस्यानि या इस्यानि या निर्मेश्व स्यानि । स्थिति स्थिति । राश्चेत्रपर हो न्यादे । निष्यादमा इस्रायर न्याय इस्राया व द्वारी हो।

श्चेत्र परे स्थ रेपात्र मा श्चेत परे भूगमा पत्रे न पर्द । दे न मा त स्ट्रंस र्विवा येवाया सर दें दया शें विया श्रुप्त प्रदा शिं विषेत्र से प्रवेद से दिवा विवासी सर्गाग्रस्य या प्रह्रां संस्था स्था मित्र वित्र क्षेत्रा मी त्यस प्रह्रा से द्वा मी रा याह्रसायदे वरा होता सेवसायरा श्चानरा होता गुवादयाया वरा होता याहरा श्चॅर सें पाइसमा ग्री सह्या विया भारता श्री श्री व परः इति स्रुस र से समा निर्धि व धर ग्रुपि देरे अभे अग्रुव फुर्वाय वर ग्रेर्ध पर्दा र ने हिंद या श्रेवः यर हो द्राया धेव वें वे या हा या केंगा गुव फ़ हैं दायर हो दाया दर। दूर द्राया वे न पान के नियम गुन न मार्थित के पा हुन में हिन पर से वे न पा र्श्वेट से प्राया सर्दे त सुसाद हो मित्र से से से दिन से से मित्र साम से से दिन से से से प्राया से से से से से त्रु:नदे कें राभे वर्देग्रायादायादायायायात्रास्त्र भूत् क्षेत्र स्त्र निर्मा निर्मात्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र वेतः यन्ता श्रूनःश्रं यायायम्बर्धयानुश्रुम्यम्भे वेता वित्तुगर्यम् यर भे होता वर्षेट वर भे होता है वर्ष वर भे होता वर्ष होता वर्ष भारते वर्ष माने निर्मानिक के वे परी भ्रम्भे भ्रेव पराया नहेव परि भी यापा इसायर प्वापा पर दि। र्से रासे पर यानहेत्रायदेः ने याना इसायमान्या यान्या श्रीतायमान्या निर्देशायानहेता

यद्वः भेश्वारा इसायर द्या यद्दा श्रुवः यदे श्रुवः यदे श्रुवः यदे भेशायः क्रायर द्वाय प्रदा श्रेव यथ से स्था उद प्रति श शुः श्रेव पर हा न यः नहेत्र परे भेशाय इसायर द्या पर्दा वनसाया स्वापसाया यहेत् परे नेश्रान्त्रस्यान्यर्त्वान्यर्त्य। वर्तेत्रम्यस्यश्राभी हेश्रान्स्रेवास्यायहेत्रस्य नेश्राम् इस्रायम् न्यापान्या दे स्रायस्यायायायात्रहेत् परि नेश्राम इस्रायमः न्वान्यन्ता भ्वान्यदे म्वान्यदे स्वान्यन्त्र स्वान्यन्त्र स्वान्यन्त्र स्वान्यन्त्र स्वान्यन्त्र स्वान्यन्त्र यिष्ठेव र्षेट्या शु म बुद निया वहेव रवि रवे या म स्यापर द्वारा प्राप्त र्द्धेग्रथः दुग्राग्री अः नग्रनः यहे दः यन्ते दे स्वे अः सः इसः समः द्वाः सर्दे । देः यः नेश्वारा इयायरान्यायान्दार्वेश्वे श्रीवायवे इया महत्राण्टायाना है। क्ष्रनानिव रना हु नेयाय। हुन्यते अळ्न हेन्ना नेयाये ळेंगान्ना र्या हु र हो वा प्यार र वा या है त्या या वे वा तु र या हु के र वे वा वे वा वा वे वा नश्र है से सश्र उदान्यदायन्ता चार्चे सामान्ता क्रिंदा ना प्रेंद्र प्रदान्ता न्दः भ्रवः यः न्दः। वार्वे नः यः ने नः यः न्दः यदे वा वः यः वस्व व्यक्षेतः वावर्षाणी हैं है वरावहें वा पर हो दारादर। हैं दार्शे प्रवेशवहें दारहे दाराहे दाण्या <u> इराठ्याग्रीयानेयापटा। श्रुवायदे श्रादेश हिट्य शश्रुवायर ग्रुपदे ।</u>

क्रूश.वश्रश.वर.श्रुशश.वर्.वश्रश.वर.ता.चश्रश. त. वयो.त.वंश.त्रायाश. धरमिर्दिन्यर हो द्रायाद्या क्षेद्राक्षे धर्मा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप उन्याधराहे सासुमान्दरानरा ने निर्देश मित्रामासुस्रामसाने निर्देशनरा स्थानी यविश्वः नेश्वः यादः धेवः पः दे 'द्याः श्वस्रशः उदः त्यः स्रावशः प्रश्नः स्रुदः वः स्रुदः वदः र्येटशः श्रुटिः इस्रमः पटः प्रमानमः प्रभूतमः वर्षे वर्षः श्रुवः परः श्रुवः परः श्रुवः परः श्रुवः परः श्रुवः परः न्वो नदे इन्व र्षे म्या शुन्व तुर न यया ग्रम दि । के स्यायया के दि याश्चित्राच्या द्वाप्या द्वाप्याया व्याप्याया व्याप्याया व्याप्याया व्याप्याया व्याप्याया व्याप्याया व्याप्याय क्रिंशायर द्वारंपर स्ट्रारं वायर श्रीत राष्ट्री स्वायर स्वीत हो। विविद्यात्र स्वीत स्वारं स्वीत स्वारं स्वारं गैर्यान्यूनर्यः यदे वेद्रास्ट्रीं द्रम्यया ग्रीया ग्राटा श्रीताया श्रीताया हो दारी वर्ने भ्रेष्ट्रे वावन न्याने प्यम्नियम् वहेन न्युवान रामे न्या वा नवे हें वर्से दशासर से प्रमुक्त न निम् निम् निम् निम् निम् निम् न उदायाधिदायदे से यया ग्रीया श्वीदाया श्वीदायम हो नाया निया निया है। विना र्देव.री.योधेर.य.क्सश्च.रटा द्वरश्चात्रस्थश्च.रटा क्रेंब.य.स्वर्ध.

न्ता म्हामी क्या शहर सम्भाषाय दे दिश्व हो । न्त्र या विश्व । विष्य । विषय । विषय । विषय । विषय । विषय । विषय । श्चित्रविद्या विद्याश्चित्रके त्रयाश्चित्रयम् होत्याद्या के वा हे मेग्या पश्चीव पर हो द के दा के वा अपीव पश्चा भीव पर दे भूर ही व पर हा न नियायमान्त्रीतान्ति। ।दे त्याव्याययाने स्रोध्यया उत्रार्धेत्यासु श्रीतायमान्त्रा वि धिरःश्वेतःपःलेयःपरःग्रयः लेरःश्वेतःपरःग्रेतःपःदरः। श्वेतःपःश्वेतःपःतःश्वेः र्ने स्वयं में के न्द्राक्ष्व के ना कु क्षेत्र या श्री वा स्वर्ण होता के दाही व वा ग्राहर श्री के ययार्थे के न्या नर्थे न्य समा के दार्थे न सुन्न न स्था निया है । सून ने न्या न्म। न्ज्यः सं श्चेत्रः स्मः न्जेनः यदेनः सः न्जाः यः वेदः सः श्चेतः श्चेतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः व्रेन्यन्ता न्नुवार्स्यः धेवायासेन्स्याउवाक्सस्यान्ता सेन्स्यासेन्या श्चेत्रपानेत्यदेत्याक्रम्भायावे स्टानी वेट्राश्चेत्री प्रवर्गे स्वतः भे नेत् धरादे त्या क्रीया शा क्री दा दा द्वी वा दारा वा श्रास्त्र क्रास्ता क्री शा दा दा देवी व हे त्रा ग्रम् क्षें पिष्ठे पात्राप्तर्भे प्रस्था क्षे प्रमायक्षे प्रमायक्षे न्याः ग्रम् भेतः वह्याः यम् भेतः द्वाः यम् व्याः व्याः यम् व्याः व यःश्चेत्रयरः हो दाया अश्वराग्रदः श्चेत्रयः श्चेत्रयर हो दायतः यदे दायाया

ग्रम् श्रेव प्रश्चेव प्रमाने । श्रे प्रमान स्वर्थ ग्रम् श्रेव प्रमाने । र्ने। । ने प्यः नर्तु न्यस्य ते प्येन् न्यः इसस्य ग्री के सः न्यम् स्याप्तः न्याः सः है 'सूः नः चलेव:र्:र्यः हःलेबावबाश्चेव:यःश्चेव:यर:ग्चेर्:र्रे। ।रे:वाःहेबावा इस्राचानिकाण्यात्राचीकाने। यदे सुरक्षे के यदे नाद्या के से सामाकी यदे क्षे क्षे व्यानक्ष्यक्षे सुर्दे स्ट्रें नियाने। यदे सुरक्षे हेयाद्यीयाया स्याये स्यादे स्या सुराया विवादी। इस मः ज्वाः ग्रामः ने भः ने विदेश्वः भ्रे विदेश माना विभः ग्रामः ग्रामः विभः ग्रामः ग्रामः ग्रामः विभः ग्रामः ग्रामः ग्रामः ग्रामः ग्रामः ग्रामः विभः ग्रामः ग् नःनविनःर्ते। विस्यामानत्त्राधामाने साने। यदे सुरक्षे। यदे नामस्यया वे सी ह्वासन्दर्भ वार्श्वान्दर्भ वार्श्वनन्दर्भ वहुवसन्दर्भ वहुस्वरे रहेशः उव दर्। श्रुष्य भ्रुष्त द्वादर्। ही याय प्रदे दायरें विया प्रायुर्य याय विद र्वे। । इस्रायान कुर्या प्रेमा ने वर्षा के । उस्रायते गोरा उस्राय वर्षे वेशन्त्रान्त्रभ। क्रुश्यर्भिटार्ध्रेष्ट्रभित्रेश्वर्षात्रुभ्यत्र्भः तुर्दे वेशन्तुः नदः र्अर्रे प्रमः मुर् गश्रम्भाग्यविवार्ते । १ वानकुर्यमाने प्रमाणीः अवतः द्वे 'अ' उत्राह्म अ'या न दुः निवे 'द्दः न्यया न 'अटा द्वा 'या है । क्षा न निवे ने का

वर्षाश्चेवायाः श्चेतायमः श्चेताते। तेत्वाश्चमः वर्षाश्चेताः श्चेताः श्चेतः श्चेताः श्च सर्ने प्यस्य म्यूरस्य प्रति वित्र है। । ने प्यन्तु प्रस्त है में ना परि में नास्य में प्रति । लूर्याश्चास्यान्त्रीराय्या यद्वायान्य याष्ट्रेयाय्या लूर्यास्यास्य य श्चेव'म'श्चेव'मम'श्चेन'ने। ने'न्या'ग्रम'यने'स्र'स्रे। याद्या'स्न'येव' श्चे'सर्ने' ने छेन् त्यमाम्बरमान विवर्ते। ।ने त्याने मान इसाम निष्यान इसमान म्रे। गड्या स्ट्रा से दारी से दे हैं प्राप्त मार्स मार्स मार्स मार्स में है। प्रे से से से से से से से से से स क्रायर-न्यायक्रायन्त्रहे तदी सु है। वर अर उरा है रें या अर उरा मिर.मेर.लर.मेर। वया.धे.लर.मेर। खेश्व.रक.लर.मेर। खेश्व.रक.य. म्रेट्या अभावमाक्ताया अभावमाक्ताया अभावमाक्ताया उट्ट है। ये वे वे दे दे अप्ट व्यापन दे है व पा है व पर हे द पा दे है। स्राश्चित्रम्मभाषाकवाभाषदे द्वासा न्दान्यवानदे श्वेतामञ्चेतामर होता रान्दा वर्ने सु है। ह्वें राज्य मस्ययाया ले स्टामी दे सान्दा नव है हुन राञ्चेत्रपरानेत्रपर्ता वदे सु है। कु द्रावन्य नु वा गि है स न्दः ज्ञयः नदेः श्रुवः यः श्रुवः यरः ग्रेनः यदा यदेः स्रः स्री वावायः नविः सः देः

न्यामी अयापाया श्री दे । अर्न्य व्याप्य वि श्री वर्ष श्री वर्ष स्वीत्र प्रमानित । ने । यर यायायायविदे दे सार्वे पदी द्वाप्येव है। पदी सुरहे। सार्वे स्थापादा मुन रान्दा कवार्यान्दा वर्चरानुःसासर्वेदःनदी विदेश्वासे ही दन्यारीया रदःमी रक्षया वाक्षया प्रदा विद्या श्री दाव विद्या श्री दाव विद्या नः इसमार्टा वेटमः श्रेंद्रके वर्षे मादे द्वाद्र दे वर्षे मादे वर्षे दे से वर्षे वर्ष राम्बर्यायाः भेत्र तुःम्बरायाः द्वे विद्यो सेवायायदे द्वे या प्रत्ये दे या प्रत्ये विद्याया ब्रुविन्यर हो द्रायाद्या वर्षे स्थाने द्रिया में व्यवस्था हिन्या याद्या नश्रासः स्ट्रिस्य शः हिंग्या सः स्वरा स्ट्रिस्य श्रुः अश्री हिंग्य स्वीदः शुदः नदिः द्रेॱअर्दर:ब्रयःविरश्चेव्यः श्चेव्यः विद्यः द्रेन्। देःयः द्रेर्यः येः प्रेट्यः शुः ह्रेव्ययः ग्री-न्रेंश-र्रे-न्ता सेस्र उत् ग्री-न्रेंश-र्रे-न्ता मुत्र-ग्री-न्रेंश-र्रे-न्ता यावर्या भी प्रदेश में प्रदा देवे यावर्य यवे प्रदेश में प्रदा वर यो प्रदेश में लर ब्रैव.स.ब्रैव.सर.घेट.संद्री टि.ल.चश्रम.स.लूटश.श्र.क्र्याश.स.व्यट. ग्री खुरु द्रान्य के द्रान्य के प्राप्त के प

वर्रे भू भू विषया अर्थ अर्थ प्राप्त । वर्षा विषय अर्थ अर्थ प्रम्भ अर्थ प्राप्त अर्थ प्राप्त अर्थ प्राप्त अर्थ प्राप्त अर्थ प्रम्भ । यविरानश्रवारानी रार्धेर्यासुन्या केर। इसायर सान्या पदि दे सान्र वयानिते श्वेतामञ्चेतामर वेतामाना वर्ता स्रेश्वे श्वेतामर वानिते पर्देश र्रे खेर्रा शु नह्या प्राप्ता नर्या प्रथम खेर्या शु नह्या प्राप्ता विद खेर्या शु नह्नायायाधित्याशु नह्नायानेटावळवानदे नेयार्ना ग्री दे याद्रा न्या नवे श्वेत मा श्वेत पर हो दार श्वे। दे त्य श्वेत पर हा नवे दिर्देश से पिर्ट्य श्वे नह्यानाने द्वियायान हिंगानया विद्यास्य दिया हिंदान के या हिंदान रहा वसन्यायान्तर। धेरया शुःवेर्यस्यार्श्वेत्रान्यस्थ्वेत्रान्यस्य वसवासायाराधीत्रायदी हि हि दे हि रावे वह सूर हुँ वासायहै वा दनदःविगाःवे निन्नाः यापदः सव सम् स्रो दशुम्। नाववः यासवः समः यदः स्रो वशुरा कें वरे वायव पर वार के वशुरा के ही साय यह पर वार के वर्गुर्रानाधेना ग्रह्मक्राक्षेत्रक्षात्राचे खेट्याकु वेद्या हिन्या है निष्य यासव राप्ता के विते यासव सम्वर्म राम्ये सम्वर्भ माने विवय यासव रा यदः अ'णेत्। कें द्वे अ'यायायदायत्र पायदा अ'णेत्र पाददा। वृदः कुनः शेयशः न्यदे न्याय न न्या अर्केया हुन्याय न मुक्ते व से भी या भी र भी व सम् ने न

यदे क्वेत्राच के नित्राच स्वर्ध नित्र वालव स्वर्ध स्वर्ध के स्वर्ध स्वर्ध मन्दा के मु सायायम् मरावश्चरानाधे माने मे हो हो त्यानस्यामा ल्ट्रिश्राश्चान्त्रवाराचे द्वारानविराने वार्यरा शुक्षे शुक्षा श्वीत्र के सार्वे वार यदे नममान प्रमा प्रमान प्रमान क्या मान में प्रमान प्रमान क्या मान प्रमान क्या मान प्रमान क्या मान प्रमान क्या मान क्या म उत्राह्मस्यात्याक्षेटाहे नदी नस्यानान्टा वस्याउट्टासिहेत्रानदे पो नेसा लूरशाई। इंग्रायरायीय पुराय वाराया है या विराधिरशाशु नहगारा वे स्यारा ध्यारे गार्यर शुः हो। गारा यार्ने व रु याहेर्न्न हेर्न्स वार्यान्ता यारायार्त्र र्वाहेर्न्न प्राया धेर्याया यदः धेवः यः द्रा वेदशः यः यदः धेवः यः हेवः यः शेदः यः यदः धेवः यः द्रा हेंत्रपः सेन्याधनः धेत्रपः हेरायमः श्चेन्यायरः वृत्रायः हेन्यूनः न्रीम्रास्यः ने वे विद्योव वे । ने न्या से न्या स्वादः यादः या विष्यास्यः थेव्ययर्भेग्यर्भ्या विद्याधेव्ययं वे इस्यायान्त्र में स्वायर्भ्य म्ने श्रूर्यायान्याप्त्रायान्ता ध्रीरार्क्यायायाश्चित्रश्र्यायाध्यास्त्राया नर्गुर वर्श्वेरिनर्गुर्भराद्या द्वी नदे इन्यायर्द्या सर्दिवर्

ग्विमानान्द्रन्तरान्द्र्यान्द्रान्त्रा हेन्स्यानान्द्रम् । ॻॖऀয়ॱঀक़ॖॖয়য়ॱय़ৼॱॻॗॖৼॱढ़য়ॱॾॕॱढ़ख़॔য়য়ॱय़ढ़ऀॱॺॖऀৼॱऄॣ॔ॸॱॸৼॱॻॖ॓ॸॖॱय़ॱॸॗॸॱॗ यावरायाचीवर्यार्श्वेर्यन्यः होर्र्याययया याववर्यारायरः सुरायः श्वेवर्यरः तुःनः अः धेवः पदे पदे अः सें श्लें दः नरः त्रेनः पद्रः। देवः नः प्रेवः नः वास्रेयः वास्रेयः वास्रेयः वास्रेयः व है। ने सूर इस मने न्यायी रादे विदास धेव मार्धे दस सु यह या पित सर रेगायर हुदे। विरम्भासाधितः यदे हे सामान्दा ह्या हिट विरम्भा ही खेत हुत् न्म्भूव परि श्रुव पर श्रुव पर श्रुव पर हो ने प्यावन या वे प्यने प्यव हो। यन भ्र है। हैं व नाया में समाप्ता एक प्रमाद्र हैं माया से हिन प्रमाद्र । से समा उत् यास्क्रीरान्त्रे नान्दा ने किंत्रवे नेंत्र ने सामान्दा स्वान से नामि स्वान स्व श्रॅश्रामान्द्रा मन्द्रामान्द्रा ववःश्रेशमार्वेवःमान्द्रा सवःमन्याश्रामवेः यव र प्यव पर्वे ग्रायर क्वें र गर्दा क्वे पर्द समुदे । पर्द य पर्वे पर्द व स्यापानाश्यापुरियापर ग्रास्त्री रे विना नर्डे यास्व पर्याणीय क्रम र्से इसमाग्री पर्यायाय। दरासे राष्ट्रेयायदे ख्या अश्री विस्नाग्री पर्या नःहै भूर नश्रूराम ने ने पर्णान नश्रूराम धीत पर नश्रूराम होते। । नगे

क्र्यास्त्राचि ख्याविस्रयायान् ह्रेत्राये नुमक्ति स्राये स्राये स्राये स्राये स्राये स्रायं स वः श्रेस्रशः र्वुगःयः श्रेः श्रॅमः नह्रग्राश्चरः ग्रुः श्रे। वृगःगमः वे व। विनः प्रमः तुः गर्भेर्प्ति सेस्र प्रमान्या ये के प्रमान्य प्रमानि सेस्र प्रमानि । शेसशन्दा नङ्गानायशर्षेदशाशुःश्चितिःशेसशन्दा गर्वेन्यन्दा थ्व पदे से सम्प्राप्ता नर कर प्राप्त थे सम्भागी ने या ग्राप्त क्रिया शेश्रश्नात्रिः द्वी वि के शक्त्राम्यशाया श्चित्ता वर्षे स्थाया हित्त्ता शिक्ष्र्या यार्श्वर्रासदे से अअअ ले अ जुदे । । यो व्य प्रमान्य प्रमाप्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान बेद्रायमागुद्राद्रमान्यायदे सेस्राद्री तो वे वे द्राप्त द्रायम वे सा यदःश्चितःयादः यदःरुदःतर्यःगुत्रःत्र्यःर्गेयःयदेःस्रेय्यःदे राश्चेत्रयःयदेः श्रेश्रश्वेशः विद्वेशः विद्वेशः विद्वाशः विद्वाशे विद्वाश र्रःशेश्रशःग्रीशःविष्णायशः वेषः ग्रीशः ग्रीवः स्वेश्रश्रश्रश्रीयशः विष्णायशः

ग्रीशर्वे व प्रदे से सम्बर्धे र पर पर्वे द प्रदे सम्बर्धे र पर दे वे पार्वे द पर द नदःश्रेयश्चे नरःकर्न्रः वृत्रःनदे श्रेयश्चे यश्चे व्या वृद्ये । वृतःकुराश्चेयशः न्ययःश्रेश्रशः त्वाःसः ने न्वाःयः यने ःक्ष्रःश्रें श्रें रः यहवाः यरः तुः श्रे । वे वन्वाः वी से समाया से समा ज्वा में हो ह्वा त्यमाया वादा पदा जुदा ना स्वा हु हुँ दाया पेंदा न्या देव हे से न्यूसर हैं में स्ट्रिया प्रमानु हो । दे त्या नु ह क्र के सम न्ययः श्रेश्रश्रान्दार्भे वाश्रुश्रान्द्रान्त्री श्रेश्रीश्रार्शे क्वा वार्ष्ठवा पुः न्दः नुः श्रेश्री नर गुःक्षे। गयाहे प्राचेत्राचेत् चेत् चेराकेर नर भे ग्री प्राचेत् वा वस्र राज्य र्नित्वासार्त्रे निर्मात्राम् विष्ट्रमार्थे । विस्तान्यार्ये स्थार्थे स्थि निर्मा श्रेश्रश्चेश्राचात्रा वायाने वदी स्वाचित्र श्रेश्रश्चेश्राची वदे के श्र इस्रथायार्श्वेरानामित्रान्तराहोत्ते। द्दे व्यथाम्यात्याराख्यात्तराखेरा वह्यां पर हो द्रायदे से से राजस्य क्या धर द्यो वदे के सम्स्राय श्चरावरानुदे सूत्रानु से समावादे । विवास सिंदा से द्वार दे । विवास हे निर्वात्यार्यो नाया ह्ये रानावार वी यानिवा हो। यर या स्वानस्यानर वर्गुर्रान्दि भू नुराहे विवा गुःस्रुयानु से सर्या विदायस्य उत् ग्री प्रस्य

र्रे। । गर्वे ५ मः ५६ : श्वः मदे : श्वे स्था वे : हे : नरः ग्वव शः सरः शुरः सः व। हरः कुन श्रेस्र र्नि द्वी नि श्रे र नि । स्व श्रे र नि । स्व र स्व स्व ८८.२.ध८४.४४.८८.५८.४.३.५.५ । १४४.७८.५८.५४४४. वे के नरमावसम्बर्भानर शुरामान। माया के पर्दे दाद्या राज्य से दारा से दारा है वा से स वः अः क्षें नः से नः ने विष्यः ने ने त्यः वर्षे नः नुसः विष्यः वर्षे नः नुसः विषयः वर्षे नः नुसः विषयः वर्षे न मदया देव के अ कुर न विवाधित द्वा मर हे अ शु अर्घेत व अ दर द वे व न्वा प्रश्ने अश्र शृः अवाशु अर्थे न्वा वी शः हुन न न न न न श्रे अर्थे विवादी । यदियाः तृः वित्रः अः वितः नदः वद्यश्यः यद्यः द्वाः स्ति। यिति नः यदिः वित्रः वितः वित्रः वितः वित्रः वित्रः वि शेशशान्त्रेगाः सुः दे 'द्रः दुः ह्यूरशः ग्राटः यादेगाः हुः यिदः संदेः सेदः र्दे। अिस्रराञ्चनाःसःगिरुराग्चीः चुरः नः ५८.५ ज्ञुरसः सॅ र्डेना ने : इस्राग्चरसः ग्री: पिन्दासार्ह्यः नान्दान्वसायान्दा। पिन्दासार्ह्यानास्त्रीनास्त्रम् । स्रिससा उवाग्री देवाग्रानदे द्वापादिस्यायान हेवामदे ग्राम्य द्वारा द्वारा देवा है । इस

५८। बर बेर गेश सेरश पर १ वर बेर गेश पर्वेर पर ५८। केश ग्रेश र्येट्यान्ट्रा क्रिंयाग्रीयावर्ग्ने नाव्या नुगानाधिवार्वे। १देश्यान्टर विटानी अप्टेंट अप्ताले अप्ताप्ताले । के अप्ती अप्टरान सेंट्र स्ट्रें स्थापार सेंग्रायपा अःहेर्न्यः इस्रश्रं से हेर्न्यः प्राप्तः । हेर्न्ये प्राप्तः इस्रश्रं सूत्रः प्रक्रा वर्गुर्रायदे। । वर वेर मे अप्वर्धेर पार्वे हे त्यश्य वर्ह्मे नापायश्चर पार्यर नुर्दे । क्रिंश ग्रीश सेंद्रश ७७। । पालेश नु न त्रुन पा देश श्रा पा प्रमा ने निवित्रमिने मार्थामा शुर्या में त्राप्त के सामित के सामित के सामित स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स् मः अष्ठवः नुः से न् मः नृह्यः से सः मः में न् मः निवः नुः से वः सः न सस्याः मः नश्यानुः सेन् भान्तः। र्वेश्वानिक स्वतः न्या नश्यानिक स्वतः स्वतः न्या र्वेशयान्द्राच्यायायाः नर्वेद्रायान्द्रा नर्क्षेत्रयायाययानुद्राचि न्त्रो नाया र्चन'म'शे'न्न। व्वन'म'ल्यामान्य क्षित्र'मेर्चे ।क्रिम'मर्चे । दे व्ययः नर्ज्ञेन प्राययः देन प्रमः नुदे । दे व्यः नुदः कुनः से सयः द्रम्यः नद्रमः हेर्ग्रेशक्रिंग्रेशर्सेर्श प्रथाविष्र्र्ण्यो। बर्वेर पर्वेर प्रराम् गुनि धिरःश्वेरियरक्षे हुर्दे। विरविरयहीर्यस्त हुनिये धिरहे क्षानानिवर्

कॅरायर्चेर्यस्चुनविःधेरः अरारेग्वेदर्गे ।रिवार्चीःभ्रवरायरेरार्केराः ग्री अःसे र अः पाले अः ग्रुः नः ते र न सूनः पाले अर्थाः प्रश्ना वर्षे नः प्रश्नानः क्षर्यः यन्दरहेरासुःसबुद्रन्यरानसूर्यान्दरः। व्रेन्नन्देर्केर्यापेद्रसासुः क्रम्यायम् नस्यायधेत्रायम् देवायम् द्वित् । विद्वाकेत् ग्री वद्वाकेत् र्सेरश्रामश्रामावव प्रमामी बराबेर पर्चेर प्रमान वार्ष भीरा वे पर्चे वार्म वार् है। बर बेर पर्वेर पर्ने प्यर माय हे के राग्ने अ मेर राग हो र पर हो र वर्दे। ।गयाने केंशा श्री शार्ये दशाया श्री नाय हो नाय विश्व वर्षे वर्ये वर्षे बुदें। विर बेर पर्वेर पर बुर परे खेर है स् न पति द है से पर बेर हैं से पर बेर हैं से पर बेर हैं से पर बेर हैं नवे श्रीर थर दे नविव दे । विद्या हे द श्री श्राम्य विव द्या ग्री बर बेर पर्चेर पर ग्रुप्त पर्चेर पर ग्रुप्त । बर बेर पर्चेर । धरा ग्रानि से से स्थान निवान के कार में राधरा ग्रानि से स्थान निवान के स्थान में स्था नविन्त्री । नन्गाकेन्त्री कें राम्स्यान्त्र न्यानी वन्त्री राम्स ॻॖॱनदेॱध्रेरःषरः नर्हेंद्रःपरःग्रदें। विरःवेरःवर्ग्रेरःपरःग्रःनदेःध्रेरःहे खूः ननिवन्तुं के अप्तर्रे रायरात्रः नवे से रायराने नवे वर्ते। नि सूरार्श्वेरा

पिन्यः अर्चित्रः अर्प्यारः विष्युरः स्विष्यः विष्यः विषयः विष्यः विषयः न्ययः र्र्वे अःयः ष्यदः न्याः यदः स्वरः यद्यः यः वर्ष्वः यः ष्ये वः वे । । नेः यः न्द्राक्ष्यास्रस्यः द्रयतःदुर्साह्याःषुःधिदःषःनुःबिदःचक्ष्र्यःसरःनुदे । निदः ळुनःशेस्रशन्नदे ळुंयः विस्रश्रह्माया गुस्रासं ग्रामः भेतः प्रामे व्यसः ग्रामः प्रमः उट्टानः विवासार्क्टाम् ज्ञान्त्रमा स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् स्वास्त्रम् यर नहें न पर जुल्या नश्यका या अधिक पर नहें न पर जुले जा नश्रम्भभाषामाधितापरानाई नापरानुदे । व्हिलाविस्थान्यापान्युसारीने न्यायमायने सु है। हैं सामने रहेला विस्नापने के सून मर होना माना। वर्चेर्यस्त्रेन्याधेवाहे। ने वस्यस्त्रिन्यस्त्रान्ते वस्याविवाचान्याः ग्रदःनम्मस्राक्षितःनस्रुद्धाःसरःग्रुदःष। देःसः नम्मस्राक्षःभिदःसःनस्रुद्धाःतः ने यशम्बन निवाग्य स्थानश्रम् । ने वे स्थानश्रम् । કું ૨. ગુઽઃ જુતઃ શે સસઃ ઽધવઃ ફ્રેં સઃ ધવે ઃ જુંવઃ વિસસઃ જુસસઃ તુઃ ફ્રેં સઃ ધઃ વસસઃ હઽ઼ क्रमभासः श्रीवास्यार्हेत्यस्युर्वे । वाद्यावव्ययायायाभासस्युर्वे स्रीसः न्ना ग्रावन ग्री:रे.च.यद्र.ब्रीसन्ना ग्रावन ग्रीसप्परन्गायस्ये व.र्. नडुगायन देखेद्रयम् हो द्यम् बद्यो म्हर्मी द्रायम् नम्मायः

व्याहेयाशु नहग्रायानीता येयया उव ह्यययाया श्रेताहेते येयया है। नर यावयाः स्रे। नयो नः वर्देन प्रशायो व प्रमः स्रो हो नः प्राने । प्रमः व स्रुस्रसः प्रासः धीव सम् निर्मित्र श्रुः है। ने वे ने शन्नो न खें म् श्रुः हैं न शम्म स्मित्र स नरः लटः श्रः वर्षुरः व। देवे वर्ष्य श्रः तुवे व्यवः लेवः लटः वर्षे नः परः श्रे वर्षुरः र्रा १८.जमान्त्र्याममान्त्रः में मानमानम्मममान्ता द्वी नार्षात्माम् क्रिंग्रथं प्राप्त द्वार्य प्राप्त विष्ठ व धरावशुरा वरारेगाधराशुर्वे । श्रें साधारे सावहरादा दे के रवसामावदार यर हे श शु पहुना यर रेना यर हों। निय हे नहर व वे अ धेव वें। हे गर्हिर्यादी सर्हेर् नसूर्व कुरविशावश्चराहे। यर द्वारार सेवराये से सरा ग्रैमाम्री पर्यापर में माम्री माम्री निमान मान्या म इट्ट्रियनुष्यन्द्रान्द्रियः पदि क्षेत्राः हेट्ट्रियः होट्ट्रा स्थापदे वात्रश्रः नुदे कें अन्ववे में ने न्या यथ वयश उन्न्या ने ने दे हे अप पत्री व पान्या राक्रित्रां हेश्राराय वित्रासरा ७७। वित्र वित्रक्ता सेस्रार्या

न्यायार्वेनायराशुरावाणराष्ट्रीराञ्चरायराणरा वृदे । विराद्धनासेससा न्ययः र्वः तुः वुदः वर्वः के रावे वा वा बुवा वा विवायः या वे वुदः ख्रवा या सरसः क्रिसःग्रेसःहस्यःशुःवाद्यरःनःशुसःग्रेःवेरसःश्रेष्ट्रिनःनरःनरेनाः इससायास्य स्माना निया है। हिन्दा प्राप्त सामिता साम न्यो नदे सुँ या अप्यार्थे अपदे से राधे ते राधे व से न्या से प्रति से स्था से प्रति से स्था से स्था से स्था से स मः अः भेतः मश्चीतः मरः भेः ने न्वः भरावः मात्रः अः भेरः भरेतः भेतः र्वे। । पाय हे र्के अ ग्री में पाय प्रयासी या ने मार्थ है या में स्वी या प्रयास के या निया में या निया उत्राह्मस्रात्यः श्चेत्रायरान्ते दात्रात्रात्रास्यां निरायत्या स्वाप्तात्रात्रा । दिरा न्यात्यःश्चेत्रःसदेःश्चेत्रःयाववःन्यात्यःश्चेतःत्रतःश्चेन्द्रःष्यः विवःसःश्चेतःन्तः नठर्भायर वशुर रें। । नाय हे नद्या नी रापदे कें राबन से रहस रापदें दुर र गविगानान्द्रस्य भाग्य गुरुष्य स्रुधानाने भ्रुष्य गुर्भि त्रे से स्रुध्य गुरुष्य स्रुध्य स्रुध्य गुरुष्य स्रुध्य स्रुध् नर ग्रेन्त्र के निक्य में निक्य में निक्य में निक्य के निक्य में निक्य में निक्य में निक्य में निक्य में निक्य मुग्राययाययाय्यास्रास्रेग्रायायद्याची नस्र्यः नर्द्याची मोग्राययायान् न्याया सेसराउदाक्सरायादे पी पोरायदेरावडुवाद्यास्या देशहेदारायवादा

नर्देगामञ्चेत्रम् ने द्वा ग्वित्रयम् नश्चरमः ने श्चेत्रमः ने द्वाराद्वायः র্ষ-ব-১৮১৯ বের্ম-১৯ বিচ্-জ্ব-১ মম্বর্মন্ম রীবাম-বম-রীমা विवासायमान् नर्नेमाया देः पराष्ट्रीयाते। यहया क्रुया ग्रीमाशुरास्वापी मोरा वर्देर्यावियाः पवया वर्याः हेर्यो अरग्रम् श्रेर्ये से से रामि वर्षे द्रश्रेष्य नेश्रास्य मुः विद्या मावव द्या व्याप्य प्याप्य स्थित्र स्य मुना सर हिर्दे । पाय हे से पाय या या या या से दाय विवादित्य दा हिर कुन से सय न्ययःने यः यने अहिं न्यःहे विवा हा वे अधिर अखेर अहा नियः हो। वाया हे। नर्देरमायार्धेरमासु वेरमासु द्वारमा नुदे ले माने माना नुदास्त्रमा समा नमयाम्याने सोमायान्यसाने के या ग्रीने न न स्वी ने'य'श्चेत'यर'भे' ज्ञानम् देव'नर्देग'व'देव'श्चेत'यर जुदे । वाय'हे'देव' श्चे निर्मान्य मिष्ठ मा सा ही तान प्याना मान्य सा है नि से निर्माण के सिर्मा है नि र्भिय्येष्टिश्चा विश्वत्यत्त्रे हि वया ग्राट्य ने प्रमाश्चित् गल्र-भेव-ए-रव-मायद्वे-नर-पर्देन-मये-ध्वेर-श्वेर-प्रायासः विवाव-पर्पायनः

यविरायद्येरायद्ये यस् यर्देरायायायराने यविष्ठे । यविराह्यरायस्र वसनामानायद्वी न्यर वर्दे द्रायदे ही र ह्ये दायायाया ही मान होता है । वा मान हो न न्दः नडरुषः यरः देवाः यरः ग्रुदे । विदे वे ग्रुदः रुवः श्रेश्रशः नवः यदः वर्देग्रम्भारादे से सम्भारत् सम्भारायाय वर्षे प्रमार्थ सक्त सदे हे मासु वज्ञरः विरः बरः बेरः वड्यः प्रवे स्रेय्यः प्रम् सुंग्रियायः प्रेर्म्यः सुःग्राज्ञरः प्रवेः द्ध्याग्री शासद्यानि शाग्री नशसाया श्री दासराग्री दासरामा सामिता नडर्भायरावशुरारी । वार्वेदाया होदायदे सेस्राया उदाइस्राया वार्वेदाया ग्रेन्यदे अळव् अदे हे अ शु प्रत्र लिट हें ग पदे से अस न्ता न्या ने र र्वे निप्त निर्मात्र विक्रमार्थे । विक्री निर्मा हो निर्माण नि यट सं के सं के सं के सं के स्वर्थ के स्वर्थ के सं र्श्वे अश्राभी नश्रमाना भी दानर में दान का में ना दिए नह साम निर्मा र्रा । पाय हे र न हु र न है र न है र न है या है या न य ने न र प न न न न न त्याग्री क्रेंब न्दर्त्या श्रायदे क्रेंब ग्री हे या शुरव बदा विदासना हु विद्वे वासर थे। हो न द दे । वित्र स के न से न से न से । विषय हे से हि न दे से सका हे न म विवा

क्षेप्रयाहुप्रचिवायराचे दावायरापावाया केर्या केर्या है। क्ष्रनानिव न्त्रनिक्षेव पर हैंग्राय पर होत्य प्राप्त । ग्राय स्थित पर होत्य त्रा वर्षिरः सूर्यः छेर्यः परारे विवर्तः रेगायर ग्रुः है। इस्यायः रे न्यानी या जुर कुन ये यया न्यते कुंवा वियया ग्री सुर में ने मासुया विरयस्य ह्निश्रायर रेवा यर हुदे। १२ व्य श्चेत्र या व्य श्वेत्र या सुरु केर प्रश्नेत्र या इस्राम् भी सर्देर निर्मान निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा निर्मा स्था निर्मा क्सम्भाग्री क्षेत्रामाने समें मान्या निष्या मान्या स्थान यदे सर्भे स्था मित्री व स्था व ह्रे। कवार्यायाओन्याहेन्याहेन्या विष्ट्रायाहेन्या विष्यायाहित्याहेन्याहेन्याहेन्याहेन्याहेन्याहेन्याहेन्याहेन्य ५८। इस्रायम्क्रियायासे ५ पाके ५ ५८। स्मास्यायके पाके ५ मी र्देवायर हुदे। दिःयः कवाश्यः से दःयः है दःवे श्वेवःयःयः श्वेवाश्यवेः बेर राजार धेरायदे। रिकायस अर्थे न से राजेर से केर से केर से मान

यदे हे नदे हें व से रूप पाइस्य पाइस्य उत्ह्रिया मार्थित यदे। १८ त्यः इस्रायरः हेवा यस्से ८ त्यः हित् वे श्चेत्रायः स्वासायायात्रः नम्मार्यास्तरे दे ते हिन्दु से स्वापार धेत सर्वे । दे त्य धेरस सु नर्वे न १९८९ में भ्रेट्टे स्थाय से नामा प्राप्त सम्मा स्थाय स्थाप स्थाय स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप यरः ह्रेंग्रायि निरः कुन वर्षेन यर ह्रेंद्र व्यय वर्नेन या वार पीदा परें। । दे याने भूम ग्रुम सुन से समान्यव द्वस्य ग्री संमित हु श्री व ना वे व द्वस्य स क्षा लूर्याश्चित्रान्।रेगार्वे निराक्ष्याश्चित्रा रेगर्वःश्चित्रान्वेयाग्यरः হা হাদ:জ্ব:শ্রম্মান্দদেশ্রমান্ত্র:নম:ল্রমান্ত্রদেহারী। श्चेत्रायाले या ग्रामा वियासना व्ययया उत् ग्री निमाया विया ग्रामा निमाया व श्चेत्र पा बे या ग्राम ह्या प्राप्त प्राप्त प्रेय प्राप्त प्राप्त हो या ग्राप्त हो स्थाप प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प रादे निर्देश गवि र नमूत्र पदे र्स्ट्रेस ग्री केंग्र श्राप्त वर्ष प्राप्त स्थाप वर्ष स्थाप हैंग्ररायर हुदे। श्वित संदेश्यर स्था हु ही तार है। नदे हें ता से स्था साम राज्य स श्चे देयाया नहेन या क्याया न द्वार्थित है। दे द्वार्यी यहिन से दा नुहा द्वार श्रेश्रश्नात्त्र श्रमःश्चेत्र प्रदेश्य स्थाति स नश्रूव पः इस्र भागविषा प्यसः वर्धे सः प्रदे भें दिस्र भागविष्ठ दुः देषा प्रसः

बुदें। दि या ब्री देयाया नहेत परि हे नि हें तर हैं तर हैं नि स्थाया है। ल्टिशाशु हें द से दिया पार्टा के दिया पार्टा विस्त्रा प्रस्ता हो द सामे दिया से दिया स न्ना धन्यानश्रम्य प्रमाश्र हिंग्यायान्ना धन्याश्र श्रेत्या । वनः यानहेतः मदे हे नदे हें दार्शे दर्श माणा मुसामा हु है। देश मन प्रीवास मंद्रिन्द्र। र्रेज्ञार्थाः सुराचाद्राराच्यायाः द्रेत्राद्रा। व्याप्यते रेर्क्या उत्रः केट्रेट्री व्हिल्राचिस्रराग्री से उट्टरह्न्याचिस्रराह्मसाम्यापाः इसामान्द्रा नश्रूव प्राया इस प्राया है या यो शादी प्राया स्वाप्त स्वाप्त प्राया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व सः इसमः श्रीमः ते ः श्रीमः नः इसः समः न्याः सः नश्रुवः समः मेयाः समः ग्रीके । निः सः ब्रैंर्निर्नित्रं म्रम्भार्मि क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं यदुःश्चिर्यान्दा लूटमाश्चीत्रश्चीर यदुःश्चिर्यान्दा भूयमाश्चीःश्चिर्या न्ता नश्चरःनवे श्चिरःनवे । ने न्यरः इस्रायानि स्वाप्तानि नश्चरा यिष्ठेशःग्रीशः वे :श्वेरिः नः न्दः से निष्ठवः निष्ठाः वे मार्थ्य पर्दे । द्वाप्पप्ट । वर्ष्यप्रप्ट । वर्ष्यप्रप्ट । वर्ष्यप्रप् ग्रीमः वे निवे पर्दे । निद्धः प्रमाने हें मिन्यः प्रमानमून प्रमानमः

बुर्दे। ।नर्वेर्पान्स्यापरार्वापिते स्यापान्यकुष्यास्यापरार्वापास्यापा यित्राशु रेया पर जु के। शे सेर हेया परे के रास के सम्प्रापर प्याप है न्गुरुप्तश्रवःहि । निर्श्वेषरुप्तदे स्वेनरुप्तिरुप्तरुप्तरुप्तर्भात्राम्य नश्रवःहैं। । श्रें श्रें रःहैं ना पदे श्रें नश्रः श्रेशः इसः परः द्वाः परं प्यारः इसः पः निवर्भेग्यर मुः है। विक्यार्थे निष्टिय सुः हिर्मित्य सुः ने'गुव'र्'भे'र्भेर्द्भिर'प्रश्राह्मसाप्यर'र्या'प्र'र्दा विवास में वासेर्'प्राक्केर प्रश्ले प्रश्ले यर द्या य द्रा देवे कु खें द्रा शु शे हिंद प्रश्न स्था पर द्या पर श्रे। इय यायाडियान्दा याहेशन्दा याह्यसन्दा याँ सेस्राया विवादी । स्री पर्से यद्र कु दे द्वारा म्यूर प्राप्त द्वार प्राप्त के विष्य के त रान्दा क्षेद्राहे असेद्रायदे । निहें त्या कार्यी सार्द्रिया हु से त्या कार्या न्यानायान क्रामान्युर्वात्रमान्यम् न्यानम् न्यानम् क्रिमा नशः इसः धरः नृषाः धः नृरः। धेरिशः शुः वर्देशः धरः इसः धरः नृषाः धः नृरः। ईसः यश्राह्मश्रायम् द्वार्या द्वार्या व्यवश्राश्चिष्ठाह्मश्रायमः द्वार्याद्वार्याः द्वार्याः द्वार्याः व्यवश्राः व ७७। । गात्र अ'रा अ'र्स अ'रा सः 'र्मा'रा 'र्मा' हे अ'रा सः 'र ग्रुटः 'रा अ'र्स अ'रा सः

न्यानान्ता भ्राम्याभ्याभ्यास्य अर्थेन्यास्य भ्राम्य न्यान्य न्यान्य न्या सर्वा परःवेशःपःशुरःपःहेर्ःशेशःहसःपरःर्याःपःर्रः। सेःबर्पःहेर्शीशःहसः यर-द्या-पर्दे | वर्ष्या-वानुव-श्री-यः रेष्य-तु-श्रीव-यः षर-इया-यर-द्या-य-इयः यान दुर्भाद्वसायमान्यापिता है। न्यायाने हिन्दी शाद्वसायमान्यापानमा न्यान्यान्ता न्देशायावे विनास्या इसायरान्या नामा न्यान्या ग्रेशः इस्राधरः द्वाः यः दृदः। वावस्राधः द्वाः यः द्वाः यः दृदः। सर्वियम् भेषाया नश्चनाया प्रताम्य स्थायम प्रवास प्रताम स्थायम प्रवास प्रताम स्थायम प्रवास स्थायम प्रवास स्थायम ल्ट्राश्चित्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्याच्याच्याच्यात्राच्या ळ्र.चेव्र.स.ज.र्थः र्थर.च्याः इस्र.स्र.र्थाः स.र्थः वर्षः च.र्थः वर्षः च.र्थः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः क्रायर-न्यायदे । विश्वर्य शेष्यरेय कुष्ठित यक्ष्ययर-न्याय है क्राय यः हो। सळ्य हेर ह्या या प्रश्न स्यापर प्याप्त प्राप्त हेय हेर वही या पर वर्चेट.य.ध्रेयोश्वात्रश्चरात्रर्थयात्रर्था अट.पत्र्योश्वार्थः ध्रेयाश्वार्थः वर्षे धरःद्वाःधःद्रः। श्रुकःतुदेःत्तेदःभःह्वाकःधकःइसःधरःद्वाःधःद्रः। वर्षेतः राहेंग्रायश्वाद्यायर प्रायदे । विटाकुराश्रेयश्वादादे सुरासुरायः

खुर्या ग्री हे या शुः श्वेट गावया भे जा ह्युर्या मह्येत स्वेत खुर्या या दे । प्रवेत । १९८७ । अर्था के स्रोत्ते अर्था अर्थ विद्यान्य अर्थे। । अर्थ व्याप्त स्रोत्ते प्राप्त स्रोत्ते विद्यान्य विद्या हुदे। विरक्षितःश्रेशशाद्यवःश्रेषायाश्रीः द्यो वदे के शासःश्लेशायाश्रेशः नक्केन्यते धेरवन्त्रयाक्केन्यरा होन्दि लेशक्रिंश्यरा हाराने न्यायारा बे व इस्यान दे दे सूर दे नबिद हे द री दसे निया साम है । शेशशायां शक्त सान्ता वात्र शान्त वेत से सूर वर सुर प्राप्त स्था स्व १८। वर्रियर्र्यास्य अक्षेत्रायः इस्र अस्त्री रायदे द्विर्यं द्विर्यं स्थितः यर होतः दें विश्व क्ष्यायर होते। । या क्षेत्राया इयश से नक्षेत्रपते हो रहे क्षे.च.चबुच.रे.क्षेर्यायात्रेराचराश्चरः याक्रय्यान्ता वरारे.लरान्यायरः श्चेश्वान्त्रस्य सम्बद्धान्य न्यान्त्रेत्रः स्वान्त्रस्य स्वत्राम्य स्वत्रस्य स्वत्रम्य स्वत्रस्य स्वत्यस्य स्वत्रस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्यस्यस्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्यस्य स्वत्यस्यस्यस्य स्वत्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस श्चेरायाम्बर्धायाश्चेर्यये श्चेर्य्य श्चिर्यः श्चेर्यायाम्बर्धायाम्बर्धायाम्बर्धायाम्बर्धायाः वर्त्रानःश्चेर्नःसरः होर्नः दिश्वास्त्रास्य हाः नः यदारे निवेत्रः दः रेगाः सरः ह्यो | दे व दर्भे र इत र हे नर म्वा म र द्या व दे दर्भ या र व स्रोस्राक्षे नरमित्रम्रेन्य स्त्रीया स्त्राच्या । देवे विवा पुर्वस्रीयास्य दे किराया

सेसराग्रसाराज्य राज्य हो निष्य प्राप्त हो निष्य हो निष्य हो स्वाप्त हो स्वाप्त हो स्वाप्त हो स्वाप्त स्वाप्त हो स्वाप्त ह रैगायर हुदे। दिवे देगा हु हैट दे यह व के नायवे हिट दे यह व खें दश शु क्रियाश्वास्य निया है सह विद्याय है। मिराया है स्वास्य स्वास्य हुदे। दिवे देवा मुनेट दे वहें द वेंद्र वेंद्र अर्थ हैं वा अरवे अर्द्ध अर्द्ध अर्द् द्याले व म्याया व द्याया प्रमान में प्रमान म क्रम्भाग्रीमायमायार्द्यायम्भी ने त्यान्तरार्दे इस्रमाग्रीमः वे क्वेंरानदे त्यस्रक्टा द्वापर द्वापर के सामर देवापर होता र्ने। श्रिनशः इसरा ग्रीशः दे । केदारिदे । दिवे विवा तृ श्रुराना प्यापार । न इसरा प्रते : ग्रुट : कुन : ग्री : प्रवा : क्रिय स्था : ग्री स्था : प्रवा : प्रवा : स्वा : स्वा स्था : स्वा स यर ग्रेन्यर रेग्यर ग्रेन् । नेवे वेग्य हु व्याप्त व्याप्त स्वाप्त हेग्य प्रम्य वर्रे भू भू विताया मस्या उदाया माना माना माना विताय वि नर-रु:हे अःशुःवर्षे नः पर-रेगः पर-गुरें। । अळवः अः दरः ग्वे अः पर्वे वे ग्रीः वकेर न में मुस्राम मुन्ने न ने में मिराम मुन्ने निम्मे मिराम मुन्ने निम्मे मिराम मिर ध्ययः ग्रीः पक्षेटः नः न्दा सेस्रसः उत्राचिनाः वाचिनाः कन्यसः पदिः पक्षेटः नः

न्ना म्वर्याम् । वर्षाम् । शे ने रामदे वकेर नन्ता धर वज्रूर न या श्रेन मदे वकेर नन्ता वहिनामान श्रेन्यदेविहिन्य हिम्से स्कूरिन स्वाप्त क्रिसे स्वाप्त स्व स्वाप्त स् सर्वि, सर्विव, सर्वे त्रकेट, य. देटा। व्याप्तरः सर्वे त्र सर्वे र म्कुल की त्रकेट यः यार बना मी 'रें 'में 'में निया आरें न सम् लेन समें 'यकेर न नरा यार' ७७। । वना प्रस्था की या सम् अर्दे व प्रते प्रकृता की प्रकेट प्राप्ता । क्रॅशःल्रेंटशःशुःनेशःनरः सर्देवः प्रदेः टः क्रुयः श्चेः प्रकेटः पर्दे। । देः यः यावशः वेः वर्रे भेतरहे। क्रेंर् श्रें वर्षे पारहेतरमार भेतर पार्से। रे भारतहेतर स्थापन र से इससायनुद्दानरावनुरानवे न्द्रीरार्दे । क्रूटामानेदानहेन न्यादन्याने नरःवाववाःयःनङ्क्षेत्रःयःयःनङ्क्ष्रं यदेः ग्रुटः कुनः श्रेश्रशः न्यवः ने स्यर्भः व्यत्रुक्ष्राश्चित्विद्यात्रम्याद्याय्यस्येययात्र्यायरः र्वेषायरः शु वर्षेशःश्रीःवक्षरःवःक्षःयः वृषाःषारः वे व श्राःदरः के शःक्षशःश्रीःवरःवः बर-रु-वर्-नेश्यः गर-धेव-य-रे-वे-वर्-नेश्यः श्री-वक्षर-य-र्-र्वेवे । रे-न्वाक्षेत्राया द्वी सेव्यानु विद्यान्य विश्वायान्य विद्याने विश्वाय विद्याने विद्याने विद्याने विद्याने विद्यान

यात्रराद्रा श्री क्षाप्तात्र विश्वाचार प्रियाचार प्रियाच प्रियाचार प्रियाच प्रियच प्रियाच प्रियाच प्रियाच प्रियच न दुवे 'से सम्राच्य ही । प्रसम्भाग्य स्था से दाद्या हु से दारा दे 'द्या हुस सम्प्रमा नरः गुःनदेः भ्रेरः श्रें वःषयः नहनः वयः इवः यः हेः नरः ग्वान्यः प्राः श्रेयः प्राः हो दारा दे त्याय दुः ने या या दाराधी वा या दे वि या वि या दे । या दा वी ख्राया र्शेग्राश्राया हे शासु क्षात्रे विदायात्र शासादे त्याय दुः वेशासायादा धितासादे विष्या पर्दे। शिश्वाताःश्रुचीश्वातः ने त्याःश्रेतः त्याः क्षेत्रः त्याः स्वात्त्रः त्याः व्यतः त्याः व्यतः व्यतः व्यतः नेश्रामानाषीत्रामाने ते त्र प्रेश्रामी पकेरामानुषामाषीत्र ते । । ने त्याक्षानि वैंदिन्द्रश्वेंदिः दुःवदुः वेशः श्रीःवक्षेदः वः इस्रायः वद्धः विद्वारेषाः वेदः दिनाः वदः त्रः भ्रे। में रावशामें रार्प्तर् भेशा शेष्विरामा स्थापान दुः माठेमा मारावेषा सुरुष्यः र्रोग्रायः यः सुरुष्यः र्रोग्रायः स्र राष्ट्रः स्र राष्ट्रः वीदः ग्रावरः ग्रावः वशक्षेत्रसें दशस्य प्राप्त विश्व स्थान स्य नेश्रायानायान धोवायाने हो निर्मा स्त्री । गुवावश्राहेव से स्थाय हो में वार्षी सर्क्रेना'ने'हेन्'त्य'ग्रुर्याप्तर्वर्यंनेर्यापार'धेव'रा'ने' वे'गहेर्यापर्वे । विस्रा यर जुर्या परि देव की अर्केना हे हिराया या जुर्या पर पर्वे वा पाराये व यने वे नश्रुयायरे । । या ग्रुयायदे ने व ग्री यर्के ना ने के न त्या ह्वा यम पर्

नेश्रायाचाराधेवायादे वे प्रवे । ग्रुवावश्रेवार्श्वर्याया ग्रुवाया र्वतियास्य प्रतिकास्य वाराधियास्य दे हिन्तास्य हिन्तास्य हिन्तास्य हिन्तास्य हिन्तास्य हिन्तास्य हिन्तास्य हिन नः सेन् नरः वर्षे सामानः धेवानः ने वे व्यानर्थे । क्विनः रावह्यानः ने हेर्यास्यानस्यार्टात्युरानर्रात्रस्य स्यास्य स्वानस्य मेः उत्र-दुःवदुःवेशःयःग्रानःधेत्रःयःदेःते न्वत्त्रःयवै । ।देःहेदःयः ह्ये न्याद्वा ৡ৾৾<u>৴</u>৽য়ৢ৾য়৽ঀয়ৣয়৽ঀ৽ঢ়ৼ৽ঀঽয়৽য়৽ৡ৾৾ঀ৽য়ৢ৾য়৽ঢ়৾ঀ৾৽য়ৼ৽ঀ৾৽য়৻৻য়৻য়ৢঢ়৽ঢ়ৢ৽ঢ়ৢ৽ঀ৾য়৽ मजार धेव मने वे नक्त मर्दे । विशुर्म मं भेर मन्दर विशुर्म न न न न न यदे 'र्ने व श्री 'सर्के मा ने 'हे न 'त्या गुव 'व रूप हैं व ' से न्रूप मा न न हम स्वर मा न न हम । यदे ' क्रिंशः महामा उत्तर्भान्य स्तर् भी भाषा वादा धीव सादे ही । द्या सर्वे । भूगुवः व्याकृत्रं व्याद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्वाद्यान्य स्व वर्षाहेवः बेट्यापन्तः इष्यापनः जुन्यते वन्या हेन् बेन्यमः वर्ष्ये अपाः यार धिव सं ने 'वे 'वडु' सर्वे । गुव व र हें व से र सं सं मान महार वहे । क्रॅशन्निन्त्वाक्षेत्रायार्टे निक्षित्रसेत्रायते स्टामी सक्रमक्षेत्रपुर्वेश्वाया यार धिव सन्दे वे न इ माडे या संहे। दे सूर में र व र में र द द द ने र ही ।

वक्रेट्रनवे क्रिया प्रेन्त्वा क्रियं न्ययः क्षेत्रः यः क्षेत्रः यः यहेवः वशः इवः यः क्षेः यत्रः यावयाः यः न्याः क्षेत्रः यत्रः होतः उटारोसराग्रह्मसायरार्ग्रेया नराग्चेटारी वर्जनेसाग्चीविहरानारेखसा क्रायम्रज्यात्र। यनुःनेश्राण्चीःवक्षेत्रान्यस्य स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्षाः नरत्युरर्से विवायक्वेदर्भेत्यकार्यस्यवे के नरन बुरद्रशत्री क्रूर डेश'गुर्दाक्ष्मि 'हु'रे 'बसर्स उन'र्धेन'या नैत'न्स'सम्दे 'बसर्स उन'सेन'रे विश्वाचेर रें। निःवायने अन्य हेशके न्द्राष्ट्रवाय में वादाधिवा ने प्दर्न भूत हे शक्तें शा बस्र शहर ही में केंत्र से दारा प्राप्त पित पाने के मेंत्र न्यायाधीताया दें सिंहिन्सेन्यदे के याने न्याया दें सिंहिन् नुस्से यायाया यार धिव सं ने 'वे 'गुव 'क्रेंच धिव 'वें। ।ने 'वे वे 'ब्रेंच 'वे 'वा वने 'क्र्म 'ने 'वे 'धेंन' रासाधितारान्तात्यागुत्राहेनातुन्यान्ता वर्नेनासारान्ता सर्वेतासा नर्हेन्यन्ता वःसून्नुवेन्यवे स्रेन्दे लेखायव वनेनयायम् सून्या ने यायदी अनु हे या नहें न यम होते । हि में हि न न हो न या विश्व विष्य विश्व सर्वियरन्द्रियः न्दर्गुवः ह्रियः शुःष्यः शुद्रः नः धेवः यरः वर्दे नः न्या

वैव हे अरेव पर नहें द य दर्ग गुव हें न ठंब विग धेव पर परेंद्र गय हे अर्दे व पर नर्हे द पर दर। गुव है न ग्रे कु प्यश ग्रुट न पीव व वे देशव । सर्वित्यर्ग्वर्हेन्यान्ता गुविह्ना ग्रीः कुष्यश्चान्याः वित्यायाः वित्यायाः धेव यं वे श हुर शे रुट हैं। । वाय हे अरेव यर वहें द यं दर। गुव हें व उँ अ वि ग पो व व व वे ने अ व गावे को न पर अर्दे व पर न हैं न प न न गुव हैं न डेशानुस्क्षेर्द्राहें। दिखावदिः सूर्डेशकें द्राष्ट्रदायं डेवे श्रीस्वापार न्भेग्रायाने सेनायाधेव लेगः यह नहें नियम होते । निः भून हे यायाव। याया हे 'हे 'यहे 'श्रूह' हे या श्री दा है 'ये या यी 'हें र या यी 'ये या यी 'ये या यी 'ये र ये यी या या या या य वर्नवर्यास्य शुरावा ने वायरी भ्राप्त के या विष्ट्रीत के शिव के विष्य ने खेंन प्रमायमें न न्या के बार हो से न प्रमाय के ना वाय है । याय है । खेंन वा के ने या वा के या वस्रशंख्या की दिन्ती के दासे दार के दाने के दिन दस्य दिन के सम्बन्ध के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त र्रे। । नाय हे से दाव वे देश व ही व के लें ना नी दर्रे अ वे पी व पवे ही र नार न्भेग्रायाने रे रे रे हिन्सेन रे लेया ग्रम्से स्ट्रा विगाया के दारे दि यर् से र्व रच ए रवे जि नवे के नस्व रावे क्या राष्ट्र रचा पर व से क्रूॅब्रयायान्युवायानक्रुेन्या हेन्छे छेरानन्य्याने प्राचेर्या विवित्राया

न्यायर न्यू न हेन् ग्रे से राजन्य प्रति विषय प्रति । कियाय रे या में किया नश्चेत्रपंतेत्ये से स्वत्रपंति वाश्वयपर्ते । । १६ राज्ये ते नर्त्ते त्य *ऄॸॱॻऀॱॺॖऀॸॱॸज़ॸॱॺॱॺ॓ॱॸॿ॓ॱॸॺॕ*ॎऻॸ॓ॱऻॕॎॱढ़ढ़॓ॱॸॕढ़ॱॺॸॱॸॖॱॸॾॢढ़ॱॺॱऄॸॱॻऀॱ धैर निन्दार्भ है। इत्यो । स्टर्मी अर्द्ध है दर्धे दर्भ शु नहम् राप्त दि। श्चेते'सळंत्र'हेट्'पेट्स'शु'नहग्रस्य स्यायस्य महस्य साम्री'सळेट्'नडु' यिष्ठेश से निया या अरश क्रुश ग्री के अरश दि अरश में नियम ग्री निये हिन हिन डे स वें न पदे लया इस पन इ वें प्रमान में न पन इ वें प इ्यामी अर्दे क्रे सके दान दुः यहि अर्धे द्या त्या स्ट मी अर्क्द हि दार्थे द्या शु नहग्रासाराधिताया इसामानिकाते श्रीते सळ्ताहिताधितसासु नहग्रासाम धेव पर रेवा पर जुः हे। केवा पर केवा का परे केट र र र न हा इस पर वाववा यद्र सक्षत्र हिट्या श्चार्य सामी सक्षत्र हिट्ट ट्रिलेंट्स शु. ने याया नाट पे द्राया ने 'वे 'अर अ' कु अ' ग्री 'के अ' अ' प्रदेश पर्या पर्या पर ग्री पर श्री में 'ब्री व 'के 'ओ' विषा मद्र प्रमान्द्र । प्राविष्य प्यतः भ्री सके द्र प्रमाने शासी द्राप्त प्रमान्य । लूटशःश्रीष्ट्रियोशासशाश्ची यात्री. क्ष्योशालूटशाशी पहुंदी साधा सक्या थेट. व्यट्याश्चान्वेयायापाटाधेवायादे वि गाहेयायदे । गाववाधटाश्चे यहेटावहः

गिरेश से निगाय कुः यानहेव हे पहुगा मदे सळव हे नि प्रेन्स शुः ने सामा यार प्रेंत पर दे विश्व अपर्वे । यावत पर भ्रे अके र न इ गारे अपरें र या थ भूट डिना त्यः यहिना डिट : यहुना : यदि : यळ्व : हेट : 5 : प्रिंट शः शुः ने शः या नाट : पेव : राने हैं निविश्वर् । विविद धर हैं अके निविद हैं विदेश हैं निविश्वर् । न्वायम्य इवायवे अळव हेन्नु खें स्था शु ने शयावार खेव याने वे खे पर्दे। दे त्यायमाम्मानिकायानिके मायानिके विष्यमाम् सम्मानिका रेगायर गुःश्रे। अर्देन यर गुन यदे द्वायर प्राप्त रामा प्राप्त है नर ले नदे इसामराद्या पर्दे। यावदाधराङ्गी सकेदान दुः यहिशासी द्याया सर्देवा मर न्हें न्यदे म्विदे म्विश्या क्षेत्र के न्यु प्रिस्थ सुर् के श्रामान प्रिस्थ ने वे द्वाप्यक्षे इस्रयः द्वार्यः ने द्वार्या मे रावे रम्य वी सक्ष्यं हिन् पे म्यास्य स्थानियः धररेगाधररेगा हुदे। भ्रिः सके न प्रकृषि शर्भे ने न्या हे न त्या हु दे अळ्त^ॱहेन्दें ने हेन्तु पॅन्या शुः ने यायानः पेतः याने ते 'नत्तः मर्दे। । गावव प्यटः क्री सके न न इ गाहे र में ने न गाहे न त्या ही वे सक्व हे न इस्रायम् सी हिंगा परि हें न् प्याया की सक्त हिन् नु प्याम स्थान स्थान प्याप प्याप प्याप स्थान स् मने ने नक्तरमंद्री । पावन प्यर क्षेत्रे सके र न इ गिहे स से ने र ना हिराया

श्चेते अळव हिन्दि ना हेव एका प्रमायन कर में हैं राष्ट्र या मी अळव हिन रु: पॅरमा सु: ने रापा नार पेव पार वे र न् गु पर्वे । । नावव पर हो सके र न हुः यिष्ठे अर्थे ने निया के नाया है वे सक्क के नाम समान्य माने सक्षेत्र सक्क के ना र्जित्यासुःनेयायाराधेवायारेवे। यद्यामुया ग्रीकेयायायदेयाया र्वेन'नर'ग्रु'नदे'ग्रेर'ग्रेर'रे'या'यंन्'पदे'त्यय'नदु'रा'पेर'ने। इय'रा'नेने'रें' ने न्यायी अर्वे श्रेवे अळव् हेन् पेरिश्र्या मुग्राय पर नेया पर हुर्दे। । यावर्रायन्दर्भाक्ष्य्रा हुर्ये विद्वार्थित हुर्यं विद्वार्थित हुर्यं विद्वार्थित हुर्यं विद्वार्थित इस्रायान मुन्योस देवायर मुह्री नस्रस अश्री प्रिये मुन्यर प्रमान श्रेश्वराह्मा स्ट्राचित्राच्या वित्राच्या श्रेटाहे वे वित्राच्या पार्टेषा द् ष्ठिव मदे विद्रम्पर दर। से सम उव पे दिस सु ही व मदे विद्रम्पर दर। श्रद्भाः कुशः श्रूदः नरः वश्रूरः नः नदः। अर्केनः पः नदः नश्रुवः नगुरः होनः पवेः विन्यम्पन्य श्री विन्यम्पन्य अश्रवे विन्यम् श्री । ।। वर्षः वि शुअ छ न तुन न। देन न सम्म न सक्त है न स् न न स्व म से न हे न हे न हे न ह बेन्यदे अळव हेन्न् । वहिश्राश्चा विदेश सळव हेन्न । हैवा वोदे ह्ये दिः तिता त्राच्या त्राच्या त्राच्या त्राच्या त्राच्या त्राच्या त्राच्या त्राच्या व्याच्या त्राच्या व्याच्या त्राच्या व्याच्या त्राच्या व्याच्या व्याच्या त्राच्या व्याच्या व्याच्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्य

न्नासासाधिव मान्नेनासमापना समायन्यासमायने सक्व नेनान्न। वसमा उन्-नु-र्ने-पारे पारि अळव हेन्ने । नि-यः पर्हेन्-नु-सेन्-परे अळव हेन्ना गिहेश शुः से दः पदि : सक्द हि द्वे। द्वे दिश पा देश पर दि से देश पर । गुव पर्देश गुर कुन से सम द्वाय देव । ज्वा कि सम प्रमाय के सम प्रमाय । दे नदेशम् ग्रेमुयानदे स्रमार्के साम्रसाउट्गिरेसासु सेट्गा केंसा वस्थारुन्याहेशासुःसेन्याबेशानुःस्। क्रिंशावस्थारुन्तेः यानः हेःसून्तः गिहेश सु से द पाया ग्री नु किया मा स्वापा कर किया मा स्वापा कर किया नु नर्ने गिर्देशही उत्राम्भे। वर्षा ग्रमान्या वर्षा साग्रमान्या । दे व्यावर्षा नुराने 'वर्षानुराना या प्रेमा वर्षाया नुराना या या प्रेमा या प्रमान ग्रे क्रियानदे अंशाहे स्ट्रम्य पर्या चे स्ट्रिया चे साम्या विष्ठा वर्षा सा नुराग्रम् अप्येत्राया वर्षायानुराग्रम् वर्षायानुराग्रम् यापेता वर्षा यानुयाग्रम्याधेत। देवायाग्री नुष्दनुयानुयाग्रम्यन्यः वे क्रेंब्रप्या नन्यायायदे किया धेव हे। क्रेंब मया नन्यायायदे किया यादा धेव सादे ही गुव

हुर्हेग्'रा'यस जुरान। बर्सूर्'रु'न्हेर्'रा'धेद'य। गुद्र'हुर्हेग्'रा'यस जुर नः श्रुन् न् न् हेन्य मान धेव न ने हो। गुव कु हे मान श्रु के मान ग्री श्रुन् न न्हें न्यामान्त्राधेन्यासुः सम्मुन्यदे सुरादन्यान्यासाधेत्राते । दिनाया ग्री तु १२ तु अ अ ग्रुअ १ वे अ ग्रु न र ने १ अद १ श्रु द ग्री १ विष्ठ अ अ ग्रि न अ १ थ । वर्षानुषान्ता वर्षायानुषासुः यानिनाषायानाः है नहें न्यूटाने प्यटा ने'न्र-'यर्'त'हेन'यर्'यश्चरा ।ने'अर'ने'न्र-'यर्'त'हेन्'र्'यश्चर' र्रे। निर्देन मन्नेन्र्रेश्यें सेन्या उत्पारमणीत है। न्रेंश्यें नेपार यादः धेरा वसवासः महस्रारा है। वसवासः मदिः धे भी सः दृदः वसवासः मदिः अर्वेद्राचरान्त्रेद्र्याच्यान्य अर्वेद्राचरान्त्रेत्राचरान्य अर्थान्य अर्याप्य अर्थान्य अर्थान्य अर्थान्य अर्थान्य अर्याप्य अर्य मः है। यहूर्रेश्वर्षेर्ध्यः क्षेर्रेर्रेर्ध्यः क्षेर्यः क्षेर्यः क्षेर्यः क्षेर्यः क्षेर्यः क्षेर्यः नर गुःनदे भ्रेरप्रभागुमाले मामेट प्रान्त्रमामा में। |रेग्नामाग्री प्राप्त्रमामा हुराबेराहाराने पर हें वर्षायान निष्या रादे केवा वार पेवर परे वे। गुवर हुर्हेग्'रा'यशः बुद्दारा श्रुद्दार् नाहेंद्दारा धेवाया गुवाहरें गायायश बुद्दारा बक्षुन्न्यं वहें न्यान्यं विषयं ने विषयं त्राक्षित्रं त्राक्ष्यं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं विषयं न्ह्र्यामान्त्राधेत्राशुः सामुनायदे भुरः दर्शसानुसायधेतः

र्दे। दिवायाग्री तु १८ तुया गुया वेया गु १ न दे । प्या मा मुन् ग्री । विषय सु । विषय सु । विषय सु । राधिताया वर्षात्रभात्रमावर्षासात्रभासात्रभासामाराके निह्नामाराने षर-दे-दर-वर्शनः हेर द्यारा दे-षर-दे-दर-वर्शनः हेर-द्वयुर र्रे। । नर्हेर्न्स हे नर्हे अन्ये से से न्या उदाया अव से निर्म हो नर्हे अन्ये ने प्यान पार वे त। वसवायासम्यया श्रीयावसवायासदी पो नेयान्तरवसवायासदी सर्वेतः नशन्द्रिन्नुभेन्यमः अर्देव्यमःह्रिष्याश्रम्भाम्यम् अरुषान्यान्यम् अर्वे। न्र्रेन्न्अन्यदे केंश्वेन्ने केंन्ये केंन्ये केंन्ये क्षित्र स्ट्रिय्ये स्ट्रिये स्ट्रिय्ये स्ट्रिये स्ट्रिय्ये स्ट्रिये स्ट्रिय्ये स्ट्रिये मुर पर्यायाय्या वेयायेटार्यायायाया । यो मियायद स्था है सेराय वसवीश्वासः स्थार्थः में प्रदेश में प्रति वसवीश्वास्त्रे । यसवीश्वास्त्रे । यसवीश्वास्त्रे । अर्वेद्राचर्यान्त्रेंद्र्येद्राचर्यात्र्येद्र्यायाः हिष्यायाः यद्र्याः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः र्अर्पदे कें राष्ट्रेर्पे केंद्र से वर्षानुषाद्रायद्र्यायानुषालेषाभेराद्रायह्यायायाधेत्। देवायान्नीःनुः यहे.के.के.ट्रां र.व.कें.य.यावय.य.याकें.यायावय.यी.क्रांच्यायाव्या यसर्भे के दे नि सर्भे र तर्गा है। इ नि ग्या में सर्गा निया ७७। ११८:८मा:माया मार्यमा:साम्या र्शे:५:अ:८मा:माठेमा:५:नश्रूयः

वशःश्चरः सदे व्ययः श्वः कैं वाशः वदे व्यः श्वे। स्टार्सः केदे विकेशः द्वा हः वदेः र्क्षेण्यप्तरा निरम्दे केंग्यप्तरा न्युर युः कुर मी केंग्यप्तरा वें र युः न्मा ख्राक्रेगान्मा नैरहुक्तान्मा ह्मा नम् अवस्रोवान्मा द्यान्ते र्क्षेण्याद्रम् वे स्पर्मा वर्षुप्रमा यहीर्प्या वरावदे के वायाद्रया ह्या धरानश्रवात् देखार्थस्य उवाचारात्वा है सामदे रहा विवायवा हिन्या मदे रदा निवास्त्र विवास्त्र विवास वि <u>न्मा क्षेत्रप्ता वार्यवास्त्रप्ता श्रीं नुस्तरे प्रवासी क्षेत्रप्ता ने प्रवासी स्</u> सर्वेद्राद्यार्चे अप्तादि सुसार् से सका है। त्यूदार्च के वे रेकें वा असूदान वादा धेव यत्रे वे खें न हैं। इ यदे केंवाय न न कि इदे केंवाय न न न न न न नुःकुरःगेःकेंगशः दर्। वें रानुः नरा सुः नेगः दरा ने दुक्तः नरा नुरः न्मा सव लेयान्मा बुः दुवै किंग्यान्मा वे सन्मा वर्षुन्मा सहैन ५८। ४८.यदुःक्ष्माश्रास्त्राचाराणियायदुः वे .लू. १५ श्रेम. १५ श्रेम. १५ १ ने न्या है सूर अर्बेट य न्या है सूर विकास य विवाद ने न्या व्यव स्थित सर्क्रमा मुद्दालेदा सर्देव सर वेव वशा यदे वे नदेव शी मावव वे नह्रव पर्दे ले या हे या शु मा खु न पर्दे वा या पर प्यान हो न ने। ने के ने नवा वी या

ष्ठेशके नर नहना नर गुर्ने शराधिव है। । ने न्या शेश्रश्र उव नार न्ना ग्रेश यदे रमा निवारवा अपन्या अपन्या से मार्थि रमा निवारवा नि र्न न्राष्ट्रवास्त्रे रूरानिवास्त्र इत्रास्त्राम् निरान्ता म्रीमा यन्ता मुंदियाने न्याने सर्वेत्तरमा में यान्य स्त्री सूरा नुसे स्राप्त स्त्री सूरा र्भे के वे के वार्या सूर न वार पी व साय दे वे से दार्दे। इ नवे के वारा दर्श निराहामदे कें गुरुप्ता प्रात्ता प्रात्ता कुरायी कें गुरुप्ता कें राया प्रा हेग'र्रा वै'दुक्ष'र्रा र्रार्रा सव नेयार्रा वु:उदे केंग्यार्रा र्वे र-५८। वशु-५८। अर्दे ५-५८। वर-वरि र्वे वाश्वाश्वर-वागर धेव-धविः वे से न भी। जान त्या सुन में कि दे किंवा या भी त्वनु स्वेय न न सुन में कि दे क्र्यायाः श्री: इया मार्याया राष्ट्री: वर्षेया वर्षेटः वर्षा वर्षे राप्टा वर्षे राप्टा सर्हेर्न्न नर्ने रहेंग्राणी नर्जी स्था ग्रम्भाग्री तर्ने अत्यव्यान्त्र क्षुं अत्यक्षात्र विष्टि विष्टि । अगिक्षुं नर हो ८ मायरे हे 'पें ८ में सूसार से समानिया हे प्राप्त से स्वरास है । क्ष्र-भ्रिंश-पानवित्र-तः ने न्याःयः त्र्राभ्रिंश सर्वे याः तृः या तुरः विदः सर्वे तः प्रमः वेव वया परे वे नरेव शे मावव वे नह्व के वे या हे या शु श श्रूर थे

वर्रेग्रार्शी वर्रे सूर र्रेन इस सर रेग् सर शु न वे से र हे श शु न सूर वर्देग्रायम् हेन्द्री ने हे ने न्यायी या ही या है नम नह्याया प्रमाहा थे। न्में अन्याधीवार्वे। । ने निष्विवानुः से स्र अव्यापानान् । ही अन्य वे स्मानिवा उत्। शें शेंदे श्ले में र शुरान। नेशारनाययाशायायहै गाहेन यशायन्शा यायार्चेनायार्के यावस्याउटारी नार्हेटार् सेट्रा सदि रहेयारेट्रा सदि स्थान वर्दे सूर्यानु से स्रयाने। वर्षानु यान्यान्य स्राम्यान्य स्राम्य स्राम स्राम्य स्राम्य स्राम स्र नवित्र-५-५-१-५नान्य-तत्र-मीर्श्या अर्केना-मुना बुद्द-विद्द-अर्देत्र-प्रमः वित्र-त्रशः वदिः वे निवेषात्री। निवयने नह्व नर्दे वे याहे या शुष्टा यहे नियाया पराया बेन्ने। निन्नेनेन्नानी अधि अहे नरनहना नर बन्ने अधि असे विने। यास्रोस्रसाउदानान्त्रमान्त्रीसामदे स्टानिव उदासाधीदाम। नदेदामासर्हेटा न। नेश्रास्त्राय्यायायायहेगाहेतायथायत्यायार्चनाय। क्रेशावस्थाउता ग्री निर्दे द्रारी के राजिया हिता सर्वे राज्य के राजिया है। यह साम्यान

दर्भासानुभाग्ने पद्भान्। दर्भानुभाद्दापद्भासानुभाग्ने ।₹सान्द्रभा ग्रें तर् ने राप श्रुम् न रमा इसायम हैं नायाय रा श्रुम् न पर् हो न ग्रे अळवा याञ्चायाष्ट्रात्वनित्वे वित्ति। वित्त्रम्यायम् वित्रम्यायम् वित्रम्यायम् वित्रम्यायम् वित्रम्यायम् वित्रम्यायम् स्रुसानुःसेससःभिरा नेःन्याःहेःस्रूरःसर्वेदःनःन्रा हेःस्रूरःवेसायाविदःनु ने या वदा श्री या सर्के गा सुना बुना बेना यमें विता या प्रायम हो । ननेव श्री नावव ने नह्व पर्दे विशहेश शु. श श्रु न शे पर्दे नाश श्री पर्दे भूर र्देव:इस्रायर:रेगा:यर:ग्रु:यदे:ध्रेर:हेश्रासु:व्यु:वर्देग्रथ:यर:ग्रेट:दे। देः वे ने न्या वी अ श्रे अ हे नर नह्या पर श्रु शे न्ये अ प्र धेव वे । दिया अ श्रे श्र ने सूर्य तयवारा पाइस्राया है निर्देश में ने प्रयायाय परि पो से या नि वसवीश्वास्त्र असूर वश्च शाशी वर्डू रे. रे.सुर तर असूष तर कूवीश तर यरयाम्यान्यः वित्। । प्रहें न् प्रते निष्ठे त्र के त्र के न् प्रते के त्र के न् यर्षे व्यवस्थान्यः विषयः विषयः हैंग्रायरम् नुम्वते भ्रीतः वर्षानुयाद्याप्तर्यायानुयाने यासेटार्म्यया मः धेवर्ते। दिवसः ग्रदः क्वासेससः द्रमदः देवः वनः द्रोदसः मः संस् वर्गेयाग्रीशादेव के क्षेत्राया श्रानवदायायदे द्या श्रुयाश्री । वन से ही या

यदे हैं द्रापुत्रायाधेवाय। विहेद्रायेद्रायाहेश्यायेव कुत्रावश्व यहंद ग्रम्। विश्वासम्बद्धाः सम्बद्धाः विश्वास्त्रम् । श्चिम्परे श्चित्रः वाद्यादः बिट गहेश यात्र या । अर्हे गश्च यद्य स्प्रिया यर हे गाय द्या । श्वा द्र प यर द्या हु प्यर क्रे विरा | दे द्या के अपने क्र चरे क्रे च दे में म देश | कि व हु खुव रेट पर्विर न पर्देर पर्विर पश्चर । विश्वाशुर्श्वा दि पर हैं न ने दे हैं द धुवावश्यमायराद्यायराद्या यदे सळ्ता हेर् दे द्वीर सामारे सामर वर्गेयापदे सर्ने यमाहे भ्रान्यासुरमायानवित्र नम् ग्रम् । नर्से नर्से वन्याया ग्रुटा कुना ये यया निवार के या वया या या या या निवार के या निवार हैं। विर्टेशक्षित्वर्यर्थार्मे वर्शेर्यात्रिश्वराधिः विवर्षः स्वात्राविवाव। वदे वयः वहिना हेव भी । निस्र साना निविद्या दे सुरान तुव खु सान तुव भी भी स्था सुराव निस्र सा वा ने निवित्रमाने ग्रायायायायाया के के त्री अर या कुया थी विदायही गा हेता मी । निस्र सः म्यासः संदर्भ विसः नमी । नः ने सः निष्य स्त्र स्त्रे । के । ने द नन्नानी अः सुः स्रेना अः ठवः स्टः स्टः नी ः स्रेवः यः यः श्रेना अः यः व नु अः स्वनाः ननु वः इंडम्पर्वादि द्वा है। के शाह्यश्री में विप्तान्य प्राप्ति सक्ष्य है न प्रयास्य स् यशन इस्र अन्त्र। अः सुँग्र अवैवान अक्रेश भीट वर्ष म्या हे द्वा के श

इस्र भारी दिवाद्या परि सक्त हिदासे स्र स्पार प्रमान की द्या पर हिस्स पर नश्ची । १३ नमः हैना यम नश्ची । धिम्या शुः क्षिया नमा नश्ची मा ग्रामा अर्थे । वर्गा क्रिं में राष्ट्रन्या धेन गहेरा उवा क्रिं में राप्तरा हैन पर्मा वर्गेन्यम् गुर्म्य । याडेवायाविवाप्यः मुर्वे वर्षः ग्रेर्श्यावे न्यः नश्चेश विरादिनशायानश्चिश विनामनाश्चेशमहिंदायानश्चिश विरा याउट्रायर वर्ग्येट्रो श्रेंश्रें रासकेशायात्वा हेवा सर्वेट द्या विदेश वृत्र वर्षान्यायदे सूर्यानश्चित्रदे। श्चे साने निविद्याने निवासाय स्थाय हो ग हेत्र-तु-त्वुद्र-विद्या ।दे-द्या-वुद्र-चर्या-देत्र-द्या-पो-व्यय्या-उद्गाय्य-पदः न्या यम प्रम्य या अळव हे न प्रमे भ्रम् न हे या प्रमा अर्दे न श्रु स न यो प्रमा विकास सकेशमाने में सक्त सन्ति हैं निया स्थाप का से स्थाप की निया की जिल्ला की जिल भूर् हेश गर्शेय नर्रा नर्रे साध्य पर्मा ग्री मा ग्रुट कुन से समार्मा क्रॅशत्यवारायायने भ्रून हेरा वगाय द्वया है। क्रिशत्यवारा ने ने विद र्वे। १२.५.यध्रेय.धे। ८४. वे.६्य.२४.४.६्य.व).वश्रश्चरत्या. नम्प्रत्यान्ते अळव् केट्र अर्देव नम्हेन्या अप्यः अर्थः क्रियः वि तर. ह्र्याश्वारायर अटशः श्रुशः त्रशः यद्वारायर विश्वारायर विश्वारायर विश्वारायर विश्वारायर विश्वारायर

द्ये। गन्ग्रयायात्र्य। ननः हुःन्रङ्ग्रवः हैं। । नेः देवेः द्ये नः लेख। नेवःन्यः पद्येः वसनामाना इसमा ग्री से से स्टानी माने ना पायी ता समान माने ना में र्शेदे हुं। ते इस्र राष्ट्री प्यव रहंव रे मा पर राष्ट्र राष्ट्री र रे में मा मोदे रहें प्राया धेव हैंना नो वस्य राउदायया धर द्वारा सर वद्यारा दे सळ्द छेट नार धेद सर्दे वर्देवर्व्यायाधेवरयर्देवायर्त्रवृदे । क्रियःवयवायावववायर्देवर्व्यायः वे अळव अये प्रति श्रुप्त प्राया प्रेव प्रमान्य प्रति या हे गाने वे अळव यदःश्चित्याधेवाते। क्रियाययायानेदेशस्य स्याम्यात्यानेयाम्यात्याने ग्री अपदि भूर हैं गायो वस्र अरु प्रस्थ यह द्या पर द्या पर दि सक्दि है । यादः धोवः यादे वो 'देव 'द्रायः याधेव 'यदः देवा 'यदः हुदे। । क्रिंश 'द्रयवा शः वाववः षर-र्देव-द्यायाने नाई द्र-द्रायेद्र-याधेव-यम-द्याय-विद्राया हेनानो ने नाई द यदे हैं दायुवायोदा है। के अवस्याया देवे है दा इस ग्राम्य में या ग्राम हिंदा ग्रीशायदी स्ट्रेस हैं गागो स्ट्राया अला विदायशायदा स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व सक्त हिन्यार धित सन्दे ते देव द्या संधित सम्मे वा समः हिन्। कि रा वसवार्यावावव प्यटः देव द्याया वे चा सूट् चय्या उट् प्यटः द्वा यर कट् या प्येवः नम्मान्या हेनानो दे मासून ग्री ह्या प्राप्त मासून प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र नेते भ्रिम्म् अम्बाद्याने या ग्राम् भ्रिम् ग्रीया प्रमे प्रमः है वा वो म्बस्या उदाय्ययापार न्यान्यरः वन्यायवे अळव हेन्यार धेव याने वे नेव न्याय धेव यर नेया यम् जुर्दे । क्रिंश वसवार्था वावन प्यम में न माना विशेषा करा प्रमान न्यान्यरः कन्यां भेत्राच्यरः स्थान्यन् या हेवायो है हिन्यदे हिन्यूयः धेव है। के अवस्वाय देवे श्वेर इस मार्य र अग्य हिंद श्वेर विर हिंद हैंग यो वसस्य उत्यस्य पर द्वा यर द्वा स्वर्ष सदी सक्व हित्वार पीव सन्दे हैं। र्देव न्यायाधीव यम सेवायम जुदे। विकाय सवायाय यदी सुरक्षे। न्येम व श्चेरु अर तु वार वारा है श्चेर वर्केंद्रे निरं रुकें न रहा पर नदि रें निश्चेत निश्चेत यश्र है । क्रिंट क्रिंट स्था निम्म दे क्रिंच मानवा है शा शुः न्यवा मदस्य श्रॅशनम् श्रे नुश्राश्रे । । एवर मेर में नुश्रावर्दे द प्रदे पर्वे पर्वे द कवा श्राया श्रेशाया वी रन हु नने न पदे नने न वा बुवाय न । अन्ता के न । के न रेगा नुते सळ्दा सम्बर्भ उद्दाद्दा नुया न त्या नह्ना सवस् हे भाशु द्वा यवया ब्रॅंशयम् भे तुर्श्वा । धुर्रमे म से त्रागुर्त हु भ्रायाया ब्रॅंशया गुर्त

हुः श्चानाया अर्दे व प्रमान्याय प्रवाद विष्ठा विष्ठी श्चानाय प्रवाद प्य प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद प्रवाद यानह्यामवस्य हे सासु न्ययामवस्य स्र सामासी स्र सामासी सुर सिन से निष्ठ में निष्ठ में निष्ठ में निष्ठ में निष्ठ वर्षासर्वेदानप्दा वेर्षापप्दा वे व्या वेदानप्दा इसायर विरापित व न्याभरकन्यायहैयाः व्यान्यायायवीयायवे शुःन्यायम्यायन्याः यवसा हे अ शु द्रया यवसा से अ यर से तु अ से । कि अ वसवा अ वदे खे है। निरुत्य सुव मेर में व्यापन्य मेर सें र या सुर हैं व पा है न से से निर्मा यान्डिन्या हिन्यायास्त्रियम्न्यायान्यात्रे नुम्यो श्रुत्रायान्याः गैर्यायन्त्रामिराधेर्यासुर्वहेंद्रायः सेर्पाकेर्प्ता हेर्पासेर्पाकेर्या नम्यान्यस्य। हे अःशुःन्ययान्यस्य। श्रें अःयम् श्रेः तु अःश्रें । व्रिं अःयसयायः ने'नबिद'र्'हेंग'गे'न'बसस्य ठर्'ग्रेस'ग्रूट'रेंद'र्स्य'र्महेंग'गे'बसस्य ठर्' यश्राया म्याया विष्या विषय यत्या | श्रॅंश्रायम् से वुश्रार्थे | नि व्यायर्थे साध्य प्रत्या ग्रीशाने वे के क्रियाश्वाश्वर प्रायदे निर्याद श्रुत्य हैं। । श्रें श्वें प्रमः मेवा सक्रव से न श्वें न ख्वा है। । निर्हे न नुः से न 'से न म्यून 'से न स्था कर मा । के न न मा से साम के सा

धेव है। नि वे हैं गमे गुव यस यन्य अळव हैन। विस गश्र सार्वे। नि यात्रान्त्रान्ता त्रान्त्रायायाये वात्राक्षेत्रायकाष्यतात्राच्यायका यक्व हिन्दी न्वीरमारा देश पर रवोषा परे स्वीर स्वीर स्वीर रव नविव नक्षानर गुः हो। । नर्डे साध्व प्रन्या या गुर कुन से समार्पय हैं में सा ॱॺऀॺॱॸॖॱॿॺॱॸ॒ॻॱॻॏॺॱढ़ॸॆॱॠॸॱढ़ॆॺॱॻऻऄ॔ख़ॱॸॖॕऻॱऻॗॸऻॾॕॺॱख़ॺज़ढ़ॸॺॱॸऻॾॕॺॱख़ॺ वन्याग्रीयाग्रामा सून्त्रवि सून्त्रेया में त्राम्या वास्त्रामा वास ८८ म. १८८ म. १९८ म. हैं ग्राया सम्प्राया से वार्वे वियानगाय द्वारा है। है उद्यानु नर्दे या सूत्र वन्याग्रीयायायम्याश्रम्यापे ते दे संस्थित्यायायाया विष्याध्रमः वन्यावने न वन्यायी या स्यापान । स्याप्त स्यापान स्वाप्त स्वाप् श्चित्रप्रते अप्यान्तत्वार्यास्य स्वानुः स्वान्त्री स्वान्त्री स्वान्ति स्वानि इसस्पर्ता देवान्यायात्रान्तान्यात्राचार्यायास्यास्यास्या यश्च इस्र भारे। यदा खुँदा द्वा सके शाली मा वया ने व जुर कुन से समान्यव वि के वा वने भून के मायनु जीन गी सक्त हेर्रर्रेवर्म यदे अळव हेर्म मर्ग्य यम्बर्भ वेश्व अळी प

डेगावे पर्न भूर डेशपर्र होर ग्री सळव हेर र्र र्र र स्थाय से सळव हेर श र्ने त'न्य'मदे 'यळंत'हे न' घ'न्न' पायायायायाया वियायळे। वे : वें या नु सुरू पदे ' म् भू मा का विषय के प्राप्त किया है। विष्ट स्थान के पान के न्याने अन् हे यायन् हो न शे अळव हे न न में न स्यापिय अळव हे न मन्या यग्रायः र्शे वियासके नन्ता ग्रान्त्राने भून हे या यह हो न ही सक्त है न ८८१५४८४४५८४४६५६८५८४४४ वर्षामास्य विषया सेसस्य न्यतः ने 'न्या' व्यानः दे 'सर मर सके 'न व्यास्य वारा वार दे 'र्वे 'ने सके नःयन्याया । नारः ते : र्क्षयः नवितः नुः विनायः यः यम्याया । नारः ते : र्क्षयः नवितः यः स्वायन्यास्त्रम् । स्वायाः विष्याः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्वयाः स्वयाः स्वयः स्वय न्या मस्य या उत् वे १ वर्ते १ वृत्र १ देव १ त्या या वर्त् । वे देव व्यवस्था वर्त्त व वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व ८८.स.स.जयास्रास.स.के८.तस्रात्तर्यात्तर्यात्तर्यात्तर्यात्तर्यात्तर्यात्तर्यात् वळवान । विशामसें रशामा से मार्थामा से सामरामा संवानितास यवार्यायम् विवार्यः चः निः श्रूवा यवार्यः श्रें अया वर्गे निः भूनः

डेश'ग्रॉंश'रा'न्रा नर्डेस'ध्रु'त्र्र्य'ग्रेश'ग्रुर'कुन'शेसस'न्यद'र्ह्से'ग्रेंश' नेव : ह : इय : द्या : व्य : वर्ग : वर्ग व : खुव : हैं। । क्वें : खें रा : नेव : ह : इय : द्या : ने ने निविद्या है। नि ने निविद्या निविद र्नेतः न्यायायनुः होन् इसस्य न्यायन्य प्राप्त व्याप्त व्याप्त विष्य विषय । लट्ट्यास्ट्रिंग्यं वर्षायदे अक्ष्यं हेट्स्य यसे नेया है या है हिराया भ्रे नार्ययाचा भ्रे सिप्याचा कुषाचित्र साधित सम्बन्धा साम्या स्वा स्व श्रीश्री मार्डिया प्राप्ति वित्र द्रिया प्राप्तिया प्राप्ति वित्र स्थापा स्वर्षिया प्राप्ति वित्र स्थापा स्वर् रासाधित्रपदे ध्रिम्भे । दे किते ध्रिम्बे न के के स्वार्यायाय हे वर् होर् श्री अळव हेर्प्ट रेव्य प्रायदे अळव हेर् वर्ष्ट्र या वर्ष्ट्र स्था प्रायते । गुर्न्द्र दे ने याद ग्रीयाय शें शेंदि हों में प्रयय उत् परेदाय अर्घेट पायेद यर यर प्रत्युर्। । श्रें श्रें दे श्लें 'में 'में 'वर 'द्युर प्रवेद 'त्युन पर दर परे 'न 'त्र व्यंत्रेन्यदे सुन्द्र यशवन्यायवर्षेन्यस्य अद्यक्ष्म । व्यव्यंत्रेन्यस्य न्याःसरः ह्रियाश्वःसदे । जुरः कुनः सर्दे दःसरः ह्रियाश्वःसरः दळहः कुः नरः प्यरः वशुरार्से। । वायाहे वर् होराशे अळव हेरा यशर्रे वर्म मदे अळव हेरा म

न्नायाधीवायराशुरावादीः नेत्रावायनेवायास्यवितायास्यत्राराण्या । १०५१होना ग्री अर्क्ष्य अन्दर्भ ज्ञान्य निर्मा । विर्मु हो दिन् ग्री अर्क्ष्य अन्दर्भ ज्ञान्य निर्मा ध्रैर नित्र पा अर्घेर ना प्यर अर्क्ष्य अदे प्रकेर ना वश्र इस प्ररामें वा नर लट. म्रा. प्रयोग्ना । मक्य स्वरं प्रकेट प्रायमा स्वरं प्रमः स्वरं में या प्रमान स्वरं प्रकेट प्रायमा स्वरं प्रकेट प्रकेट प्रमान स्वरं प्रकेट प येव नी पकेट न प्रमाण्य म्हार इस प्रमास सामें प्राचम प्रमाण प्रम प्रमाण प यशयद्यायायवेतायराष्ट्रायी । व्यापायी । व्यापायी । व्यापायी । सद्य विर ख्रिन अर्दे न सर हिवा या सर प्रकंट कि नर त्यार स्री विष् में अःभेवः तुः इसः द्याः यदः यो द्वे रः र्रें र्रे रे र्रें वे र्रें रे यदेवः यः सर्वे दः यः स धेवा । श्रॅं श्रें शें भें भें भें विष्ठ र प्रशुर निवेद र मुन पर र र निव से र यद्यः श्राप्तवः त्रवारायः वर्षे वायरायाः श्री विश्वार्यः व्याप्तः विश्वार्यः विश्वर्यः विश्वर्ये विश्वर्यः विश्वर्यः विश्वर्यः विश्वर्यः विश्वर्यः विश्वर्यः विश्वर्यः विश्वर्यः विश्वर नरः हैंग्रांश्रायदे 'ग्रुट' कुन' अर्दे त्रायर हैंग्रांश्रायर 'दर्कट 'ग्रु' नर' प्यट 'श्रे 'द्युर' ननेवे भ्रम् । वर्भेनभ्रे अळव्दे देन्दर देव द्या अळव्दे देन्दर व याधेत्रावेयात्रमाये स्ट्री देखायामान्याने स्नून हेयाय रुत्ते ना या व्याप *क्षेत्र'न्न*'र्नेब'न्य'यदे 'यळंब'क्षेत्र' घ'न्य' य'धेव'वेय' वेर'न'ने 'न्या'वे'

इसाम्राम्यान्यान्यान् मिन्योयायने स्ट्रम्स्यायने त्रायाया विवायाया भेव श्री । द्धंय नविव र तुवाय पाय भेव प्रम मेवा प्रम श्रुवे । क्वें श्रें ये अ भेव र हुः इस्रान्यायान्यो श्रीन्यने वर्षास्राधेन्य ना इस्रास्य वर्ष्ट्र श्रीत्र श्री स्राह्य व्यानायाधेवानी। व्याना मिन्याधेवामान्या नदेवामायर्वे । यद्र तक्रिट न तक्ष इस पर सम्बर्धिय न सम्बर्धित निष्ठा । इस पर में वा न प्रेत प ५८। यनेवारा अर्थेट या नव्या द्वा ते विष्टित वि अधिव श्री । इस्राध्य श्रीयाय धिव प्राप्त । वक्री राया है या वस्रा धरः मैं व्यव मुनः धर्दा नदे न मुन्य के दाय दे । मुन्य विष्य । स्व वर्गुरः नः नः। व्यव्येनः यापारः न्याः प्रसः ह्या शः प्रवे विदः क्रुनः सर्दे न्यरः क्रियाश्वास्य प्रस्ति । वर्षे स्वास्य वर्षे स्वास्य विद्या । वर्षे स्वास्य विद्य । वर्षे स्वास्य विद्या । वर्या विद्या । वर्षे स्वास्य वि न्दः न्वान्यायवे अळवः हेन् घन्नाया वेशान्यः अथा । यो स्ट्रा हे। ने या याद द्या दे अपद्र हो द शे अळव के दिन दिन से अळव के दिन न्नामः विश्वाचेरानाने न्याचे क्या यार्या रेशान् विन्यो सामित्रा स्था नविव संभिव निर्माश्य प्रिव मी। कुष्य नविव नुः विवाश ना संभिव निर्मा रेगायर हुदे। ब्रिंग्रें अपनेत हु इस नगणाबन पर गय है पर् हे नि

वै। ।देशन्दःहः सुरादर् होर् श्री सळव हेर् श्रा गुव वय हें व से रशासदे यक्व हे न न विवास पर ने न विवाद है न या प्रति । यक्व हे न या न या विवाद स्था हेव.श्रूटश.सद्य.श्रव्य.हेट. री.बाह्यश्रासर. पश्चर.ही ।श्रू.ब्रूश.स्विर.हा इस्रान्नानानानि । वर् हो न शे सक्त हिन्दा देव निस्रामित सक्त हिन्दा राधिव्ययरश्चरत्यापरादेशव्यव्यद्वित्श्ची अळव्यक्षेत्र वस्रश्राह्य । न्यामदे अळव हे न वे श्रुदे अळव हे न न शुराया या ये व न म त शुरा र्रे। व्रिंग्वें अःलेवः हुः इसः द्याःयदः यो श्वेरः देवः दसः प्रदेशस्त्रं अस्वः हेदः गुवः व्यार्हेव सेंद्रयायदे अळव हेट्रा वहिंग्यायायायेव पार्टा पर् हेट्रा है मक्त हिन् मम्मा उन् पार्ने त न्या परि सक्त हिन् ही है सक्त हिन् हु है । म नेवे श्रेम्। १५५ श्रेन्थे अळव हेन्द्र में वाद्या अळव हेन्य प्राप्त अळव हेन्य प्राप्त अळव हेन्य प्राप्त अळव धोत्रावेशानुराधराक्षे दुराया देतात्र्यायदे अळ्ताकेता मान्यावेशानुरा षर से दिर है। दे त्यावार दवा दे स्नूद हे साय दु हो द हो सळव हि द दरा देव न्यासदे सळ्दाके न वान्न स्थायी दावे या वे साव स्थायी सळ्दा क्षेत्रः व्याद्यात्रः विकाने स्वादे रहा विद्या विद्

कुषानिव साधिव प्रमासाविष्य स्थित हो। । कुषानिव दुः विष्य सावि । धेव सर रेग सर हुदे। क्विं में राजेव हु इस र्ग ग्वव पर ग्वय है पर् हो ५ शे अळव १९५५ ६ देव ५ साम हो। सळव १९५ म ५५ साम सम्बास्य वै। ।देशवाही सुरार्देव द्यापदे अळव हेट व्ययश्व प्याने न्या हे । नविव न्। १८५ मे ५ मा अळव के ५ ५ मा अथ उर् ग्राम मे । वर्षा से ५ मा र प्रमूस नन्ता इयावर्रेरान्नावर्तेन्त्रस्यायाद्देष्ट्ररस्य र्वेश्वराद्या है सूरा है । ह्रा से प्राप्त है । हे । हे । ह्रा स्वाप्त से श्वरा विश्वरा विश्वरा के श्वरा विश्वरा र्देन्द्रम्यासार्धेर्यासुःर्क्षेषान्याधराधीयशुर्त्रा । पायानेयदुन्शीः सक्त हिन्द्र। देव दसः सदे सक्त हिन्द्र स्पर्ध स्थित स्पर्श स्य व.पर्. ग्रेर.सम्माग्री.पर्या.म्रेर.स.क्ष.र्टा ह्.म्.स्रेर.स.क्ष.क्रेर. र्नेव न्या मदे यळव हे न पोव पर पर पर से प्रशूर। । गुव व य हें व से र य परे । यक्त हिन्द्र। इसायम ग्रुम प्रदेशस्त्र हिन्गुम पुराविषा हा सक्त हिन्। बर्ट्रर्ट्र श्वरायरावश्वरःह्य । श्वर्श्वरात्वेश्वराद्याः याराये श्वरादर् सन्दा इवावर्रेरसन्गावरुन्तेन इससाया है स्ट्रम्सर्वेदानन्दा वेसाया

त्रा हो न्वना होत्र पात्रा इसायर ने साय सम्मेर के साय सम्मेर के स्वाय सम्मेर के स्वाय सम्मेर के स्वाय सम्मेर के स शुःळेषानराने नान्ना देवान्यायाचे पर्नित्वस्य ग्रीप्तन्याये नाया र्ना हु खे न पे दान हा गुद्दा कर हैं दार्थे हु साम हिमान है । यक्त हिन् ग्रम् नुरुषा विवा हु यक्त हिन शन्त नुष्य के नाम के नाम हिन हिन्। वर् होर श्री अळव हेर पर देव प्रायदे अळव हेर घर पर या । वर्ष मः सः स्पेत्रः सं ते सः ह्या स्तरः से । इं स्याना स्त्रा स्त्रे स्त्रा हे सः स्त्रु हो दः हो । यक्त हिन्द्र देव द्यायदे यक्त हिन्द्र प्रायाधेत प्रायाधेत प्रायाधेत प्रायाधेत प्रायाधेत प्रायाधेत प्रायाधेत प्रायाधेत प्रायाधित प्रायाधि विश्वाचेर्यान्ते निया दि । इस्याचार्या निया हिन् ग्री । विन् ग्री । विन् ग्री । विन ग्री लेव.सर. विवाश.स.लुव.मी। व्हिंता.चवुव.री.विवाश.स.श.लुव.सर.रुवा.सर. ब्रें। व्रिंग्स्य विव ए क्या प्राप्त के हो प्रेम व र्राम प्राप्त के प्रेम के प्राप्त के र्ट्टर्ट्टर सक्त हेट्र मन्द्र प्राथम विक्त हेट्र मन्द्र प्राथम विक् धरःश्चानायाधेवार्वे। । पुराची प्राप्तारार्वे हिन्दी सूचा विवादा वार्ये राष्ट्री रोर-रें हिन्गुर-ने नविवर्ते। विःसर-गे श्रुदे श्रुवः च हिन्गुर-घे सर-गे श्रु हेर्न्स्यळ्वाहेर्ध्यान्यायायीयः ययस्य । सळ्वाहेर्ध्यान्याया यद्याश्वास्त्रस्य साधिव दे। । अया सुन्त्रमा संदे दे विस सं हि द्यादा अया सु

व्याः से निरासक्षेत्रं के नामान्याः साधिव स्वया सक्ष्वः के नामान्यः याद्याश्चार्यः श्चार्यः व्याप्येवः वे । विष्येः व्याप्येः व्याप्येः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्यः व्याप्य यक्त हिन्म न्न प्राया । यक्त हिन्म न्य वार्म स्थान याधीतर्ति। विराये भ्वयाची कं नरित्दे भूमानाविव नुष्यामु मदी निभागि हैन ग्रदाने निवेतः अक्षा विष् । यदी सुरक्षे । द्ये मात्र भी मात्र ग्री यद्या निवे वहसामानेन्यार विदानवानी विद्याना निरामकंत्र नेन्या साधित यत्या । अळ्व'हेन्' मन्न' प्रम्यान्यायायम् श्चानायाये व वे । विने द्वाने न्मेरवासरायासरामी स्रेटामा प्यरासराम्यास्य स्वास्य द्वारा स्वास्य स्वा न्मेर्न्त्रव्र्चेन्वस्थाउन्त्यःसे ह्याप्तःहेन्न्। वयाप्तन्त्यवस्था वस्रभाउन्। स्वाप्तस्यानस्यानि क्रिं प्रावस्था उन्। स्वाप्ती प्रम्या मेन्याकेन्यान्ते न्यान्तः सक्षवक्षिन्यान्ता सम्मान्या बन्द्रियाद्यायायम् अन्य अव्येष्ट्री क्रिक्रें अन्ति विक्रास्य विवादि । न्धेर्व पर्देन कवाशा शे अर वे प्वये अर्क्ष हेन प्रमा गुव व अरहें व से रश यदे 'सळ्द'हेर'ग्रूर'पर्रेर'ळग्रा'य'र्र सळ्द'हेर'श'र्र्य'स'पेद्र'यदस्य

यक्षव हिन् मन्त्र न्यान्याय परम् श्चान्याय पर्वेत् क्याय श्ची है है नःनविन:रु:वे:श्रूर:रूर:गिरे:श्रुगाःगी:यर:रे:नविन:रु:रेग:यर: हुर्दे। ।र्ह्वे: में अःभेवः हुः इसः नगाने नविवः दुः वर् होनः हो अळवः हेन नमः नेवः न मक्त हे न ग्रम् मक्त हे न मन्न न मान्य भी त सबस्य । सक्त हे न मन्न न याद्याश्वास्त्रः स्रो प्रज्ञेदः दे । क्विं स्रोंश्वास्त्रः वित्रः हम्माद्याः द्याः द्याः द्याः वित्रः द्वाः द्याः या झाना अर्केना हुना बनाया अर्केना हुन अरायर न्याया वा सर्केना हु हैं नाम प्रमान नाम प्रमान निष्य के नाम के न न्या प्रमायन्य प्रवे अळव हेन अर्दे व प्रमार्ट्य या प्रमायन स्यास सर्व.तर.क्र्याश.तर.शरश.भिश.वश.येर.वश्चेर.क्षर.योशजायर.येश इस्रायम् स्रो यान्यास्या स्राप्ता स्राप्ता स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्र ग्री अन्देवे के किया अरु पठन पर वर्दे नया यगाव दुवा है। वर्द हो न्या सम्भादन र्देवः न्यायळवःहेन्दो । वाडेवाःन्यः मन्दः चवः ववेः यळवःहेनःने। । वाडेवाः धेवा भ्रिःनःराधिराष्ट्रवाःसर्वेदःन्दः। विःववरावेस्रायः ग्रुराव्याः वै। गिव्यान्व सेव सी सकेट न न न सक्य सदी पकेट स्थान सामिय

वशुरा विश्वास्य स्था दिःया बस्य उद्दर्दे विष्वापदि सक्दर् हेट्दे न्वेरिश्रामानेश्राम्याववीयामवे स्रोत्या हे स्नून्यवुत्रानामिव नाम्राम्या युः क्षे नर्डे अः क्षेत्र प्रम्या ग्री अः क्षे प्रमः क्षेत्र प्रमः प्रमः वर्षे मः प्रमादः सुर्यः म। । मनःवर्षे मः हिंदः ग्री अर्थे अश्वास्त्र गीः । प्रथ्याः व । यदः द्याः अर्दे वः प्रदेः ८.भितासह्याम् १८.मितामी अ.सह्य.२.मुच्यासह्याम् स्थान हो ८ निय के समार्थ के हो है । इस विया पि ८ निय की । विष्टि गी मार्स समार्थ है ग्री विस्थान वार निवासित सदि र मुलासे नियम नियम नियम मि मदे से समा उदाही उसा विवा पेंदासर विशा स्वाद हैं र ही मावारें वा म। । नर्डे अ.र्जे प्रत्यान्य ना न्यो अ.श्रे अश्व क्ष्यः विषय अ.य. याटः द्याः अहे व यद्य.ट.क्यितात्रात्रक्षत्रात्ररः नेत्रातात्रमःक्रिट्यरात्रक्षेत्रत्रात्रत्रेत्रत्रेत्रत्रत्रेत्रत्रे कुर-११४१ डेग्। सके अपरायक्यायायायाया हो। । वर्डे अप्युत्यव्यायन्याः ग्रीश्राश्रीश्रशः वर्षात्री विषयश्रात्री योटाट्यी स्त्रह्या स्त्रीत्रा स्त्रीत्रा स्त्रीत्रा स्त्रीत्रा स्त्री यद्य दा कुषा की श्रासद्य दु चित्र के दाने श्रामा यह हैं दान माने दे राम से स्थान वे किन्यायके या ग्रम्यायके या निर्देन न्यायके या स्ट्रेन के ग्रायके या

मन्त्रम्यार्थित् केत्र में विवाद्य सके यामि के। दे त्य मन्यायी हे प्रिंम त्य न्यो र्श्वेर रन्न हु अर भें न्या हे या ग्रम न्यें व या वया श्राह्में के व भें व यहे व हे र यावर्यायायायात्राचीर्यास्य देवीत्र्यात्री के । । द्वी क्षेट दे । द्वा स्व द्वा वर्षायकेषानितः यहवावर्षाकेषाक्ष्यानाञ्चाकेषायान्येषायानित्यदे सर्वित्यमः हैंग्रथायाः क्षेत्राययाः नेयायाः वित्रायम् वित्रायम् वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः न्भेग्रायान्ता सुरार्धेदेशस्त्रस्त्रयान्यम्यान्ता सुरार्धेदेश्चे ना नुश्चेम्रास्य न्द्रा स्ट्रास्टि वहिमास नुश्चेम्रास प्राप्त स्ट्रा स्ट्रास वर्षेमास न्भेग्रायान्ता सुरार्थे वर्षे प्रायमें त्रान्त्री प्रायम् श्चित्रयर वर्गेत्। । विष्ठेगा सुर सिंदी द्रिया या मि स्थान दे विष्ठा । विष्ठेगा न्ध्रेग्रथं प्रश्नेश्वरं प्रम् क्रिंग्यरं क्रिंग्य विश्वरं विश्वरं न्रीग्राराप्तर। वर्षाणी अळव्याप्तर्भग्राराप्तर। वर्षाणी क्रीप्तर्भग्रा यन्ता वर्षाम् । वर्षायर्वीवारास्त्रहेत्रः तुःवर्त्तीः वः दक्षेवार्यास्य स्वेर्यास्य वहः ह्येत्रः सरः वर्तीत्। वः डेना वे निर्देश प्रत्रेम्य प्रत्या निर्देश प्रदेश सक्त सार्वे म्या सार्वा

न्दा नदेव'य'सर्देव'नु'नश्चिन'य'न्द्रीम्राय'न्दा नदेव'य'नङ्ग्रीस'य' न्रीग्रायायाये वियापानम् र्श्वेन्यम् नर्शेन्। विर्वेगः वे विस्रायाये ८८। विस्रमाश्ची सक्त सार्धियामारार्टा विस्ना श्वर्से विस्तारा हिर्देशिया यन्ता विस्रसः नुस्रमान्से वासायन्ता विस्रसः वर्गे वासायन्त्री वासायन्ता विस्रसायमें वार्यास्त्र त्र्वीत्यात्रीयास्यस्य विस्रायानम् श्चित्यस्य विद्या मिंडियां है 'इव' न'हे 'नर'यावयां प'द्येयायां प'दर्ग इव'याहे 'नर'यावयां यदे अळ्व अन्भेग्राय प्राप्त इव य हे न्य माव्या यदे से अश्व प्रे श्चिम्रायान्य विष्याच्यान्य विष्याच्या विषया व न्रीम्यायान्ता इवायाहे नरामवमायाया क्रीयाया क्रीयायान्ता इव्राचाहे निरामालया पा क्रे कार्यामावकार पार्टि सामालया पार्टि स्थानिया स्था स्थानिया स्थानिया स्थानिया स्थानिया स्थानिया स्थानिया स्थानिय वर्त्वूद्राचर्द्रा वसेवाबेद्रामुश्राचर्रियाश्राच्यानेश्राचर्रार्श्वेद्राचरावग्रीत् पिंचेनां ते 'इत्र'मं हे 'नर'माल्ना'मं इस्र मंहे 'क्षे'नं ने 'नलेत्र'न्। पिंचेनां ते 'प्पर' न्यान्यरःश्चेंद्रानः इस्रश्चान्द्रा हुःवर्षुवान्त्रीः मृद्रानः इस्रशःन्द्रा न्वदःसः

वे 'वयग्रा'रावे 'यय'प्यत् 'यग्'नकुट्'रा'ट्येग्रारा'र्ट्'। वयग्राराचे 'यय' अव अया न क्रुन् अवे अव्व अन्ये ग्राम्य प्रमाय अया अव्याय । नक्किन्यदे से सम्बद्ध नदे सुँग्राम् भी महित्र में निर्माम मान्या वस्यामः यदे 'यस' पत्र 'यम् 'नकुर्' रा'नक्किया रा'न्य म्या राप्त 'यस । พव्यान्त्रम् न्याः अक्षेत्राः अक्षेत्रः व्यान्यः व्यान्य व्यान्यः व्यान्यः व्यान्यः व्यान्यः व्यान्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः व्याव्यः वयः व्याव्यः यग्।नकुन्यः क्षेत्र्यः ग्वर्यः यन् यः यक्षुन्यः प्रन्तः। क्षरः वेदः यनुन्यः न्ता वसेवाबेटाक्क्रायान्स्रीम्यायस्यानेयायान्स्यूर्वायस्यान्याः सर्वेदःलग्रम्भःस्। सर्वेदःवसःग्रदःनद्गाःवदेःस्रुसःनग्रीदःदे। केःददःस्वःमः वर्रे द्रवा वे के शक्ता मा श्रुके वा शत्रे वा शत्रे वे स्वरे व स्वरे व स्वर है वा शत्र हे व पर्शानेशायानम् र्श्वेनायमानश्चेना हिना पर्ना स्मार नेवान्याया म्याया स्माराज्या र्रे मिडेग् मदे अळव हे द्या पळ्या नमाळे द्रा स्वाप्त प्राप्त द्रा मिला स्वर्था उदा वे अर्देव प्रवे प्रकुष उव। अर्देव प्रवे प्रकुष की श्रासदेव प्रिव के वि ने याया नहार्श्वे दायरान की दाया ना स्वाया याया या से स्वया निक्षा याया या र्शे । नर्डे अ'ख़र 'वन् अ'नर्डे अ'ख़र 'वन् अ' ग्री अ'नार 'नी 'क्षूर' रु'वरे 'क्रूर' ठे अ। र्देव'द्रअ'य'वे' श्व'व। व्रव'य। हैंग्रअ'यर'द्रगव'व। अर्केग्'हुरहेंग्रअ'यर'

न्गायः न। वस्र राउन् न् रेना देना सदे सक्त हेन धेत हैं वि सः नगयः सुराः न। है 'र्डस'र्'नर्डेस'ध्रव'वर्स'ग्रीस'येग्रस्य म्यास्य मास्रुरस'रा'रे'वे 'र्दे सळ्र' यग्रामाने। वर्डेमः ध्रमायन्यानेमान्यामान्यमान्यान्यामाने प्राप्तान्यम् 'हेर'र्दे 'नर्डे अ'थ्वर'यर्था ग्री निष्ट्रवः यायर्रे हिर्या बुवायायार्ग्ना र्वो क्लेर र्गुर्यं रे से सर्व रहे सर्व रहे सर्व राष्ट्रिय के स्वर्थ राष्ट्र रहे वार्व राष्ट्र राष्ट् वर्रे वर्षा श्रूर में वायरे सुन्त्र वायर उत्तरम्य या श्री या सुन्ते वा ग्राट के वर्षिया नर्डे अः श्वर वित्र श्री अः नगवः श्रुवः या स्वः वर्डे सः ने : ने : नि वित्र हैं। | ने : ने : नविव है। ने अ वे 'रेव 'न्य पायस्य अ उद 'तु रे मिडे मा परे ' अळव 'हे दाया । सकेंगारु खाना बनाया सकेंगारु बनाया हेंग्यायस्त्राया सकेंगारु हैनार्यायस्त्रावःच। अरेवःचरःहेनार्यःचरःग्रह्याः सुर्यःह। अरेवःचरः क्रियायारायर यह या क्रियात्र या या है । या या या प्राप्त स्थाय राष्ट्री यान्यायाना स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ती स्वापी स्वापी स्वापी स्वापती स्वापी स्वापी स्वापी स्वापी स्वापी स्वापी स्वापी स्वापी स्वापी इस्रश्राचा इस्राच्या प्रति प्रति विषय स्वाचा प्रति । प थेव'यर'थें रश्रु'ग्र्व्रुव'डेट'र्न्न'वर्त्तेर'ह्री'यकेन'ह्रस्थर'न्न। हेव'डेट' वर्त्रेषासरावर्त्वरान्दा वर्षात्रस्य याद्दा नदेव सात्रस्य याद्दा विस्रया

इसस्य न्ता इत्र राहे न्य वावना राइसस्य न्ता धर न्ना राहे हिंदान क्रेंत्रशः इस्रशः ५८। १५८ कुतः ग्री प्यतः यगाः इस्रशः ५८। ५० वर्षे रः वस्याशः वै। ८ अ'र्नेव'न्य'य'धेव'यर'धेर अ'शु'नश्रृव'यवे'श्वेर'र्से। शिर'र्से ह्यअ' यः इस्रायर-न्यायदे-न्द्रीयास्यने । प्यतः वस्र स्वर उत्-तु-र्रे विष्यायः स्रे। यक्व हिन्दान प्राप्त से । सिन्दार्श क्षा का से कि ना निवासी है। मळे ८ म्हम मा १८ १ वस्या मा १५६ वसा १५६ १ न्यायि न्रीयायापे । प्राप्ता व्यवस्थ । उत्तु में या देया या हो। यह व हिन्य न्नासासाधिवार्वे । न्यायर्वे साम्राम्यान्याने यात्रा विन्ति श्रीयायने प्रमा बस्यारा दिन देन स्वार्थ निर्मा स्वार्थ स्वर्धन हिन्ना निर्मा स्वार्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ धर रेग धर हुर्वे । रग पहें र मावव धर प्राप्त में र हुर स्थ पहें र हुर्वे र प्राप्त हैं र स्र में गडेगा में ने नविद्र हिन में द्रान्य पर्केश नन्मा सेन मान्य है। हैं ग्रायायया धर दे त्यया ग्रावय प्रदे सुर में ह्यया प्राया प्रयास्यया प्राया श्चे अके दाक्षयाद्या हेत् केट प्रवेषायर प्रवृत्ता क्षयाद्या वयाक्षया

न्ता ननेवामा इवामा इवामा हे निमान विवास इवामा प्राप्ता यदे. ब्रिट्यक्सम्पर्टा इत्युवाक्तीः मटायक्सम्पर्टा नगरासे इसम ८८। क्रेंचर्याद्वर्याद्वर्या च्या क्रुचा च्री प्यवाया द्वर्या क्रियं क्र नन्याः सेन्यः सिन्यासुः सियानन् से होन् हो ने निवेदः हेन् हो हे यासुः वबर व निष्ठेश शु से द पदे प्रेश व के राया व हे व पर दे हि द शे श दें व द साया हैंग्रथानिवराने दर्भा स्वावर्ने राह्यश्राचारशादेशाग्रदानि ग्रीयावदी क्ष्र- वस्र राउट् र र र विवा रादे सक्त केट वाट खेत राटे के रें तर र र र लीव्यस्यस्त्रेग्यस्य हुर्वे । स्वयद्भित्यावव्यस्य हिः सूर्यस्य हिं। क्रु सकेन्द्रा हेन्छेन्द्रवेषायम्द्रवृत्तान्ता वर्षान्ता वरेन्द्रा पिराया द्वाराष्ट्रे प्रमाणविषा प्राप्ता धरान्या परि हैं राजान्या है वस्यामी मरायादरा द्वरासे दरा क्षेत्र रादरा मुर्ग म्या मराया व्यापन वर्ने न्या सव र्द्ध्व सर्व्धव रहेन् मन्न प्रान्त । हे सून वस्याक रादे रामा प्राप्त यग्।नक्कुन्ययम् र्द्ध्वायळ्वाकुन्यन्त्राच्यान्यायेवायाने नविवानु। ग्रायाने र्द्धेया

ने न्यामी ने यविव के निर्मेव न्याम के या या यो निर्मा यो निर्मा या या ये निर्मा निर्मा या यो निर्मा यो नि याधीवायमाशुम्य वित्रे देशावादी प्रविवाहितादियाया है सामन्या से दा पा अट्रा कु प्रतायहरू प्राप्त के र्रा वि.जम.वैर.य.४८.लव.व.व.व.वर्म.विम.लव.स्.वर्वेर.र्रा विर्मा वर्चे राग्रामी भ्रिरादे निविदाहे दार्च रामा के सामद्रमा से दारा कु त्यसा सुद्रा नः अधीव निर्मा वर्षा ग्रुषा ग्रुषा श्राची वर्षा निर्मा है वर्षा माया धीव निर्मा र्नेव न्यायाने वे नेवा न्याया वाववार्षे न्या शुः नर्याया नरा नुः शे न्यों या ग्री ने नविन गानेग्राया इस्र रा गुराया रा मानेग्राया साम्याया साम राम्बर्यानुरायरानुरा यानुरायरानुराक्षे ह्वायरानुनवे हेरा केंगा क्रम्भार्यी के माहित्र हित्मा देवे क्रम्भार्य प्राप्त माहित्य पित्र पादेवे हित् र्नायर्चे राह्मश्राम् रूपे शाग्रदार्चे द्राग्री राष्ट्रदे स्थ्रद्राम् स्थारा स्वर्गा स्वरंगा स्वर्णा स्वरंगा स्वरंगा स्वर्गा स्वरंगा स मद्रे सक्का हेन्यार खेव मने वे नेंव न्याय खेव सम्मेया सम्मुद्री । मन वर्चेरवरे से है। द्येरव्यस्यायावय वे ग्रा त्राया श्रास्य है ग्राया स्रास्य

सळ्त हिन्दान्तराया सळ्ता संत्रेन सम्हेवा सम्हेवा सम्हेवा स्वर् ये दाया के विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विष्ठ विश्व विष्य विश्व विष्य व नविव र रे देव र सामा पर सक्त है र मार्ट र में दे के साम्रामा सामा उत्र र्रे मिडेग मदे सळ्व हे ८ प्षेत्र मर नक्ष नर हुदे। । दे त्रा मर्डे अ ध्व प्रत्या ग्री अरे दे ते के किया अर्था वडन पर दे निया पर श्रुव्य हैं। वित्र न्या ने वे वर्ष मः अप्धेन है। ।गुन हर्ने निष्ठेन अळन हैन अम् अस्य सुरुष। ।ने याना न्याः शन्तः गुरुः हैयाः य। । ने न्याः न्याः यात्र अः यः हे न्याः याये व। । विशः विश्वद्यासद्वी । विष्याद्वास्त्रुयाद्वानकुत्या देखास्रेससः अश्वी वि चल्नि चर् चर ग्रासे। चर्सा स्वाप्त प्राप्त ग्री मान्य प्राप्त मिन स्वाप्त स्वा लर्थान्यावि.यावित्रात्। यक्ष्यात्रेयात्याचेराक्याय्रायायायायायायाया न्ता भूट.रेटा ¥श.तर.तेश. तषु.योश्चर.य.जाश्चर्या चेट.क्य. श्रेश्रश्राच्याः श्रेश्रश्राच्या व्याप्तरः विश्वाप्तरः विश्वाप्तरः विश्वाप्तरः विश्वाप्तरः विश्वाप्तरः विश्वापत्रः मालेशन निर्मा नर्दे साध्य प्रमाह रहा ही साम निरम् हुन से समान्य श्रेश्वराद्रा धेर्द्र्या इस्राधरानेश्वरादे ग्रायरायायायायाया

ने निवेत ग्रेनिया राम्य क्रिया से स्थाप्त से स्थाप्त में स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्य धरः ने अः धरे वा अटः चः त्यः अविशः धरः आटः द्वाः धरः वर्दे वा शः वः आटः है । उं शः ग्रेशपदेंगशपयाया ने भूर हेशयार्थिय न रहा। नर्डेश धूर पर्या ग्रेश नुरक्तार्भेस्रभाद्यवः र्ह्वे र्गे भाषाद्रभादायायदे भ्राद्रभेदा हे सः नगवः सुर्यः हैं। व्रि.ग्रेंशप्परश्रासंहिंद्रादे सूराश्चे वे स्वरासंस्था सव साद्दा श्चे वे स्वरा श्चे न्यादे द्वान्ता स्वासन्तायने यदे श्चे र ल्यायाने । ने यदेव याने याया रात्याहिंदार्द्रेन्द्रत्यदे हिदायदे त्यरः श्रेश्रश्चात्र हो । योग्रश्चा । ह्ये म्बार्या स्थान ने वि स्थित हिन हिन हिन हिन है ने स्थान निम्न स्थान ने अर्घदे वा अट्या अविश्वास हिंद्या वन्त्र प्रस्तु हों । हिं हों अप्यटश्या हिंद्र त्यों न व्या नी विंद्र न वदी द से समा उद नाद द्रा नाद द्रा से समा उत्रः श्रीः देवायावादः दृदः वादः दुः प्यदः श्लीः द्वादे श्लीः वाद्ययाया प्यदः द सद्याव्याक्षे नवस्य धराव दें द्वाले रायशक्षे नवस्य धराव हुराहे क्षे यदः श्चे वावशःशुः खुश्रः सर्देवः सरः वश्चवः केटः वश्चरः वरः वश्चरः वः नेरः नरः र्रेर्प्दि सूर्ये व पाइयापा विकारी वावका प्रः व व का प्रवे प्रवर र्रे

ग्राबुग्राराउदायेदाराद्रा अळ्दासाद्रा सेराद्रा इसायराहेगारायात्रा য়ৢ८'यर्देग्रम्परे स्थ्रिम्परे 'नग्'क्यामाये द'रा'यानहेद'द्या मार्नेद 'घसमा उन्दर्भ से समार्म क्षेत्र के न वहुनाया क्रम के न वसे यान न धरशासरावशुरार्रे । दे थाना बुनाशास्त्र श्री । विश्वारा निर्धा । र्थे दाया ना त्रुना राउदाया धेदा प्रदेश प्रस्था दादी प्रदेश प्रदे ग्राट ग्रु है। यदे स्ट्रेस देश खुर यदे न बुट विट ब्रुट्र राय है से ही । गुर गर्वे इस्राध्याने सामाने सामाने सामाना है। यह स्माने खुरायह त्या गुरायाहर धिरःर्रे । श्रेस्रयः वेयः ग्राटः ग्रुः श्रे। यदे स्थरः दे वे या ग्रुणयः दरः । श्रुः दरः। इ.रटा इ.रटा र्या.चे.रटा क्रूब.क्ष्म.कुष.क्र.व. न्ता हे नर नराम्यायायायी वासि श्री मार्से । क्लिंग्से या व्यापायी वासि । क्लिंग्से | क्लिंग्से | क्लिंग्से | क्लिंग्से | क्लिंगसे | क्लिंगस धर लेश या हे व किर पात्र शत्र श्राह्म के श्राधि के प्राधि के प्राध वर्दे सु है। भेग में इस पर लेग पर दि। इप पर में अप प ख्यान्ता थेन ग्री:इसायर:वेयायनुत्रात्त्वात्त्रीतार्देश । ने वाह्यायर वेयायः

न्दः नठरुषः मदि : श्रेषाः नृदः पाञ्च पारुषः इसरुषः यः प्रहेतः तरुष् । श्रेषाः वी : इस्रः परः नेश्रायत्त्वुराक्षे अवानी इसाधरानेश्रयादे द्वाक्ष्रव देवा हेश्रास्त्र वा म। रुषासर्द्धरमाम। ह्येँ राख्यासर्द्धरमाम। इसामराहेना मदे धेराधीरा इस्रायम् ने सामाप्यम् वर्षम् । व्रि.स् साप्यम् सामाप्यम् ने सामा न्दः नडरूपादे द्वान्दा श्वान्दा श्वेप्ता द्वाप्य देवे स्वाप्य देवे स्व यदे खुराद्रा रेगा गुः इसराया यहेव वर्षा खुरा ग्री इसायर के राय युर है। खुर्या ग्री ह्रास्य प्राप्त प्रेय प्रेय प्रेय हिया है या शुर दह्या या दुर्या यर्द्धरमान्। ह्यें दालायार्द्धरमान्। इसायरहें वायदे लेदा ही इसायर ने मा राष्परावज्ञुरार्देश । याषाके सेवाची इसाधराने साधावजिया सूत्र हैया वज्जूरात वै। भेगामी इसायर ने भाषान्द ही न खुला सर्हर भाषा इसायर है गाय दे ल्येट्र की अस्तर्भ रामान्य विवादित्व त्यव के वात्व विद्राहित् । वाया हे विवाद सर-भेश-पदे-क्रियाश-यादेश-श्रम। याश्रम-स्रमः यादी-त्यद्र-द्रिया-याम। व्यःकरः यव डिगाय हु म् यापर । ने स्क्रायर के श्रायदे के वाश्राय से प्राप्त हु न लीकाअर्थ्यस्थाय। अस्तरम्ध्रेयातपुःलूटाग्रीः अस्यायरः अली विश्वायः षर गडिग मिं त पत्र डेग प जुर रें। । र्जे में राषर राषर रे प्रे हे रिने र त

कु'सूर'केव'र्से'प्यवर्ग्या वायाने क्विया विवाप वुरावदे केव'रे वर यावर्गायर शुरुव। क्वयं शार्ट यांडेवा विंत पशुरु हैं। विवाय है क्वयं गहिराराया ग्रायाहे स्वाह सर में द्या व कुर व दे के व स्वाव रायर शुर्व। क्वर्याग्रद्यादियात्रम् विद्यादियात्र क्ष्या स्वाद्यादिया क्ष्ये सुद्रादे । रटानी कुन मुक्ष कुन पळटा पर प्यट के प्रमुख्य विष्ट्र का विष्ट्र का कुर कर स्वर प्यट भ्रे त्यूरर्भे । भ्रे लेंदर्वी द्ये व्यव्यवित्रं वित्र हु र्षेद्र श्रु द्वा यायायाया यायाहे. या त्याया प्रकृत या हे या प्रतृताय है ता हे ता है ता है ता है या प्रत्या स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप या बुया श्रायह्रव । धराया हे या विं व । विं व व हुर हैं। । या थ हे । या बुया श्रायह्रव । या हे श्रा समा गयाहे ग्रा बुग्रा नहुत रना हु सर में द्या प्र बुर नदे हो द हे नर यावसाराशुराव। याञ्चयासाराङ्ग्वाधरायाहेसाससारताहः सरारीप्रायग्वहरः बिटा अं सेंट्रिंग न्यीय परिंद्र ने मा बुग्य नहुव मी न्दें या सेंद्र सेंद्र सेंद्र सेंद्र सेंद्र सेंद्र सेंद्र वर्गुर-नः प्यदः यो व द्वा पेंद्र शः शुः श्रुं र नरः प्यदः शे सर्दे व दे । श्लिं श्रें शः यरश्रामाने निवेत नुः कुः सुराष्ट्रान्या से व्याराष्ट्रान्ये वेत प्रवेत मुस्राम्या नियायादे त्यायहेत् छेटायात्यात्या यायाहे सेयायी इयायर नियाया विया यव दिया प्रश्नुम प्रवेश के वर्ष प्रवास या वर्ष प्रवास स्थाप स्थाप

नियानावियानितायम् वियापत्तुरार्दे। । यायाने म्यापराने यापदे वियाया म् कर मी नर द्या वर हे या व मुहर नदे मी वर हे नर या व वर्ष नर मुहर व प्यार इस्राचराने रामदे केंग्रा ध्राकरायद हेगाव हुरारे । क्विं केंश्यापर राम ने भूम ग्रुम कुन से समान्यव के मारी खुनाम ने मायाय हेत हैन। के मा न्मतः श्रेश्रशन्ता भेन्नान्। क्रायमः वेश्रायदे ग्रायन्यायायायाः वर्देग्रायात्रा दे द्या श्रीयात्रायाया वर्षा । व्रिं मःशे अर्बेटा विवासवे क्यामरं ने याना पर शे अर्बेट त्या दे प्या पर न्या या है व्हाना निवाद प्रेम निवाद में निवाद क्रायरक्रियापायरक्षे अर्वेत्। वक्षुम्रायापायरक्षे अर्वेत्। येययाग्रद्ये सर्वरा भेगाग्ररभे सर्वरा ग्राच्याया ग्राम्य स्थाना स्थानर न्त्रायाप्यत्ये अर्थेता इ. याप्यत्ये अर्थेता श्रीप्यत्ये अर्थेता स्वर्धे इसामरानेशामाणराधी सर्वेता सुप्पराधी सर्वेता दे प्यराधी सर्वेता

क्रायम् ने रायापर से सर्वे । ये प्यर से सर्वे । में प्यर से सर्वे । ब्रेदे क्रायम् ने यापाय के अर्घन । स्याग्रम् से अर्घन । नेवा ग्रायम् अर्थन सर्वेद्रा सुर्याग्रीः इसायर ने यापायर से सर्वेद्रा वेद्रा क्रें के यापायर से स यादाची भ्री मा ग्राह्म रहेना के अक्षान्यवाद्य ना वी र्की र्की महानी पी ना ग्राह्म की । सर्वेदा क्रेंशः इसराग्यद्रारा से द्वारा से द्वारा से स्वारायद्वारा से सर्वेदा या ने प्यर प्यर द्वा राहे क्षु न न वे ने ने ने ने ने न के ना से समा न्ययः में त्रान्यायायायायायाया ले या शुः हो। ने प्रावीताया भेषायायाया श्राम कुन से समान्यतः में तान्यायायायायायाचे से समान्या धेनान्या विसा सर-भेशासदे वाश्वर प्रायायायायाया धेत्र सर-पर्वेवाश्वर्श । व्रि.में शायरश राने राम क्रिया के मान्य के मा नेश्रायदे ग्रायद्यायायायायायायी त्या दे निवित्र ग्रानेग्राया ग्रह्मा श्रेश्रश्राद्यात्र श्रेश्रश्राद्या वित्राद्या इसाधरः नेशायदे वास्राद्या स्थाप्तरा नर पर्वाश्वरायर पर देश श्री शपर्वेषा श्राशी । दे त्रशः वर्षे अप्याप्त पर्वाश ग्री अन्देवे के के वा अर्था न उद्दर्भ वद्दे न गाव सुर्थ हैं। विव न वदे स्थान स्थित मः बनः केटः खा । यः नेतः वस्य यः कटः कुः नेतिः सुरः प्रन्तन। । नन्नाः हः हैनाः

यर शुर्व से रहर वेश । हि सर्य हससाय रस है है सा नसूत्र । विस यश्रिस्यार्थे । निःषार्क्षेत्राम्रस्य ग्रीःसळ्दान्तेन्ते। नर्वेन्यायाने सामरः वर्गेयामदे सर्ने प्यश्नाहे स्नून वर्गुन न विवानक्ष न मानु स्वी न वर्षे साध्य वन्रात्यानुराकुनार्श्वेस्रशान्यवार्षेत्रात्र्वावनुरान्व्रात्रीरानुरान्त्रात् नर्डे साध्य विद्या सुदा कुना से समाद्राय के माइसमा ग्री सक्य हिटाया स्राप्तमा न। ७७। विट.क्न.भ्रम्भन्दम्य.क्र्य.म्यम्.मु.मक्ष्यःहेट्.त्य.मान्य.नः विश्वान्त्री नर्देशायुवायन्त्राही रह्यानी श्वान्तुराकुना शेशशान्यवार्केशा इस्र राष्ट्री सक्द हिटाया सम्माना यात्राम दे निविद मिने म्या साम्र हिटा कुन श्रेश्रश्नात्रः क्रिंशः इत्रश्राणीः श्रक्षं क्षेत्रायः श्राप्रशास्य वर्षेष्राश्रान्य व्याप्रशास्य द्याश्चीशत्र्रेषाश्चायाया हे भ्रद्धारेश्वार्थायाया नर्षेयायायाया नर्षेयायायाया ग्री अ। ग्रुट : कुन : शे अ अ। द्राय : प्रें व : प्रव : प्रें द्राय व व : प्रें व : प्र इलाहें। जिन्नान वर्षा वर्षा हिनाने स्थान हैं ने स्थान हैं। वर्षा स्थान स्थान हैं। र्वे अर में अपने निर्मा वहिना हेव अ श्वेर नहें न निर्मा क्षेत्र श्वेर नरुश्यते भ्री न्त्रादे ने न्या स्वासन्ता नने नदे भ्री मालुग्राके। ने नविवामिनेग्रायायाहिं नार्देवायने हिनायने प्रमायाया

र्शे । येग्र स्था । पें व प्रव प्रव प्रव प्रव स्थित है र है व है व प्रव है स इसमः ग्री सळ्व हे दाया सम्माना हिंदाया निष्ठ प्रमान्त्री । पिर्व ह्वा पर्व द्वा । यावर् के का मुस्रका ग्री अळव हे दावे पाशुक्रा में प्यते प्रवा पित है। या शुक्रा या द बे व। गुरानहगरामदे सळव हे ८ ५८। गुवर मी ५ ५८ में सळव हे ८ ८८। लूट्याश्री वीयात्व अक्ष्या के ट्रिटी । लूच १४४ विष्टा वीय ४१ ने व्या क्ष्या क्रम्भारी गुन्न नह्या भारते सक्र हिन्या नि क्रम है रहम नु हे भारा प्राप्त स्मून यान्यार्थायदे भ्रिम् भ्रेन्द्राच्या के साम्या के साम्या में भी के दे से सिन्द्र साम्या में सिन्द्र साम्या में सिन्द्र साम्या सिन्द्र साम्या सिन्द्र साम्या सिन्द्र साम्या सिन्द्र साम्या साम्या सिन्द्र साम्या सिन्द्र साम्या सिन्द्र साम्या सिन्द्र साम्या सिन्द्र सिन्द्र साम्या सिन्द्र सिन श्रेर-१८-११ म्यान्यात्रात्र वाल्याः यायार-धित-पर्वे । धित-१५ १ वर्षः डेट'वर्रेय'मर'वर्रुट'रा'हेट'र्ने। वर्ने'क्षे क्षे वर्ने'पेट्र'ममावर्दे वर्रुट'या वदे श्रेशायदे हिरावदे श्रे नावदे श्रेश यादे में वादि हो यादे हिरा हिरा हिरा हिरा है। इस्रालेशन्त्रान्त्रान्त्राने स्वान्यस्याने स्वान्यस्याने स्वान्यस्याने स्वान्यस्याने स्वान्यस्याने स्वान्यस्य यदे.वर्चेर.चर.वर्चेर.र्ट्र.खेश.चे.यदु.चर.वोर.लुच.तर्ट्रा लूच.यचेर. यावर्षः के राः इसराः ग्रीः पे द्राः शुः ग्रुनः पदे स्यक्ष्वः हे दः ग्रादः वे त्रा के राः इसराः ग्री ने निविद्धित मान धिदारा है। जन क्षिया के समान्य समान में निव्य स्था में निव्य समान

कुंदरा येवाशयराकुंवाविवाधेराया ग्रुशायदे कुंशारे हें वाशानीरा रे हैंग्रायानीं स्थापर गुरायापर प्वापर गुराया गुरा हु दासे दायापर न्वायराहेवारा यदे जुराकुना ग्री न्या प्राप्त न्वायर व्यापारा प्राप्त । उत्रः श्री : श्रेषा : यः स्वः श्री द्वा क्षा श्रापः ने : श्रुः तु सः वे : गुवः वह्ना शः पदे : सळव हिन्नक नर होते। पिव हव पहुर मावस यदी के की नियम वरे हेर्यास्यास्याम् अळ्यास्यास्यास्या स्राप्तिया हेयाचीः वज्ञवमा क्रेंत्र में दे सक्त सवमा के मर्मे दे सक्त सवमा नममः में दे यक्त अवया नगर में दे अक्त अः श्रूट नर श्रूर भरे खेर तुर ते गावत श्री: न्नरमी अळव हिन्नक नर जुदी । धेव हन वजुरमान रापने क हो। न्मेर्न्न क्षेत्र्र्भात् वादावादे केट्यी क्षेत्रा विद्यास्य द्या केट्यी वाष्य रवादेवः श्चित् पुष्प सार्वे स्प्ति श्चित् पुष्प दे स्था तुर्दे प्येत्र स्था सुः ग्चन पदे सक्ति हित नक्षानराम् । वितान्त्रापम्यानम् । वितान्त्रापम्यानम् । वितानम् । याश्रयानाने वाराची के केंन्न हैं न में नरा स्टासना स्टासना सुराया ने के के ने । वे राज्

रेव में के अव द है वादर। अर्वेव गाकेव में भ्रान्य स्थर वर वर्य गुर विरा र्वे र तु रे व र वे र के र अव र दे है य र द । अर्थे व र ग के व र वे र र वे वा र र र हे व र य अ गुर से सम उत्र इसम इस पर हैं र म पर हो द दे। । याद यी कें कें त दसर र्भे निर्मा स्थान नरत्यूरविटा वेर्त्र, रेवर्थके यज्ञ, द्वार्यवार वेवायर वहेवर प्रश्नाय । शेशशाउन म्हारा म्हारा मारा हिन्य निर्मा विष्टि के के निर्मा निर्मा के के निर्मा निर्मा इन्पर्शुर्पनेवे के वे। वेर्नु मेव मेव के सम्राह्म न्या प्रमात की सम् बिटा र्देर्न्यूर्न्देव केव में सम्तर्नु में गायर वहेंव प्रश्नाम से स्राप्त हुन क्रमान्यस्य प्रमान्त्रे । विष्य विषय क्षेत्रस्य प्रमान्य । शुरायादेवे के दी वार्यराष्ट्रा तुराष्ट्रा वार्यराय शुरावेदा। वार्यराद्राया वार्यरा वज्रुट ग्राम् राप्ते भू भू निम्म में नियम नियानिय नियानिय । स्यान स्थित । स्थान स्था ७७। । तुरः वे 'मावव 'मी 'न्नरः मी 'अळव 'हे न त्या गुव 'नहमार्थः प्रके ' हेट्रग्रे मञ्जूर्ग्रे नगः कग्रायम् नर्ग्या व्याप्त । विर्वे स्थार्थे प्रमेरावः लेलः लेवः हः ग्रयायायार्वे रातु रेवार्ये के अवाद है यादरा अर्थेवागा केवारे दिया यह

क्र'ग'न्रा अम्रहन्या गर्भरानुः विंगान्यर वहिंदानाने स्थानुर दे गावदा ही। न्नरमी अळव हेर्या गुव नह्ना अपने अळव हेर्र र्देव पर नक्षानर क्षे.येर.वे.यावव.बी.रेयर.बी.अक्ष्य.केर.यक्षे.यर.बेस् विर्ट.के.के. रेवर. वा नेयानेवाहागर्यानाने हेटार्वे मात्रामेवार्या के अवादा है त्यादमा अर्थेवा राह्मारवि:रुअ:र्टा बेर:बुमाबेर:बुमामी:रुअ:र्षेट्रअ:खुन:छेटा हैं: र्वे हिन्सेन्यने सूर तुर वे जाववः श्रीन्यन वी सक्व हिन्ने। गुवः नहवाशासवे अळव के दाने माहवा माहवा मित्र दुशादा वे मा बुवा वे मा बुवा गी'रुश'र्श'र्षेदश'र्श्व'र्यायुन'रेट'। दें'र्ने'हेर्'सेर्'र्स'हेर्'ग्रीश'र्षेदश'र्श्वायन' मद्रे सळ्व हे न नक्ष नर नुर्दे । पिंव हव पनु र नाव र ने प्य से ट न द ने य नदे अळव अप्यानहेत वश्वे गुव नह्याश्यदे अळव हे र रन हिलेश र्शे। । पावन श्री प्रवर भी अर्बन हे प्रथा गुन नहमाश प्रदे अर्बन हे प्रश्रेन यर बेव प्राया नहेव वया वे पावव श्री प्रमर मी अळव हे प्रम्य हु भेया र्शे। । पावन श्री प्रयम् पी अळन हे प्रायान प्रम्या अर्थन हे प्रम्य अळन हे प्रायम्

ने अःश्री पिर्व निव त्वीर विवश्ने त्या चिर क्वा श्रे अश्चराय के श्वा स्था शीः यावव श्री नियम मी अळव है न या गुव नह्या शास दे अळव है न यम न्या स है । क्ष्रन्ननित्रम्म क्ष्यम् अर्द्धन्ते क्षेत्रम्भ स्थान्ते क्ष्यम् स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्त्रम् ननिवन्त्रम्भियार्थे। । विवन्त्रम्भियार्थे। । विवन्त्रम्भिया न्मश्याव्यवस्त्रीःन्नरःगीः अळ्वःहेन्थ्यरःन्याः हे स्थानः नविवःनुःस्नः हः नेशन। गुरन्शक्तिः सेंद्रश्रम्भः सदीः सक्तिः केंद्रः ग्रीः केंश्राः प्राप्तः द्राप्तः है न्यूः नः न्मशर्षेत्राशुः ग्रुनःमदे अळ्व हेन्था न्या महि सुन्य निव रन्य हु लेश व। क्यायर ग्रुट नवे यळवं हेट् ग्री कें या पट द्वाप हे क्षाय नवेव र नव हु नेशःश्री । विवादितात्वीरायविशाने वा चीराक्ष्या श्रे अशान्यशायाववाची । न्नरमी अळव हेर्षाया अळव हेर् सेर्पेर्पेर केर् नवित्र-तु-स्न-तु-भिष्णत्। गुत्र-त्र्य-हित्र-ब्रेट्श-सदे-अळ्त-हेन्-ग्री-क्रिय-स्न-हु-र्श्वेट दें। ।गुव वय हें व सेंट्य पदे यहं हें द ग्री हें या रव हु श्वट्य व। इस्रास्य निरायदे सळ्द हेट्रा के राये विरायम स्वयुम हे। धेद ह्दा स्वरूप

यावरायादायी दीर ग्रुट कुन से सरादादादे क्षेत्र द्या के राज्यस्य ग्री ग्रुव नम्यार्थायदे अळ्व हे न न्या वावव मी न्या वायव है न न्या प्रेर्थ है। गुन'मदे' अळ्व'हेर्' पर'र्ग'म'हे 'स्रु'न'निवेद'र्'र्रन' हु'ने अळ्व' क्षेत्रः भेत्रः प्रात्ता गुव वयः क्षेत्रः भेत्रः यदे । यद्धं व क्षेत्रः प्रतः । इयः प्रसः ग्रहः बेर्परे कें राधर द्वापा है हुन नविद्या कु ने राद्या गुद्य देश हैं द बॅर्शनदे सक्द हेट्यी के शन्त हुई र विटा गुद दश हेंद बेंद्र सम्ब यक्त हिन् शे के अरम न हिन्न स्थान स्थानम श्रुट नदे यक्त हिन् शे । क्रॅशत्र्वेन परत्युर नरे रंग्या ग्रीयात् ग्रुर कुन सेसया द्वार क्रें या इसया ग्री अळ्द हे दाया अविश्वायी दे निविद्या ने विश्वाया निविद्या स्वित्र से स्वर न्मदःक्रें शः इस्रशः श्रीः सक्रवः हेन् त्यः स्नाम्भः मरः दिन् म्यान्यः सहनः महनः प्यानः ने उस मुक्त पर्देवाय पर सहत है। । ने वय नहें स ख़्द पर्व में में ये के कैंग्राराष्ट्रात्वर्तात्वी नियात्र सुराति। । यक्षत्र हिन् सेन् पदे कें रादी निया नेयाव। ।गुवावयाहेवार्येन्यायायव्याहेनार्येयाय्यायाय्या हें दार्शेर्या के या दे रामा श्रम्या । भिदा तुः इसार्गा यक्द हे दार्के या प्रेनः

वशुरा । क्रे.च्याः सेट्रहेशः हें स्राये व्याः स्वा ।वर् होट्रक्रें व्याहेषाः पर श्वेर नहेर गुरु न भेता वियाना सुरु रायदी । दे वा के या इसया ग्री में में हेर्नोर्मिय अर्बन हेर्ने र्वे र्वे र्योर्सम्स सम्बोयः नदेः या ग्रुट कुन से समाद्राद्र देव द्राया पर द्राया वस्त्र मार्थ सामाद्र स्मूद हे स यार्शेषः है। । नर्डे अः धूर्यः वर्षः वर्षे वर्षः वर्षाः वर्षेषः वर्षः वर्षेषः वर्षः वर्षेषः वर्षः वर्षेषः वर्षः सकेशमदिके। सेससाग्री पेंद्रसाशु हैंगामदि सुनु सुनासानि नर्डे अःध्रवःवन्यःग्री यः इस्यान्यान्यः नुः स्यनः सुनः से इस्ययःग्रीः ननः नी सक्रवः हेनः ग्राम्यायः श्रुत्या श्रुप्ता श्रुप्ति सक्ति हिन्दा वहिना सदी सक्ति हिन्दा श्रदःनःन्दः। व्यद्भःशुःश्रेभःमःष्यदःनगवःश्रुत्य। सुदःर्सः इस्रभःग्रीःहे स्थःनः ने नवित्रनु क्रे अकेन क्ष्यान्य हेत् केट प्रवेष नर प्रवृत्तन न्या वरा इस्रश्राणी प्यट नगाद द्वारा नहें संस्व प्यट्य ग्री साइस ग्राट्स न्या प्रतास निवा मः इस्र अः ग्रीः महानीः सळ्दा हिन् ग्राहः नगादः सुर्या व्यवसासुः ने सः मान्दा श्रदःनःन्दा अर्देनःनुःनश्चे नःन्दा नश्चेत्रः मः धदःनगदःश्च्या नर्देत्रः

थ्व प्रमाणी या इया मार या र्या या राष्ट्र प्रमाणिय या इस या गी प्रस्ति हो राणि रा नगवःश्वरा विस्रसःश्वरत्वीयाः प्राहेत्त्रः। विस्रसः तुःसः हेत्तः। श्वरः नः ८८। ल्रिस्थाशुःभेशासायदानगवासुत्य। नर्डेसाध्वापद्रभाग्रीशाइसाम्बद्धाः 5्अर:5व:५११े नर:वाववा:५१३४४११) रर:वी अळव ११८११ राजार दुर्ग भे अशुरु परि र्श्वेम् अप्टूरा महेर में प्राप्त अश्चे अप्यात्त्र अराश्चे प्राप्त म क्के अन्याम्बर्धायावस्यान्दा भेष्ठित्यान्दा क्षुराविद्यान्दा वसेवाबिटायरशासकिट्याराचगावा सुवाः इत्याके नरामविनाया इससा ग्रे हे स्वापानिता प्रति हिंद्या प्रति हिंद्या मित्रा हिंद्या स्वापानिता स्वा इस्रम्यत्ता न्वरास् इस्रम्यत्ता क्रूं नमाइस्रम्यत्ता ग्रुटाकुनाग्री प्यत यगाः इसराः ग्रीः पदः नगादः खुर्या वर्डे सः धूवः वद्रशः ग्री राः इसः ग्रद्धाः प्रदेशः वसवाशासदे त्या पात्र त्यवा व क्या प्रदेश स्ट वी अळव हे द ग्राट वगाव खुरा भ्रे अश्रुव पदे द्विताय ५८। त्रिव में ५८। त्रक्षेय पर्दा या भ्रेया ब्रेट.वर्चेट.य.रेटा वस्ताब्रेट.लरश्रात.क्षेट. क्येट.वर्गव.क्षेत्रा वर्ष्ट्रश्रास्त्र. वर्षाण्चेशक्ष्राच्यकाउर्दे में देरायायक्ष्राया क्षेत्राचयकाउर्दायाञ्चेत्रा

म। अप्रमामाश्रामा मार्चे ५ अप्रमाने मार्च ५ अप्रमाने अप्रमामा मार्चे ५ अप्रमाने अप्रमामा मार्चे ५ अप्रमाने अप्रमामा मार्चे ५ अप्रमामा अप्रमामा मार्चे ५ अप्रमामा अप्रमाम अप्रम यसप्तर्भामाने सामाराञ्चरायम् । वर्षे साध्वरप्रभाग्रे साचे यशन्वेरियः वयः क्रिंश्वस्थाः उन्दे ने केन्यस्थाः उद्रासं भे अर्था अर्थनाम् अर्था महित्याद्यात्री ना स्टर्विद मे अर र्धेर्यासुः सु: स्वायाय वियायाय सुवासुसः वर्मे दः वर्मा यात्राहे। বর্ত্তরাপ্রবাদের পার্যা রাজ্য বিশ্বর বিশ্বর বার্ত্তর প্রকার বিশ্বর বিশ্ব मक्रमा क्रमायम्य क्रमायम्य विष्य रदःनविवःग्रीअःर्धेदशःशुःशुःदवःषशःवद्याःगःविशःनगवःश्चर्यःनवेःर्देवःदेः हेरा नर्डे अः स्वरायन्यायानन्याः विस्यासुः वुः यन्यायः स्वा । देः स्नुनः हे यः यश्चित्राचन्द्रा वर्ड्रसाध्व प्रदेश ग्री शा ग्रुट कुवा से स्था द्वाद देव द्वार षर: द्वाः वसवार्यः यः वदे : श्रूदः हे राजगवः श्रूवः है। दिवः द्वाः षर: द्वाः वसनामा हिंद्रा ही से समा ही खेंद्र सा सु हिंगा पा द्वा ना सु या निवासी सा प्राप्त में निवासी से स्वापत हो है से समा येग्राश्ची ।येग्राश्ची ।र्देव-द्याः परन्त्राः तस्त्राश्चितः हे दिः सुरः ह्ये :र्वे :यरः र्रे या सन्मान्ता क्रें के अरार्रे यान्ते नान्ता वहिषा हेन या क्रें रानहे ना

ब्यायाने। दे निवेदायानेयायाया हिंदा देवायदे केदायहे निक्से सम्भावा है। यर हिंदि येग्र सें। दिव द्यायर द्या यसग्य देवे हिंद हिंद हें व हेग ८८। ८४.३.७४.८गू८४.४४.४४.४४.४८८.६.५.५८.४८.४। क्रू वस्र उर्द संभी अर्या व्यापार्य पर्वित स्व संव ना स्ट प्र विव मी रा धेर्यासु सु द्वाप्य प्रत्य प्राचित्र ब्रिट्री दिवान्या यदान्यायसम्बद्धार्थः क्षेत्रः इस्र राश्चीः दे से दिन्दे दिन् क्रायाम्बर्सियने स्रे अळ्व हेन्टे केंत्र केन्य हेन्त्र हेन्टे वस्र उर्दे में हिर्से र सर्दे वेश न दूर हैं। दिन रस पर र न ७७। । प्रयाभाने 'या के भाक्षम्य भागी 'यक्ष होन में 'हेन से न मान होना प्राप्त होना से न वे व। गुन्नम्ग्रायदे सळन्दे निग्ना धेन सदे। हि हे दे हि स्वा वह क्ष्रमाने वे से मान्यम् महाराम स्वावना सदे सळव हे न धे व की समाने मक्त हेर. ग्रीम समाम पावमा पाने समाने प्रमाने हेरे ही माने हे सकता 'हेन्'र्ने'हेन्'सेन्'राहेन्'हेस्'तुर्दे। |देव'न्स'यन्'न्याययग्रास्टेस्'क्ससः ग्रे-भ्रे-नःर्रे-ने हेर्-भेर्-मःहेर्-मर-ले स्र केंश्नस्ययःग्रे-मालदःग्रे-र्नर-मी

क्रॅन्साग्रेसः गुरानाधेदाग्रीःनद्वाकिदाग्रीसादीःसाधिदाससादेवे श्रीसादेते श्चे नार्रे में हिन्सेन महिन् हे या हुदे। वितान या पर निवास मार्थ कर इसशा भी दिवादसायारे विद्यादार में दिवादी स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप वज्रुम् नवे :केंश्रामम् म्वा श्ले : नामें केंम् यने निवानी के किन सामार्थे के किन से निवानी सामित से किन से निवानी सामित से निवानी सामित से निवानी से किन से न र्वे। १२.३५.छ्रीर.बे.य। र्वे र्या रायरायर प्रायम्याय के या स्ययाय स्या धरन्वा यदे न्रेवाश्रायामा धेव याने वे न्रा नेव न्रायाधेव यर धेन्रा शु नश्रूव या नावव श्री नियम नी अर्द्ध हिन्दे हैं । इस सम्मन्त्रा सदे चुर्रे। ट्रिंब-रमायर-र्गात्यमायान्वन यर कें या इसमार है। यें न यदे सक्त है न यान धेत यने धन में त्र न सम्मान स्थान स् ब्रिट्री हि.कुद्र-ब्रिन्द्राचे त्रा ह्रेय. त्राध्य-त्यायस्यायःक्र्यास्ययाः क्रियः नन्नाः सेनः नामः धिवः मः ने ने ने न्नाः नी ने ने हेन सेनः सेन हेन हे या हा है। ने ने ने ने न न मा भी वाया ने वान माने के का मससा उन मी में ने ने ने न मा

हेर्न्रीयास्य हुन्धे याधेवायय। देवे धिस्देव द्यायार विहेन्हेया हुदे। र्देव न्या पर न्या वस्या या रे प्या वर्दे सुरक्षे निये राव वसा या विदे से हिंगा है। क्ष्रनाने क्ष्रान्तरने अळव हे दारे में हिदासे दारा हे दा नक्षान्तर होते। दिवादस राष्पराद्यायम्यात्रादे त्यायदे स्था हो द्ये रात्र हु सा ग्रुमारा हे स्थाना दे स्था नुरक्षे क्षे निर्देश के दाय के दाय है दाय है निर्देश कि विकास के लिए हैं निर्देश के कि कि कि कि कि कि कि कि कि हेर् सेर्प रेर्प हेर् रे प्रथा ग्रम् वार्डवा वस् वस् वृद्धे । दिव र्वा प्रमान वसवाराने त्यावने सुरक्षे नियम् वस्यायावयः वा त्याया हो निर्मे हिनः से निर्मा हेन्डं अ: क्री अ: रन: हु: क्रे:न:न्रा व्यय: उन्: नु: र्वेर:न:हे: क्रु:न:ने:क्रु: तु: र्वे: र्देव-द्रमामार्ट-विक्तिदासेदामक्षेदादे-त्यमा क्रिमा नद्यामेदामम्मनामुन्ते ८८। वस्र ७८.२.श्रीट.य.चाडेचा.यक्ष.य.र.च.क्षे। द्व.रस्र व्यापट.रचा.स. वसन्यासारसार्टे में हिन् सेन् संहिन् इसाराना शुक्रा में ने न्ना वसान्वे रसा व्याक्षेत्राच्ययाउन्दे ने हिन्सेन पर्दे वियानसूत्र है। दिवान्या परान्या वसम्बार्शने त्यासळ्व हेन हें नें हेन सेन सहिन त्या नें निर्मान का क्रिंशः वस्र शास्त्रे अर्था सार नाम शास्त्र ना में माने माने माने स्वापनित स्वापनित स्वापनित स्वापनित स्वापनित ग्रीभार्षेरमासुः सुः स्वाप्याय प्रायद्याय विषायसूत्र हिं। १ रे विषे सी माने

र्देव-द्रसः पदः द्रवा वस्य वस्य वस्य दिः भूतः सद्य विस्तर्वः विदः श्री वर्षः से दः स्वादः धेव यने वे साक्षेत्र या धेव। साक्षेत्र या पाटा धेव या दे वे सादवावात्राया थेवा अः क्रेरे अः मः न्दः अः वर्गाम् अः मः मादः धेवः मः ने विः मार्चेदः अवसः विः नः थेवा गर्डेन्' अ'व्यावे 'न'ग्नान' धेव' मंने 'वे 'स्नानवेव' ग्री अ' धेन्य सु' सु' सु' हा यशयन्यायाधेव। रदाविवाश्चीयाधेद्रयाशुः शुःदवःययायन्यायादः धेव'म'ने'त्य'वे'धेंरशर्शुःशुःदव'त्यश्चरद्वरचरःशुःव'द्यदः बेद' र्ने। निवे भ्रेरासळव केन में केन से किन से निवास केन स्थानिक करा दश क्रिंशः वस्र शंक्ष्यः संस्थान संस्थान स्थान स्था ग्रीअ'र्धेरश'शु'शु'रव'यश वर्षायर्दे वेश'राष्ट्रव'र्हे । दिव'र्यायर'र्वा वसनार्याष्परार्देव न्यायार्दे निष्ठे न्यो न्या है न्ये के न्या के न्याया से न्याया स्वाप्त म्रेजायमान्त्रीत्राद्या द्याक्रियाम्ययाच्यामान्या गर्डेन्'स'त्र्य'वे'ग। रूट'नवेव'ग्रेय'पेट्य'शु'ह्यु'ट्व'य्यय'य्न्य' पर्दे' विश्वस्त्रम्ह्रात्री । दे कि दी रावे वा वदे सूर देव द्याय है के दाये व हेट्रळें अपन्यासेट्रप्यास्य स्य हुर हो स्य स्य सम्यासदे द्या स्र बुगाचेर बुगागी रुअ शु इस पर ग्वस्य रागित र पित प्या दे दे के समस्य

য়ৢ৾৾৽৵৵ৡ৴৻৸৴৸৸য়য়৸৸ড়ৢ৾৾য়ৼয়৸৸৾৾৽৶৶৸য়য়য়৸ঽ৴৻৴৸য়৸৸ धेव है। ह्या पहिंच पदे रुष प्राप्त वेस बुया वेस बुया ये रुष शुक्त रुष है र ने हे न भी अम्बर्ध सम्यान स्वान स यानुसामवे भ्रीतासा क्री सामान्या यान्यायासाम प्रेति स्वा ने में में तर्मित्रा मात्रम्भारत्र प्रमानिक विद्या मित्र धिरशःशुःशुःदवःषशःवदशःयःधीवःहै। देवेःश्चेरःदेवःदशःयःदेःवेंदेवेद्रभेदः मंद्रेट्रक्रिंगन्वासेट्रम्यास्वाद्वीयाययः द्वीट्याद्या द्याक्र्या वस्र उर्द सं क्षेत्र या स्वायाय या वर्षेत्र स्व स्व वि वि स्ट वि वि ग्रीअ'र्धेरअ'शु'शु'रव'यअ'यर्यार्ये'वे अ'नश्रृव'र्हे। दिव'र्यापर'र्वा' वसनामारान्ते से समाउदानी । निसमादाने समाउदान समायाः गुरानहनामा र्ने हिन्द्रा स्रिकाशुः गुनामदे में किन्गुम में हिन्गु का मन्द्राप्तरः अर्वेद्र-तानेवे भ्रिन्दे ते हिन्सेन्य हेन्स्य प्राम्य स्थानिक स्थित र्भेस्रश्राख्य इस्रश्राचावय की नियम् नियम विषय की की नियम गुव नह्रम्य सदि दे रे के द द के निष्य स्वा म्या म्या म्या निष्य है द निर द स्थित स

शुः शः श्रुनः वर्ने वा शः हे। हे 'क्षः हे 'क्ष्रमः हे शः शुः शः श्रुनः वर्ने वा शः सः ने 'क्षः ने 'क्षमः हे अःशुः श्रःश्रुद् : च ह्या अः प्रश्रः व्या अः च श्रुद् : च ह्या अः च श्रुद् : च ह्या अः च श्रुद् : च ह्या अः च र्ट्र इंश श्रु प्रचे या नवस्य वा स्रुट्र नहमासामा ना स्थानी सामित हो। न्नरन्दर्धरश्राश्चनायदे दे वे के न्या गुवनम्ब्रायदे दे वे के न्यो यक्त हिन्द्र सर्वेत पर वेत हैं। । है ख़र है ख़र सर तेत पर वेत पर हे ख़र है क्ष्र-जावव की निनद की दें कें निष्या गुव नहवा श सबे दें कें निन् अदेव यर बेव यदे कुरे र्र केवरे श है अया या बवर ही र्य रामे रें कें हिर गुव मुन्ने नि नि ने अन्तर्के वर्षे दर्भान वि गुव वर्षा के वर्षे दर्भान अपना गुव वर्षाहें वर्धे दर्भा प्रमाय व्याप्ती वर्षा की गुवाव वर्षा हें वर्धे दर्भा प्राप्त । क्षे प्रवेश गुव व राष्ट्रेव से दर्भ प्रशास्त्र गुद व राष्ट्रेव से दर्भ प्रम प्रशास विदा पुव रेट र्सेर पट द से समा उद द सुरा न इसमा मा पट द द द द वर्षे इसमा यम। लट.य.लु.र्याय.ईयया.यम। लट.य.हु.ईययग.यम। लट.य.हुं.म. धेव द्रम्म भया धर व से द्रम्म भी वर र गुव कु मा केर वितर नर वशुराने। वर्षिरानायश्राभे वर्षायति भीरार्रे। दिनार्मा परार्गा

म श्रीनामार्षेत्राशुः सान्गाम सुनार्षेत्राशुः सञ्जीताम स्रिमामा स्रीमा न। नर्शेन्द्रस्थान्द्रस्थे नेशः शुःर्केष्यश्याद्यान्यस्य सुनः सन् द्यान्यः दे गैर्भक्तिं में भावसाहेत केट प्रवेश नर प्रवृत्ति पर् वे निह्नस्य साथ से ह्यासंक्षेत्रपुर्वेशस्त्रिया श्रेष्ट्रप्राक्षेत्रपुर्वे भ्रेष्ट्रप्रा हेर्र्र् थिन्द्राचराचेन्द्री । श्चिन्द्राचराचेन्द्री । थिन्द्राचराच्या श्चिन्द्राचया वर्षार्श्वेना'रा'यर्षा श्रेन्द्र्या स्त्रे। ने 'न्ना स्वेना'रा'नार'णेव'रा'ने 'से 'होन'हेर' न्वो नायानहेन् यस् होन्द्री । न्वो नायानहेन् यदे क्रुशन्वो नदे सन्यस नश्चेत्रपाइयश्चे श्चेत्रेत्। श्चित्रपार्वेत्राशुः श्चात्रपाइयश्चात्रपाद्या शुर्श्वरःरे। विराजरमाश्रासःश्चित्राणराजरमाश्चित्रास्त्रित्रास् र्दे। विविद्धेशःस्यायदःविदःवस्यदःद्वस्ययःददःषेःवेशःशुःर्स्ववायःषदः न्वायरप्रवानयर वर्ष्यूरर्से । ने न्वारे क्षरन्वो वर्षे स्वावक्षेत्रयक्ष नर्शेर्न्यस्थान्त्राचे अधीः क्षेत्राची नर्श्याच्या स्थान स्थान

देव ग्राम् क्री निर्मि हिन् सेन सने त्या सक्त हिन् में हिन् सेन सहिन् ना र्नेत'न्य'य'र्ने 'ते'तेन्येन'य'तेन'क्य'य'याते य'यर'न्य'य'र्ने 'त्रु'य'यतित'त् शुन्तेशः राम्ना पर्ने ग्रेन् वसमाउन् पाया पर्ने निर्मे सम् न्याःसरः वर्ने न् क्रयाशः न्दः ज्ञायः तरः श्रेः वशुरा धरः न्याः सरः क्राःसरः क्रांथः नरः भे प्रशुरः बेट। हें दः सें दशः प्रदे गुदः दशः हें दः सें दशः प्रायशः गुटः र्धेरशःशुः में वान्यरक्षे विश्वरा वशःशुः गुद्राद्वशः हेदः से रशः वशः शुः ल्ट्राश्चित्राचराक्षे त्यम् । क्षे निवे गुवावरा अ यशग्रद्राधेंद्रश्रार्श्वेयावर्ष्याय व्याप्त्राच्या दे विद्यापियाशयापदादे न्यायायने सुन्हे। यळव हेन में केन यो नाय हेन नाय में ने हिंदासेदाराहिदायसान्हससादस्य पदीःसूरावदुःहोदावससाउदायसायदाः धरः मैं या नरः मुः न प्रान्तः। हें दार्थे र साम प्रेने गुव व साहें दार्थे र साम यस प्यार न्वास्त्रस्त्रत्ता यश्यीःगुवन्वश्रेवःस्त्रस्यस्यश्यरःप्रम्नस्त्रत् नन्ता क्री नदे गुव वसाहें व के स्थानाय साधार न वा सराव हा नदे ही र क्रॅंशः क्रॅंबः हैं। १२ '८्या'यी अ'क्रें अ'दे 'ब्रॅं अ'व्यापावव 'ब्री' ८ वट 'यी 'टें 'वे ८ व्या

नम्मार्यास्त्रे में हिन् ग्री सक्त हिन्नु सम्बाद्ध निम्मा हो में रें में हिन् सेन पा हिन निया में हिन निया में हिन स्वाह हिन स्वाह हिस स्वाह हिन स्वाह हिस स्वाह है स्वाह शुःदर्नेयानः सेन्छेर। इःसून्नज्ञाशासानगायान्यानयासेन्यसे लेशामः यावव शीः नगर मी अळव हिन्ने के प्रने प्राप्ति अपि हिन्य ही न्यानि मु सालामु प्यान्य स्वत्या या वर्षे वा या स्वत्ते । वा वे ते या वत् मे त वस्र १७८ त्या पर द्वी पर देवा पर देवा स्वर वर्षे देवा स्वर स्वर विकास विस्तर विष् उन्दर्भव्यानर्द्रा अर्द्भवास्य इसासर्वेषानर्द्रमुर वेदा हेत् बॅर्स्सर्परे 'गुद्र'द्रस्थ हेंद्र'बॅर्सर्सर्पर्' एस्सर्ग्रे 'गुद्र'द्रस्थ बेर्स्सर्स र्रे। र्दिन'न्य'ण्ट'न्या'यसम्बर्गरे'न्य'सेसर्या'ठत'त्र्व'र्षेर्य'ग्री'वेग'पवे' रेग्रारुव इस्र ग्रीय ग्राम्य यह विष्ठ हिन्दा नश्चन प्राप्त है हिन्सी य मुन'म'न्रा नरे'न'मु'द'से 'सु'रद'यस'यर्भ'म'यर्भेन'मर'वसुर'य। सेस्र उत्र रूट स्र स्म कुरा ही हो वा परि रेवा साउत्र हस्य र प्टा हे प्र विद

गिलेग्रासदे देग्रास्ट्र इस्रम् ग्री माग्रादे ख्रासदे छेट दर। नश्चनाय वरे केट. ग्रेशम्बन्धर्मर्म्यने नाम्चर्म्य स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या वर्गुर-नश वर्ने दे १६४ वे अर्ग्न रहा यह अह अ मुर्थ है अर्ग से स्र न्मयः इस्रश्रः श्रे : इस्रायमः न्याः पदि । यसः यदि याः प्राये व । यसः प्रमः न्याः प यदः वार्डवाः श्रे। वार्षे अः यावादः यदः से द्राः दे व्ययः द्र्वीद्रयः द्रयः वेना'रा'नाडेना'रु'नश्रूद'रे। शेसर्थांडद'र्मी'रिसर्थाद'र्शस्यांडद'रूट'नविद' श्रीशाद्यरास्य स्वापाद्या द्यरास्य वित्रास्य स्वापाद्या द्यरास्य स्वापाद्या द्यरास्य स्वापाद्या द्यरास्य स्वापाद्या द्यरास्य स्वापाद्या द्यरास्य स्वापाद्या द्या स्वापाद्या स्वा र्भे (इस्रम्भः ग्री) देवामा श्रुः र्केवामा द्वारण्य स्थे देवा स्थान स्था न्यायस्याराष्ट्रवः र्वेर्याश्चीःनेयाराश्चीःयानः वयाः विः नवे नवे निर्मान्या विषाः सुः सः वे 'अरअ' क्रुअ' बस्रअ' उर्न वर्डे व 'य' प्राप्त 'युव 'यर' क्रुव 'क्रुव 'क्रे' श्वेदार्सिकाल्याम् हे सुर्व सेदायाष्ट्रयायम् द्विष्य स्वति सुदार्स्य यम् ग्रम् भी जुर्भ र्शे । नि किये श्रिम ले जा यन भूम ने जे श्रिम हे जीव हु छूम नः न्दा सूनानस्याग्रीसानीदानुत्वहैनासामदे भ्रीतास्य स्ति। रैग्रभान्यवायार्विःवाधेवः यदे श्वेरार्से ने हे सुरक्षिर सुरक्षिर हे भीवा हु छूर नन्ननिवन्त्रसेस्राड्यम्।देवन्त्रन्यः निवन्त्रसे स्वास्यर्यस्य

र्रा । है :क्ष्र-रक्ष्यानकृष्यः क्षेत्रः पित्रः प्रदेश वितः त्रः वितः । सर्विन्यर्विनुन्वः वस्य अविन्ति । स्विन्यः विविक्ति । स्विन्यः विविक्ति । स्विन्यः विविक्ति । स्विन्यः । उब्र श्री देव श्राचाया भेव हु से सिंग्याया पर् श्री द्वारा यह से दाया पर् वस्र राज्य भीत कि. में मिर्या स्वापित के सि. में सि. म ह्य दुन हुन स्थाय निष्ठ है। ने दे से से निष्ठ नि त्रुदें। । १९वर्षे अः तुरः कुनः हुः ॲरअः शुः वशुरः नः ने ः नारः धेवः यः ने ः वे ः र अः ₹अः ग्रम्भाग्रीमः ग्रम्कुनामेसम्भान्यताधितः सम्मानम् त्री पर्ने स्वराने के के ब्रॅट्यायदे श्चेत्रायायया इयायर श्वेत्यात्या दे प्रविव प्राचित्राया इयया ग्रीयानसूत्रावरनेया गुति स्वीतायात्रयाये समास्यायर में त्यानर ग्रीतानर ग्री ध्रैरःर्रे। १दे वे १८८ में रान्या नी देव त्या श्री रान्ये स्याप्य के विषय स्थापित श्चेत्राय्यशाह्रसः यम्भ्रात्वात्रीत्रात्ते। देवे श्चिमादे प्रविदायानेवासायस्य स्रवार्षेत्रा ग्री-देवायासु-वर्देवायास्य । दिव-द्याः प्या-द्यवायायदि-व्हर-दवेः ७७। विसादन्यानायेग्यासम्मासुम्यासन्विन्तुः मुर्वेसाम। नयसामः इस्राम् भी स्राम्य स्राम स्राम स्राम स्राम्य स्राम स्राम स्राम स्राम स्राम स्राम स्राम स्राम स्राम स्र

ने निवित मिलेग्रास के में कें हिन् से न्या हिन क्या या मासुस में ने न्या हिन यशन्वेरिश्वर्शन्तर्भात्रराचि देवा की स्मेरिया है निष्ये हैं निष्ये हैं स्मेरिया स्मेरिया है। के श गर्डिन्सात्रमाले न। स्टानले व श्री मार्थे द्रभास्य सुरक्ष प्रवास मार्थे ले मा क्रिंशः क्रिंतः हैं। निः वासे समाउत्पादः न्यादियो नवे स्या केत्रः वे स्री दार् श्चेत्रायाधेत्रासुर्वाया कुर्षित्रासुःश्चेत्रया स्रायास्या नर्वेतः वस्र भन्दर्भ के राश्ची के वार्ष के वर्षे प्यतः द्वा स्वर्म स्वा नः स्वी नः स्वी स्वर्भ हो । क्रॅशने व्राप्ता नदे नवे निर्मात नवित्र न रन हुने अ निरा कें अ ने या पर कें अ पर वशुराया दें तरे पर ने अ र्या श्रीशायर द्या पा है । सु या यविव र र हैं या शायर प्रशूर वि र र रे हें या शाया वेषिश्रास्थाः ग्राम् श्रुमाना श्रुमाना वित्तमानी त्रामाना स्वापाना ने किनाहे शासुः वर्षेन प्रमान वर्षे माने वर्षे व नरः ह्रेंग्रायदे अट्राक्त्राच्या अत्राच्या विवादी है विवादी क्रिया व्यवस्था विवादी विवादी स्थापी स्थापी विवादी स्थापी स्थापी विवादी स्थापी विवादी स्थापी स्यापी स्थापी स्य सर्वित्यरःह्वार्यास्यास्यास्यास्यास्याः विश्वार्याः विश्वार्याः विश्वारः विश्वरः विश्वर यास्रोस्रसाउदानार्नार्नो नदे सन्नान्स्रोत्यार्मः श्रीनायार्षेरसास्या

यन्ता कुन धेन्याशुःश्चेत्रायन्ता स्यायकेत्राचायाधेत्राया नर्सनः वस्र भारता भी भारती स्वापा के वार्ष स्वापा स र्यदे रूर नविव उवा हैंगाय से या से नुसामा रूर मी भून सर्वेगा हु यहेंव धर से मात्र राप्त ने प्राप्ती राजे के राजे के राजे के राजे के स्वाप्त के स्वा यर द्या य है क्षेत्र य विव दुर्म य हु से की शर्से द्यी। देव ग्यूट से शर्ने य र्शेश्वर हो द्राप्त वित्र वित्र के वित्र वित्र के वित्र वित् यानेवायाययायासुरयाय। वयाय। वयायरासूरायासूरायासूरायासूराया अर्वेट नर नगयन हैंग्राय नर नगय नहमा से त्या हैंगा में पदे ह्यें द्राया अहर या विवासे निह्यायायायायाया सहरयायया देयाया थे द र्वे विश्वास्य स्वाप्त विद्वार्ते । स्वाप्त स्वाप्त निष्ठ नेयार्थे सूर्यात्याय द्वासे। यदे सूर् हेयायरया मुयाग्री गुर कुरादे वा क्रिंशः इस्रशःश्रीःक्रिंशःहित्शादः वर्षः देःचित्रवित्राम्नेग्रशः हित्शीशः सहिव ही। नन्ग उना में अन्ते हे से ले अर्थे। । ने निविव निवेग अप इसस ग्रीशःक्रें शानश्रूद्रायादी से स्राया उदा द्वासाया से सामा श्रूष्ट्रीया ग्री शायह्वाया धेव है। दे निवेव मिलेग्राय इस्रय दे सिंहे व सन्दर्भ मौने म्राय सम्र

षर्यायाधेत्। नन्याः च्याः वीर्याः भीराः निरायाः स्थितः विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विषयः विषयः विषयः विषयः श्रुमान्या दे द्वास्त्रे से दे सम्माया नुसार हुमा है। धे ने रावदे नायर वेता थे मोर वेश दश दकर वर थर वेता क्रें मा चर थर वेता थर तम यर वर्गेर यर पर होता सर्केर यर पर होता खर केर यर पर होता वर्देव नर पर छेत्। मिर्नेव र पर छेत के पर हो। वरे सुर दवे नवें र को र को न नन्द्रायाः वर्षे वद्रे याः हैवायायदे द्वेरावर्षे यायदे द्वयायरः क्वेरावरः से वुशःश्री । दे द्वायावे देशदानश्रद्धात्रश्री क्षेत्रश्री श्री श्रायादावये या नरः वर्गुम्। धेःनेशःग्रीःर्स्वन्यःग्रीशःग्रमःवर्षेषःनमःवर्गुमःष। नामःनुष्यमः कुनः यशसेस्रश्रास्त्र निर्मानर्से न्त्रस्य न्त्र भी से सी से निर्मा केत्र से दि नर-तुः भर-त्वाः मर-ग्रुनः सः संभितः भ। इरः सः इर-संदेः ररः निवः उवः देः याधीत सें द्रा भी वें ता भूट हैं गाया से या तुरुषा स्टामी भूपता सकें गा हा वहें ता र्वे प्यर द्या पर है भ्राय पित्र द्वा पर प्राया के सामे प्राया के सामे प्राया के साम वर्ने द्रवा वस्र अ उर्दे में वें हिर्दे से दिन में विकास के वितास के विकास के विकास

निर्नित्वते । निर्मानिव सी अप्पेर्स सुः सुः सुः स्वरायस्य प्रमानि वर्षे विका ळॅशःग्रीःर्देवायाञ्चाद्देः नविवार्षिवरायस्यादेवायसःविवायसःग्रीताते। नेपा गिले देश ७७। वि.क्र श्राम्यश्रास्त्र स्थान नरः भ्रानः वर्षेनः नरः वर्षुरः है। सेनः नरः भ्रानः नरः। सळ्नः हेनः सेनः नरः भ्रा ন'র্মন'র্ম'শ্রন'য়য়য়'ড়ঢ়'য়য়য়য়'ড়ঢ়'য়য়য়'ড়ঢ়'য়ৢয়'য়ৢয়'য়'য়য়য় क्रिंशः इस्र शः ग्रीः गुरु नह्या रायदे स्यळ्दा हिन्या यानः सुन्य प्रदेनशा क्रिंशः यायर भूरावावनेवर्गर्शे । ने के वे से रावे वा रेवान्यायर प्रायम्याया वर्ने भूर ग्वित भी न्वर भी अळव के न्नर पेरिका की मुना परि अळव के न ल्रिन्द्राचे गुवानहग्राया प्रदेश्यक्षं हेन्गुर रचा हु लेखाराम प्रश्नुम द्रा हे यानार न्या यावव श्री न्यर यो अळव हे न न्या व्यास्था श्री श्री या न स्थी अळव र हेट्राया अळवाहेट्रायेट्रायम् अर्थेट्रायाची राष्ट्री गुव्यान्याया यादे अळवर हेट्यापटाश्चरानानन्यायाधेवायवे द्वीराहे। देख्यान्यावादे प्राक्षेत्रा क्षेट्राम्यायाम्बुयाळ्यायाप्यास्मूर्यायदेवयायावेयानुद्रि ।देर्याने रहे

क्रॅंशक्रेंशयःक्रेंशसुःवरुःनेशयःन्दा देवायःधेवायायःदेवारुवर्गनेशयः धीव है। दवे के अप्या के अप्या वर्ष अप्या प्राप्त में विष्या धीव प्राप्या देव द्वार प्राप्त प्र प्राप्त नेशमाने न्या केशमा प्याप्त केश शुष्टीं ने देवा साधिव माया देवा नुष्टीं व ढ़ॖऻऀऻड़॓ॱ२ॻऻॱक़ॣॴॹॹॣॴय़ॴॸॻऻ॓ॱॻढ़ॱक़ॣॴ^ॾॴॴऄॗॴख़ॹॴॶऻ देव गुर देव द्या पाया धेव पाया अदेव पर लेव प्रश्न के शर्म प्रश्न था प्र शुः हु अरु रा भी विषास्ता या अर्थे द्रा शुः हु अरु रा द्रा दि वि रा क्रम्भास्तरावश्चरार्स् । विविधार्वार्ते द्वात्मभाक्षेत्रात्माक्ष्रभाषाः क्ष्रभाषाः स्वास्ता क्रॅंशयक्रिंश्युप्दरुष्ट्रेशयप्दर्भ र्देवायाधेवायायार्देवारुपदरुष्ट्रेश यथा क्रॅश्रायाक्रॅश्रास्त्र्रास्त्रेश्रायाद्रा देवायाधिवायादेवाद्रायदेवायरावेवायरा वशुरते। देर्वाश्चरविदेशदर्रेवविद्र्र्यं विदेशस्था क्रम्भास्य देवास्य वृद्य । वादाद्याः भ्रान्यदेः हे भाशुः द्यादान्य स्थाः वेदा ने न्या यश के शक्त्र सम्भार ही में भी ने से भी ने भी में भ ग्री क्री नियं नियं नियं विवाय विवाय

र्दानिव मी अप्पेर्य शुः शुः दवः यया यत्या मार्चे यावया भूगा छेट प्रदर्शया गुव-ह-नद्द-वद्द-विद्या वदे-भूद-हेश-वदे-वे-सद्य-मुश-वर्ड-ध्रव-वन्याग्री नगवाया धोवाग्री वने वे नन्न ग्रीया श्रुया पाधिवार्वे वियाग्रम वेस बिटा देख्रम्भेषावयायर्भेने देश्ने देश्याया सुम्याय दिन्या सम् नर ग्रेन भे नश्नभाषा से नायर ग्रेन नत्तु है नायर ग्रेन न वि ने या सरत्युरर्से । विविदेशग्रारवारद्वाः श्रुर्वे स्वर्धे के व्यवस्य ग्रेर्श्वे नाम केव में वर्षे न प्रश्रा नम हो न प्रा अक्व हे न प्रस्य कर के न प्रम है वि न र्नेव संभिव मर्नेव दुः ह्रेव मर हो द्रमाने द्रमाने स्था हो हो न मर हो केव में न्वान्वो नदे सन्य अन्त्री श्वेन पर्वे अन्य श्वेष्य । श्वेन पर्वे । श्वेन पर्वे । भ्रेत्र र्रे अन्य भ्रेत्य वर्षे द्वयय द्वर पे ने य क्रिक्ष व्या वर्षे द्वयय द्वर पे ने य गुन केर इर में अपीव या इर में दे रर निव व कर आपीव पर । हैं गान सेयानुसाय। सरावी क्षानासर्केना तुः वहिन सरावानसारा ने प्राची साने

र्या हु से श्रेश्वेरा के अप्रेश्या से अप्राय स्था र स्वा है द्वा के अप्या क्रॅंशयाधेवायरावर्षेश्वयंभिता देवायादेवायाधेवायरावर्षेशया कैंसः वः पर केंसः संपेतः पर्रा देवः वः पर देवः संपर सेवः पर नत्रःग्रीशःश्रुशःराधिवःर्वे विशःग्रदः वेरःविदः। देःक्ष्ररःरेगावशः अर्दे श्रेःदेः न्वात्यः श्रुरः नः वर्ने नश्यः सरः हो न्। श्रेरः नरः हो न्। श्रेः नश्वाशः सः हे नः सरः वेता न्वर्राहेत्यरवेत्वेर्वराष्ट्रगणरावह्यायरावेत्ते। क्यायर्यार्या सरसर्रे हे दे द्वा झर व दर्श कुर वाबव सर्दा क्या सर वाविवा सदे हीर विवास निर्वा दे त्या से सारवे वार बवा इससाय प्यापर नवार वर्र नेस यम् वर्षम् में । ने निया वे । अश्वा । निम्में के निवस्य ग्राम्य स्था भी भी निया नश्चेनर्यायाधेत्या ग्रिनेर्याण्यायाधे श्चेन्याने स्वात्र्याश्चेन्या दे। यश्राभी श्चेतारा देवे प्रार्थे ते पार्वाश्वर स्था ते प्रश्लेष प्राप्त श्चेता विवा वत्रमः स्वाप्दे स्रेत्यी नर्मी स्वर्ष्ट्रा नर्मि स्वर्षः व्याप्ति स्वर् न्गार्दे। निवान्याप्यान्यम्यायान्यान्यः देश्वरावः विवान्यः वार्यान्यः विवान्यः वार्यान्यः विवान्यः वार्यान्यः व गश्रम्भामा भेव हि गुर्वे याया नयसाय भेव हि इस यम द्राप यह देवा ।

क्रूश्याचीयात्रात्रत्रभेषाता श्रेष्रशास्त्र भेष्रशास्त्र भेष्रातात्री भेष्र नु'न्न'ग्रम् श्रूमम्म। ने'न्यानर्डे स'स्न 'यन्याग्री स'ने वे 'के 'केंग्रास'सु' नठन्यायने नवायाय द्वारा है। विकासमार में केन सेन किया समारा श्चेर १८८१ के अः इस्र अः स्वावायः के यः इस्र या वित्र विता प्रियः क्रम्भाष्ट्रम् यावरायासु विवासु वर्षेत्र होता । यस्त्र हेर्टे में हेर्से हेर्से होता है बेरा र्दिन'न्यारें 'तें 'हेर् बेर'रें 'वे यारयान्य न्तरें। रिदे 'या यानयायात्र' विगान्में रशासंभेशासंदी। । सना हु हु सशासर त्यू रानदे त्यस हु ने सी वर्त्ती ।गुव:श्री:इस्रान्नाख्यावी:माठेगा:सु:वनी: धेव:हे। ।इस्राध्यःन्नाः ययर माठेमा क्षे माठे रामाना पार पार के ना । ने श्री र वेमा मामाठेमा माय ने ते वर्देग्राम् होद्राग्रा । श्रेस्र अच्चर देग्राम् हे स्मान स्रुक्ति ग्रामेद्रास धेवा । श्रे अश्रास्त्रव्याप्रअश्यदी वादी नादा नात्र वा नात्र वा । श्राप्तवा न्ग्रीत्। ।ग्रान्ज्रीयःने:न्ग्राः सम्भाग्धी:बग्रान्यः सेन्:सदे:न्द्रीन्स्र। । श्राःबेनः

नश्रमा वित्रास्त्रमा वित्र स्वाप्ति । विस्र स्वाप्ति । विस्र स्वाप्ति । नर्षाक्षेत्रः स्रास्त्रास्त्रः यास्त्रे। । याहेशःस्यः नहेन्यःसः धेतः यने विदानह्तः राधित्। १२ त्र रारे दे के नर्डे साध्व प्रम्या ग्रम् कुरा के समान्य रेव न्याधरान्यायस्यायाशीयायने स्नान् हेयायार्थेयाने । निर्देशाध्यायन्याहे दंश-५-अ८४-क्रिय-वर्षे अन्ध्रत-१८५४-इस्थर-ग्रीय-प्रीट्य-हे-वाशुट्य-१। स ना अर्केना हुन्याना वनामा अर्केना हुन्वनामा हिनामा सर्माना अर्केना मुःहेना रायर प्रायाय विदेश थ्व प्रमानर्डे अप्युव प्रम्या भी अप्रमाद दुवा नवे 'हें व निमानी अप्रहे 'क्षूम' वळ्याने। इयायरहेंगायदे हैं नाय्या गुनायहग्यायाये अळन्ने निया यावर्गा पर्ने होर ही अळव अपा या ज्या मा अपार ही स्टार्स विकार के निहा ही यक्त हिन्न्या ही ज्ञानी यक्त हिन्नु से निन्न निम्म स्थापन निवापा र्टा वी वी श्रा की स्ट्रिंग हैं के दिखा विषया विषया वी वी वी श्रा सिट र्रे श्वर न न में प्रेर्य शुः भेरा ने या ने सार्रे के न में अक्ष के न न या है। इस मी अळव हे ८ मी माव अप्य ५ मी १ अळव अमार खमा अप १ में भी व नह्यायः यदे अळ्द्र हेट ययाय है। दे यः नहेद द्या नहें या युद यद्या ळें या

इस्र भागी सक्त हिन्दे ने हिन्स सक्ते साम हिन् वर्षे वास सम्बद्धा स्वास र्शे । इस्राध्य हिंगा प्रते हें निष्णुला गुरु नह्रम्या प्रति सक्र हिन् शे पार्व स्व वर् हो र शे अळव अपार विषय अप र दे ही पावव ही रनर मी अळव हे र यग्रार्था । ने यः नहेव वर्षान्ये साध्व यन्य के या इस्या ही ही नारे में ने यायकेशमान्त्रेन न्ना ने यशकेषान्त्रियमें त्रान्यममें में हेन्यायकेश रांकेन्ग्यर वर्देग्रायाय सहन्यग्रायाय स्ति। । नर्दे साध्य वर्षा ग्रीयानग्रायः द्भूतायते देव निवानी रापदी सूर पळवाहे। इसायर हैं नायते हुँ न खुवा गुव नह्रम्य राये अळव हे ८ शे मावस्य वर् हे ८ शे अळव सारे हे ८ गुव नम्यासायवे सळ्व हे दाने मार्थे दसासु साम्यान हे दाने हे दि हो हि त्र सामे र्ने हिन्या अक्रे अप्याहिन के अप्यानन्या अक्रे अप्या ने निविद हिन्द अप्यान न्या परि न्रीया अप्यापाट व्यया अप्यादे हो व्याद्या स्था सुन्या परि स्थल्द होन यग्रामाने। ने प्यानहेत्र त्रमानर्डे साध्व प्यन्या ग्रीमा ने प्यमाने गाने सार्चे सा न्यामार्ने में हिन्या यक्षेत्रामाहेन् त्यत्रामाहेन् त्यां या स्वान्य स र्शे । या बुया शा ग्री सुर से हि । सुर या विव र तु । सुर से । सुया सा इस शाया पर हे । नवित्र-तृःश्चर-नर्ना । यात्रार्था । युर-भें : इय्याया है : वृः नः नवित्र-तृः हुे :

यकेन्द्राचित्र वित्राची भी सकेन्द्रे से प्राप्य दे प्रवित न्याया । ७७। |श्रॅ| ।श्रे८'यदे'णत्यम्'न इ'महिश्'र्से '८म'मे 'श्रे८'यदे'णत्यम् रे रे रे प्यापट दे निवेद यग्या रे हिं। विश्व निवेर् रिन्य मी विश्व रे रे प्यापट दे रे रे लायर दे निवेद यग्या रा हा । निर्देश सूद वर्ष निर्देश सूद वर्ष ग्रेअन्नगदः श्रुत्यः नदे देव नन्ना ने अवि श्रुमः दळवा हे। इयायमः हिंगा पदेः ह्यें ५ खुवा गुरु नह्म रायदे सक्द हे ५ मी महस्य वर् मे ५५ मे अक्द साय सूगानस्यामी निर्मानम्। सूगानस्यामी निर्माणा स्यापा बिशर्रे में हिन् ग्रे अळव हिन्न्या हो न्या में अळव हिन्न् से निर्मा इस्राध्याविषायाषायायायायायायायाचा विष्णुवायायायाया हे। दे या नहेत्र त्र अ नर्डे अ खूद पद्य संकेश है अ इस्र अ भी सक्द हे द दें में हि द स अक्रेश्रापान्तेन वर्तेवाश्राप्य अहं निया श्रेवाश्रार्शे । इस्राप्य हेवापि श्रेन धुवागुव नह्नायापदे यळव हे र ग्री नव्या वित् ग्री र ग्री यळव या न यग्रायायाने के ग्वावन की न्यर मी अळव के न त्याया या है। ने त्याय हे व वर्षा नर्डे अप्युन प्रद्या के या इसया ग्री क्षेत्र नार्ट में कि दाया सके या पा के दा है।

यशगडिगा विशदिव द्या यादे विश्व द्या सके श्राम हिन् ग्राम प्रदेश सम् सहर्वायायायाया । विदेशासून विद्यापात्रीयायायायाया सुवाविः र्नेव पर्ने भूर पर्वा मी रापळाय है। इस पर हैं वा परे हीं र खुया गुव नम्मार्यायत्र अळव हेन् ग्री मान्या वर् होन् ग्री अळव अने हेन् गुन नम्याश्रापते अळ्व हे न ने सः विषय शुः श्रा युन हि । दे चि हे न ने वि वश दे र्ने हिन्या अक्रे अपा हिन्के अपा नित्रा अक्रे अपा ने निवर हिन्द्र अपा न न्या परि न्रेया अप्यापाट वया अप्यादे हो धित्य सु गुन परि अर्क्ष हिन यग्रमः है। दे या नहेन नमा नहें सम्बद्ध या स्वर्धि सम्बद्ध सम्वद सम्बद्ध सम्बद सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध इस्राम् भी देव द्राप्त में केंद्र स्राप्त केंद्र स् इससायायादारे नविवार्ष्युरानरान्छे यन्यासार्स्य । निर्वेदाराइससायादे क्ष्रनाने निवेदानु इद्यापि के निमानिया स्थाय दिस्य प्रमानिया स्थाय दिस्य क्रम्भात्रा हुत्वसुवानीः मराम्सम्भात्रा नगरामें क्रम्भात्रा हुन्या इसस्पर्टा ब्रिट्कुनःश्चे प्यत्राया इसस्पर्टा यस्राश्चे प्यत्राया इसस्पर्शे षव्याप्यारे रे प्यापर हे प्रविव र मुक्त प्रमान स्वी प्रविव र मिन्स स्वर

वन्यः वर्डे अः ध्रवः वन्यः श्रे अः वगावः श्रुवः ववे रे विः वन्याः वी अः वने ः ध्रूनः वळ्यायन्यात्राहि। इसायरहेनायदे हुँ दाध्यागुव नहन्त्रात्रायदे सळव हेद ग्री'मात्रमा पर्'त्रेर'ग्री'सळ्व'स'य'धर'र्गा'सदे'हेर'रे'पहेंव'वेपसा हेर' रे वहेंत्र श्रे अश्वर पर्व श्रेंग्र प्रम्य विवया हिर रे वहेंत्र नर्झे अ यं विवया यः श्रे अप्यः श्रे प्राविवया श्रे अप्यानिवयाप्राप्ता श्रे पश्चित्या न्ना अस्वित्ववृत्त्वन्। वसेयावित्वस्याकेन्छेरार्देश्तिकेन्छे यक्त हिन्न्य। हो त्र्या मी यक्त हिन्न् से हिन्न स्थान यादायायायायादी ते गात्राचह्याया सदी सळत् हेटायायायाहे। दे त्याचहेत व्यान्रें याष्ट्रवादन्याकें या इयया ग्री यक्त हिन्दें ने हिन्यायके या पा हिन् वर्रेग्रायर्थर्भ्रह्रायग्राय्ये । इस्ययर्ह्म्यायदे हेर्न्युयःगुरुवह्र्य्या यदे सक्त हे द श्री मात्र भा यद् भी द सक्त समाद यम् भार दे ते मान्त मी नियम् भी अर्द्धन हिन्यम् अति। ने या नहेन न अप नहें अप स्व प्रम्य स्व अप के अप इसमाग्री क्री नार्रे में हिंदासासके मानहेंदा द्या दे त्यम हे नार्षे मार्दे दादस रार्ने में हिन्या सके साम हिन्यार पर्ने वासायर सहन यवास से । विसे सा युव प्रत्य पर्वे सायुव प्रत्य भी या नगाय सुर्या नवे में व नगा गी या पर्वे सुर

वळवाते। इयायरहेगायदे ह्यें दाध्यागुवायहग्रायाये सळवाते दा यावर्गा वर् होर हो अळव अरे हेर गुव नह्या अरवे अळव हेर रेर पेर अ য়ৢॱয়ॱॻॖज़ॱऄॸॱ।
देॱऄ॔ॱऄॸॱॸ॓ॱॺॕॎॱढ़ॴॱदेॱऄ॔ॱऄॸॱয়ॱয়ऄॴॱग़ॱऄॸॱऄ॔ॴॱॴॱ नन्याः अक्री भाषा ने निष्वित् हिन् इसः सम्प्राप्ति निर्धे या सामाना स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वा यने ने पेरिका शु ग्रुन परि सक्त है न प्याका है। ने प्यान हे न क्या नहें साथ न वन्याने व्यया हेना विया के या इसया ही नेंदान्या पार्ने में हिन्या सके या प केट. वर्दे वार्याय सहंदायवार्य स्त्री । वर्डे साध्य विद्यायदी सुः स्रे दिये रावरीः व। नदर ७७। । श्रुदे से अदे श्रुव श्रुम न नद्भ नद्भ से व श्रुम न वस्र उर् र र न सुरा नर न ही न लगा र से । । रे न वे व र र न हें स स्व पर र ॻॖऀॺॱळॅबॱइयबॱॻॖऀॱॸॕॱवेंॱढ़ेॸॱॺॱॺळेबॱॻॱहेॸॱयबॱ नइसबॱहे। श्लें नायः मक्रमान्द्रा वर्गानामामामक्रमान द्रा ग्रीम् द्रामान्यमान प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्र प नविव ग्री अप्पेर्य शु शु रव यय य दर्य परित प्रया न इस्य वस्य । नर्डे स व्यव वित्रामी याने याने में वान्य नित्र वित्र वि वसरा उर्-र्-नश्रुतानर-नश्ची-नायग्रार्शि । नर्डेसायुन-वर्गादर्ने युः श्रे न्मेर्न्यमी वर्षे से निष्या विष्ये मिले के स्थित मिल्या के स्थित मान्य

र्सेदमा नमर्सेदमा रे.म्रेर्न्यम् नाम्यम् नम् नित्। दे से बे साम दे प्यतः निवः हु ग्रास्य नरः नश्चितः साम माना हो। दि निवत्र नुर्केश इस्र श्री में भें नुष्ठ सामकेश मा भें नुम्ह । स्ट निव मी श र्धेरशःशुःशुःरदःयशःवर्शःयःहेर्'ग्रैःनरःयशःन्हस्रशःदश। नर्देशःधृदः वन्याग्रीयारेयायवे देवानसून पावने ने दिरापवे देवाग्री सर्वे स्राम्य डर्'यार्रे'म्डिम्'यार्ट्रा इर'नदे'र्रेन्'रे'र्म्'भेन्'तु'म्थयानर'नश्चेर्'या यग्राश्राह्मी । नर्डे साध्य प्रत्यापदी सुर्धे द्रोरान् में प्राह्मी क्रास्य है हैं द्रोरा नश्चरान्द्रा न्वाप्रसाद्रा नगार्क्षराग्री इसायश्चरक्षेत्रायाया स्व सर.चर्रेता.च.लुच.धे.तर्याचरायश्चीर.च.त्याचारा.स्। १रे.चलुच.रे.क्ट्र्या इस्र भागी दि ते हिन्सा सके साम हिन्दा प्रतान विव मी सामित सासा सामित यशयन्यामानेनामा वह्ययावया वह्ययावया वह्ययावया वह्ययावया यदे देव नमून या वदे ने दरान दे देव मी अर्रे में ममम उर्द् न मुख्या वा न्वायः नः न्दः अर्केवाः हुः न्वायः नः केवः सँ रः यशुरः व्यवाशः श्री । नर्वे अः थ्वरः नश्रुयानः वस्रयाउदायाश्चेनामरास्री त्युरायम्यायास्री ।दे निवेदादुर्केशः

इससाग्री में ने निरायासके सामाने नाना। मनामित्र में सामानिक स्थानिक स् यसप्तर्भापानित्री प्रमायसप्त इसमात्रा वर्डे साध्व प्रमायी सारे सा यदे देव नमून यत्रे ने इट नदे देव की अदे में बस्य उट या दे विवा यद्रा १८४ में अर्थे वायद्रा रहा यह अर अर्थे में वायद्रा में वाय केत्र में विश्वानसूत्र न वस्र राज्य न विश्वान स्थान स् अन् रहेश महिष्य प्राप्त । वर्डेश धूव प्राप्त श्रीश ग्रुट कुव हो समाद्राप्त देव न्यापरान्यायसम्बायायाः योग्यार्थाः वेश्वायाः श्रीताः श्रीताः श्रीताः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्वयाः स्वयः स्यः स्वयः स् वस्त्राम्भायेत्राम्भार्भे । वित्रान्माध्याम्भार्भे । वित्रान्माभार्भे । वित्रान्माभार्भे । नविन ग्लेग्रायदे नर्गेर्य हे न्यून यं लेशहे। देव ने त्यादे सु हे नडद स्न-१ रे.स्.में नवह नावि १८८१ सर में समार्थ समार्थ । मालव र स्था भी में र में र में र में मालव र स्था में र में स्था में र में स्था में र में म ब्रट्ट क्रुव से सम्बद्ध द्वाद सम्बद्ध द्वाद सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम्बद्ध सम यश्रियाहे। विद्यान्त्रायद्याण्ये याद्वाराष्ट्रीयः ध्रियाः सूर्यः हार्से : इतः स्रीतः रे द्वाया ग्री दवाया शु द्वय वे या ग्री वे वा पाया प्याप्य प्याप्य द्वाया पाया ह्याया है स्था

या वसवार्थायदे नित्राचित्र स्वाचित्र स्वाचित्र स्वाचित्र वित्र स्वाचित्र वित्र स्वाचित्र वित्र स्वाचित्र वित्र अक्र-स्र-रि.वैट.यो क्रूच.सेर.वीर.तवत्रो शुर.वीर.त.श्रेश.वीट.क्रूश.टेट. समुन्दारमः वहिषाःहेत्रः तुः सान्त्रीं स्पार्त्वेषाः स्वाकुर्त्र वहिषाः स्वा वन्याग्रीयार्क्षयाग्री वित्राचे निर्मे राजा दे प्यारा सुन्या थ्व प्रत्याम् याक्षेत्रा इसका में में प्रताय के कारा है दायका व इसका है। ५८। ४८.४७ थे.शे.श.श.शे.शे.८४.४८४४८५४८५३६८४४८४४८ वश विवानः केवः सें लायदः द्वान्यः विवायः नः इस्रयः वा क्रेंदः संदेदः श्रीः र्श्वेरायदे क्यायराके राटें यक्र स्पित्र सुन्त् चुन्यदे के राग्ने विद्याये रावेर रावे रावेर रावे रावेर यानर्भेराने। नर्ड्र अप्थ्र प्यत्या श्री यार्क्र या श्री प्यति मार्थे मार्थे मार्थे प्राप्ति स्थान सकेशमा अन्यसकेशमा इट नदे देव हेट मान्य विदे नावश शु शुरा यग्रार्थे। पर्वसन्ध्रायद्रमाग्री सर्वे साम्यसाग्री में में हिन्यासके सा ७७। । परितर्भया वर्ष्यया है। क्री. याया यक्षेया परितर्भ वर्षाया पर्याया । सकेशमाने नित्र पार्चित्रसात्र काली नात्ता स्टानिव सी अप्पेरका शुः शुः

न्द्रायमायन्माराहेर्ययमा इसमायमा वेगापावसमाउर्यापरान्या पर विवास पा केवास पर इस पर है। न न न हे सकर सन र् नुर नवे के रा भी विषय में मार्थ सामार्थ र है। वर्ष साम्बर पर्या भी रा कें राग्री प्रिंम र्यो नर्से माना परि ही ह्या दाया से रामा स्मान राया से रामा नेश्रायदे दिव त्यवाशाते। हिन्यदे वाविदे वावश्राशु शुराया सायवाशः र्शे । नर्रे अः वृत्र वित्रार्के शः इस्र शः शे दे र्ने हित्या सके शः पः हित्या नहसम्। |रूट्यिवेदारीयाधेट्यासुःसुःसुःस्ययाय्य्याः १९८१रीःनराययाः न इस्र अन्तर्भ। । नर्डे अन्ध्र प्य न्य भी अन्त्र अपने देव निष्ठ्र प्य पदि देवा अन्तर्भे नुवस्। दिवाराग्री:नुःर्से वादावीर्यार्स्यात्रसः स्रास्य विद्याप्ता थेः वोरःवर्देरःश्कृषःवःदरः। धेःवोरःवेशःवशःग्रहःवळहःवःदरः। र्वेवाःयःदरः। सर्केन्यन्ता धरन्यायरविन्यन्ता ख्राकेन्यन्ता विक्र वश्चीत्रप्रात्ता सेस्रायात्ता क्षेत्रायदे क्षायस्क्षेत्रप्रायश्चीत्रप्राते । नर्शेन्द्रम्भः हे दंशःविवानश्चेन्द्रमः वश्चरः वश्चमः । ने अन्दर्धभः वार्शेवः नन्ता नर्डे अत्युव तन्या श्रीया श्रुदा ख्रुवा यो यया नवार देव द्या प्या प्राप्त नवार वस्त्रामायायने भूत्रहेमानगवः स्थाने । दिन्द्रम्याधरः द्वायमा

रेग्या ग्री नुवया दिग्या ग्री नुर्से दे ने नर्से द्वयय द्वया ह बेन्। विरम्भेन्यम्भेन्ने नेति वने व्यवस्थान साधिन सेन् म् । विवासिक स्वास्त्र मान्य विवासिक स्वास्त्र मान्य स्वास्त्र मान्य स्वास्त्र स्वास्त वसनार्यायदि सुरक्षे द्वे रत्ये रत्या को वर्धे दि है से त्यानाव रायदे रायदे र स्वामार न्या धेव पर ने प्राचि राष्या याव राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र र स्या इसरा प्राचि राष्ट्र रा नकुते कर पर हे नर से पर्वे न दश्य हिंद में कर्दा प्रत्य की कर्दा ग्रम्थान्ता कान्ता नग्राचाना नग्नेन्ता न्थेन्ता कुरायदाहे नराक्षे वर्तेत्। विष्टाचित्रा हे अभी कुरे कुरा कि के दि के दि कि कि कि नक्किते कर प्यट है निर से पर्वे निर क्षा कुरे निर दु प्यट है निर से वर्वेदि । ने निवेद नुर्नेद न्य पर न्या वस्य या यह या दे ने दे ते की अर्ने हे यार्सेश्वान्यस्था । नर्सेसायदे स्यायर हेरियर हो नयदे नर हो नर्से न वस्रभागारान्वन्तराने दे। देशायदे नेवान्यस्व पायास्य सामायस्य प्रमा यर गुनाय त्रा नर्से सामने स्याप्य से रूप नाम स्याप्य स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप नरःश्चीःनर्शेन्द्रमभावदीःन्नः नश्चुवःव। नश्चितेःकरः धरःहेःनरःशेःवर्शेःनः वया क्रिये नर-रु: पर हे नर से पर्वे दे | रि: सूर हे या नगद सुरा न रूर।

वर्ड्स.र्वेच.वर्श.ता.चेर.क्व.श्रुम.श्रुमत.रूच.र्वेच.र्वा.ता. र्वा.वत्तवाश.ग्रुश. वर्ने अन् हे अपार्शेष हैं। विर्टेश खूद वर्ष ग्रीश द्वीर शर्म देश पर विषय यद्र क्ष्या श्री : इस श्री म्या श्री म्या श्री म्या श्री स्थित । यद्रे स्थित स्थित । यद्रे स्थित । यद्रे स्थित । या बुद : नर न की । न के अरथ न पद अर की अर न गाद खुर अर । । दें न द स : पद र न गाद खुर । । दें न द स : पद र न ग वसनामायदि के देव द्यापादे मायदे देव नमून पाये के वि दे के देव द्या नश्रुव रायदे न्यून राव। श्रुवा कवाश द्वा य तु अ वे न्नु व से द रायद द्वा यम्क्रियायायदे निम्द्धिय हिर्मे स्था स्थित हिर्मे क्रिया हिर्मे स्था स्थित हिर्मे हिरमे हिर्मे हिरमे क्रॅंशक्स्यरायाक्रेंराण्ची सेवा ह्यासेट् हिट है सन्दर्भयान क्रियान राज्या व्या विषय्त्र म्यात्र म्यात्र विष्यु । विष्यु । विषय्त । विषय्त । विषयः । विषयः । विषयः । विषयः । विषयः । विषयः नरःम्यात्रात्रा विरःक्ष्यःश्रेश्रश्राद्यतः वर्षः विष्यः हिरः वीशः वे श्रे श्रे विर क्रिंशयान्त्रेन्यार्वेनः यम्युमार्त्रावेशः वाश्यम्यार्शे॥ ॥नयार्थाःश्रयाद्यः न्तुःम। क्रेंशःगन्त्राश्चास्यःस्यःस्यःन्त्रोंन्ःसःस्यः वह्ययःवह्ययः व्या द्वाः वर्षेतः मुकार्षित्रासु नसूर्वा पवि वि नावर्वा नि नावर्वा सर्वे दानी व्यवा मी स्वा नि न्त्री । न'ने'न्नेंर्स'म'रेस'मर'वर्गेय'नदे'सर्ने'यस'हे'सून्तुर'न'नवेन देग

नर गुःश्रे। नर्ड्र स्व प्रत्य प्राचित कुन से समान्य प्राच गुरुष प्राचित गुरुष प्राच गु बुर्याया नर्डे साध्य प्रम्या ज्ञान क्ष्या से स्वाप्त से स्वाप्त के प्राप्त हेता है। वेग्'राकेत्र'र्ये व्यान्य प्रमान्य विष्णा वर्षेत्र प्रस्ति वर्षेत्र प्रमान्य विष्ण यग्रा । पर्ट्र अः ध्रेत्र प्रत्या ग्रेश प्राप्त स्था । अश्री । प्राप्त ग्रेश प्राप्त स्था । याद्याश्वाराः इत्रायरः यावयाः याद्याः व्याद्याश्वाराः व्याद्याः व्याद्याः व्याद्याः व्याद्याः व्याद्याः व्याद्याः न्तरक्तरतुः श्चेत्राययायी यहिंदर्यायायात्रयान्त्रयः निह्न वस्यायी । वर्षेया व्यतः यन्या श्रीयावियान्या व्याप्याचे द्यो प्रयायाच्या विष्याच्या विषया विष यम् से हिंगा परे गा बुग्रा गा बुग्रा गहुत प्रा प्रे रे रे रे रे रे स्वर प्रा प्रे प्रा प्रा प्रा प्रा प्रा प्र स्त्राश्चानायाले सामानात्रमानसूत्रायाने त्या नहें सासूत्रायन्यानु विमाले यावर्षाणी: नक्षेत्रार्थात्रायात्रा नगायः सुत्यः न। यादेवाः स्रे। वर्तेः स्रे। इसः यम् से हिंगा सरे या तुग्रा यह्न ते । [5:विगः भ्रूना सर्वे मः नि निसे ग्रायः यग्रा नगदः रूपः न गठिगः विंतः है। इसः समः हैं गः यः नदः नडसः सदेः या बुर्याश प्रकृत हैं। 15 विया ने पारि पारि प्रश्चिमाश प्राप्या श्राप्य श्रुर्थ स्था गहिराने। यदे सु है। दर्रे राधेंदी समय दरा दर्गे राधेंदरा सु गुन

मर्दे । नर्दे अः खूदः यद्भः जुदः कुनः शे अशः द्रमयः विः नाद्रशः दृदः खूनाः अर्थे दः नीः न्रीम्रायि नर्दे स्पर्धे निवि से नि न्याय महेत्र है न मान्य स्या है सूर वि योष्याःलूर्याश्रःकूताःचरः चश्चीःचःर्रः। क्षेयोःश्रवूरःजाश्रोधयाः यवाश । विगयः श्रुयः व । व्रुस्रशः प्रः स्रः स्रेरः वादवाशः व । व्रुस्रः प्रः व । व्रुस्रः प्रः स्रः व्युस्रः व वर्रे भू भू अर्रे दे रूरा न वर्ष अर्ग के राम स्वर् यदे से निर्व केवा या शु न वर्ष से निर्व के निर्व के निर्व से निर्व श्चेश्वास्त्रम्यश्वाभी श्वेष्ट्रा विवाहास्त्रम्या श्वेष्ट्रा स्ट्रानु स्ट्रान्ये केश ग्री क्षे प्रमा गान्त्र या समा सम् नक्ष्र सि क्षे गार प्रमा ग्रम क्रम के सका प्रमा नम्नामा । अर्वेदःनमः नेतः हिनामः परः ग्रमः तमः ने नारेनाः ग्राद्वेतः परः वर्षाः क्षेत्रं वरः र्पायरः र्षाः विषाः वयाः वयाः वयाः विष्ट्रं स्थेरः वेषायाः परः वयस्य स्थः क्रॅशन्नेन्द्राहेन् धेन्याह्येन्डिम् श्रेस्रयान्त्रीश्राधेन्याह्येन्यहे

बियाश्चिराने त्यायवासरान्यावकाराने त्यास्य अप्तिन हिः श्चरमायान्या सेसरानित हु श्रुप्ताय विष्टा वापार पित पारे दे ले पात्र राले राज्य है। रे क्ष्र- व नुन कुन से समान्यव वि नाव मार्थे न साम्रा केंवा नर ने न पाये व र्वे। १८े व्यासुर्याचीत हा श्रुप्त्याय प्राप्ता सेस्या उत्तर्भेत हा श्रुप्त्याय हे वि वर्गा । ने केन वानवर्ग ने नर्गराया दे स्याप श्रम्य वर्गा । हे स्रम नश्रश्रश्य के राष्ट्र निवा के दाव दा है दा है ता है दा है हैं दि है ता है हैं दा है वा वा वा वा वा वा वा वा वा नक्रवर्र्अर्थेरर्हेनायर् छेन्। बियायर छेन्दि। निःक्षरहिराने विहेन्छे श्चित् पुष्पाना त्रुना सान इता दे प्राप्ता प्राप्त स्वाप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्त र्नः हुः इस्रायरः वर्ते द्रायः दृद्या ॲट्सासुः हैवायः दृद्या ॲट्सासुः दृर्धे द्रायः 「הון משׁק־מיקבין מצֿק־מי קבן שַּׁישִׁמיִימּשּׁק־מיקבין מּיִמיקבין हैंना याना धेताया ने ते ख़ूना अर्थे दाने शाचा है। ने ख़ूम न चुम कुन से सरा न्ययः भ्रूषाः अर्घनः याय्यायः यायेवः वे । । वर्षे सः भ्रूषः यन्यः ग्रुनः कुषः से सयः न्ययः ने 'हे 'श्रेन्'नु से सम्यापान्से ग्रम्य से सम्याप्त ने सम्याप्त स्थापन वः हे श्रेन्न् स्थानिक के स्थानिक के स्थानिक के स्थानिक के स्थानिक स्य नेवे नरात्र भेतायानीत्याने त्या हे ले यान ही । विस्थाया ले नाद्या दे सा

थेव है। वे नव्या में हे या शु स शु स शु त रादे से या पार प स स्वर्ध र या प है : श्रेन्त्र सुरु : भेन्य : भेन्य : भेन्य : भेन्य : श्रेन्य : भेन्य त् है भूर लेग्रायर प्रथम्य स्थि के रादे 'हिंग न्या वद त् हैं हिर दे प्रहें व ही । र्श्वेन् प्रायान्य न्यान्य निष्य विगा नर्गे। गुरुरामाञ्चनासर्वेदाने साधिताने। भूनासर्वेदान्दाहेरासु सत्रुत्र परि से रापान्य सक्त रापान स्वताय प्रिताय स्वताय स हुर्दे। । नर्दे अः धून वन् रावे गान राही व्यय प्रमा सूना अर्थे र गी व्यय प्रमान हेश नर्गे दर्भा मन्द्र पारा यात्र विश्व नर्गे । निगय अंधा स्थित न तुस्रमाना वाद्या प्रमाणित्। । वाद्या सामिता प्रमाणिता सामिता विका नुर्दे। डिदे न्द्रीर मन्द्र पाया धेव ले न भूगा सर्वे र मी प्रियाया पदि से सम यान्स्रीयाश्वासवि श्री मार्चिति श्री मार्चित प्राप्त साथित साथित स्वी स्वा इसः सर्रेग्रायन्तर्वस्यदेग्राज्यक्तर्रेग्रायदेश्वर र्रे। । नर्डे अ'युन्द त्र्यम् अस्य स्थान्य स्थान्य स्वीत्र प्रित्ते हित्ते विक्षेत्र स्थान्य स्थान स्थान्य स्य ग्राञ्चम्यः नक्क्ष्राम् रायम्यायायाने के त्यम्या । ने स्ये स्याने प्राप्त विश

ह्यो । डिवे हिराशन्तराया थेवा बे वा गार्ग्या गह्रवारे ह्या पर देवा ग र्यंग्र-त्रुविन्द्रिन्द् रेगायार्थ्याग्रीयार्यातृष्टी पार्थेवार्वे वेयार्याप्यन्ति। पार्वेयाष्ट्रवः वन्यानिताने वहितानी हैं निष्णयान हान्यायान हुन ने। नायाने से स्थाने प्यया बन्द्राचार्यायायायाया सेस्राने हेट्यी सासेस्राने हेट्या है सूर्य हैं वा पर नश्चीर्यायाया । नगायः स्थ्याया । श्विस्यायारे त्यायार त्यार स्थ्यायार त्यायार हैंनायर भे हो द सेंद शी विंद शार दे स्ट्रेस हो स्वर से स्वर नार पेद स व्यट्यी न्यीय विष्ट्रंभी व हिं व्यट्या शुन्या याया व्यव्यव्यक्षेत्र अर्थेटः लटा विश्ववार्यायक्षेत्रः सर्वेदः हर्षे स्वरं देशे स्वरं हरे हरे विश्ववार्या हरे विश्ववार्या हरे विश्ववार्या हरे ग्राज्यायायहर्वाञ्चरायाने देवायान्याया भूरारे । । ने प्रविवादाने सुरा ही या यार धिव पर देवर दे त्यशदेव यावव धिव पा कृ तुर सूर है। । वर्डे अ खूव वर्षासे समाउदाक्तमा भी वा बुवायाया सेवाया पर सूरावदे से समा

म्। । गाञ्जगर्यः नक्ष्रतः स्टानिव र प्रमाव र प्रमाय र प्रम र प्रमाय र प्रम र प्रमाय ने निर्मात्र मात्रायम् राष्ट्रेया निर्माद सुर्याम नुस्र राम निर्माण स्थापन यः अष्पेत्र पात्वे अप्रास्त्रे । त्रे अप्यास्त्रेत्र के विषामी क्लिं क्र इस्र अप्यासे। या बुवा राजक्रुव दे दवा त्या क्रास्य स्मार्थ या उद्या दे हि दाय दा है । सूर्वा नविव से ने या नया द्वेव के त्यें ना हु से सया से । । नर्के साध्व प्रत्या द्वर ख्ना र्रोसर्थान्यतः है । दंसा श्री श्रादा पाठिया हु। खूया सर्वे मः श्ली सामाया श्री । निर्यादः क्ष्याय। विटानी के क्रुव कवाया शुः धेट त्या होट प्रया । ये यया ही यक्ष्य या हेराधेरायाचेरायदे। विरस्यामीया वागहियारावीयास्या यग्रम् । नगरःश्रुवःम । मारःमी कें क्रुत्रः कम्राश्रः धेरः यः ग्रेरः प्रश्रः नरः कर्सेर्पिते से समाहेर्पेर्पेर्पा होर् पर्दे । हि उस ही मान्स पर्ट ञ्चनाः अर्बेटः निष्ठेशः पर्देशः पर्यः शुरः है। अष्ठअः परः बुटः दुः पह्नाः पः यग्रा । नगदः श्रुयः म। गदः गीः कें स्रोस्यः हें गिर्ड गः पंदेदः धेदः या हे नः नर्ते । नर्द्र अप्यन्त्र स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ । निस्त्र स्वर्थ । अर्वेद्राची द्रियायाया हिटाटे प्रदेव ची श्रेंद्रा एए स्थाप इसायर हैं वा पाद्र विका सदी मा बुमार्श्व न मार धोर्व मार्दे । । नर कर सा अके श सदी से अर्थ मार

यग्रा व्याया व्याया विष्यात्र्या विष्यात्र्या विष्याया विषया श्रेश्वराचार प्रवित्यवे । श्रिश्वरा हे चित्र ठुःनरःहेनाश्रःहे। देःहेनाश्रःतशःग्रदः देःनविवःहेदःदुःधेदःयःग्रदः भेत्र'मर्दे। । नर्देस'युव, पर्यस्या, सर्वर प्राच्या म्यान्य स्था प्राच्या । नियम्याना इस्राचाम्बर्भः है। सक्तासायमानुदानाद्दा। धेर्मासुः केवानायमानुदाना ५८। श्र.श्र.म्रेचारालशाचुराचुरावर्षे । अळवाशलशाचुरावानावीवा 'हेट'टे 'दिह्व'ग्रे'र्श्हे ट्रं पुत्य _{के}स्य पर हेवा प्र'ट्ट 'चड्स'पदे 'वा बुवार्स' वहुव' वनवः विवाः धेनः यः चेनः प्रवे । अर्थः स्वाः अर्थेनः यो । विष्यः स्वः स्वाः व यश्चित्रः वात्रः वे व दे द्रा दे द्रा वे श्रास्या श्री श्राप्ते व श्री वा श्रास्य श हैंग्रथं नदे के अने न्या के न स्वेत्र हु से याया सम्हेंग्रयः सम् ग्रुनदे भी मा धिन्त्यः त्रेन्यते खूवाः अर्वेन्यानः धिवः यदे । शिःशेन्सेन्यानः यशः तुन्यानः वे व। ने निर्देशके अस्त ग्री अस्ति हु ले ग्राय स्हिंग्य प्रते के अः इस्य याक्रमानरः व्याप्त नमः विवाहाये वामानरः नदे नायारे वास्तरः नुः नदे । भ्रीरा

र् अक्रमा । नगद श्रुवामा नम कर से द मिरे से सम दे दे हे मा शु प्रचर नर्भाने । यद्भान्यामा शुक्षानु निर्देश । विक्रमाना यदि । याव्रमाने । इस्राचानक्त्रान्ते। नर्भसामान्त्रान्ताः महिसामान्ताः महिसामान्ताः महिसामान्ताः नश्यामान्त्र निवे पान्ता वयायान्य समय प्रश्ने सके नान्ता इया वेशा सबयःत्राश्चीः सक्षेत्रः दिः। द्वःत्रात्रः भेतः सदः भेतः सक्षेतः सक्षेतः सक्षेतः सक्षेतः सक्षेत्रः सक्षेत्र वर्ने असे न्से वर्षे सके न्यते । वित्रम्यान विस्ते । त्यस्य पार्कन्से न रान्दा क्षेद्रः हेन्दा न्यायन्दा नहरक्षेत्रकाळन्केद यर्गे । नर्डे अ.केंच. तर्या ही .चावया रटा केंचा अहू ट.वे .क्र या नावया या हो या ग्राम्य में । किंशाया से मान्याय ने साम में माना से साम में माना से साम में माना से साम में साम में साम से साम में साम से साम में साम से साम स यग्रा । क्रिंग या व्याप्त विष्य । विष्य प्राप्त विद्य ८८। नमसमामदे के मारी सक्त सदे हे मारी तयर नमार्ट्य ता वे नायम ८८ द्वा अर्बेट गट धेव परे वे के अपा गवर्य पर धेव वे । । ग्रा वि पर पर नर्भस्थान्यते रहे सामा से रहे साम्यावित सी मान्स्यान्य स्वाप्तर हे सासु नस्तर मः यानहेव वर्षानेव यावे यावर्षान्यः स्वा अर्चे न यान येव सायने सु है। इस्रायम् नर्श्वे स्रायवस्य । इस्रायम् इग्रायवस्य । नि.स्र.यु.न्म स्रुवारा

इससारामा १५५ मे ५ मारा हो १ मारा हो साम् १ मारा हो साम विभागुःनवस्य । क्रिंभामसम्भाउदानद्यासेदाराविभागुःनवस्य । सुःदरायसः सर्वेट.टे.वे.क्र्य.ज.सं.वावयानात्वे त्यर.हेवा. यर.वेट्री विस्थाना.टे.ज. ८.वे.क्र्यायावयायदे.वे.वाययाद्यायह्यायह्र्यायह्र्यायह्र्यायह्या श्रेस्रश्नितः क्रेंशः ग्रीः हे शःशुः तत्र हा निष्ठाः निष्ठाः विदेशाशः श्री व्रिशायासी पात्र शायाया नहेतात्र श्री वित्राप्त हो शासी प्रचारा नार्यर र्रे ह्रियार्रे र पर्दे ग्रायार्थे। । पर्दे याथ्व पर्द्र यावि याव्य प्रदास्त्र ग्रायार्थे र प्रे या यहेशनवे क्रिंशन द्रीम्थान विश्वातः वर्षे। यहेशनवे क्रिंशन न्रीम्यायाने या मान्या या वर्षे या प्रति के या प्रति विष्या या प्रति विषया विषय यवास्रा विदेशमध्यक्ष्यम् स्थान्त्रीवासम्बद्धः वाद्यवास्रा विस्रसम्बद्धः न्द्र-कुन-भेस्र-द्रम्दाद्दे क्ष्र-म्बुद्द-न-द्रम् न्यस्यस्यदे के सः इस्र-स्य यर्दिः श्रे वा अंत्रा अंतर्वे के अंशे अंत्या द्वी वा अंतरे वि वा त्या दर श्रेवा सर्वेट र्स्स्रियः सर् होट्र सर्टे हे सायहे सामये रहे साया द्रीया सामये हो जात्र स ८८.क्रेया.श्रम्ट.लुच.बूरी विकाने.श्रमूच.क्रं.वाश्रामद.क्र्या.क्रेट.

गठिगाः हुः नह्नु अप्याद्रा गठिगाः हुः नष्टुः न्याद्रा गठिगाः हुः नहुत्यः नः द्रा स्र में निर्मा क्रिना कु मारे विष्य पर्ने निर्मा म्याय स्वर के ने निर्मा विषय है निर्मा क्रिका के निर्मा क्रिका क्रिका के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म मर्वियान। ने मविव हिन्यायननाम। ने मविव हिन्याननाम। जुन कुनाया मर्वियान। विदःकुनायायननाम। वदःकुनायाननाम। शुःददायमायन्या रायामिवियान। जुःदर्यस्य यद्यायायाय वनना शुःदर्य यद्यायायाननः यायननामान्याक्षे केंगायने न्यावस्य उन्ते नयो नये केंगान्या हु सेन या ग्राम्यासे द्राप्य प्रमासिक स्वर्भ स्वर्भ स्वर्भ स्वर्भ स्वर्भ द्राप्य स्वर्भ स्वर्भ स्वर्भ स्वर्भ स्वर्भ स सूसारु: धेरायाचेर पारे दे। यहेरायदे कें सायार्से माराया है वी मानसा न्दः भ्रूषा अर्थेदः धोवः वे । निर्दे अः भ्रवः वद्याः विः षाव्याः न्दः भ्रूषा अर्थेदः वेः यदेशमास्तुदाद्वे स्ट्रिश्ट्रिंशायाद्येग्यायात्वेश ग्रदान्त्री। विदेशमास्त्रेत्रमा गुर्पित के अप्यान्धेना अपान विभाग्रामा न ग्री। यहे अपाक्ष मार्थित क्रॅंशलान्स्रीम्या यावेयाग्राम्यम्। यहेयायाकुमानुसे व्यायान्स्रीम्या मन्त्री मार त्यवासा वहेसाम केत्र में र वशुर मदि केंसाय दसेवास मने वार यम्भा यहेशमाळदासासकेशमये केंशमानसम्माना

यग्रा । व्ययभारा सर्दि से वया निव हि कु भारा है दि । सर् दि बु र नवे के राजी से निर्मा महत्रायानन सरानसूत्र मिने से वे निर्मा राजि से राजि से वि यदिया हु पत्र हु स्था हो । धीर या होर पत्र वि यात्र या दिया । भूया सर्वे र वि यह या मः कुदः दुवे : क्रॅंशः वः दुशे वाश्वाराः धोवः समः मेवाः समः चुवे । समेदिः श्वेः वः र्शेन्यश्यादे द्वाक्षेत्रहे स्थेत्वा इतः अश्वा वित्ततः। वस्रस्यास्य स्थितः गरिगारुग्न् ह्यूस्रभाने। धीराया होराया देशाया हुए के दार्थि राष्ट्र रायि रहेशा यान्स्रीम्यायाधीतायम् सेमा सम् हुद्री । ने नित्रित्मिनेम्याया इस्यया ही । कें अन्मून पंकंत्र से त्या इस अन्ता कें अनी किया निर्धा मी कित्र से त्या इसस्पर्ता में त्वरामें त्र्रे में स्वर्धां त्र्रे स्वर्धाः स्वर्धः गडिगा हु न ह्युस्य भाने। धीराया हो राया हो राया है अपार्क्य से राया है साथा न्रीग्रायाधिव यम् नेग्यम् नुदे । निर्देशः धृतः वन्यः नुमः कुनः सेस्र शर्त्रट. त्र्याचर त्यीर त्याया विश्वरात्र दे दे के किश ह्य तर वर्षेर वर रेगायर गुः हो। यरे खेरहे धेरा पराया ग्रेर प्रते के सूर् हेगा सूर् हेगा या नाम श न्द्राचेद्राची हेदावस्य उत्तर्हे वास्य हेत्य प्राप्त । वर्षे स्थार्के वास

इससः धरःश्वरमः है। केंशःशुःगुदः द्वादः यः द्वादः वः दर्शे वः यः द्राः केंशः ग्री श्रूर न र्सु नाशन उर कं र से र रे र रहरा इसाय पे र स सु सा कर या पर र ना धरः वेशः यः दर्। दर्वेशः यः प्रेंद्रशः शुः शुवः यः द्रदः स्वरः प्रस्थशः धरः द्वाः यदे क दि स्व द्वा यदे अर्क्व या इस यद्या यह वार्य या इस राहे त्या गुर हुःवर्चुरःनःदरः। क्रेंशःश्चेःश्चर्नाःचरः। ॲरशःश्चेंन्यश्चाःचरः। ॲरशः शुःदगुनःसरः गुःनदेः भ्रेरः कुःर्गे दः सःनशः केशः र्गे दः सःन वहः रें नशः केशः नवर र्रा. भर. देवा. सर. स्ट्रा. स्ट्रेंच. सर. में ट्रेंच. सर्वे । वर्षे अ. स्व. प्रत्यः यदेशस्त्रे केंश्रायः दक्षेत्राश्रासदे ले यात्रश्राद्या अर्वेदादे यादायः हैं याश्रा निद्रा | वादायाय वेर्च नायमाय क्षेत्राचा नायाय क्षेत्राचा नुस्र न चर्यान्द्रास्त्रान्त्रावादावावाद्वे हिंग्यायाधेदावा याम्युयायादेद्वेद्राया यादी विनायम मेगायम गुरक्षे। गुरुषाया मे प्राप्त में प् न्मवःवर्भान्दःर्वे म्यूष्टाने वाहे अःशुःनक्षुनः वेदःधेन् वानुः वाहरः नर गुर्दे। निर्देश धून प्रन्थ है भूर वि निव्यान या भूना अर्थेट हैं ना या प्र नडशःविदःदर्धेदःसःददःनडशःसदेःहिदःदेःदद्देत्रःदःवशुक्रःनः यग्राग् ।हेः क्ष्र-वर्हेन्यायायायकेश निरान्धेन्याउयान्यम्यायाया । हि क्ष्र-व

ह्रेग्'रा'स'सकेश'रा'त्र'। नुर्हेत्'रा'स'सकेश'रार'त्युर'रा'यावाश । विसंश यः हे भूरावा बुदा बेदा यहवा राया द्वारा प्रदेश के राष्ट्र स्थरा वा देश वि सक्त सः ग्रम्य विट राम्य पार्श्वेट प्रति हे सः सु प्रति प्रति वि ग्रम्य स्ट र ञ्चना अर्थेट नाट पीव पर दे है। हैना पर दट नडरा निट दर्धे द पर दर नडरा मदे हिर्टे प्रह्में भी व वे । नि न्या है न श्री अळव अ या श्राय विद्र स्या श्राय श्चिर्यंते हे शशु नशु नश्चिर्यं या धोता श्चिर्यं श्चिर्यं श्चित्र श्चिर्यं श्चित्र श्चिर्यं श्चित्र श् इव्राचार्यमाञ्चार्ये हिंदानि हे मासु दुर्धि प्राचेत वि ग्विमार्यम् भूगा सर्वेद यार धिव सारे दी। हिंगा साबे र केर र बेंद्र साउँ आ की हिरारे खेंद्र धिव वै । १२ १८ मा मी अर्क्ष्य अप्याम्यस्था उत् ग्री मस्य अप्य उत् ग्री अप्यापा प्रमः क्रॅंशर्स्ट्रेंट्र नः भेट्र यः ग्रेट्र प्रमा । इस्य प्रमः र्स्ट्रेंट्र प्रदे वि ग्राद्य स्ट्रियाः सर्वेद्राचादाधीत्रायादे ते हें वाया से दायाद्वा द्वेद्राया से दाया है दारे विद्वा भेत्रते । विश्वयायायाः क्षेत्रालेट्यासुः क्षेत्राचाययाः वुटानवे वि नात्या प्र ञ्चनाः अर्थेदः निष्ठाः निष्ठाः । द्वा हिनाः यः नदः नवसः निरः निर्धेदः यः नदः नवसः यदे हिर्टे प्रहें त्र धेतर्ते । शिंश्वर्रे मान्यश्चित्र प्रदेश्वर प्रदेश वै। हिंगामसेन वेटान्धेन्याक्यामी हिटारे वहें वाधेवार्वे। विदेशमंत्रे

हिरादे प्रहें तर्थे वर्ते। । पर्छे अप्युव प्रदर्भ वि गाव अप्री क्रुप्यळं वर्ते गार यग्रा । रतः तृ तद्देव पते : क्रुं अळव वे 'ग्रार त्याया । नितर ह्रे अया ग्री : क्रुं यक्तरते वार याया । शियमारा मेयमार्से र यदमार्से र र रे वामाया । गुव फुर्श्चे नर वश्चर नर्द अश्वर चित्रे के शक्ष अर्दा वर कर से द नुर्दे । निस्रम् राम्रेस्य निर्देश निर्देश निस्ति । निस्रम् निस्ति । निस्रम् । वर्ग्य-नन्दः सर्वेष-नदुःक्ष्र्याम्ययान्दा श्रेष्रयाग्रीःसक्ष्यःसानेःल्वेन्यः ग्रेन्यान्यान्येवाराने वे स्वाप्तादेवार्ये कुष्यंव वे यात्रे । विस्रया वि'ग्रव्यायायाविग्'तुःदेयायय्य। भ्रूग्'यार्थेट्'याग्विग्'तुःदेयः सदमा विर.रे.पर्युकासदु क्षमाणर रेट है। रे.पर्छ. किश विद.छे. नवे क्रिंव सेंह्य प्रथा के नम क्रिंव सेंह्य प्रमानी द्राप्त के स्था महानी प्रमा मैश्रायह्मायाय। धेरायाचेरायाञ्चराचीर्याच्यायाराधेरायारे दे यहरा र्श्रेयमाग्री कुं यळव वेया गुर्दे। निर्देय युव यदमाग्री हित्य से समाद्राय वि. यात्र अन्दरः भ्रूषा अर्थे दः भ्रूष्य अर्थे अर्थे

र्देवःश्रॅं श्रॅं प्यटः द्वाः यर रेवाः यः व्यवाश्वा हे व्हर्ट्स रहेशः श्रॅं श्रॅं प्यटः द्वाः यरः रेगारायम्भ। हे सूर रेव से से प्यार प्याप्य म्या ग्रम्भारा इस्राचा स्था के सार्के सार्के स्था स्था सार्थित है। से नान्ना किंगान्ना धी मी निर्मा के के निर्मा नक्ष्मा मक्ष्मा विरम्पर विष्मा गुन्न कर हैं व ब्रॅटशन्तर्। इस्रम्य जुर्नि विक्र स्रम्य विक्र देश है नित्र है नित्र है । जुर्गा मी श्री र पुरा विकास ब्रॅंट्यायान्द्रम्यायम् ज्ञान्यवे देव हे या शुः श्रासूत्यान्यायाये छिन्। यावर्गन्ता हेव न्ता भेरने न्या छेन ग्री कें या भाषा यहेव पाया प्येव न्याः शें शें व्यक्षः शें शें व्यतः न्याः प्रमानः नेयाः यानः वे वा अविशेषाः याः न्स्रेग्रस्ति धेन्त्या होन्यस्त्रे सेन्या प्रमानिया प्रमानिया वार्षेत्र मर्दे। विश्वरामायसार्श्वर्भास्य प्रमानम् वीत्वा वर्षे सामाया न्भेग्रास्ते 'भेन्'त्या होन्'स्रार्शे 'श्रें 'भर्'न्या'स्र स्या'स्यार 'भेत्' नर्दे। १५ द्या. वस्र अ. इर. योडे या. है. यक्ष अ. वस्य के अ. क्षे. क्षे. लट. द्या. सर. रैगायलेश ग्रुष्ट्रे। ने क्ष्र्र व केंश शें शें प्यर न्यायर रेगाय पेव वें। जिर

ळुन'शेशशन्द्रव:इस्राचान्डुशन्द्रिःशें भारान्ताप्रस्तिनायाधेदाने। हैं क्रेन भेन माने निष्या के न श्चेन के लें ना नी देन दरा। श्चेन के सालें ना सबे देन दरा। गुन न सार्हेन बॅर्स्सर्विर्देन्द्रा इस्पर्युर्येदेर्देन्चीस्र्स् । विस्राय्यंत्रा वर्षाहेव सेंद्र रापापाप्त द्र स्था पर ग्रुट पर्दे सें रास्य रापास्य पर पर प्र न्त्रे नः वस्रश्रास्त्र श्री सवर विवास वार धिव सारे है। हे ख्रेर खेर संहर ल्येय.धे। यह.के.के। सर.म्.क्ष्मा सर.म्.क्ष्मा व्याप्त क्ष्मा व्याप्त क्ष्मा विष्ट मी.क्ष्मे अकेट. इस्रमाग्री म्हार्मा दी द्वापी मार्ग्स विश्वेष्य की की सके दाइस्रमाग्री प्या म्राम्यान्त्रात्रित्रयार्थे वियान्त्रात्यार्थे म्राम्यात्रे । नियंत्रयान्ते व्यान्त्रात्र्या हें दार्शे दर्भा भारतम् इसा भरा ग्रुटा नवे रहें भारे प्रमा हे दारी हो। नवे दाहे दामा थेव यने वे हे स्वान निवार वे दिल्या निवार वर्ज्यूट्र नदे ने निवेद है नदे नद्वे न्द्र हो नह्म अराग्नी विवास न्द्र मास से न्या हो न यार पित पर्दे । । अर्ळन हेर् ग्री रे निवेत हेर् ने के अध्यय उर् ग्री यार बना यानन्वासेनान्दरक्ष्याया नन्वासेनानकेनान्धेनान्धेनान्धेनान्द्री । इस्राचर

रेगायदे ने निविद्ये प्रति विद्यु हो निक्ष्य स्था स्था स्था स्या स्था हिन्या राष्ट्र स्था हिन्या राष्ट्र स्था स पर्दे । ग्रम्भायदे दे निष्ठि है दर्शे दर्शे दर्भ सूना नस्य ही निर्मे प्राप्त सून पर यार धिव पर्दे । विवा पर नश्चन परे दे निवेद हे निवे रहा रहा गुर पर्दे वर्गे वा परि वित्र मान द्वारा वा निष्ठ । वित्र व नविव हिन्दी रशायम मी निवन न न सूर्व राजार धिव रावे । विस्राय राने या वज्रूरः नवे 'ने 'नवे न'हे न' ग्रानः धे न' प्रानः 'ने 'नवे न'हे न' ग्रानः ' धोव सन् नित्र विवासि निष्ठित स्त्र स्त्र निष्ठित स्त्र स ग्रें ने निविद्ध हैन मह प्येद पर ने नह । इस पर से मा परे ने निविद्ध हैन मह धेव परि राष्ट्रे राष्ट्र राष्ट यम् न्या यदे ने प्रविव हे न याम धेव या ने वे हव में मार्री ग्रुम कुन याम धेव न्याःसरः हैं या भारावे । जुरा कुनायारा धोना भारे वे । जुरा कुना श्रम्भा । अर्कुर भा निर्मात्रम्भार्भे । विस्रास्याने त्यापरान्या सरान्युन सदि ने निविद हिर्मार

लेव.स.र्नेश.वे.ब्र्यास. वय. वर्त.पर्नेश.स.वे.क्र्या अन् । वि.र्नेश्चीया यद्व वि ग्वत्र अन्दर भ्रूषा अर्बे द ग्वी अ प्रस्थ भी अ र प्र अर्द्ध अ भी द अरुअ ब्रा विश्वयान्त्रे कारहेव नहीं देव नि क्षे कि ना बिर्मायान्त्र कि नि सेससन्दा धेन्न्ता इसम्बन्धसन्दा सेसस्यस्त्राचुन्निरेकेसः इसस्य न्या व्यस्य प्रमेश्व विद्यस्य निवादी में विद्यस्य विद्या विद्यस्य विद धेव वे । विश्वश्वास्त्रास्त्र विश्वत्यते देव नामा धेव सामे वे ना बुद निवे देव ग्रदःधेवःवै । विस्रसःदेःषःगवस्रःग्रेःदेवःवे वहिगःहेवःग्रेःविस्रसःगदः लुयाना है। याराजायाय याया श्रम्भा विषया है। यित्रा है। मॅरिकेंग'न्दा में दिकेंग'न मुन्दा ने केंदिन ने ने त्रमा में प्रमुख निर्मा में अर्थें מיפָּמִי לֹים בָּאִיקרין לִים בָּיִלרין לִיבּּאָריקרין לִיבּקאיקרין מּבָּאי नुदे श्चेर प्रमा ने मक्त प्रमा ने क्षेर प्रमा ने प्रमुख प्रमा श्चेर निव प्रमा ने नकु निर्मे ने के निर्मे निरम् ने त्व व्यानित के मिल्य के निर्मे न्मा ने नकु न्मा ने क्षें मन्मा ने प्रत्या के सम्मान स्थित वहैना हेत की निसंस्ति। ने निक्तिन्ता ने हैं मिस्सिन्ता ने विस्तिस्ति। यश्याश्ची द्वें र केव रेंदि पहें वा हेव श्वी विस्था निर्में र विश्व के निर्में र

न्मा ने व तु अ न्मा ने हो न नमा ने हो न अ वा न का नमा ने हो न अ वा क्रॅंट-५८। दे.वे.च-ध्रमायत्रुअ-५८। दे.व्यट्य-भ्रेद-भाद्य-। दे.व्यट्य-भ्रेद-रास्यर्वमुप्ता देख्रस्याभेत्याञ्चनाः भूत्रत्या देख्रस्य भेत्राञ्चनाः वर्ष्यान्ता व्यामानव्यान्त्री वह वास्त्रम् विषयमान्त्रम् विषयम् ये दार्ग क्षेंद्राचा शुक्षा ची क्षेंद्रा के दार्ग दे दि वा हे दा ची । विक्रा शास्त्रा से दारा स्वाप्तर्थे अ. में त्रास्य स्वर्णे में त्रास्त्रे ने प्राप्ति । विश्वश्वराने का व्याप्ति । श्चित्रिंगे देव वे पेत्रा शुःश्चित्रावे । श्चित्र त्रा रे स्राये स्राया उव स्राया ग्री पेत्रा शु'ग्राह्मर'न'न्द्र'र्षे हिन्न्सूत्र'राग्राद्रम् भेत्र'राह्मस्रस्रे । विस्रस्य दे । ध्रेव के लें ना नी दें व के पहें व पाया के नाका प्रते दें व दे दान के दाया के हमा पा यःह्याःचरःवर्ःलेशःधेवःवेःयंगःदरः। श्रेस्रशःधेवःवेःयंगःदरः। क्षःवःधेवः के विवान्ता स्वानस्यायने नात्ता से वाह्यायावहरानात्ता नन्नाः सेन्याः नन्नाः हुः वर्षे याः श्री वर्षे नाः न्ना से सस्यः श्री वर्षे नाः ८८। क्षेत्राचुरि के लेवाचार धेरायदे। विश्वश्वारी लाचुरि के अलेवा यहे र्देव के ने प्यमान हैं ना पा है। ने वे पाहे व में पीव प्यम में ना प्यम होते। विस्रम राने वा गुव व राहें व से र राय दे में व के किया पा शुरा है। विस्र राय शुरा

यदे हें व से स्थायदे 'गुव व र हें व से स्थाय दिया व र है व । बॅर्मरायप्ता क्री परि गुवावमाहेव बॅर्मरमादी । ज्ञिममाय दे पाइम धर ग्रुट नवे देव वे गुव वशकें व से रूप सम्बाध माश्रुस में दे द्वा के द दर चलानराचु नदे भ्रिमाच्या कुना ग्री भ्रिमाशान्य अधुवानदे के शामाया प्रमाणिव यः इसरा र्से । विस्तारा इसाया व दुः से दि । द्वा मी रादेव । वस्ता उदा वसूरा यर रेग्'यर तुर्वे । तुस्र या तुर कुर सेस्र रपय इस या ध्रारेत से र्शेष्पराद्याप्यरादेयाप्याधेवाहे। देवाक्यायाध्यादालेवा धेर्याशुःलेया यम् ग्रुप्ति प्रेम्प्रास् प्रमा अप्रास्तु स्विष्टम् ग्रुप्ति प्रमासु नेश्रान्दा धेर्श्राश्रानेश्रानदेव्यश्रात्रविनामद्रा दे स्वाहारेगा नम् ने न्या । नियम् नियम् नियम् नियम् नियम् नियम् नियम् नियम् नियम् गुः त्रस्य राष्ट्र प्रमान्य न्या गुः हो। यदे स्था हो। सुदः से स्रस्य वे या गुः नवसन्दर्भ क्री अकेट क्ष्रमा विश्व नवस्य ही में व्यक्ती क्री अकेट क्ष्रमा ब्रेशन्त्रम्या देन्ध्रन्त्यः स्वायायन्त्रान्। विस्थान्द्रान्यास्य नियायम् ज्ञानदे में वादी क्याया है ख्रेष्ट्र ग्रीयानीया ज्ञाने है ख्रानान विवाद नियायर ज्ञात है। यदे हि है। गुर हैं य दरा दें व दयाय दरा हैं व दरा

ल्य निवास्ता के वार्या र्या र्या के वार्या के वार्या वार्य यदे अळ्व हे ८ ५८ वर त्य श्रे वाश्व पर १ सूवा वस्व य न १ गुव वर्षुरावायाः सैवासायाद्या देवित्र हेर्द्रा यदाद्वापदे समयद्रा क्रॅंशःग्री:न्रीट्रशःन्ता न्रू:नःन्ता न्री:नःन्ता अर्वी:ग्रेनाःहःव्यवःगन्नः यद्रा इस्यर्द्धः अश्री विष्ट्रा देशके व्यवस्यद्वर् यावयाः प्राप्ताः वायाः प्राप्ताः वायाः ल्यामा भी भी भारामा चुरवदे र्देव प्येव प्यमाने वा प्यमा चुर्वे । विस्रकारा ने वा धिर्यासुः नेयानाने है। ने पार्वे पायहित पर हो न्या हार हुन ही ही प्राय न्दः अञ्चतः प्रवे : के अः मादः धोवः प्रान्याः भ्रे। यदे : भ्रे भ्रे। इवः पः हे : नरः मावयाः प म्मम्यत्रान्ता यदःन्वानित्रे द्वार्यान्त्रे विम्म राने वार्षेत्रासु ने यापदे वहाया तु वहीं ना है। वहीं का या वारा त्रा वे स्राप्ता गहे सुगायर्थायात्। वर्ते र क्या शत्रा वे स्रा न्ता गृहे सुग् सास्य स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स ८८। ८४.४४.३५.३४.८८। टे.यबेव.यो.नेयाय.यदे.लूच.४५८.यहेया.हेव.य. न्ना वहिनाहेत्रायशायन्या पात्रुत्रार्थेनान्। त्रुत्रार्थेनायापाना

न्यानश्रव यने न्या अर्देव नु ज्ञान यादा धेव यदे । ज्ञिश्रश्रा ने त्या स्वा हा रेगायर हो द्रायं के अर्दे के शुंश द्रा हा नवे के शादे द्रायं के द्रायं के स्थायर हो या नरः लेशायान्दा वालवान्वायायायान् केरा हेवायान्या यरः क्रेंबर्यान्यान्यिवर्याक्षे व्यवस्यानेंबर्धर्याने राज्यानेंबर्धर्यात्र नर्भुश्रानरारेवात्रराजुर्दे । विश्वश्रादाः अटाकुनाशेश्रश्राद्यशाह्याः । निवंशनें व रें रें अं प्यर निवायर में वाया प्येव है। नें व क्याय निवंशन विवा श्रेश्रश्राणी यो व प्रवे 'दें व 'दर्ग हीं र प्रवे 'दें व 'दर्ग इस प्रयः देग प्रवे 'दें व ' न्ना गुवावशाद्वेवार्थेन्यान्नात्व्यान्यात्वात्वे नेवार्श्वेयाः । ज्ञायाः । जञ्जायाः । जञ्जाय र्देव क्रिया पानि विष्टि देव निष्ठा मिन्न प्रमानिक स्थान क्रिया प्रमानिक स्था प्रमानिक स्थान क्रिया प्रमानिक स्था प्रमानिक स्थान क्रिया प्रमानिक स्था प्रमानिक स्थान क्रिया प्रमानिक स्थान क्राम स्थान स्थान स्था प्रमानिक स्थान स्था प्रमानिक स्था प् चुर्दे। विस्रयायाया चिराकुनाये स्रयान्यया इसाया न्युसाची यार्ने दार्थे से अट्टिन्नास्यर्भनाम्यः भेत्रः है। देत्रः इस्रायः माशुस्रामाद्रः लेखा केना त्रमुद्रे देत्रः ५८। र्नेव.मी.र्नेव.२८। विश्वश्र.मी.र्नेव.मी.श.श्री विश्वश्र.स.ट्ने.क.क्र्या. वज्वे देव के अर में केंग्राय से ग्राय भेव पर प्रमान स्वार्ते । जिस्रा न्ना धेन्याशुः वेयापदे यळव हेन्ना श्रम्य प्रें यळव हेन्ना

सर्देन दिन्दे अक्षेत्र के दिन्दे वर्षे स्वापित यक्षत्र हिन्यः सँग्रायः ने न्या हिन् श्रीः इस्यायः स्वा हुन् हो । यदे । यक्षतः हिन् न्दा वावर्यन्दावावर्यायम् वहोत्यायदे सक्व हेन्न्दा धेंद्या शु लेयायः यार्शेषाश्रापदे प्रमार्थे प्रमार्थे प्रमार्थे के शामी सक्षेत्र हिन्द्र । हे शासी स्री स्री स्र यदे के राशी सक्य हिन्ना धेन्य शु से स्वेय प्राया से न्या प्राप्त न र्धेरशःशुः नेश्वायः श्रेषाश्वायः हेश्वाद्येषाश्वादः। यदः धेदःश्वीः शक्दः हेर्द्रा विश्वरात्रे त्याविश्वराक्ती देव वे विश्वराक्षेत्रे वहेवा हेव की पिराया निर्माय के स्था क्षेत्र की पिराया में दिया की स्था की पिराया के स्था की पिराया की स्था निस्रस्तर्भ। यार्षायदे व्यवस्त्री निस्रस्ति। गुस्रस्य रेत्र इस्राय यासुस्रि ने न्या वी शर्म में वर्ष श्रम्भ रहत न सूर्य सम्मे या सम्म नुदे । वर्षे स्था सूर्य वर्षात्र्र्यायमानुद्राचि भीषास्यानी भारते देवा के कि स्वाप्त स्वापत स्य यः वादःववार्यायः प्रदा वर्षस्यायः वर्षः विराप्तवः विराप्तवः वीर्याः विराप्तिः विरापतिः विराप्तिः विरापतिः लर्रियाः सर्रेवाराचार्यायायायार्या वर्षेत्रास्त्रवायर्थात्रावर् न्नूना अर्बेट नर्से अश्रासायश तुरानदे लेश रामा ग्रीश रें तर्शे से प्यापारमा धररेवा'स'वाट'त्यवार्यार्य'दे'द्वा'त्य'त्र'द्वर्'त्रुची'त'हे'सक्रेश्यवार्या

नगदःश्रुयःम। गुस्रशःगगुरःकुनःसेस्रशः र्वसःगःयसःगुरःनदेः निर्भास्या ग्री भार्ते : क्षेत्राप्य शुर्भायात्र भारत्या श्री है । यति तर्भात्या प्रति र भारत्या । यं से द्राया सर्वे तर् सं स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार् इस्राध्य व्याप्त विद्वारा सामित्र विद्वारी दिवा की की स्थाप प्राप्त की प्राप्त विद्वारा स्थाप की प्राप्त की प् र्ने। विभगः रानमसमायायमा विदानि ने मार्ना ग्री माने किया प्रवु त्या गुराय। इस्रायराष्ट्राक्ष्याहे सासुरस्य इस्रायराष्ट्रा यः अधिव प्रदे देव शे शे धर द्वा प्रस्ते वा प्रस्ते हे दे वि ७७। । व्रस्यान सुराक्षेत्र से स्याप्त स्वर्था निस्त्र । व्याप्त स्वर्था निस्त्र । र्ना ग्रेश दे किंगा वर्जा या वर्षा पर्मा केंगा वर्जा वर्षा पार्थ दे प ५८। श्रुःहे निवेदारा ५ विष्या प्राप्त विष्या श्रुति ५ विष्या श्रुति ५ विष्या स्था । सञ्जन्यदे किटारे पहेंद्र श्री श्री द्राया श्री मा श्री राक्त्रायर वर पार्टा केंग्र की वर्ष हो राशु अधुव पार्टा क्रायर वर धर हो न प्रवे 'हें ब 'ग्रह 'श्रें 'श्रें 'थह 'हवा' धर 'हे वा' धर हो न हो । इस्र श्रें ' न्यायी मन्दर्र्जु न्यं ने प्येत हैं विश्व वर्षे स्वर्ध स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ

हैं। विर्टेशक्षित्वर्त्राचिरक्षित्रंश्रेश्रयर्विःविश्वर्ष्यर्त्र्याः सर्हेरः नर्भे अन्यक्तिं अं श्रे अं प्यतः न्या यम् मेया यन्ता न्ता न्ता मेर रेगायदे ने राय है ग्रायम् । सर्वे राय विश्व है स्वार विश्व है । सर्रेर्न्यस्याने निष्ठा । विदेशायते के यापान्से वायापादे वि यावरान्द्रभा अर्बेद यो नेरान्द्र याद धेव यादे वे नेराय धेव के । । या वर्रेश्यते के श्राया द्रियाशायते वि यात्रशाद्र प्रमा अर्थे द यो विश्वास्य थेव'रा ने'वे' अर्बेट'न' थेव'र्वे। । नर्वे अ'सूव'यन् अ'तुट'कुन' शे अश्रान्यव'वे' यावर्गान्यः व्याप्तात्रेष्ठाः वर्षे व्याप्तात्रः विष्यात्रः विषयात्रः विष्यात्रः विषयात्रः विष्यात्रः विष्यात्रः विष्यात्रः विषयात्रः विष्यात्रः विषयात्रः विषयः विषयात्रः विषयः विषयः विषयात्रः विषयः है 'क्रूर'इस'यर'सेय'यर'नशेर'यग्राम् गुस्राय'रे 'नविव'हेर'पेर'य' ने। बीट त्या बीट ती हिं किंदा ग्राट की न्या मानिता। ने वे नाम मानिता मानिता सायरायरान्त्राचराहे साशुः क्षे सर्वेदानसाहसायराक्षेताहि । विदायाहे सुः नःनवित्रः द्वांनान्तः। धेःनोःन्तः। र्नेतः त्रस्यसः उत्तायः प्यतः देः नवितः तः रेनाः यर गुर्दे। विस्नारा विस्नारी वर्षात्रमा विस्नारी दि ते है द गुर से द्वी वास

निद्रा देवे नावशा शे अळव अप्पराप्यव द्या प्रमः हे अ शु शे अर्घेर प्रश्न स्था यम् शेयाहै। । नर्डे साध्य प्रम्याच हे प्रवित है न शे हैं न से से स्थान न्या पर रेया परे अळव अयार यया अप र रे प्यर इस पर सेया नर नश्चीर्यायायायाया श्वा श्वायायारे निविद्या हैर्यो देवा से स्वार्थित स्वार्येत स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थि मायावी अळवा अभेनाने। भे निभेषाया ने पा के विषा क्या पर से या नर वशुराने। श्रम्भायाने विवेदाने द्वी देवा में स्थापन द्वी स्थापन द्वी स्थापन द्वी स्थापन द्वी स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स क्रॅशन्ता न्रिंग्री अळ्व साम्रस्य उत्विषाग्री सर्वे न्री। ने वे ग्राट मी सा ग्रदःविषाग्री सास्रवर्गस्य ग्राचा धिवास्य स्टा स्ट्री । वर्षे साध्य स्ट्रिसः नर्डे अः ध्वरः वर्षः ग्री अः कनः हें गाः अः उवः अक्रे अः यदेः क्रें रः ग्रीः र्वे रहा। वेः व्यट्टाल्ट्रियास्य स्वाप्ति द्रो प्रदा सके तु विश्ववास परि द्रो स है सूर रदानी निव्यक्ति सक्ति सामहना सर से नुसाया दे त्यस निर्मेन समाने वुश्यापाने प्रविवात्। यापर्श्वेयशायदे सेयशा ग्रीशायपान्यापा है स्थापाय विवा नेशम्म भी तुरामी। नर्भे सरामसन्ते तुरासे विरामान नगाय सुराम ने त्या श्रेश्रश्ची श्रे श्रे र नह्याश्रास्त्री यादा ययाशा दे निवेद हे द्वी यादाया न्वीर्याने नगद सुरानायाया नगद सुराम व्ययस्य से स्थानी सर्थे

र्शेर-नह्यानाह्यानाह्यानाह्यानी श्रियानी विकासन्य स्त्रीता स्वर्था मुद्दानि से सर्था मुद्दानि से स्त्र र्शे श्रें र नह्या प्राप्ता वर्षस्य प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत रान्दा नङ्ग्रीस्रसायसानुदायदे सेस्रामीसार्से स्निमायदे । इस धररेगायदेरे नविवरहेर वया द्वीर अरे। धेर अरु नमून या धेन र्वे। । नर्वे अः धूनः यन् अः ग्रुनः कुनः से सर्थः न्ययः ने ः धूनः के अः न्नः ने न्यः से ः लट्ट्यास्ट्रियासः द्रा अळ्यः अस्यास्टरः श्रेयायाया वृत्राशास्तरेः यक्ष्यः प्र. विवादि : इयः परः प्रथाः प्रायः प्रवाशः वारः वी शः वे : दे : द्वाः इयः नर्सेयायवामा व्रस्रान्य द्वासे। दे द्वादे सेंद्रान हे द्वासा शेलाहें। विद्यानातिता केंशा शेनेंद्रा शेनेंशा प्रमानिता विद्या वि वा किंगान्तः धीरमोदीरअक्तरअरश्चरकिंग्रामानःधीतरमाने ते केंश्राम्यस्य उत् क्रॅंट पर हेट ग्री शाह्य पर सेवा है। । यावसाय दे दे प्रविव हेट ग्री देव से र्शेरःधरःद्वाःधरःदेवाःधरः होदःधः वा श्चीःघःदरः। वहेवाःधःदरः। वावशः सन्दर। याववर्रायश्चर्यात्रेर्याश्चेर्याश्चेर्याश्चेर्याः अर्था प्रवेर सळ्त्याम् प्येत्रान्दे ते सळ्त्रित् स्ट्रित्या हेत् सी साम्यान्या ने वे विवासन्दायासे दाया से दाया है दाया है दा श्री शासा स्थान से वा है। विदेव

यदे दें तु र्शे र र प्यट द्वा यर सेवा यर हो द यदे वह वा सेवा र वह वा सेवा र वह व यक्त यः न्म। नर्देः श्रुयः पदे व्यक्त यानाम धेत परे ते वम श्रूपः परे न न्ना भेर्नभेग्रयः क्षेंन्यः केन्यः भेर्यः केषः के। । या बुन्य निविक्तः केषः धेव'रा'दे'वे'धे'कूँद'रा'हेद'ग्रेश'₹अ'राम्'शेवा'हें। |धेंदश'शुं वेंदश'र्श्वेद' यदे देव दु क्रे राय दर। वुद् सेद ग्री नक्षेत्र नगुर दर। वे वुद्द दर स्वर य र्शे शे प्यर द्वा पर देवा पर हो द पत्र वह वह वह वह सक्त सन्दर्भ ही र्रेषानी सूना प्रदेश सक्त सामार प्रेत पर ने ने। ही तर हैं राम है राम है राम ह नवेत्रः ग्रीशः ह्रेटः चः हेट्राग्रीशः इया चर्त्राश्वाः है। वित्रशः ग्रीः देत्रः श्रीः धरः न्यायम्भियायम् होन्याय् कन्योन्यये अक्षव्यायाम् धिव्याने वे केवः र्रे हिंद्र य हेत् ग्री श इस यर से य हैं। | या बुया श से द र या यह त है। या द यी र बि'न'याक्रमाम्म्यम्प्रदे अळ्वामान्ये वान्ये ने विन्यान्ये वार्ये विन्यान्ये ग्रैशक्यायम् सेयाहें। । सळ्वाहेन् ग्रीने नवेवाहेन् ग्रीनेंवासे से प्यान्या धररेगाधर हो द्राया वाद वाया वाद वाया के द्राया के वाया नन्ना सेन् पर्वे सक्त सन्दा इस पर्नेना पर्वा की सक्त सन्दा देंत

न्यामदे अळ्वः याग्रामधे वामने वे अवदायया प्रमान से मार्थे प्रमाने न्देशसं सेन्यक्रिंत्यक्षेत्रम् न्देशसं सेन्यसे देशसं केन्यसे हिन्दूर्यकेन् ५८। र्नेत्रन्यासङ्ग्रित्याक्षेत्राध्याक्ष्यास्य स्थायम् स्थेत्यात्री । इत्यासम्प्राधि । दे नविन हेर् ग्रे देन र्शे शे प्यट द्या यर रेग यर हेर् या य तुश सहस्र ग्रे सक्त सन्दा दशुरान से दारि सक्त सम्मान प्रीत सिन् सन् साम्या । सिन् साम्या विकास र्झेट्र प्राप्ते द्वारा द्वारा केट्र प्राप्ते द्वारा केट्र प्राप्ते का केट्र प्राप्त केट्र केट्र केट्र प्राप्त केट्र यनिवे महित्रसे क्रिंदास हित्ते न्या धित्य हित्रसे क्रिंदास हित्र ही अळवः यान्यान्यान्यान्यान्याः क्षेत्रस्त्रान्याः क्षेत्रस्त्रान्यान्याः तृ। । नर्डे अः ध्रेवः प्रम्यः सळ्वः यः इयः पान दुः इयः प्रमः से पः नमः नर्गे नः पान्। सळ्व'स'ग्नद'क्र्स'मर'सेव्य'नर'नशेत्र'हेट। सळ्व'सदे'वळेट'न'ग्नद'वस्र' या ब्रियाशः नक्ष्र्वः श्रीः सळ्दाः सम्स्राः सम्स्रोतः नमः हो नः हिनः। गुवः वशः हे दः ब्रॅम्स्रामित पकेमानि सक्तास्य स्थानि क्यायर सेयाहें। विस्राय हेंद्राय हेंद्राची वे प्रदेश शुक्र सक्वाय है। न्वानी विदेव से र शुराया धेव धर रेवा धर होते। रे रे थर अळव अ

न्धेरःव। अरेग्रायंत्रे मः निदे नर्ग्ये गुत्रवश्हेत् सें रश्यायम् ग्रुप्रायर्भे न्देशस्य स्वाव त्र ने न्य व्याप्त स्वोत् या धीव सम् न स्वाय प्रविव द्र प्य निवास षरःकुषःने निवेतः नुप्तकः नरः नुर्दे । निर्देशः ध्वः वन्यः भेषाः प्रकेतः संखः नुदः कुनः शे अशः द्रायः इअशः ग्रीशः ग्रादः हैं ग्राशः दः हैंदः यः हेदः ग्रीः अळदः हेदः यासर्वि, संदु, ट. मिया आक्र श्रास्था स्वा थि. श्रेरः मंद्रेन् ग्री अळव देन नर्भ श्रामान त्याया । नि वर्श मर्ट्स स्वर प्रम्थ ग्रीश न्तरकुत्रः से समाद्राय न समाय विवास के तो वास के लेखा न न न न निवास के । चित्रयामार्चित्रिते स्वराचित्रक्ताये स्वयात्म्यया द्वाया स्वराष्ट्रिताया स्वराप्त क्रमश्रास्तराधीः वर्ष्युरानराष्ठ्रानवेराधीराने निवितः वालेवाश्रासायाधिनानेत्रः ळुन'र्रोसर्अ'न्यव'र्स्ट्रेन्'यर्र्अ'र्न्न'तुर्धस्य'र्या'ते 'वेग्'यं केत्र'र्ये सवत' न्यायमाग्रम्प्रम्य द्वार्प्त वर्षे स्वर्षः स्वर्षः द्वार्प्त स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर हेंव डेग'न्म। क्रेंम्य हेन्छी अळव हेन्नक्ष्यपाहिं न्यान न्या

चुर्दे। विस्नारामावन ची नियम् में सक्त है न निर्मा प्रस्ता मुनामि अळंत्र'हेट्'क्स'रा'बसर्थ'रुट्'तुगुत्र'त्रशहेत् सेट्रिश'रा'ट्ट'। क्स'र्यर'त्र्ट'तः यदे 'गुव 'नह्म रायदे 'सळव 'हे न 'न र नेव 'ह हस्य पर ज्या न हे न ' र्ह्मेट्रप्राक्षेट्रण्णे अळव् केट्र न्यू अप्रावेश नुर्दे । निर्देश यूव प्रद्रावे निव्या न्राक्ष्याः अर्थे राष्ट्रयाः यो अर्थे राष्ट्रेत्रः प्रतियाः यसू अर्थया या वर्गायः सुर्थः या चुसरापादराष्ट्रवः र्वेराइसराप्टा चुरःकुनःसेसराप्यवःइसराप्टा देः निवेत्राम्नेवार्यास्यराश्चीःहिताते प्रदेश्वात्र्यात्रात्र्यात्र्यम् राने न्या वस्य उद् न्यू या पर देया पर नुही । वर्डे साथ्य पर या वि यर-द्यानित्रे कुंष्य्या चुद्दानिद्दा विश्वया विश्वया विद्यानित्रे क्षे.च. इश्र.चर. देवी. तत्र, क्रि. जश्र. वीर. च. लूप. वी. विश्व श्र. वे वे विश्व हैं। विश्व श्र. वे वे विश्व हैं। वर्षानु वाद विवास सम् वर्दे द्रायम वर्षे । वृत्यस मासे समाम माना व वे विश्वमानु भेवा ने भारता इसायर द्यापार वे विश्वमानु भवि वे । विस्राया अट. ४४ व. १५ व

यानेवार्यान्स्रयाण्ये प्रवी प्रवे के रापहेवा हेव प्राप्ता प्रहेवा हेव प्रया रेगायर जुर्वे। निर्देश थ्रव पर्या वि नावर्श दर भ्रूगा अर्थेर नी प्रश्र हैं। यग्रा । ज्ञाराप्तकेराना इसाया गृहेश में सक्त सदी पकेराना ना यावर्गादवः योवः श्रीः वक्षेदः चः यशः इसः यरः श्रदः चरः ग्रीदः या थोवः वे । वर्षे सः <u>क्रेच.यर्थ.यर्</u>ट्रश.क्रेच.यर्थ.क्रीश.योयोश.क्ष्य.त.र्जं.योश्चरश.त.योट.रेयो. यग्रभाराने न्या यया ५ दे वे वि याद्र या या या या या या ५ दे वे व्या अम्र त्यो यायायायायाया १ दे याहे यादे यायाय द्या त्याया ग्रम् स्याप्तराष्ट्रीत्राक्ष्यः वे वि विवयम्या वि विवयम्या वि यात्रसः पर्नेत्रसः चित्रसः वित्रसः वित्रुयाः सर्वेतः यो याया सः धितः वित्र सः प्रमः यावर्गान्ता इत्वाचित्रां के वार्मित्रां के विष्यां के वार्मित्रां के विष्यां के वार्मित्रां वार्मित्रा धेव है। ने न्या धरा विवा वी शर्वे हैं रावर से हो न है। विवा के शरी शरी ब्रैं र न अवर विवासर शे ति वृर्ष भी विष्ठे अ स्व ति विष्ठ अ स्व न स्व विवास न्यायम्बर्धान्ते न्यायम् ५ दे वियान्य ग्री क्षेत्र न्यायम् ५ दे क्ष्या अर्घेट मी श्चेत य द्वा यवाया ५ दे वाहे वादे श्चेत य द्वा यवाया गुरुषाय

र्कें ५ मा ५६ वर्षे ५ मान्या विष्यान्य १ के निष्यान्य १ विष्यान्य १ विष्याय्य १ विष्याय्य १ विष्याय्य यिहिन्द्रा बे के अने खूना अर्बेट मी क्षेत्र न धित के विदेत्र माया पर्वे पा न्ना गर्वेन्स्रेस्राके ने गरि श्वेन प्राप्ते स्विन प्राप्ते स्विन द्रभामी भाषा विषया में जिस्सा में स्था कें झ्वारायान्या विहेन्येवारायस्य हुर्केस्रायस्युर्वे विदेस อูมมายากุราทิงสิ่งสัฐานารุรานฏีรายาผิกุมายรารภาษ์สมมายราญรา पर्दे। । नर्डे अ'सून'यन् अ'तुर'कुन'ओअअ'न्धय'वि'गान् अ'न्द'सूना'अर्हेट' वक्षानरान्त्री यग्या नगव सुराना गुस्यामा स्यापास् से। धेराया वेद्रानि द्वाराम्यापेदान्द्रा विःर्रेषाः अध्यक्षः द्वाराम्यापेदानः ५८। यात्रश्राद्यायेष्ठाः इस्राय्यायेष्टाचर्वे । विस्रश्रायायाने विद्रास्त्रा स्रेसरान्यव नेवाय केव से न्या स्वापित स्रे । व्रव ब्रुशः ८८। ४८:श्रम्शः क्रुशः८८:ध्रुवःसद्यः धीटःयः ब्रीटःसरः रवः हुः ख्रुटः व।

ने ने 'पेन' व्या होन' प्रवे 'इस प्रमाणेन' ना प्रवे ने विष्य हैं । विष्य हे 'ही 'में व्या ही 'वर्नेन' यदे थें व नव स्थानित व प्रति हैं नित्र अक्रव सन्ता इस यर हैं ग यन्ता वेवः वेत्रास्त्रयान्ता वे निर्दे वेवः वेत्रास्त्रयान्ता द्वीः रेत्याचीः न्भेग्रामान्स्रयायाये स्रामान्यस्य प्रमान्द्रि प्रमान्द्रि स्राम् श्रेश्वराह्मायरम्यापेटानापेत्रते । विवायके सुवाश्वायप्तान्ता विविद्यार्थः नवया श्रुं समान्य प्रमानि में स्थान स्थान श्रुं समान्य प्रमानि हो। ७७। । नदे 'हें द : अँ द अ' रा'ना र 'पपर 'तु र 'न अ' हें द : अँ द अ' रा र : शु र 'दा हे ' वे वट र र से समा इस पर पाणेट न पोवर वे । । पाय हे ही रें य ही सक्व साय नहेव वश्वराची हिराने वहेंव शे शें राध्या शे अळव अधीर या शेरावा ने ने अळंत्र अदे इसायर गणेट न पेत्र के । गणि ने तर में पेर पा हो र प यानहेत्रत्रातुरानदे केंद्रायायात्र्याद्रात्येत्यो केंद्रायायीय्याद्र्या र् क्रें स से सरा शु हो द व दे वे मान्या द ने वे मान्या दे वे हो हम सम्माणे द न पोन न्मदे अन्दर्भे त्र अन् ज्ञान हो ने नित्र वित्र वालेवा अन्तरे अदे न्मर व्यापाद वी । याहेत्र से व्यवस्य गुरुषा प्रविश्वत्र यात्र सः न्दः ख्रुवा सर्वे द्वी सः न्दः से व्यव्हे द्वा

श्री प्राचि के वार्ष मान्या वार्ष प्राचि । श्री प्राचि मान्य वार्ष वार्य याहेत में पित है। याहे रामाया वे सूर नामा से दे त्रामाया माने पाने का माने पाने के प्राप्त माने पाने के प्राप्त माने प्त माने प्राप्त म इससाग्रीदे । वासुसारात्याते त्ये दिनायते त्ये दिनासवासाग्रीदे । विले पात्याते । क्रूँसश्चरत्र्वायायासेन्यन्तर्केशयासेन्यवेवे । स्यायासे विक्र नन्दा श्रुप्तन्यस्य वित्राचा वित्राचित्रः स्त्री स्त्रित्ता स्त्रित्ता स्त्रित्त र् द्विम्यायाकेर् मेर्टि । इमायायाके सक्व सासर में गुन हार बुर नदेदें। निर्वायायावे अळवा अञ्चार्था गुवाहाय हुटा नदेदें। निक्कितायाये सक्त संसे द नाया है या न दिया। सक्त साया द्वार पुरा शुरू निर्वा । द्वार मायादी द्वामा व्यक्षा उदादा के का भूवामाया द्वामा व्यक्ता । वर्षः रात्यते कें राशी भ्राप्पेर्या शुः ह्रें वायाया र्ये से प्यर द्वाप्यर देवा या दे से वर्षेतः मदेवे । जिस्रामानियाम् नियम् नियम् । वर्षेतः मदेवे । वर्षेत्रः मदेवे । वर्षेत्रः । याया वे कें वार्या निरम्भेया निर्देशी नामा भेवा किया किया किया भेत्र·हु·झः नदेःगहेत्रःसंधितःहे। देःलेग्रयःसरःनर्डेयःमशःर्केराःग्रेःश्लुःभेतः हुः इसः धरः द्वाः धः यावस्यः वाद्यः द्वीसः धः धः सुः शुः शुः नुवः धदेः द्वीवासः धः वा वस्रमान्द्र-दुः स्वायायासे दाराद्रा विवायायासे दारे वियायाद्राः

अर्वेदः नः वेनः वे। निर्देशः वृतः त्र्यः कुनः से सर्यः द्वाः निष्यं वि निष्यः दिः क्ष्मासर्वेदायाहे क्ष्मा नश्चना त्रान्ये से न्याया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व ळुन'सर्देव'सर'एळंट'कु'नर'एशुर'न'यम्भ। नर्देस'ध्व'एट्र्स'ग्रीस' नगदःस्थान। गुरुषानायदे ता गुरु कुन से स्थान्य ले नाव सान्दास्या सर्वेदः विनःत्रभा देःनिवेदःहेदःह्रसः निन्दुतः यसः नहस्यसः हेःहे सूरः विराधः ८८.यश्रम्भात्तःक्ष्र्याः अध्यात्रः यवियाः सत्रः श्रम्भाग्ने या धरमाबुदानप्दा येग्रायारान्यस्यस्याप्याप्दा येग्रायाराह्म्यापरा निवेद हे द थे द त्या हो द त्या वा व्यव्य वा व्यव्य वा व्यव्य व्यव्य व्यव्य व्यव्य व्यव्य व्यव्य व्यव्य व्यव्य यर रे विवा से सरा भूवा पर पहर रेंद्र सरा शु. वहें वा दा रवा रापा पर पाया क्षुः र्र्भे अःगुर्रः हे 'दर्गे अ। गुरुष्ठा प्रांदे 'त्या सक्का साम्रार्थे ही 'दरी 'द्रा प्येव हो। रोसराग्री येत्रपदे सळ्त् सदस्य हिंदि नदे सळ्त् सदस्य इस पर देग मदे सळ्व सदस्य गुव वर्ष हें वर्षे दर्श मन्दर क्रामर गुर नदे सळ्व यत्या वटानी यळव यत्या ही देवा ही अळव यत्या देवाहे नादे यळव यत्या श्रेयशाउदावयशाउदाग्रीः देवायाश्चरावराग्रदे सूयापदे यळवा

सत्सा नेशमित सळ्य सत्सा ने निविष् हेन निमा सूना नस्य निमा गुरु दर्जुर न नरा वर्षे गारा नरा वार्षा छै । सर्वे अवसा वर्षा जुरा छै । मक्रव सत्या पर्याया चित्रा श्री मक्रव सत्या ह्या पत्रे मक्रव सत्या भ्र ह्या'रादे 'सळ्द्र'सदस्य सूया'र्यस्य 'द्रा'र्यक्रुर'रा'द्रा'र रावेदः मी अळव अवसा दे से विमुन्ति रामि प्राप्ति स्तर्भ मिन्न स्तर्भ प्राप्ति । ग्री अळंत्र हे द से प्रदानिये अळंत् अयस्य देवे स्ट मी अळंत् हे द ग्री अळंत् यत्य। वययः उट्वययःउट्छियः गुःचरःरेगः वयः वययः उट्गीः यळ्वः सदस्य ग्राम्य म्यान्य स्वत्या से न्या सळ्त्यान्द्रम् । ने द्रम् गुत्र हुद्द्र न व से सम्बन्धिया सम् नहरः क्रें समाशुः वहें गार्गे। । दे सूर विगमा निर्देशमा निर्देशमा निर्देशमा ७७। । गानुरुपानुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुपानुरुप नःन्वाःवश्यश्रेष्रशः इसःयरः श्रुंन्धरः होन्धरे । वनः वीः श्रें श्रेंदेः नन्वाः हेर्यः श्रें श्रें रूर्ये शर्मे वाया दे निविद्य हेर् इस्याया नत्त्र श्रें श्रें र हेवारा यदे ने राया इसाया न न हो न न ने ने ने दे ते सर्वे दाये त्यसाधितः र्वे। १८. व्यान्य विष्टिक्य श्रेयम् नियाया त्राप्त विष्टित्र में विष्टित्र व

वियायायायीय। दे प्रविवायायेयायायी देवाया शुः श्रे यायायीय। याद्रा सं र्वेन'म'न्रा अ'नेदे'सन'र्येन'यर १३ अरु। शुंहि न येन के । यावर्गान्दरः भ्रमाः अर्थेदः भ्रमः निष्याः प्रमः हिमाः प्राप्तः प्रमान्द्रम् या नुमार्थः नक्रुव न्दा क्यायर से हेंगायदे ग्रा बुग्यायक्ष्य में न्येग्याय क्याय गिहेशः विनः पाये विन्ति । निः स्ट्रम् अविनः निवः ययः विनः प्रशः निवः यविः न्द्रीग्रायार्थेनायाधेनाते। नेयायार्वेनायार्वेनायात्र्यास्ययास्ययार्थेनास्यया यः विवासः निरः न्रे वासः यः इसः यः वासुसः में दे 'न्वा'हे नः धेनः यः होनः यः वा वर्र भू भू निम्दायाया विवा हितु के शाझ से शाहितु के शार्श्व सारी वहीता धर शेषाच व वावशादव तोव व इस्र श ग्राट इसाधर शेषाचर हो द म्। । अक्ष्व. स. २८. वावश्र. ८व. वोव. वस्य अ. ४८. वोवाश. वस्य वे साम स्था. ग्रीश्राशर्गित्यामित्याम्यश्राम्येत्राष्ट्रान्यरश्रेयश्रम्यापरार्श्वेतः या

यम् पर्कातः कु विमा नर्गे अप्यार्थेम् अस्य बुनायते न्ये न्ये न्याया । है। व्ययमानिः स्ट्रम् वः व्यम् क्ष्याये यया विष्यव्याप्य विष्याप्य स्ट्रिया स्ट्रीया ने भूर नश्चरात्र इति स्वाप्त स्वापत क्रिंग्रां प्रमाप्तकंदा कु प्रमाप्त कुरा क्रिंग्रा विदा कुरा क्रें या क्रिंग्रा क्रिंग्र क्रिंग्रा क्रिंग्र क्रिंग्रा क्रिंग्र क्रिंग्रा क्रिंग्र क्रिंग्रा क्रिंग्र क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रा क्रिंग्रा क्रिंग्र क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रा क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रिंग्रा क्रिंग्रा क् यग्रा व्याया व्ययस्य व्यायस्य स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर् श्रेश्रश्नात्रे स्व त्र केतः र्या स्व त्र प्रमान स्व त्र प्रमान स्व त्र त्र स्व त्र स्व त्र स्व त्र स्व त्र स्व वसेयानायासाम्यामा न्मः वर्षेनानायासाम्यान्मा वन्यायासाम्या पर्दे । हि सूर्व सेसरा ग्रे हो नाया सम्राम्य प्राप्त वि व सेसरा ग्रे हो ना इस्राचान्त्रुः द्वाने श्वा सेस्रा शै हो नाया पर द्वापा है स्वाचन विवादा यान्यानाधीताहे। ने या ये यया ग्री क्षे ना इया ना न हु न न इता न न र्बेट्-श्री:इस्राधररेगायां वे प्रदे सुर्बे। येव प्रदे इसाधर ने यदेते । दशेवाश्वास्त्रस्याराञ्चार्केवाश्वास्त्रस्यायरानेवायाने विदेशे हो। इस धरःहेन्। यदे धेर् ग्रे इस्याधरः नेसाया त्रुवासाया स्वासाया स्वासाया स्वासाया स्वासाया स्वासाया स्वासाया स्वासाय

वहेंवामा श्रेमें त्यान्ता वरामी स्थाया है माउरावहेंवामान्ता अन्यहें मान्ता बर देवा दर। धुर दंश देवा या देवा दर हिर रे वहेंद सर से या है समाय वह्यामा अद्याक्त्र्याग्री विद्यादारी सर्वेदाना दे नविद्यानेवायाना सर र्रे अर्द्वराया इयायर हेंगायदे थे र ग्रे इया यर ने यायां वदेदें। । नुश्चेमार्थायदे सळवास छुट नुः इसामर नेमायदे वे पदे सुः हो। वर्देन्'रा'न्न्'श्व'रावेवे । । न्रीम्रा'रावे 'सर्खंन'सा क्वा के व'रें र शुर्रा रा ह्या नर-रेगानवे के परे सु है। ग्राचिष्य राष्ट्र परे दे। । द्री ग्राय से सक्त याळ्ट्रायेट्रायाइया परारेगायदे दे परिष्युष्ट्री वयायापदाट्रा इयालेया सवतःलश्चीं अक्टेन्न्न्थ्वःसदेदे। निभेग्रासदे सक्व संसे इसासरः रेगामदे ने परि सु है। डे प्यर से र मदे हैं। सके र र स्वर यदेवें। । नुश्चेमाश्रायदे : सळ्द्र : साम्याय : मुना या स्वाय : स्रे। यनुः ने या से न यनुः ने या से न से न से से साम से विष् । सिक्य साम से विष् । सिक्य साम से विष् । सिक्य स बेर्यान्स्यायरारेषायदे वे वर्षे क्षेत्र वहेषाहेत्ययावर्षायर् वर्गेग्'रा'य'द्रभेग्रा'रादेदें। स्निग्'नस्य'द्र'स्व'रादे'वे'दर्ने'स्रे से श्रेश्रश्राच्य निष्य अश्री । व्याप्त मान्य विष्य । व्याप्त विष्य । विष्य । विष्य । विष्य । विष्य । विष्य । विषय क्ष्रभ्रे। वर्नेन्यन् र्श्वेन्यवेवे। ।न्यवानान्यक्ष्यायवे वे वर्ने क्ष्रभ्रे। नमम गान्त न्दर्भे न्दर्गित्र गान्ने अपये दे । निर्दे निर्दे निर्दे ने निर्दे निर्दे भी निर्दे । गान्त्राग्रुस्यवेद्। स्निगानस्यः यदास्यीत्। नदेःनःयदास्ययेत्रान्दः थ्व मदे वे परे थे। नमसमाह्य नवे मन्ता पर् ने मसे नद्र ने म ये द्राये त्र भी सके द्राये वित्र में वित्र में द्राये स्वर्थ के वित्र में व क्ष्रस्रे। हेन् सें रस्पान्ता हे नवे हेन् सें रसामान्ता स्वापिता न्दः स्वार्यते वे तदे सु स्वे न्दायाया र्यम्या स्वार्यते वे । युदः द्या यावर्गान्यात्रात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्वे त्वा यावाने द्वारात्रः देया प्रते दे प्रविव ने यर द्या य है क्षेत्र य विव रच्या हु के श यदे। हि क्षेत्र व यक्षर य या सम्भा राधित ले ता माय हे पकेर ना इसाय महिका से सकत सदी पकेर न रहा। यावर्गाद्यायेव की विकेट नायद द्या माही स्माना विवासन हुन् वे माहे। दे र्ना हु ले अवसारे व्यस्ते सम्भादरे निर्माट नर हुदे ले साहु नाया सामसारा धेव दें। हि सूर व व से वा नाया अवश्वासाय धेव वे वा नाया हे सक्व सार्ट वावरान्द्राचेत्रची वाहेत्रचेदि से सरावान धेत्र सन् क्षे वान्तर वहे

कें श्रुदे | विसेषायें विश्वायसेयानायासाम्यामाधितर्हे | हि सूर्यन्येन रायासिकाराधिवावीत्। यायानेनेन्द्रास्त्रीयस्त्रीत्वाकासुन्त्रा अर्द्धन् अ'न्न्। ग्रम्भ'न्द्र' येव' श्रे भ'गुव'व्य अ'हेव' श्रे न अ'न्य उव' नु'श्रु न प्रदे ' श्रेश्वरात्रेत्रात्रेत्रात्रे वर्ष्यात्रा वर्षेत्रक्षेत्रावर्षेत्रावर्षेत्रावर्षेत्रात्रे सिम्बार्यायाची । हि सूर्य वर्षायायायायायायाची वर्षेत्र वि व वाया हे इसायर बर्पान्ता विषामी शामित्रामित स्थि क्षे सके नान्ता वन्तर स्थि क्षे सके ना न्याः क्षेत्रायमः चेन् पाः क्षे च्रायाः पाने व्यापः व च्याः क्षेत्राः क्षेत्राः क्षेत्राः व व व व व व व व व व या गुराकुन से समान्यदे सम्रुक्ते न से सम्मानम् न सम्मानम् । सर्वा यर श्रुवःयर वशुरःवः १८। यर्देवःयर श्रुवःयर हो १ । वर्षे यः य्व प्रत्य पर्वे संयुव पर्व राष्ट्री संस्टर में दे खूना संसे र पदे खु र व र य र वन्यायवे न्त्रीत्याशुः र्केरावा प्रस्यायाया विष्यापारा याशुरश्रामाने त्या वर्डे अष्ट्रवायन्याना प्रवासी विकास व यादालयाया विस्थानासद्दर्भन्तः स्थानानाकाने। ग्रवशःश्चीःग्रवशःदवःयेवःदेगाःगःददः। देवेःवज्ञशःतुःवेःध्ययःदेगःगर्दे। दिः

या बुया था ग्री यात्र था द्वा ये त्र देवा या द्वा या बुवा था खेदा यात्र था द्वा या येव देवा य द्वा प्रवास तु युव परि वावस प्रवास देवा परि प्रवास नुः अः ग्रुनः पर्वे 'मानु अः हतः यो नुः भरेते । । ने 'यः यन् अः नुः ग्रुनः यो नः पर्वे 'नः श्रूनः लेव. नर्दे! लिज.र्म्याम.लट. इस्राम.यबिर.रम्यामर शिक्षे येवस्यर्म्यामः ५८। लें ब्रुन्रेग्यान्दा वेंद्रशः श्रेंन्रेग्यान्दा वेंद्रश्याने वायदे । दे **षर** सुर रें दे ख़ूना अर्दर नडरू रादे : ह्यु रद्द राय्य रद्द रायदे र्द्द है द्या वर्षे । वर्ष्यभाग्यः साम्राचानायतः स्वान्यतः वर्षः हे स्वान्यः वर्षः मुद्दान्यते स्वान्यः नः श्चिर्नित्रे दे दे दे ते अ अ श्वर्मित्रे दे विष्या अ श्वर्मा श्वर्म मः संभित्ते। यदेव सम्बुद्दि। यद्यश्च तुः शुन् न पदे खुद्दि न प्येव वि र्वेद्र-तः इस्रायाने विदेशवा वस्रायान् । विवायि । विवायि । विवायि । वर्षाने सेवायायमा वृत्यवे स्त्रायायवाय विवास्त्रित्री । स्त्रायेवि स्वा म.मु.सपु.भी.सु.स्य.तयमात्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्र्यंत्रं नन्त्रे प्याप्तान्य विक्रात्ते विक्रित्ते विक्रात्त्रे विक्रात्ते विक्र द्यायमायद्यायदे द्वीदमासुः र्क्षेत्रायायम् उद्यापा हेमा वुदे । दिः

भूर हेश नगद सुरा दश वर्षे अपूर्व पर्व अपूर्व अपूर् อีषभाराकायोदःस्थाय। विष्णाताहिर्ग्गुभाईकादिर्गुम्ग्रीकाराहिर् য়ुःहेंग्रायापाद्रा विवाहार्षेर्यासुर्ग्यायायसान इससावसादरि हासे। इयायर्त्रेरायापीयातुः इयायरारेशापीरायात्रयायशारे। ७७। । प्रविवः यानेवायायायादी यादी यादायोगाया श्री यो वाया श्री । । हया ग्राहा ह्राया दे ही राग्नी यस'दे'र्धेरस'र्रु:ह्रियास'राद्दा धेरस'र्रु:द्यापर नसूद'हे। यदस'रा न्ता अर्द्धन्यासदे । यद्दर्गासर ह्रियायासदे । यद्या क्रुयायाद । द्या धेव । यदे । न्या. वश्रश्राद्धराग्रीश्राग्यादाने स्थ्रेस्य स्थ्रह्म स्थ्रास्य श्री स्थ्रा स्थ्रा स्थ्री स्थ्रा स्थ्री स्थ्र नुः इस्र सः नृहा। देवा सः श्रीः नुः से रवा वी सः वदेः यः वी दः हुः वर्डे दः यरः नुः वदेः रेग्राश्राश्चित्र वर्ष वर्षे अध्य प्रमाणी अप्रेति के के म्या शुप्त उद्दर्भ पदिः न्यानगवः द्वराः है। विकेशः इस्र राजन्यायः सम्र यावयाः यानः धितः या । देः वे :इयः वर्षे रः नगः वे रः रेवः केवः वेव। । गरः नगः के रः ने रः नहेवः वर्शः इयः वर्चे र वर्ते र । । यर र्वा वर्डे व यर रे र्वा ग्रह्म छ्व वर्षे व । । वार र्वा ग्रुवा थ क्षे. ने. श्रेन. मूजा वर्षा वर सर क्षे. चर्रा क्षेत्र क्षेत्र चे ने या विस्रकारा ने न्या इयः वर्धे र वर्ने प्यश्व है। । वया रेट यावश्व श्वर रेट या देव विद

र्वे। व्रिःध्वःशेयशःउवःर्देवःडेशःदेःद्वाःपश्च। व्यवः होदःरेवाःवशःशेयशः उत्रें त्र नहें त्र क्षेत्र। । त्यत्र ने स्रें ना श्वर गुत्र ग्री न्य स्पन्त। । वर विर से न सद्यः न्यायः नः वर्षे नः श्रे त्याः न्या । यानः न्या वर्ने नः श्रे नः श्रे स्थाः श्रे । ख्रानः वर्षे या श्र या दि नग पर्दे द या श्वर राया श्वर यो व हो । श्विर राया दे प्राया के रायी के व र्भे के। दिव वर से द पर हे द यह हैं द विह है। दि है र वह दि द द द द द द श्चित्राध्य न्या । इसायर श्चिराया न इसाय स्थान स्यान स्थान स यहेगान्नेव नश्चर्यायम् ज्ञानवे । श्वेम् । इत्यावर्जेम वर्षे त्याम ज्ञान वर्षे व प्रमा ग्रीमा । ने नमानर्रे साध्य प्रमाण ग्रम कुन में समान्य ग्रम प्रमाण नि अन्दिनानार्शेषान्। । नर्डे अाध्यायन् अन्ति । स्थायन् अन्य स्थायन् । स्थायन् ग्री क्या ग्राम्य प्रमेश प्रमेश प्रमेश प्रमेश प्रमाण । प्रमेश क्षेत्र मा ग्राम नर्नि नर्डे अर्थ्वरत्र्याण्चे अर्दे त्यानगदः सूत्याचा नुस्रश्यादि दे दे द्वा वर्चे स्टेश्यवे देव नम्भवायाधेव है। वदे वे क्यावर्चे स्टेश्यवे देव नस्र्वायाले या गुरायर बुदालीय । इत्याय श्री राहे या या वे रिवायस्र्वाया यही यन्तर्भात्रः श्रीयाः कवार्यः श्रीयाः वर्षः श्रीयः स्तरः श्रीयः स्तरः हिवार्यः यदे निरः क्वारि में अभार्भे भार्ये। विष्यम् अभाव नियादे कि भार्मे अभावा

क्रॅश्राग्री क्षेत्रा हुया क्षेत्र केटा है। क्षान्दा हुया ना इक्षान्य द्वा मि । १९५ हिं रा वत्रास् विति ते तोत्रापासे दायर वाषा पाइस्य प्याय से स्या द्राप्य वित्र वें। विरक्षित्रसेसस्य नित्रविष्टिः स्ट्रिंट्यी सर्वे स्वापर्वे रक्षेत्रसे थिन्ष्यः होन्यः विवाधनः शुरुष्टिः विवाधित्यः विवाधित्यः विवाधित्यः विवाधित्यः विवाधित्यः विवाधित्यः विवाधित्य वेगायाक्यायराग्वगायाययानह्ययाक्या वेगायदे क्यायरान्ते नाहे थू नःनिव्नेन्नभूत्रःमंत्रे निर्मे दश्यानः देशान्य स्वर्मे याप्यते स्वर्मे यश्चि भूतः वर्त्वुद्राचानित्राचस्राच्याः स्त्रे। वर्षे साध्याय्याच्याः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स् शुक्र रशाया वेयाशाद्यर शुमायो शालु यालु शाया वर्डे शायुक्र वद्या गुर छ्वा श्रेशस्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रभ्यः भ्रेष्ट्रम् । म्रि कुन से सस न्यदे सार्म हुन्याय न वे सामग्री न न्या है सासे न सान्या देर् हेर्पार्या देर्पार्थे नाउन्पर्भ नेव हिश्चर नाय नर्म। यर्षे ८८। क्रूबाकी ब्रह्म क्ष्याकी ब्रह्म क्ष्याकी व्यक्त क्ष्याकी व्यक्त विश्व विश् र्शने निया क्रिया पर निया पर निया निर्मा प्रमानि स्थान निर्मा प्रमानि स्थान स्थान निर्माण स्थान यवार्था । वर्ष्ट्रसास्त्र प्रदेश ग्री सावार स्थारा श्रुव र सावा वेवारा प्रदेश ।

स्वा'रा'ने 'न्या'ने 'इस'यर'न्या'य'यने 'न्र'। यन'यया'य दुःयाने या'यी रा' नर्भुश्रान्य स्वाप्तर वृद्ये । श्रुव्य रशः विविष्य प्राप्तर श्रुवा ने व्यक्ष प्राप्त स्विः नर्भराम् इस्यान्य न्यान्य नर्भ्यार्थे । स्यानिक्षाना वे स्वाप्ति रहेला विस्र इस्राचर-द्यान्यस्थाः । सायाश्रुस्राचित्रः से स्रमान्यस्यान्यः द्यान्यसः र्शे । । यानि पान्यान बुदाक्षे याद्या क्रुया ग्री यदे निराद्या । इस्राध्यः द्वापार्विद्वसार्वेदादुःशुर्देसायात्रसाग्रदाळेसाग्राहेसायसा नसूर्यानर रेवा नर ग्रुस्रे। या दे प्रवा ते इयानर प्रवा ना वि वे पे प्रवा वी या नर्भुश्रामाधित्रते । । प्यत्रायना नद्भानि नामा । वे न शुक्र म् श्रामी नामा न्नर सुगा से सामस हैं नाम से सामा नुर कुन से ससा न्याय के सा ७७। । शुर्-पः इसः पान दुः सँ 'द्वा'वः सँ सः प्लेद 'तुः नर्श्वेससः पदे 'हुरः नर्जे न्या राष्ट्रिया यह न्या स्टर्य स्वर्थ न्या स्टर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वय स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वयं स् क्रियायायायीय त्या अंदाया साम्रास्त्र हात्याया ग्रीय हित्य हितायायायीया नवित्र-५:श्चें ५:यर-से व्रमःसम्। दे प्यवःयना दे मः पें रसः शुः सः हेना सः राधितः है। दे.लय.जया.दे.लूट्या.श्र.क्र्याया.यं.यं.यं.यं.यं.यं.यं.यं.यंयादे.लयः

वर्षेत्रास् । निः प्यत्रायनाने प्येत्रास्य सुः हिनारा प्याया प्यायता वर्षेत्रास्त्रः हिटारे प्रदेश प्रेंट्स सुर हैं वायायाया सूर्यया प्रमाय हवा प्राप्त विश्वापित ग्राबुद्रअः खेंद्रअः शुः हेंग्रअः या देवः यद्रायः श्रीः तुरुः यशा देवः यदाः देवः खेद्रअः शुःसः ह्रिन्यासः धिवः है। देः धवः वना देः धिर्मा शुः ह्रिन्या सम् सुः नवेः श्विम्। वनद्रम्यादे । यद्रम्याद्रम्या । दे । यद्रम्यादे या व्यव्याद्रम्याद्रम्यायाः व्यव्याद्रम्यायाः व्यव्यव्याद्रम्य यम्। ज्ञम्क्तार्ग्रे स्वायानम् अतुन्यदे के यामे प्रमाने निवायाने यामे । यव अर र वाव अ यर हा न र हा के अअ यर यह वा य य के र य र र कैंराया हो वा पा यारा हो सारा हुवा पर पा निर्देश सारा है वा हो । तुरा परा ने प्यत्र त्यता ने अ प्यें म्या शुः अ हैं ता या प्यें ते हैं। ने प्यत त्यता ने या प्यें म्या शुःह्नेवार्यायम् त्रुप्तवे स्वीरायनद्वार्यारे । यदायह्ने नार्या । दे । यदायनादेशः वर्षिर-न-न्दः शुःद्रन्यश्यवद्रशः यः द्रवाः त्यः विश्वे वाः तः श्रे द्रावाः यः श्रे दः द्रदः। सर्देव.री.स्रीयात्रासद्यः लीराजास्त्रीरामाञ्चयात्रम्यस्त्रम्यस्य स्त्रीयात्रम्या <u>५८। वयश ग्रेश प्रस्था शुः वेदः प्रदे ग्रुटः कुतः ग्रेः श्रुं वाशः ५८ः सबुदः पर्देः </u> क्रिंगः इस्रयः नर्सेसः सर्द्राः न्यान्या ने प्यतः विवादेशः प्रिंद्र्यः शुः सः ह्रिवायः

राधिवाहे। दे प्यवायमादेशाधित्रासु हिंग्या सम् ग्रामदे शिक्ष प्यवदः स्या ने प्यर वर्षेन में। । ने प्यन व्यना ने अ प्यें र अ शुः हैं ना अ मा प्येन प्यर । वनु हो न ग्रीप्ट्रम्पार्या हे प्राप्ताय विवास देवा सुसार् ग्रुसार् स्थाने प्या ही प्राप्ताय प्राप्ता ह्रिनामान्य प्राप्त स्वाप्त स्व लूरशाई वोश्रासालुयालया चराकरासुरासारया क्षेत्रसारकरासरा सळ्य.स्रेन्स्रेन्थिन्याचेन्स्रास्त्रः ज्ञान्या ने प्यतः यनानेशार्षेट्रशासुःसः ह्रेन्यशासाधिताने। नेप्यतायनानेशार्षेट्रशासुःह्रेन्यशा यर गुरवरे भ्रेर प्रवर्षम्य रेष्य प्रवेश में । देष्य वा रे अपेर खु क्रिंग्रथं पार्धित : प्यारा अळत् : या से दाय प्राप्ति या से प्राप्ति । या से या से प्र र्श्वेषश्राम्यावयान्तरा अळ्वासन्तरार्ध्वानराधीनुष्य प्रश्रा देण्यता यनाने अप्पेर्यासु सार्हेना अप्यापेत्र है। ने प्यत्यापाने अप्पेर्यासु हिना अ धराग्चानवे भ्रिरावनदास्यादे । धरावर्षे नार्ये । दि । धनावनादे या धराया क्रियाश्वराधितःष्यरः। इस्राय्यरश्वरदा। सक्रवःहिर्देशःसदिःक्षेयाः दरा। स्यः

हुन्ते नाइस्यायात्रस्यः उत्तुक्रिंशः क्रेंद्रायायात्वरः विवायसः सुन्त्राया ने : प्यत्र : त्या : ने अ : प्रेंट्स : शुः अः क्षेत्र स्था प्रेंत्र : प्रेंत्र : प्रेंत्र : प्रेंत्र : प्रेंत्य : प्रें क्रियाश्वास्त्र शुरायनद्वास्य दे । प्रत्य विष्य । प्रत्य लूटशःश्रः क्र्यायारालुयःलटः। क्र्याग्रीःश्रालूटशःशः क्र्यायाराश्रः श्रूरःलटः न्वायम्भेवायः वर्षेन्यम् स्री नुष्यम् । ने प्यम्यवाने शार्षेन्यस्रासः ह्मिश्रामाधिताते। दे प्यतायमादेशाधित्रास्य हिम्रास्य प्राम्य निष्य प्रमान नशने प्यट वर्षे न से | नि प्यत व्यन ने श प्यें दश शुः हैं नाश रा पीत प्यट । ने या ग्राम्यया यह त्या कवा या या से हा साहरा। वे वा या या से हा परि से वे या या न्ता अर्वेद्रान्य वर्षेन प्रमासी नुष्यमा ने प्यमाने अप्येद्र शासु स ह्मिश्रामाधिताते। दे प्यतायमादेशाधित्रास्य हिम्रामायमान्य विस्तिन नशने प्यट वर्षे न स्त्री ने प्यव व्यम ने शार्थे दशाशा है माशा माधीव है। नि लय.जया.नु अ.लू ८४.शे. क्र्यांश्वास्त्र ही र.लय.जया.वश्वा १८८ लू ८४.शे. क्रियायाराध्येयात्रे । श्चियाय्या विषयायाराध्यायायाया । नडुः नडिना से 'दे 'द्रना' ने अपन्धू अपनर 'देना' पर नुदे। । नर्डे अप्थू द्रायद्र अ डेदे सूर्रा अर्दर में यास्य हर्षाय या ७०। विश्व वर्षी हेदे सूर्र

यरमः मुयः ग्रीः यदे 'नर'यः यरमः मुयः ग्रीः यः वियः नग्रीः यग्य। यः ५८: र्वे देः र्नेव के न पर्ने अपाया धोव पायही वा हेव प्याय प्रायन अपाय से असा वि प्रायस न्वायः नः न्दा अर्केवाः हुः न्वायः नः क्रुः केः नवेः श्रे रः रनः हुः न्वायः नः बे अः ह्ये। अमिष्टेशनार्दे सूरानाद्यार्थे न्दरावळवानवे रहेवाहिस्रामी है स वस्र उर् द्र व्यापा हेर् ग्री हिर दे सासे द्राप हे सा वृद्ध । सा ग्रीस सा दे हैट'रे'वहेंब'रे'ट्र'र्झेश'यवे'ग्|बुटश'रे'नेश'यवे'श्वट'रा'ळंट्'सेट्' यवे' यावर्गारेट्र पोवरमंद्रे में इ.स्ट्रिंट्र में द्राने माने में निष्टि । माने में विस्त्र माने में में विस्त्र माने सद्यः भीटः नश्चेषाः सद्यः श्चेर् । श्चटः ख्वाः श्चेः श्चेषा श्वाद्यः सद्यः स्वेषः नर्झे समामित्रे भे मार्गी से दे दे दिन देशे नर ग्रुम मदे भ्रिम दे दिन देशे न उत् विश्वानुद्रि । श्राष्ट्रायाने निराक्ष्याने स्त्री निराक्ष्याने स्त्री निराक्षिता । वनशःश्रीशःनक्षेत्रायः देःयःदनदः ग्रःनरःदगवःनःहेदःश्रेःश्रेरःवीदःहःश्रुदः न्गवःबेशः हुर्दे। । शःरुवाः यन्ते वर् हुर्ने नः शैः वहुवाः यः अर्दे तः शुं अः नः शुं रूपः केन'न्न। अळव'यायेन'यायायव'यम'र्ज्जीन'याचेन'यायमेव'र्जुम्यये' ध्रेरः अर्दे व : नुः च : वे अ : नुर्दे । । अ : न नुव : य : वे : य : छे न : य : छे न : य : वेत्रप्रायानमः कत्रभेत्रवेदाकुत्रभेष्यकत्यामेदातुः हे शाशुः विष्यशास्त्रा

इस्राध्य प्रमापि स्वाप्त दे स्वाप्त स्वाप्त होता हो स्वाप्त होता है स्वाप्त है स्वा चुर्दे। । श्रानक्किन्यां वे सळव् सासेन्या सुव की शाबुवायां हेन्द्रा। सळवः यदे केंत्र सें रया गुत्र पुत्र प्रमुद्दा प्रयासी प्रश्लेष्ट्र पा केंद्र भी खेंद्र से पार्थे पा विश्वात्रे । । श्रान्त्रा पार्व : इस्रापा त्रस्र श्रान्त्र द्वात्र स्त्र प्राप्त द्वारा स्त्र स्त्र । प्राप्त स র্ষ:বাম্যবাদের ব্রিমানীর দুত্তে বেমানার্সির ক্রিমানীর ব্রিমানীর ব্রেমানীর ব্ क्र्याग्री सुर्वेद केदार्य. क्षेत्रयाष्ट्रय हर विययायदे हिर क्र्याग्री ह्वेद बिश नुर्दे। । या न दुः गडिना पा ने 'हें न से म्या पा प्राप्त प्रेया नुर्दे । श्री न पा प्रेया प्रेया प्रेया नि सःश्रास्त्ररम्भा कवार्यायास्त्रेत्रहेटः विवार्यायासेत्रप्रम्भेरा वृद्धः इस्यायाः वस्र उर् सर्वे नर हैं ग्रायर ग्रुट कुन प है र ग्रे में सर र कुरा ग्रे र बिशानुमें। निर्देशाध्वायन्या याने नियागुवानु हैं स्याया वे नु यक्षीया यावर्यात्र त्येव र्यो से समुव रावे र्ये याया वे र र सके यायाया वर्षे साध्य वर्षाण्चेषाचगवासुत्राच। सुवास्याचीचाषान्चरासुनाषागुवाहार्सेर्षाचा हेर्-लु-इ-महिश-र्ट-। मन्य-र्व-येन्-थेन्-थे-अनुन्-प्रेन्-स्रे अ: ५८: में ख: के 'याद : बया '५८ के अ: ख: अरें क : धर : बे क : ध: गुक : कु: क्रें द अ: ध: ५८ ।

न्द्रार्शेन्द्राचे केंद्रार्शेन्या मृत्रा कुर्द्धेन्या प्राप्त प्राप्त के प्र सञ्जन्यते द्वितायार्थे। ।यात्रियायाये सूराना श्रासे दे त्वितारा गुन हा र्झेटरान्द्रा ययाणे ह्याम इयाम द्वे र्केन्यायानु हर्सेट्यामप्टा नेते ग्राम्यान्य त्येव से सम्बन्ध से स्वित्य स्वित्य स्वित्य स्वित्य स्वित्य स्वित्य स्वित्य स्वित्य स्वित्य स वर्देर्क्षण्याभाग्नेभाग्वर्ष्ठः झेर्यायाद्रा वेयायदे वाबुर्यार्धेर्यासु ह्रियायायायायात्रात्रः हुर्से म्याया नियायात्रयात्रायायायाया । मुँग्राश्ची । पर्विपायः वे स्रूविश्वापरायह्यापायः से द्वापायाम् न्ना केंग्रायाश्चेन्यागुन्तुः सेंन्यायान्ना नेवे गान्यान्त्रायेन् से समुन् यदे श्चिम्रास्त्री । व्रायायात्रे वित्रायायात्रेया तुःसे श्चिम्रायात्रे प्रायायात्रेया तुःसे श्चिम्रायात्रे प् यर्देव-द्रार्श्विम्यायाने हेन्योन्या होन्या गुव-हुः सेन्यायान्ता सान्या यसप्तर्भारायाम्डिमा हु से हिंग्यासार हे दादा। सर्वे त्रहें म्यासार हे दा धीन्यानेन्यागुन्तुः इत्यायान्या नेतियान्यान्याने से समुन्यते। र्द्धेग्राश्चर्य। विग्रायायात्रे पर्वाचेत्राची पर्वायायायात्रेत्रास्यात्रायाः विश्वायायायात्रेत्रायाः गुव ह रें र र पा प्रक्र अया सर में गुव ह चूर पा गुव ह रें र र र पा ५८। देवे मान्याद्य से वार्ष स्वाय स्वाय

अः अः अः गुत्रः तुरः विष्टुरः नः गुत्रः हुः हिर्मः यः प्रदः। अळ्तः अः से प्रः या हे गः हुः धीन्या होन्यते वित्रामा व कि कि निर्मात के वित्रामा के वित्रामा के वित्रामा वित्रामा वित्रामा वित्रामा वित्रामा यदे स्विम्रास्त्री। नक्तुन्याय दे सळद्व सस्त्रेन्याय हेन्या गुव ह सेन्स्य ५८। अळ्व अक्ष्रभाक्ष्रभाषाभी ५ वरावागुव हु है र भाषा ५ दे वे वावश्रास्त येव से सम्भव संदे में वाया से । । द्वा साय दे के या मम्म स्वास प्राप्त से दे से साम स्वास के से दे से स्वास से स ५८१ क्रॅश्रि:क्वेंग्राइ८१ थे.मो.२४मा.१४३८४५८१ ७७। मि.४४४. व्यूट्टर्स्नुश्चर्यः विश्वर्यः विश्वयः विश्वर्यः विश्वर्ये विश्वर्यः विश्वर्ये विश्वर्यः विश्वर्ये विश्वर्ये विश्वर्यः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः विश्वयः व न्ना श्रें नश्रामदे न्नन्यागुन हुः से नश्रामन्ता ने दे गान्यान्त्र यो न से । समुत्रपदे मुँग्रास्त्री । सान् दुः यात्य दे सिर्दे सम्लेखाया के दार्थे त्या गुदा हुः क्रॅर्थः सन्दर्भ यायर यन्दरस्य वदे हे या शुः वह्रया साया गुव हि क्रें राया ८८। देवे नावश्राद्य येव से सम्बद्धाराये मुँग्या स्था । स्था मुश्रा ग्री स्था वे ने या गुः वस्य राज्य वा या या ने वा तुः द्वा वा गुवः तुः द्वा वा प्रा र्वेन्यराम्यान्य क्रिस्यम्य प्रमान्य देवे मान्यम्य वेन्य से स्मान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्व र्शे । श्रुव रश्याविष्य र्वा र्वा श्रुव राष्ट्रे र्वा वे रगुव रहा से रश्या रहे रवा वे गिर्देशन्ता ग्रेन्यात्रेन्य द्वाचिनार्यात्रे । इसायन्यावनार्ये। इस

वः सेन्याधरान्याः सर्हेग्रायाये नुरक्ति है। स्वायाधिव है। विहेस त्रव. यर्थायार.तार.केर.घर.क्य.श्रमश्रमायाः इस्थारे.केर.यीय.ध. इन्यानदे न्याकेतः र्यान्य पुन्य केट नेदे पात्य प्रत्येत विनय र्यो केत र्रे विश्वास्तर्यात्र विश्वास्तर्यात्रे विश्वास्तर्यात्र विश्वास्तर्ये विश्वास्तर्ये विश्वास्तर्ये विश्वास्तर्ये विश्वास्तर्ये विश्वास्तर्ये विश्वास्तर्ये विश्वास्तर्ये विश्वास्तर्ये विश्वास्त्र विष्य विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त व कुनः अर्दे नः परः क्रिंग्र अपराय तक्ष्यः क्रुं निष्ठे न्त्रः से नः प्राय परः विष्ठे । क्रिंग्र रादे नुह कुन के उंग्र नु स्वर पें व के विहा वन्न मानु के न वे हैं यक्र-जिवायाः श्री । वर्डे याध्यायन्यायाने प्राप्त । प्रवास्यायान्या । वर्षे याध्यायम् । प्रवास्य । वर्षे याध्य इस्रायराम्यावनात्याया हुन्यर्भागविनास्य द्वार्थात्रायः हुन्यस्य हे 'इस'यर'द्या'य'द्र'। य'र्रेल' हु हु द'य'हस'यर'द्या'य'द्र'। सरस हुस सर्वेद्रावेद्रानश्चेत्रानगुरानेद्रायाम्यापराद्रमायाद्राया सेस्राय्य खेद्रसासु श्चेत्रायर हो दाया इसायर द्याया द्या श्चे ता इसायर द्याया द्या सहाइसा धर-द्या-धर्याः श्रिव-रयःयविवायः द्यायः द्र्यायः द्र्याः पदे वययः धः क्रायर-प्यायक्र। अशुक्रायर-प्यायदे याप्ये वर्षाप्यः। रार्वे प्राय वे दिर्भाद्मस्य स्पर्दा स्वर्था क्रिया क्री स्वर्धः वर्षः व्यवस्य स्वर्धः वर्षः स्वर्धः वर्षः स्वरं वर्षः वर्ष

न्यायात्रमा सम्राम्या सम्प्राम्यायदे नम्याप्याप्याप्याप्याप्या न्यायः न्या केशःलेवः हुः इस्रायमः न्यायः धेवः यमः मेयाः यमः हुद्री । नेः यः यरयाक्चियाकी यायाक्की पाइसायर प्रवासाय हिंग्याय प्राप्त । याप्त सेंदिः थॅव 'हव 'वार 'द्वा'धेव 'य' दे 'द्वा'वी रू' दे वे 'वे र अवे 'रू' इसरू' दे 'थे व 'हव' र्ट. लट.श्रेशका रट.यी.श्रुट.लूच.धेर्य.येट.विट.सर.री.यस्यीशः नर्भारास्य निर्मा विद्याल्य से सम्बन्धि सामकु से विस्थान कर् याधीवायरारेवायरानुदे। । नर्डे साध्यः वन्यारेवे स्त्रानुर्धिन्यरास्त्रे ना यग्रा शुक्र रुष ग्रीवेग्र र्वर शुग्र ह्या निया प्रति शिक्र है। द्यो प्रति स् नःविद्रात्त्रम्भागमः प्रमाप्याप्यमः प्रमानाः विद्रात्ते । विद्रात्ति । विद्रात्ति । विद्रात्ति । विद्रात्ति । नम्यात्रः हे त्ये द्राराहे द्रा शे से स्ट्रा दर्शे न स्वर्धान स्वर्यान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान स्वर्धान स्वर यदे श्विमःक्केम् हे प्रमाथ्य पारिष्ठ श्विमः प्रमा वर्षाः केम् गुवाव वर्षः केवा वर्षः केवा वर्षः केवा वर्षः केवा मः उत्रायाधीतः माने नित्राचीः गुत्र त्र माने त्राया ह्या । धर ग्रेन्य हिन भी भी राजें । वर्षे अप्युव प्यन्य हे दे । अन् न्यु ग्र

श्रेमश्राद्यतः इसशः श्रेंव प्यमः क्रुं केव में श्रामके नाद्र श्रेंव प्यमः गुःर्वे सामः ८८. रिय.त.८८। श्रूय.जायाची.श्रूयया. १८८ जयाया श्रीय.४४। याच्याया न्नरः धुना इसायानि दे शिमाने। यदे सूमान्य क्रिना से ससान्य इसाया है। शुःद्रवःयशःवद्रशः पदेःवदेःवःयःग्वर्रशःयरःश्रावशःयःद्रः। देःशुरःदुः वर्षेन परन्तु अपान्ता शुरुन् वर्षेन परने न्ता वर्ने नरमात्र अपाने प्यतः श्रम्याते। श्रेय्याव्यात्र्यात्र्या द्वीयात्र्या श्र्वाप्यस्या यट से श्रु के नाय पुत्र मेट से प्रतृत नाय पीट में या श्रु ताय हो । नेते भ्रिम् क्रेंत्र प्रथा क्रु केत्र में या वर्ते नामा क्रिंत्र प्रथा गुर्ने या मान्य प्रवास ८८। श्रुॅंच.जयाची.क्रॅंचया.वच. इयया. वेयाचेर्। विर्ट्या. वेच. पर्या. चेट. ळुन'सेसस'न्यत'इसस'ग्रे'नसून'यदे'ग्वि'न्'सळेस'यग्रम् धुन'रस' ग्रिग्र-प्रमः द्याः द्याः द्याः द्वाः क्षेत्रः स्थाः क्षेत्रः स्थाः क्षेत्रः स्थाः क्षेत्रः स्थाः विस्तरः प्रम नर्जेन्यान्ता नर्जेन्यम्यार्थान्या नर्थसामान्त्रान्ता विशासना र्गे । नर्डे अः स्व त्य अः नक्ष्यः प्रवे वावे : ज्याः में रे रे र्याः यथा ५ जे : स्वाः प्रवे : कुलाबिस्रमाग्री नक्ष्मनायायाया रुदि क्ष्मिनायदे सेस्रमाग्री नक्ष्मनायायाया र्'ते 'स्वा' पदे 'ने अ'र्य ग्री' नक्ष्य प्रायाया श्रुव र्य या वे वा अ'र्यर स्वा

८८.स्.चीश्रम.ध्रम.सद.क्ष्य.ध्रिमम.ग्री.चश्चम.स.स्.च.सर. हुदे। विश्वसम्बद्धन्यायदे श्रेम्या मही विश्वसम्बद्धन स्वर्धन स्वर्धन विश्वसम्बद्धन क्ष्मामदे ने सम्बन्धान स्वारा धेत हैं। निहेंत व्युक्ष ते गुत्र हु वर्षे न वे नर्शे द व्यथा ग्री के वाया याया १ दे ते प्ये मे या ग्री के वाया याया श्रुवः रशःग्रीचेग्रशः न्वरः स्वाःभ्र्याः पदे रह्न्यः विस्रशः ग्रीः नक्ष्रनः पानः प्येदः पः ने स्वेः नर्शेन् न्यमः ग्रीः स्वीमः पीत्रः विष्याः पदे ने मः स्वःग्रीः नश्चनः पानः धेव परे वे पो ने या ग्री कें ग्राया भेव कें। । नर्डे व प्र ग्रुया परिव के । गुव-हु-वर्गे नः धेव-नर-सू-सूर्वे । नर्जे अः सूव-वन् अः नक्ष्य-पदे गिवे द्वा-र्गे ने 'न्या'ययाया जुर कुन से समान्य र हे 'क्षेत्र'न सुन पर न ही । ययाया श्रुव रश्या विवाश र्वर सुवा क्या पाय से वार्त्य प्रस्ति वार्तर स्वापित न्यानि कें यानमूत्राना नुमक्ति से स्थानि से से से नि या में ना सार्वि तर से । निव कु से सामान्या ने दे के वि गढ़ के सार्श्वे न मान कु से निवा वी सार्वे सामान्या नश्रश्राचर्रा नश्चेश्रश्राचा यश्चिरानदे केशानश्रानश्चनाचर्रा हरा कुन ग्री से समाहे मासु नसुद न द्वा प्रती प्रती समी होता पा नहे ता प

न्ना कुवासे प्रकन्यम्नो पदि द्विम्राया ह्विम्यानस्य चुर्दे । । नर्दे अ'स्व 'वन्य'हे दे 'सून'र्-्नसून'रादे 'गवि 'रे 'न्ग'क्य'ग्राम्य'र्ज्ञा हुः ग्रान्य्र प्रस्ति प्रस्ति । श्रुव स्र प्राची व्यार्थ द्वार द्वार । श्रुव स्र प्राची व्यार्थ प्रस्ति । स्र यापिष्ठभाग्री भी माना के समारहत या स्वरंगित्वा माना माना हिंदा से दिया सहिए धेव ला महाराजे हें व से स्थाय ने महेव से धेव सम में मानम होते। नि या गुराकुन से समार्पय श्वेत प्रमाने से समाउत हमामाया पि गुराहे नर नश्चनः प्रशासन् पर्देग्रायाप्य सन् पर्देग्रयार्थे। व्हिला विस्रया ग्रीयार्थे सेंद्रया रान्दा गर्वेन्यान्दाक्षायरार्वे वळ्ययायाहे नरावे सुनायवे स्व वर्देग्रम्भासम्बद्धत्वेष्यम् स्रा । वर्षेद्धत्मस्त्रे स्मान्द्रा वर्षेद्रमः ८८. स्थानमार्से त्रक्ष्रयामार्से स्थान्यान्य त्रम् व्याप्त्रया र्श्वेर'न'षर्भ'नर्श्चेर'यर'से'तुर्भ'र्से। ।नसस'महित'ग्रेर्भ'ते'हेत्'सेर्भ'य'

इस्रश्चरायराम् वर्षेत्रिं। विश्वास्त्राध्येश्वेश्वाधराद्याः सर वह्स्यमान्य ने ने पाश्याने हें न स्मानवे पाहेन से प्येन यद्याश्वास्तर्भयाः सर्वात्रीः स्वाशा श्रुवः रशः यश्चित्राश्वासः रेताः यायारेया तुः द्वेतः यावाशुसा श्री सार्शेस्र स्वतः इस्सरायायद यहवासा द्वा गुर-कुन-भेसर-न्यर-न्यू-नदे-न्द्र्र अ-चेत्र-नदे-न्यर्थ-न्यर्थ-स्य हु: ब्रेव पार्व वाश्वासं वदे प्रवानी वें वाश शु: शु: स्याधिव प्रमः धें प्रशासः नश्रवःहैं। श्रिवःस्थायविष्याश्रान्तरःद्वयायायःहेः ग्रुटः कुनः श्रे अश्रान्यवः केः यदे या हेव से द्या स्या स्या न्या ह्या हु यह सामे वुरा सादा । विस्था दर श्रॅभारान्स्रव्याये द्वेराष्ट्रवायि नमस्य मार्स्रेन्सा कुरान्सा से समावर न वह्याः श्रे व्यायान्य। ज्ञारक्ष्याः सेयाः न्यते ः श्रे न्याये विष्यायाः रायानस्यानितार्वे स्थासु सानक्षे स्थापस्य पही ना हेता स्थापन्य स्थापन नेशम्बर्धित्यम् भूवाक्षे वुकायाधिवाव। दे वर्केद्वस्य श्री र्वेष्वस्य स्ट्रा

5.लट.लट.रेयो.सर.धेटश.हे.योयका.सुट.ही.स.ज.हेय. श्रूटश.स.केट.य.हेट. रुषिरःग्रैशःश्चेतः ७७। । परःग्रेरःभःने ने ने ते श्चेतः यसःग्रीः सः रेतः हः ध्रिव पाषीव है। देश हैं व से स्थाप कुर पा पहें व प्या शहें सा वु या पर वर्गुर्रात्रभा देवे भ्रीराङ्क्षेत्र प्यसाग्री सार्रेषा हु भ्रीता पत्रे न हेत्र वर्गु साग्री सा र्रेला हु हु व परे में न्या शु शुराया भेव हैं। | ने श हु श नु न्या या पा पर लट्ट्यासर्च हेत्याद्रा द्यायदे के या यह ता वा वह वा व्या नविन भेराया हो राम में न किराधूना मदे नममा मार्से नमा कुरान के राह्म समा नर्ज्जेग'न्य। विस्थान्युक्तिं सामान्यान्यस्यानदे स्वित्रान्यम् वर्षुमानाने । वे देव क्रेंचश ग्रे मर्स्य पृष्टिव मण्येव है। देश क्रेंसश वर प्रवर्षे पा वुका नशनेवे से रक्षेत्रश्री सर्वे वा कुरी के स्वार्क स्वार्ठ स्वार्क स्वार्ठ स्वार्य स्वार्ठ स्वार्ठ स्वार्ठ स्वार्ठ स्वार्ठ स्वार्ठ स्वार्ठ स्वार् न्भेग्रामार्धित्रासुनर्स्रेस्रामायान्यस्य गृहत्त्रेन्ते। नेविनेवेर्षे नेशाग्री सार्सेया हु श्री वाराधिवाहे। देशायही वा हेवायशायदशायदी नेशास्या ध्रेव'य'वे। नेय'र्र्ग भ्राम्य स्वानुः ध्रेव'यदे ख्रें न्याया शुः शुराया ध्रेव'यरः

पॅर्म्स्यासुर्नि । नर्डेमः व्यवःवन्यारेवे स्नुनःनुपार्ने ने 'न्या' वी 'वे 'ने सक्ष' ने 'क्ष्म' नक्ष्म 'यम 'ने या 'यम 'न वी 'यया मा क्षुम 'मक्ष यात्रियाश्वरत्यतः श्रुवारे र्वार्योदः वश्वर्योदः रुवावः यदे हेवः हेदः धेवः यदेः व्चैरके। व्यरक्तासेससर्पयास्य स्वर्गित्सः श्चित्रासे स्वरक्षां विससः षर:द्या:यर:येव:यर:वेद:दी | क्वि:विस्रशः हे शःशु:वशुद्रशःव:वर्वेद:यः ८८.र्षेथ.त्र.त्रीं । यज्ञूर.र्रा । यज्ञूर.त्रंथ.यक्ष.यक्ष.त्र.त्रींय. र्रा । नर्डेव.पर्वेश.नश्चर्याय.यश्चरायेथ.पश्चरायं वर्वेर.र्रा । पर्या वन्रासर्स्यानुः द्वेत्रायाने प्रवास्यायानुसास्य न्यान्य द्वेत्रास्य न्यान्य द्वेत्रास्य न्यान्य द्वेत्रास्य न्या य्येच्यान्तर्भ्याः इस्रान्यास्य प्रान्त्रेष्ट्रे। श्चेत्रान्य स्यान्य यास्य स्वर्धेत्रः रान्दा बदाबेदाक्षेत्राच्दा शेष्ट्रियाश्वासक्षेत्राचे । व्हिलाविस्रशः इसा मःयाश्रुः अःदेवो नःयश्रार्थे वा मदे रहेवा विस्र रहा। द्वो नःया यह वा यदे र्ख्याविस्र १८८१ सेस्र रहत शे रें त त्या दह्या यदे र्ख्याविस्र र्शे। निर्वेन्यः इस्यायाम्बुस्य दे। निर्वेन्यः निर्वेन्यः सिर्वेन्यः निर्वेन्यः <u>र्दा भूगानस्यायाहे से सूस्रायदे नर्जे द्याद्या के सायाहे सायराहेगा</u>

यदे नर्जे नर्जे । नर्जे व त्युका इसाया मुख्या दे में किये नर्जे व त्युका नरा न्वो नाया श्रुम् नवि नर्से दाव्या या निमा से स्वया उदा श्री में दाया श्री मानवि । नर्डेन प्रयुभार्से। । नर्भसामान्न स्यापामासुसाने स्यापरासे हिना हिराले यास्यातुः वि वसार्त्रे वार्धे स्थाया प्रमा सूमा नस्या श्री मित्रे वार्धे प्रमे नि ग्रवशास्त्रे नश्रम्भाग्वत्ता ध्रिन्द्रम्भार्ते नश्रम्भाग्वतः ८८। श्रेश्रश्राच्याची द्वाराद्वाराया स्थान क्रायम्बर्धस्ते मुक्टिन ग्रीनिवेद्यायम्बर्धम्याप्यम्बर्धम्या नदेव प्राया दक्षे नामा प्राप्त । में सम्भा उव की देव त्या दक्षे नामा प्राप्त । निर्देश य्व प्रत्य के ते सूर्र्य स्या कि से वर्षे के प्रत्य के से वर्ष के से से प्रत्य के से से प्रत्य के से से प्रत्य ब्रेशनकी स्वामा श्रुव रम्भाग्री वेग्य र्नित्र श्रुव स्वीम हो। क्रम्य प सेन्यक्तिन्त्य सेक्ष्यक्तिन्त्य वित्यस्य वित्यस्य सेन्यस्य स्याप्त मंद्रेन्द्रे संस्थान्त्रिवान्त्रिक्षान्त्रक्षात्राम्य स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् मः सेन्यान्यान्ये व्यापे । निष्या से स्वाप्ति निष्या से स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ता नुः इसः यरः श्चेवः यः ५८। यवः ५: यवः १ वाषः यः ५८। यद्येयः यदे रहे सम्

मजार धिव मर्दे। । दे व्यापिव सर्वे न से द महिन से स्था हु ही व महे द्वा इस्यानरः श्रूर्यानायार प्येव नर्दे । निःयः इसामरः से हिनामः हिन्दे सः रेवः हः ध्वेत्र'य'दे'द्रवा'वी'स्ट'वी'अळ्व'हेद्र'त्य' श्चु'हे'विवद्र'दु'अर्देव'यर'वेव'य' बेर्यान्यान्या विष्याचे । विष्याचेर्यास्यान्याः विष्यान्ते । विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया वि न्याकेन्। ज्ञासकेन्। ज्ञासकेन केन्यकेन स्वासान्यः ७७। । श्चेंत्र या नार पित्र यदे। । नर्डे साथ्रत पर साथ से पा हु : श्वेत पा नर से । सञ्जन्भवे निर्देश में वाद लगाया शुक्र रसागी वास निय सुगाने निया है । न्रें अर्थे व्या हिन्देया प्रस्तु हो। वर्दे द्याव व्याप्त व्याप्त हो व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व न्नरः धुमान्दः। नन्मान्तेनः ग्रीः नर्सन् वस्यायः व्यवः प्रवः ग्रीः सवः व्यवः न्त्रः न ५८। अअर्५र्रम्पर्राचेर् छेर् देर्र्र्र्य्य गुर्न हुर्श्वेर् पर्रा भ्रे नर्जेन्यन्ता भ्रे नर्जेन्य प्रे नर्जेन्य अभन्ता वर्षेन्य प्रे मा हेत्र श्रे श्रु र्ळे ग्रम्भ द्रा इस प्रम्य प्रेर् न प्राप्त ह्र ग्राप्त ह्र ग् र्वेश्वराद्या वे व्यासि नद्या इसायर ने सायरे वासूद्री हैं सायद्या याधिवान्त्र मुन्यत्ये वात्र प्रवास्त्र विद्या विद्या स्वास्त्र वात्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स

न्यायी इसाधर श्चेत्र पदे प्रवस्य न्यापार व्यवस्य श्चेत्र रस्य विवस्य न्यार द्युना ने प्यतः इस्राय द्वा हिन्देना यस हु हो। वे रस्य हु निक्र से हिन्दि। नदे वर्शे र वर्शे न प्रता मिं व से द के द र हो व से द र य नदे र य प्रता थे द र नदे र नः सरः नः नृहः। श्रेस्रशः उत् श्रीः नृत्वाः से रितः। श्रुश्रः यः वर्षे नः यः से नः यः नृतः। न्नरक्ते नरम्मन्यायायाया । नर्डे याथ्यः वन्यायार्ये वात्रः श्रीवायार्यः गुव वशक्रिव सें दश रा उव भी कें श दर परे श रा गर पाया सुव र श यविग्रार्यन्तरः ध्रुयाः ने 'ते 'श्रुर्यः नविर्यं रेषाः प्रमः तुः श्रेषे श्रीरः हे 'सेनः प्रदेः ब्रैं र न न मा कुषा न विवास प्येव प्रति श्रें र न न मा हमा हमा हमा है न प्रति श्रें र नन्ता गुरु पर्भे ग्रेन्य देश्चिर्म्य श्चिर्मे निष्य द्वार्य विवास प्रेन यदे हैं रिन्दि प्येव है। दे प्यश्चावव पदि यर् या हि है व पर द्वाप्य दे यश्याविष्यः मद्रे स्यः मिन्ने व्यापे व्यवसः न्दः त्रयः विदः वर्श्वे सः मानुस्याः । यादः धेवः पर्दे । विर्देशः ध्वः वद्शः ववशः अः यात्रा वादः वयात्रा श्रुवः रशानीनिषान्तराधुना नुराकुना शेस्र शान्य या सेवा तु सेवा ती शा श्रेश्रशः वर्त्वश्रशः त्रम्यश्रात्रात्रम् वर्षात्रात्रम् वर्षात्रात्रम् वर्षात्रम् माने निमान के निमान क

नक्षरमाने नवे नवे नव्यासाय में वार्य स्थाने निष्ये मान्य स्थाने निष्ये मान्य स्थाने न राधितर्ते । निर्वेदेश्चिर्वे त्र श्चित्रस्थायां वेयायान्तर श्च्याने र्वया श्चित्रस्य ग्रड्टर्न्याद्वे के प्यट्रस्ट्रट्स्यट्रस्ट्रे इस्याग्रह्मा म्यूट्रि विस र्यर ग्रुप्तर भे तुर्व र्वे । दि निवेद दुष्दु ग्रेद ग्री स्वाप्तस्य हेद ग्री वास्त नविव ग्री अ सूगा नस्य नर ग्रुर पदे 'शे अश उव 'इ अश ग्रुट वट वेट मे अ यव नित्रम्थाय है निर्मा निर्मा विष्य मुक्ता मुक्ता मुक्ता मिर्मा का मार मिर्मा मिर्मा मार मिर्मा मार मिर्मा मिर्मा मिर्मा मार मिर्मा मार मिर्मा मि वर्रेग्रारावे अर्केग् मिं क् प्षेव कें। । वर्षे अः श्वर वर्षा संस्था हु श्वेव पारे । न्यामी इसाधर न्या भार अके राज्याया श्रुव र र राया वे या र र न र श्रुवा र वे र इस्राचाकुर्चे दे द्वास्याक्विरायान्य स्टार्च्या कुरिन् याह्यस्य क्षेत्रस्य स्टार्च्य न्यान्यायाववराषेन्यम् श्रे श्रु श्रेन्थी रेव ग्यू ने न्या हेन्या नि र्रेल. हे बे ना इसमा ग्रे इसायर न्या पानसूमा पान्ट से से राष्ट्रे ना हिन्या नन् परः हुर्दे । निःयः सःर्रेयः हुः हुवः यः वस्रशः उदः हुः इसः परः द्वाः यः नर्भ्रामान्ते । इसामानत्त्र श्रीया सेवामान श्री वर्षा वर्षा

है। इरक्त से समाद्यार के मादे प्राणी मात्र प्रमाने मारी प्राणी मार्थित मा शुः शे र्केषानान्ता केंशने न्याया थ्रानशासम्बन्धन सम्बे ने न्या ५८। क्रिंशवरी ५वा ग्राट ग्राट क्रिय हुए रे अप्यर विश्वेत या धित त्राया धित स्रुसारु प्योदायित्रसा न्दाने स्ट्रिसा स्रुद्धिया स्रुद्धिया स्राम्ने । नक्ष्रिन्यावरायासी क्ष्रिन् हेन्यक्र सम्से होन्यान्या हेना साम से होन् केर नमासे दासर से हो दास दरा हुर बदा उस दरा दत दें ता उस ही स क्रिंगान्यर से प्रहें त्र प्रान्ता के राने न्या मी रारो राष्ट्र से न के राया व्या ब्रमार्देगाः भे ने द्रायाः भे वर्षे । वर्षे वर्षे न विवर्षे न वर्षे न वर्षे न वर्षे न वर्षे न वर्षे न वर्षे न ५५-स.५.लट. इस.स.च.च.५४. वि.च.५५ वा.स.स.च. हो। व.५५.स.स.स.स.स.च.५४. यार ले त्रा वरे स्था क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्था सम्प्रमान निष्ठ स्था क्षेत्र सम्प्रमान निष्ठ स्था सम्प्रमान निष्ठ स्था सम्प्रमान निष्ठ स्था सम्प्रमान निष्ठ स्था सम्प्रमान सम् न्देशर्भे क्रिंग्स्य प्रमान्य भित्रेष्ठे या क्रिंग्य प्रमान्य भित्रेष्ठे या मान्य भित्रेष्ठे या प्रमान्य भित्र ळुंवा विस्नास्सायर ७७। | ५१ मा १५ मा १५ मा १५ मा १५ मा श्रेश्रश्राह्म स्वाप्तर द्वाप्तर द्वापतर द्वाप्तर द्वापतर द्वापत द्वापतर द्वापतर द्वापतर द्वापतर द्वाप न्यायान्ता देः अः इयायमान्याययाञ्चेताया इयायमान्यायाञ्चेतायमान्याया विशादशानमूत्रायः गादाधितायादे द्वा ग्रुट क्रुवः श्रेश्रशाद्यशाधदाद्वाः

यमः ब्लाम्यान् विष्णुं र्वे। १८८ : भ्रु: भ्रे। ज्रूट: कुन: शेस्रश्राद्याय: श्रें सामानहरूपायायाय सुनाय है। इस्राचात्रस्र कार्यात्र व्याप्त ने'य'रे अ'यरे' कुंय'विसर्भ'उत्र'द्र'। नहत्र'यरे'कुंय'विसर्भ'उत्र'द्र'। ह्या. हु चे द्राया द्राया ह्या हु यह या या द्राया वर्षेत्र या वि द्राया या वि वर्षेत्र या वर्षेत्र या वि वर्षेत्र या वि वर्षेत्र या वि वर्षेत्र या वि वर्षेत्र या वर्षेत्र या वि वर्षेत्र या वर्येत्र या वर्षेत्र या वर्येत्र या वर्षेत्र या धर न्नुहरू है। क्वें न धर ने हिर्म है । कुल निस्न स्मार्थ स्मार्य स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मा नर्तुः भेत्र हैं। विदेश्व है। बस्र उद्यास निर्दे र या बस्र उद् है। नर यावर्रायान्त्र यन्याः हेन् ग्री प्यर्रा ग्री इसाधर क्षेत्र यापा हेन् यस्य से प्रह्मिया या न्मा व्यव ग्रामित श्री मार्थ म नश्चेम्रायान्ता याळ्टावर्गनदे महित्यान्याम्रायाः श्चित्राचरा से हितान ८८। र्वित क्री नश्रयायायी पहेंदायाद्या अट्र क्रीशायकवाशायादार्थेटशा शुःहें दार्शे दशः प्रमाश्ची हो दापाद्वा विदाशी शायकवा शाया था थे। श्वेदायाद्वा वहिन्यश्याद्रा बर् बेर ने से सम्म के सम्म के दिन्य के कि सम्म ने सम्म के सम्म निम्न सम्म निम्न सम्म निम्न सम्म यव मिन्मूर्या स्टर्मु न त्या प्याया न स्टिस् स्टर्मे स्टर्म स्टर् मः इस्रामः नर्त्राधितः वै । पर्ते स्रुष्टे । नर्हेत् प्रचुर्या छ। इस्रामः सरुस्रामा हेतः

र्ना हु ने अपार्दा नर्डे व प्रयुक्ष न इसका प्राप्त के निष्ण से हिंद हिर विव शे.श्वेॅर्-स-र्रा अशु-र्र-श्व-स-र्रा नर्हेव-वर्गुश-र्र-श्व-स-र्रा श्वें-नः न्दाक्ष्वः यान्दा हुत्यानानह्रवायान्दा न्वो नदे के शाह्यश्रायानहें वाया यानहरानाने ने निर्मेन त्याया स्यापनान्या पानि । विर्ने । क्षुः क्षे अळव् अर्धेन्य सम्हेन्य अर्धि हिन्दे वहेव व न्यान्य मान्त्र सन्दा र्धेरशःशः ह्रेन्यश्रामिते हिरारे वहेंत्राया नश्रम्भ नित्रामा नित्रे पारि करें। हिरारे विद्वायानस्यान्त्राम्यान्त्राम्यान्त्रा भुग्रास्य स्वाप्तान्त्राम्यान्त्रा यान्यस्यान्त्रस्य द्वा से नात्रस्य के कि स्टे त्रित्र यान्यस्य नात्र स्यान्त्र नेव हु श्रुट न गुरु परे हेट हे प्रहें व त्या नर्य या निव पर हा। पेंट या शु क्रियायायते. यह क्रियायायाय स्वाप्त क्रियायायाय स्वाप्त स्वाप् मन्मन् मुः सेन् मित्रे किन्ने विद्वार्या न्यस्य मित्र माने के न्यस्य मित्र स्या यम्प्राचार्याः इस्रायम् वर्त्तायाधीतः विवि । वर्देग्रायाये अववर्त्ता श्रुम् नावदेवयायवे अववर्त्त्यायमः श्रूम्यः हे न्तुःसदेःवसःमुक्षःदेशःवरःवतुदःवःन्दः। वेशःस्वःदेशःह्रेदःयःहेन्दः। र्श्चेव'रा'सेन्'रा'हेन्'न्न। सक्व'स'सेन्'स्स'राम्'इस'रादे 'र्स्चे'ग्रासुस'र्रा'न्या याक्रायरावरायदे क्वेंदे रेवाग्यरा धराद्याया है सुनाय विवासया हु नियाया र्टा गुव नह्रम्भारा प्राविव की र्यट र्टा केंद्र श्रु शुना राये हैं र्ने हिन्ग्वास्य में न्वाय में ने हिन् ही में व हार पर न्वाय हे स्वाय विवर्त र्ना हु लेशामान्ता अळव हेन न्दर हु नान्दर हैव न्यामार्से के हिन से ना गश्यार्थे द्या त्या से दे दे हैं दे से दे दे दे ते यह त्या है त्या है से नाम है ते त र्ना हुः ने रामा द्वा प्रदेश्वाद्वराष्ट्रः स्वाप्या गुनः ह्वा ग्री प्रदेश प्रदेश र्देव'ग्रह'अर'द्रमा'म'हे 'क्षु'न'नबिव' रु'र्रन' हु लेग्ग'म'द्रम्। दे नबिव'हेर् इस्रामानतुत्राया देवान्सामये निवानने वासये देवा ग्रामाया स्वामा स्वामाया स्वामाया स्वामाया स्वामाया स्वामाया स नविन्द्रम्नः तुः भेषायाद्रा इयायमः श्रेः हैं ना हिरा हैं याया श्रेदाया हुया रासे दारि खूना सर्वेदानी सार्के साग्री हे साशु सत्रुत्तर रिके सान सुनारा प्यदा न्यायर ञ्चनायर हो नाया ने ने भे अरम्य इसायर न्याय इसाय निवासी नम्भिन्यम् नुर्दे। निर्देश्यः ध्वाप्तम् स्थानः ध्रामे मे प्रमानि स्थान यादार्याया श्रुवास्यायाचे यायाद्वारा द्वारी द्वारी त्यया ग्राहा इसाया स्थार रेगायर गुःक्षे। कनायायाये दायाके दार्थिया वे गुराक्वाये स्थापाय के विदे

यायार्सेयानुः श्रीतायान्स्यसा यान्न्यानुः श्रीतायान्दान्यान्यान्यस् श्रीताया नर्भानमार्थेर्परम् होर्न्स् । भ्रिःभ्रानःहेर्ग्येश्वः हेः अक्षा । सामारेप्नाः यानवार्षेत्रपदे कुर्षेत्रासुरदेश्वरम् हेत्रिन्ते। ।वित्रसार्वेत्यसेत्रसेत्र ग्री अर्ज न्यारे त्या हु मुक्ता स्वित हु खें हु आ खु हिंग अर्था हु हा खें हु आ खु हु गा यन्ता धेर्याशुःश्वरानान्याःश्वेयायमः होन्नि। । इस्यायमः से हियायाः हेनः ग्रेश्चे व्ययः वास्रियः देशसूर्रा द्वारा हित्रा वास्रिक्ष स्वारा यर हो न दे। विष्य शुरवर्षे न हे न हो श्राही सुर हो न स्थान स्यापन न न ह्निश्रायदे निरक्षिय ग्री नर्न् नुके र्याय प्रथम स्थित प्रयो वज्ञभाजुःवर्देन्'मान्दान्यस्थायवे सार्देषः तुःश्चित्रामास्रो अन्तर्भितः विनामसः त्रेन्द्री वर्षेत्रः ध्वायन्त्रः सः रेवः पुः द्वीवः यः ने 'न्यायी कुः के 'वः केन्यानः यन्या श्रुवः रशः निवायः द्वारा स्वायः स्वायः स्वेदः सः वेदः द्वाः सः स्वायः हेर्र्र् मकुरामकिर्याराज्याया वित्यासम्बर्धानः स्रोत्मकिर्या स्थानम् स्रोहिताः मंद्रेन्यान्ये व्यवे । वार्ययान्द्रेन्यान्यवार्य र्वे से से से से वार्षेन्य क्षेत्र'याद'धेत्र'यर्दे । भ्रे 'यार्थे 'य'क्षेत्र'याद'त्ययास्य स्वरः क्षुत्र'यः इससः ग्रीः

ल्रिश्राश्चा अध्यायदे के यादे निवाद प्रियाद प् हेर. यार ज्यामा श्रुव रम्भ या वेषाम र्यार श्रुवा सः यह सम या है वास संहित ८८। ४८४ मु ४ में अर पहिंचा ४ प १ है ८ पाट धिव परें। । वर्डे अ खूव प्यट्या डेदे सून्-नु-नु-कुन-श्रेयशन्यदः इयशः ह्या हु सः र्रेयः हुन् पदे इयः यमः श्चेतः प्रवेष्व श्वा तुः पर्दे दः प्राप्त शाय क्या वः दूरः प्राप्ते यः प्राप्ते व श्रायतक्तान्द्राय्व रायवाश श्रुव रश्या विवाश र्वा विवाश र यदियाः नहेवः वर्षः वयुनः यः नर्झे सः यः हे दः ग्रीः ध्री सः से । वर्षे सः ध्रवः वद्यः डेंदे सूर्-र्-चुर-कुर-सेसस-र्पद-इसस-पःरेंदा-हु-धुर-पःइसस-पः है सू नने सूर्य रेव हुन यदे इस मर क्षेत्र पदे प्रवास न नर्यान्य रायायाया श्रुव रस्यान् वेन्य र्यात्र व्या श्रुव र श्रुव र श्री र र र र्रेषः तुः द्वेतः पात्रस्य सात्रे के साध्या प्रमानमे प्राप्ता भी प्राप्ते प्रमाणितः यदे श्रेरप्ता वन्नाप्ताव्यायय पर्वेष्याय दे मुः धेव पदे श्रेरप्ता मु सायाने दे मुसायम क्षेत्र पदे पद्म स्वर्ग नु पर्दे नु पदे मु खे स्वर्ग मु गुव व राहें व से द्रारा से द प्रदे व वि धेव प्रदे ही र द्रा से प्रवृत्त परि ळॅंशहेर्पेव्यवे धेर्रे । वर्डे अध्व व्यक्षाय रेवा हु बेवा परे प्वापी

र्शे र्शे दे स्त्र श्रु वाद व्यवास्य श्रुव र स्थाया वे वासः द्वाद श्रुवादे द्वायो से र्शे दे समुद्धे म्हर्भायायिक स्त्री सम्बन्धे सम्बन्धे सम्बन्धे सम्बन्धे सम्बन्धे सम्बन्धे सम्बन्धे सम्बन्धे सम्बन्धे स समुत्र प्रते मुन्न से मानू प्रत्य प्रते प्रत्य मिस्र मानू से सर् विष्यादान्दा वे वे निर्मा इसायर ग्रायेट च निर्मा क्षेत्र वे इसायर च हैं। वश्चर्यान्द्रा कें वदे वा नद्या द्रा से समा उत्र वसमा उद्गाय वह वीमा धरत्युर्ग्नर्ग्न के मुंः अव्यक्तियात्र क्षेत्र प्रदेश्वरा त्रावर्षेत्र प्रविकार् र्रे विद्या भी राया पर्वेतः सम्प्रत्युमः पर्वे । विर्वे साध्य प्रमाय स्था है ब्रेव'य'रे'न्याकु'यार'यया बुर'य'र्रा यव्यया वुःयार'र्रा देव' यार प्रदायम् । वर्षे साध्य प्रदाश की सावगाय कुराया क्षुव रस य्वियाश्वर्त्वराष्ट्रियाः सर्च्याः प्राष्ट्रियः सम्बन्धः स्वर्त्वः स्वर्तिः न्ना इसायरःश्चेत्रायदे वर्षात्रायदेन्ता न्नः सेस्राउदायायदः वर्द्रवाश्वासदे विश्वशास्त्र स्वास्त्र स्वास्त यम् हो न्यते 'में व के व 'से 'न्य थ्व 'य थे व 'वे । । यहें स थ्व 'यन्स याय हे हार कुन से समान्यतः इसमान्ये दमान्या हुन प्रमासायक्या नान्दा प्रमान

श्रुटाहे उन यम्यायान्। डेदे श्रुट्र दिना हेन न न न न मान्य यम्याया शुक्र रशया विवाश र्वर धुवारे के शेशश उक्र ह्र श्रेश रा के रा विवास के रा के रा मार्चितः धेवार्वे। निःश्लासाधेवाने। यात्याने सेससाउवाक्सस्य ग्रीमाना हेशायर ग्रुशाय देवे यायाशाशु ग्रुराया था धेव र विवास दे द्या या ह्या हु: चु:न हे दः वः लुग्र अः सः द्वः । वेद्र अः श्चे दः से : बदः सः हे दः वेदः द विदः दः यह्याःहेवःवःस्याःवस्याःवःस्यः स्टान्यः याः याःवश्वरा स्वान्यः न्नर सुग विने भ्रे के निम्य वि प्राप्त मार्थ के निम्य वि मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार ग्रीयामु अर्केंदे कु भ्रम्ययायर अर्घर पर हे । ७७। । मु अर्कें द्या यी हेया मः संभित्रः श्रीः प्रे प्रवासः ने 'न्यां हेन्' श्रीः स्ट मी 'यसः श्रीः यत्रसः नुदे हे सः सः धेव दें। १ ने निवेव र प्रवेश र से प्रमास स्थाप से वार से विष्ट स्था श्रेश्वराद्यतः श्रेवराद्याचीशः श्रुः सर्वेद्रः श्रुः त्युद्रः श्रुः द्युद्रः याद्वर्यशः श्रीः हेश्वरायः स धेव नी। सेसस उव रूट मी सहे सारा नुसारा धे प्रामा सुर नु इससा ग्री रूट गी'यश'ग्री'हेश'रा'पेद'र्दे । । नर्डे स'यूद'यद्श'ग्रुट'कुन'से सस'द्राय'र्केश' इससाग्री दें ने हित्या सके साम हेता सार्य मा हु ही दान मा निसाद है दान यग्रा शुक्र रशयाविग्रार्य प्राप्ति श्रास्य ग्री सर्वे या प्राप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप

वहेंत्रःहैं। । नर्डे अः धूत्रः वर्षः नायः हे : ने यः र्ना ग्रीः सः रेतः हु श्रीतः प्रथः रेतिः १९८७ अ.स. १९८७ वहें त्र विक्षा विक्षेत्र १८०० विकास १९८७ विक्षेत्र १९८५ विक्षेत्र १९८५ विकास १९८५ विकास १९८५ व शेष्ट्रेत्यायम् भूत्रास्याचीम्यान्यराधुम् । दाते दे ते हे द्राप्ते । हेर्गी अर्रे ने हेर्प्टिं पर्से पर्से हैं। बेर्गी देव ग्रार भेगे अपस्व पासेर धरारे वे कि दाये दाये वो ये दाया के के रूट वी करिया पर दे वा सहत धर थे त्याययानेवे भ्रिन्दे र्वे दिनेवे दिन के नाम के न र्ने। विर्टेशक्ष्यक्ष्यक्षायक्ष्यक्षित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्रम्भित्र ध्रित्रपालेशाग्रदानग्री। सार्देषा हु ध्रित्रपाळेत्र में लिशाग्रदानग्री व्यायायात्र। नर्डे अः खूद विद्यायः रेवः हुः द्वेदः यादे वादः विष्या हे निवे यारेवः हुः द्वेदः या वे नार यम्या य रें य हु द्वेव य केव रें वे नार यम्या हुव र र या है नार न्नरः सुना पर्ने 'त्यः जुरः कुनः श्रे सश्चा न्यतः नुश्चा न्याः पुः स्रो न्याः स्था प्रेरशः शु'नक्षें सम्मानदे स्थेत्र पात्य सेंग्रम्य पात्रो निर्वे के महसमाद्र प्रवास पात्र धेवाया देखार्वेवार्वेद्यायायात्यात्रात्वात्व्यात्रात्यात्यात्वेदायमः वे से व्यामी ने या ने या मी या के वा पर प्रमुर पा परे प्रामी में या या में रा सदै अप्यास्त्र सामाकुर 5,7रा वर्षेर वालुग्रसाने है सार्से वा हु है साम

बिश नुर्दे। । यद र्म द्या पुरसे द्या सम्बन्ध स्था स्था स्था स्था स्था द्या । नवे के राने नगा हे न न अव वि न ने या हे व के न रामा प्या गुव हा व हु न या ने निया ग्री भागार्दे व रहेगा ने भानिया ग्री भागार्दे व राम स्री रवशुमाना यही रक्षा स्री । भा न्मना हु सेन् मान्स के राजी न हु स्पेन्स सु न से समा माने में नि से के राजे । न्या हेन्न्राध्य वित्। ने या बस्य उत् ग्री बस्य उत् नु हें व से र्या पात्र हु:क्षे:वर्जुट:नवे:क्रॅंश:ठव:र्नुजुट: य:वर्ने:क्षु:क्षेष्ठे। श:नक्कुट्र:य:वशःग्रजुट:य: क्रेंत्र:ब्रॅट्स:यदे:चग्ना:य:क्य:क्स:य:ट्र:सक्रेस:यग्ना शुक्र:रस:ग्रीवेग्स: द्युग । इस्राया शुक्षा क्षेत्र स्वा क्षेत्र स्वा विवाय प्राप्त विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय नर्ड्यामाने पर्ने भूषे याथामें नियाता हुन स्रामाध्रम हिया ही याथा गुन हु'वर्जुर'नदे'र्जेन|अ'र्हेद'र्सेरअ'रा'ख़्द्र'ठेन|क्क्षेर्अ' रा'स'पीद'रा'गुद'हु'वर्जुर' नन्दे के लाने से न्या ने दे ही मर्जे नाया प्राप्त न के सामा ने या चुर्दे। निर्चात्यःक्ष्यःक्ष्र्रेन्यःकुरःचःवे त्द्रे ःक्षःक्षे। यः चुवाःचः नर्द्राःचः ळ:झ:बॅ.गीय. थे.परीट:य:धेट:टर। यझूब:तबाबव:तबागीय:थे.परीट:य

हेर्न् ग्रे भ्रेर्न् । ननापाहणाद्यार्थे दे पर्ने सुरक्षे। यानकुर्पार्मा नेदे वैंदिः सः इसराया है व सेंदर्भाया बसरा उद् ग्री वसरा उद् गुव ह से प्व तुद व निर्मा क्रिंग् चुते क्रिनं चित्रा वार्या वार्या वार्या क्रिनं क्रिंग चित्र वार्या वार्य वन्यानवा याष्ट्रवा ने प्रचा वाव्या प्रवास्त्र त्येव श्रुप्या पात्र या प्रचा पुर्वे प यग्रा शुक्र रुषा विवाय प्राप्त स्वा स्वा विवाय स्व विवाय स् येव श्रूमा अ शुव त्य व्येन पा भू तु श्रूम अ प्रश्न ते निम में निम महि अ पा मन हु हु । नः धेन दे । श्रियः धेन प्रमु नुःश्वरम्य म्याने प्रामुख्य पर्दे । पानम्य प्रमु येत् श्वेदारी तार्षेद्राया श्वाद्या श्वाद्या वादा पीत्राया दे ते वस्र शास्त्र श्वी वस्र शास्त्र श्व उट्-ट्-चर्चा'य'द्रय'सेट्-पदि 'व्यवस'ङ्गचर्या'येव'हे। सदस'क्क्य'ये रापिव' यरः रशः प्रेरशः शुः नश्रुवः है। । नर्डे अः श्रुवः यन् शः नव्या विशः रवः योवः ने नियाः नभूषायाम्यासकेरायान्त्रामकेरायान्यानेराक्षेत्राचरावम्या श्रुवारसा यश्चिम्रान्यर सुमा स्वर्भ से द्राया सुस्र स्वी साम्राम्य स्वर्भ स्वयं स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वर ५८। म्राचा हे १८८। विवादिया है स्थादिया श्रवासी स्वासी द्वारी भूर हेग र्रा वर हेग ७७। र्रा धुर हं अर्रा नभूष रार्पा ह बेर्यान्यामी शार्शेरारें। । वर्डे अष्ट्रवायन्याने प्रयाणा ग्राह्म कुवासे सर्या

न्ययः इस्र राम्भे कित्र स्थाना क्षेत्र राम्भे निष्य स्थान क्षेत्र स्थान स्थान क्षेत्र स्थान स्थान स्थान स्थान यार लयाया भूष. १४ व. थार लयाया सर रुया सर यशी श्रिय रुय या श्रीयाय न्नरः धुगः ज्ञरः कुनः से ससः न्ययः इसरः ग्रीः हेतः से रसः पः ह्रीः नः वे । गुतः दसः हैं वर्: शेंरश्रापा उवाया पीवापि या स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्व कुन से समान्यवासान्दर्भे त्या से स्टिसामा मिन्स्य के सामी निविद्या र्बेट्र राम ने में राम निवा मिं न्या हु। या प्रेम प्राप्त राम प्राप्त राम । नेवे श्रिम्गुवव्यक्षर्वेव सेन्यामण्डव्याधिव सवे सक्वर्वे न धीवर्वे । निम् गै। कुर्वा स्वाप्तस्य नस्रीर्परसे जुराय हेर् ग्री हिर स्वित सेर्प धेव व्री अभ्रम्भारव की पिरम्भागी सूना नस्या इसामर नहीं ना परे की हेराले व यदे श्रीमः धेव न्व न्यमा हु से न्या धेव के । । यहें साध्व प्रम्भ मानायानः क्षेत्र चिर क्वा से समाद्या इसमा ची रहें वार्षे र मात्र ही वार्या वी मा चार । न्वो नदे सन्त इसराने वसानु वेषा श्री रापार्वे व पर नशेन्त्र ने परा ग्विन प्रते 'र्धेन 'न्न 'क्स्य राष्ट्र' क्रें राग्य र 'हे 'दक्ष्य प्रते 'ग्रूर 'क्रुन' ने 'र्घ्य र 'र्हेन '

के'न'र्ने'र्ने'सर्कर'यम्बार्का । नर्ने सम्बन्धन'यन्बान्ने सम्बन'यन्बामी'सान्ने र्वेशःग्रीः वेनायःनारःधेवःयः दरा वेनायः केवः यें नारःधेवःयः देवे वेनायः यदियायीं विश्वानगव द्वायाय देवा प्राप्त विष्या यात्र विषय होत् रशा विविव्याद्य द्वा द्वा द्वा द्वा देव देव विव्या के विष्य के विव्या के विष्य के विव्या के विव्या के विव्या के विष्य के विष्य के विष्य के व वर्ने भू भू द्वर्ग्स प्राप्ता वर ने भू अके न द्वार्ग हो से वर ने भू अ अळे ५ : द्वा : ५ : ५ वा : व : र्वा अ : व : वा : व : वा : व : वा : वे : वा : वे वा : राक्रेव्स्वर्स्स्क्रिंश्ची:प्रीत्मेत्रः क्ष्यामिष्ठमाः प्रस्व प्रमानिष् ध्रिर्द्र वे ने ग्राप्त मन्द्र प्रम् से अदि । दि त्या ग्राद्र द्या में द्वा त्या भ्राद्वी प्रवेद । वरः इयायरः हैं वायाविष्ठेवाचे हों वर्षेवायायर होता विष्ठेवाचे सुरावः वर्नेनश्रास्य होत्र हेटा। बेनाया बार्ट्स हेट्र इस्रास्य हेना स्याप्य होता दे। दे निष्ठिश्वास्त्री सम्बन्धिया सम्बन्धित हैं द्रायम बदादी दे त्या न्वीरश्रामान्ते ने प्येत्रान्ते । ने प्यानर्हे साध्य प्यन्ता भी शाने वे रहे रहेपाशासु नर्दः सःवदेःन्याःनगवः द्वायः हैं। वियाः यः क्रेन्दः वेयाः यः न्यदः याय। निरः नविवासुर्स्वेनामार्स्के मान्यसम्भागान्यसून्य। । ने न्याकिन्ते स्रुव्यायिकेयाः प्य नसून है। । ने श्री र ने ना या न र र र से श्री । ने न या सुर न ने न स्थापर हैं ना

वेद्राया । श्चिर्माया व्ययस्थितः वगुराया वहवा व्ययस्य । देर्पाय वाया नःश्रुअः नुःशेअशः पःते। । इयः परः सेन्श्रान्यः त्रीं शं श्रुः सेन्या शाद्युर। । श इससानसूरान्दासेटान्दासे समुद्रासे ग्राम्या । विनासरा ही न्दासे नक्ष्मनामा इसमा । ने दे स्मरमा क्रमा इसमा क्री मा के मा के दान नि । विने वा यार नर्डे व रे र्या अर अ कु अ व शुरा | रे व अ नर्डे अ खूव वर्ष व श्वर सुरा श्रेश्वराद्यतः श्रुव रशाया विवाधार्य पर्याची शायते । स्नाद्य श्रेष्या विवाधार्य । हैं। विर्टेशक्षित्वर्त्यत्यादेशेंद्रयाचारे याचरावर्षे वाचे विर्टेशक्षियाची वर्दरानश्रवायः वर्दवे सेटा हे त्यवाया वर्दे हे स्रमा बुदा वरा नही। नर्डे अःख्रु वित्रार्थे अर्दे वानगावः श्रुवाः । श्रुवः रशाना वेनशाद्यरः श्रुवाः वर्ने वे सन्दर्भ रेव कुष्टी व सवे देश सवे के व सूत्र सं धीव के। वर्ने स ८८.स.स्यारि.हीय.सप्तार्पतार्पतार्पतार्पतार्थे.स्यायक्षेत्रासाचेत्राचीयाः शेशश्चर्यतः नत्त्रः विः श्वरः श्वरः निष्ठाः स्वरः शेशशः न्यवः नेदः दे विद्वरः व्रवायः क्रेवः संस्थान्य व्याप्तरः व्याप्तः व्यापतः वयापतः यावया.स.प्र.य.जमा महस्रमायमा है.यबुच.याज्यामा सद्य.ची.य.यश्चेय.सद्य.

रन हिन्दी नर्गे दर्ग दर्भ नर्भ स्थान न'निवेद'न्नभ्रानर'नुः भ्रे। नर्डे अ'युद्दाय्द्र्य'यानुदाकुन'से असाद्वाय प्रह्र्य न्यया श्री या तु राष्ट्र या नर्डे साध्य प्रन्या ने प्राया में या ने प्राया मुस्य राशी । क्रिंगः छै। भ्रिः वियानश्चीः वा नर्डे यास्वायन्याने नविवायाया इस्राम् में के स्वामित्र के स्व नगवः श्रुयः म। वह अन्मवादे निवेद निवेदार्भिया शासः इस अः श्रुदि सक्दर क्षेर्न्द्रिः राष्ट्रास्य स्वाप्तः ध्रित्यः नक्षेत्रयायि देयायम् वर्षः मुर्यायराद्यायरायुवायाधेदार्वे । दिःयराक्कुमिहेर्याग्रेरावर्याग्रेराये वर् नुःनःवः वर्देवः परः वेवः पः वेदः प्रेः नुः नुः । । पर्वे सः व्यवः वर्षः वे व्यवसः क्ष्र में अप्तर्भ स्ट अर अप क्ष्र अस्य अप की यात्र अप कुर प्र याद व्यवा अप परे लर.क्रूश.ग्री.श्री.लयोश.सर.यर्ह्रेट. सर.यग्रीयशो यहंश.रेसल.यर्ह्रेट.सर. श्ची विद्यास्त्रादियादियादे । अस्यविश्वास्त्राहिताया न्त्री । तह्रम्याम्याम् स्राध्यामे विष्याचि त्युष्याधित हे तह्रमान्यवाम्याम्या

म्बायानदे सुराश्चे याते । दे निविदानिवायाना मुस्ययान्ता वृदार्चे यान्ता रट.शरशःभिशः देशशः ग्रीट.सर्थ्यशः श्रीट.सक्षः श्री व्रिशःग्रीःश्रीशः श्री । व्रिशःग्रीःश्रीशः श्री । व्रिशः नर-रीयन्याया है। क्रियागी-भीयाविर्यनर-रीयन्यायायायी ल्यारेयागी-यम्प्रम्याः तुः से द्रायस्य ग्राम् विद्रायम् प्रम्यास्य प्रस्ति । दे व्यावे प्रसे वि नरः धरः श्चः नः अः धेवः वे । नर्डे अः श्ववः वर्षः ने ः नवेव न वेवा यः वः इस्र यः होः श्चे नित्र वृत्ता वित्र सक्त किन्ते हैं। क्षे नित्र में नित्र में नित्र में नित्र में नित्र में नित्र में नित्र न्ययः श्रुवः यदे ः श्रुदे ः यद्धवः हे नः ने वि वाः हे वः श्रीः विस्र सः वश्रुनः नः न्नः सळ्य. १८८१ चळे. चंद्री क्रिया की श्री. या. वी. श्री. चंद्रीट. च. सूरे. र्ने। । नर्डे अः थ्रेवः प्रमुखः स्वेतः प्रवे : भ्रुः क्षेत्रं चर्यः चर्यः यायः सावयः पारः वारः यायः यर.यक्षे.यर.यग्री. जयाश्री यह श्राट्यज.श्रीज.यप्त.श्री.श्रेंच.यप्त. स्वयश्राज. यपिश्रातात्रे क्रिंटायशिशासी क्रेंटाकुष. सूद्राश्रद्धासी शासी खुटावश्रास्ट्री. नन्नास्त्रम्याम्यायया श्रेवः नावस्यःश्रः मान्यायः पदेः विसः नुः सदयः नुः वह्यायन्ता वर्ष्ययन्ता क्षेत्रप्रान्ता क्षेत्रप्राक्षेत्रप्रक्षेत्रप्रक्षेत्रप्रक्षेत्रप्रक्षेत्रप्रक्षेत्रप्रक

सर्देन पर वर्ष र निर्माय निर्माय निर्माय के वा उर मान में निर्माय के वा उर मान में निर्माय के विष्म के गर्हिर न न न अर्दे न न र हिंग श न न जुर कुन न ने र से अ न गु न ह र है न न धेव पर नक्ष नर हुदे। । नर्डे अ खूव पर अ हे न विव मिलेग्र अ र हे न विव यानेवायायदे विवासी क्षाया भी स्थाय वास्त्र वारा द्वार विवास पिराया स्त्रा श्री या श्री वा पा वे । स्त्रा श्री श्री वा पाना । स्त्रा श्री श्री वा । रान्ने न्येग्रायाने ने निर्णेश्वरम्यायम में यानमः सहन् प्रदेश्वर्षान्यहेन्या र्विग्। नर्हेर् प्रमः अहर्षायाय। यह अप्रथारे निवेद्राया ने ग्रायायी ग्रायाया नर्हेन्याने नाशुस्रासं विदेशना धोनाने। सर्देशनहेन्यान्या वर्षाना न्हें न्यान्ता असें नहें न्यते। निर्देशाध्यायन्यायन् से से से निरायन्याय। वर्षाना वे नार वामा अवे वे नार वनमा वह अर्घया वर्षे के न्द्रभःम् निवया नग्वया है नुः इन्ग्दे नग्दः नु ग्रुभः वया केंसः इस्राया में निर्देश में दि निश्च ना उसा द्या में नित्त निश्च नित्त स्थित स्थित स्थान र्हे। । १६ अ.स. नवे. वार वे.से. के इंश ह्र अ.स.ह. १६ अ.स. शुःवर्शे नदे नहें शरों न्हा नक्ष्मायदे नहें शरों न्हा ग्रुह कुन ग्री नहें श रेंद्री । न्रें अर्थे न्त्री मार ले न्त्री के अर्थ उत् न्त्रमान्या व्यव न्रें अर्थे न्त्र

नेवे वे स्था हु निक्षा में निष्य ने प्रमुद्दा नवे निक्स में निष्य यः ग्रवश्यवे दिस्यार्थे द्रान्ता देवे ग्राव वयार्वे व स्थान द्रा इसामर न्तरायदे निर्देश से निर्देश हैं विश्व हैं वार्य में निर्देश से निर्देश हैं वार्य निर्देश र्भें प्रता वक्षुव प्रमान्न विदेश में प्रता विदेश विदेश में वि । प्रति र्भे हे जु इ न्या याद ले वा याव व अहें व से द साम है । से याव सम व सम स वर् होर् नश्रु नवे रहें अर्थे र्रा देवे में रिक्ष में अर्थ वह्या प्रवे रहें अर्थ र्रे नित्र हेर्या हेर्या वित्य वारा वार्यो केरा नुष्य विष्य स्व वित्य वि मुदे दिस्य में दिर्। क्रिया ग्रे अर दु ग्रु अर अर अर अर विश्वास विद्यास विश्वास विद्यास विश्वास विद्यास विद्यास कुदे न्देश से न्दा इस पर जुर नदे हैं न्या प्या नहस्य है। न्ये न्या य यःहे न्यानित्रवि न्देशसे न्दा दे हिन्या ईया नवे न्देशसे न्दा शेशशान्त्रशामि निर्देशमें निर्दा के विने वा निर्देशमानि सम्मान्त्र सामि निर्देशमें ८८। र्भूगाः नर्भयः वस्र अरु । वस्य । प्रमः प्रमः प्रमः प्रमः प्रमः । वनशःग्रीःन्देशःसःन्दा नेःखेंदशःशुःनेशःसवेःन्देशःसं वैःध्वेवःकेःसेनाः धिर्यासुः नेयापदे पात्रयाद्रा येयया उत्रात्तः नेयापायया पह्यया है। मु दि द्वा मु से समा उदा इसमा ला लें वा नम् सून पार्धि मा सु ने मा परि

यावर्गन्ता वराया अर्देव मदी राम्चाया अर्पा भी राम्चाया विकास ग्रीभाभाने । प्यतः इसाया गुरुषा ५८। क्षेत्रायदे गात्रभाग्री । ५६ मार्थ । सर्देव द्वा चार्च विश्व विष्य विश्व त्रुःनदेःन्देशःरेंःन्दः। नेदेः इसःमदेःन्देशःरेंःन्दः। नेदेःन्धेग्रस्यदेः न्देशसें न्दा श्रूरशायन्ता अश्रूरशायाश्चित्रायाः अविशासवे न्देशसें न्मा ने अश्वस्थान्य से वार्षे म्वर्षे म्वर्षे म्वर्षे न्या क्रिया स्थान नवे निव्यान्त्रा ने स्थाने निव्यान्त्रा निव्यान्त्रा स्थाने स्थान नवे निर्देश में निर्मा नक्षेत्रामवे मत्राधेत मी निर्देश में निरम ने निर्देश में न्रेशः संन्ता वयवाशः प्रतिन्तरः श्रुवाः नश्चः ववेः न्रेशः संन्ता वयवाशः यदे स्वित्रायान्य वादियात्र म्यू नदे न्यू यदे न्यू या ने वित्र मन ह न्रें अर्थे निर्व से वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्व लट.रेची.राषु.कें.य.वर्ट.जश.ही.रूजारा.वश्वाश.वर्.ग्री.लट.रेची.राषु.कें.य. न्वायमञ्जी निर्वास्य केर्यो प्रतिमा केर्या केर्या केर्या केर्य केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या केर्या केर्य क्रममः मद्रे न्द्रमः में हो। यह मन्मयायने स्मार्यमामाना मान्या स्मार्यः

क्रॅंशवर्त्यायायात्रे से पश्चिमाया स्ट्रिंग श्रे भ्रम्यायम् वर्ष्यम् विदा श्रे नदे हे अप्यश्व अप्येव हैं। विह्यान्ययान्य न्यान् नुहुत है अ इस्य प्रम गुर कुन से सरा द्वार इसरा गु. सें सें र वर प्रवस सें सें र वर प्राप्त र र्वे। । नर्वे अः ध्व प्रत्या गुर कुन ये सया नगर इसया ग्री से संस्थर मा इस सःर्श्वानस्थानरः देवाःसरःवद्योःसवाशा यहसःर्धसःस्थानःवर्त्रःद्योशः है। धर न्या धर ज्ञूर रायदे कें या नश्रू राय हा। यस धरे या वर्ष श्रु नुदे न्रें अभे निष्ठ्रव मन्द्रा क्षुर निर्दे माव्या क्षुर नुदे न्रें अभे निष्ठ्रव मन्द्रा सुर नदे रे के द नसूत पद्मा सुर न साथे त पदे रे के दिन नसूत प न्ता क्षुत्रानायमाय वुत्रानामभूनामान्ता भूमामानितामभून ममा श्री । प्रह्र अन्तर्य प्रश्ने दिन्दु अळव हे दिन्न अप या यह या है या यत्न दिन । इस्रायम् स्रोप्तान्ता नक्ष्रवायाम् धिवायाने स्रोते स्रोते विकास्त्रोते । निःवा सक्द हिन्द्रसम्पन्छ पठिषापार वि द्या गुद्र हिन ग्री सक्द हिन्द्र। दिव न्यामित सक्त हिन्ना जुन कुन ग्री सिंग्या न्यास सुन मित के या स्यामा ग्री न्भेग्रम्भःमने अळ्व हेन न्ना इसम्मने अळ्व हेन न्ना दे चे हेन है।

सक्त हिन्द्रा नेते प्रवश्य सुति सक्त हिन्द्रा ने हिन्स स्थापन प्रश्नुतः ८८ ई अःशुः अश्रुवः पदेः के अःशुः अळवः हे ८ ५८ । देदे हे अः दक्षेण्या शुः सक्त हिन्द्र। देवे स्वर पें न श्री सक्त हिन्दे। यह सन्मय ने त्य गुन र्हेन भी अर्द्धन हेन ने क्रिया पाया श्रीया है। यान विया प्रमुद पान्ता गुद नम्ग्रास्तरे दे ते हिन नम्भ्रास्तर्। के सम्स्रास्त्री हो न्याद्रा गर्धे न न्दः यशः हो दः यः नश्रुवः यशः नश्रः नरः हार्वे । ।देः यः देवः द्यः यदे । यळवः हे दःवे । ने निवेद है न इस मान्त्र निष्ठ निष्ठ मान्य दे । निर्देश मान्य निष्ठ निष् सक्त हिन्दे भे या गुरे निर्मा संस्थाना त्रस्य या त्रस्य प्रमान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान चुर्दे। विष्यानद्य सक्व हिन्दे नह्यायान इयान चुन्न सूर्व नयान सूर् ग्रुक्षे नहग्रायायक्यायानकुत्राप्तात्वेता नतेवायात्ता ग्रुक्यायात्ता श्चित्रप्ता व्यवाह्मा व्यवाद्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा नर्ते । वावर्यास्य वाटा वया द्वया स्याप्य वाववा सवया गुवा वहवार्य स्टे हे वे हेर् इस प्रमानवा प्रवस्था सर्वे विषय हैया दर्श इस प्रमान है स

हे 'यद'ग्राद्य' संस्थ प्रस्य ग्राविया'यवस्य ग्राविया'य हस'यर ग्राविया'यवस्य ग्रम्भराज्या इस्राध्याप्रत्ते जात्र हुत्राच इस्राध्याप्र ग्राह्म । पर्दे । श्रिंत क्ष्मभावे प्रभागाव वसाहें व से प्रभाग दे के साम्यसा भी हे सा न्ध्रेग्राश्च्रस्य ग्रम्थः नुःसरः नश्च्रदः यानारः धेदः यान्यानी । धेदः हदः इस्रमाने 'द्रमान्स्यापर' जुद्र'नि के मान्स्यमा ग्री 'यत 'पें त' इस्राग्रद्रमा प्रदेश नश्रव यः नार धेव यः नगर्ने । व्हिंय वे : इस्रायः हुना हः रेगा यर हुः श्रे । ने : विं वदे देव की खेल दर्भ वर्षे वासदे खेल दर्भ वन् वर्षे खेल दर्भ अवतः यिष्टेशः इसामारः श्रूर्याः पदि । स्वार्याः व्यार्थः स्वार्यः । वर्षयः श्रीयः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः । न्वेरिश्राचि रहेवा के विद्या पाने निश्चा विद्या प्राचित्र विद्या हेर्याश्वर्रित्र । क्रेव्यत्वे में प्यायों। दियाश्वर्ष क्रिया प्रति निष्ठा प्रति । गुःक्षे। क्षेत्रामवे मेग्रामप्टा गुःग ग्रेन्यवे मेग्राम न्मः वन्यन्ययः नश्चनःमदे रेग्रायः प्राप्तः केंग्रिं रेग्रायः पर्वे । दे त्यः द्वे यायः रान्ने वर् ने ने न् इस्य वर्ष वर्ष निष्ठा है सा सु । श्री श्री श्री निष्ठा वर्ष । सु । वर्ष । वर्ष । वर्ष । वर्ष । धेव य प्रमा केव या प्रमा धेव प्रमा है। दे वे वे व्यापित प्रमा धेव र्त्रा क्रिंश:इसरा दर्वेन:यदमा दर्ग्यन:यदमा क्रुम:य:इसरायम:ग्रेन:

प्रशादशुर्रापदे कुंगिर द्वा धेव प्राप्ता क्रेव मार द्वा धेव प्राप्ते वे श्वापा ग्रेन्यदे सेवार्यायाधिव में । श्रें श्रेंदे लेश्यान न्या नलन्यान्य । श्रुरा यदः द्वान्यक्ष्रायः द्वा येवाश्यः विदः तुः कुत्यः व्याः विदः त्वाः धेव'रा'त्र'। क्रेव'यार'त्या'धेव'रा'ते'वे'यवत्रप्रश्चित्र'राये'रेयायाप्रधेव' र्वे। १८ व्यट अर्देर नर्षः व इसाया गढ़िया है। व्यटका शुः द्याया पट्टा व्यटका शुःसःन्गःनर्दे । ने त्यः वें न्याः शुःन्गः नदे सक्तः हेन् ने ः धृदे । विं न्यः शुःसः न्या मने अळव हेन्दे नन्द्र के । । ने न्य पे न रा हा न्या मने अळव हेन् थ में न्यायार ले वा ने या अर्दे व शुरु नु र शेया श रावे अर्क्व हे न न न ने या यावर्यान्यस्व शुक्ष रु न्रे याया प्रति सक्व हिन्ना स्र वी व्यया ग्री न्रे हे नमःश्वरःनदेः सळ्वःहेरः न्या धिरमःशुः म्यान्यः सळ्वःहेरः न्या ख्र-भीव-ए-इस्राधर-न्या-धायान्व-त्य-न्य-धर-वस्र्व-धरे-सळव-हेन र्ने। १२े.५५:ब्रेन्:ब्रम्भःउन्:ब्रेन्स्याः १९ेन्:न्न। ५५:ब्रेन्:ब्रम्थःउन्:सूयाः नश्यान हेर्रात्रा कें अवस्था उर् निष्यो से राम हेर् व से व से व शुअ-5-५भेग्र-१-५-१ ने भ्र-तु-५-अश्व-४-ग्न-धिव-४-ने वे अर्देव-शुभ-5,7सेग्रायदे सळव.हेर.लेय.से । १८२.ग्रेर.सम्मार.ह्या.म.हेर.

न्मा वहिषाहेब सर्से या नुः धेन पा के न्मा व्यक्ष निष्ठा विश्व के निष्ठा वि ढ़ुन्ॱऄॱॿॱनॱनेॱ॒यॱॻऻढ़ॺॱॸ॔य़॓ॱऄॱह्गॱॸॱॸॻऻॺॱॸॱहेन्ॱसरेंदॱॶॖॺॱॸॖॱॸ॔ऄॻऻॺॱ यः गटाधेव यद्दा सेसरा उत्र स्र किंग रायस स्र किंग राया ग्रह्म राया सर्देव सुसार् द्वीयायायायार पीवायादरा। सेसया उत्तर्वे पादर सूर्वा नर्थानायश्चाने नान्दार्थे नियो नायायात्र सामासे त्रास्य स्वाप्ता निर्माणा यार धेव पर पर । यार यो अ अर्दे व शुअ र जु र प्रायु र पर त्या हे अ शुर प्रया पर ठुःनःन्नः। ने ः भ्रः नुःन्नः अञ्चनः यानः धीनः याने वे ने ः यायान सः याने स्रुयः र्'नुभेग्र्यास्तरे सळव. हेर्'लेब'र्ने। विर'र्र्र्स्थि में याची वर्'ने मुस्यराया য়ৢरः नः न्दा श्चे : नः वः श्वांशः पदे : सूना नस्वः नशेनाशः पः हे : नरः श्चेरः नः १८। ४८:२१८: से १४:५ से मार्था भे १४ र मुर्ग १५:५ से १६ से १४:५१ मार्था १४:५१ यद्रायहेना हेत्र वस्र अंख्या व्याचा अर्थ दे विष्ट्री स्थान्द्र सुन्य निर्मा विष्य के नर श्रुर्न न न में भ्रुत्त न स्थान स्थान स्थित साने के रूट की रेगा वा ग्री दिये हे निर्द्धुर निर्देश सक्त हे दृष्पेत निर्देश निर्द्धिर दे त्या यहॅन शुयानुन्योग्यामि यळन हेन्ना ने यान्यम्य यास्त्र शुयानु

न्भेग्रामित्रे अर्द्धन्ति। स्टामी स्वार्थी स्वे निर्मे हे नसः श्रुस्ति अर्द्धनः ৡ৾৾৴ॱয়৾৾৴ৼড়৾৾৴ৼ৾য়ৢ৾৾৾য়ৼয়ৼয়ৢ৽য়৽ড়য়৾ৡয়৽ঢ়ৢ৽৾ৼয়৽৾৾৾ঌ৶৸য়৾য়৽ मुर्जेर्भास्य म्यायायायाये सक्ता हिराधित सम्मेगासम् मुर्ते । तिह्रा न्ययागान्त्रायान्त्रायम् नश्रूत्रायात्रस्य स्वर्थाः उत्सातितः प्रश्राम् सुर्थाः पादि । सूर म्रे। ह्यान्य व्यवस्थाय दे विषये विषय हु। या ने भ्राम्य हुन या यादःधीवःचःदेःवैःखुदः नीवःहःइयःचरःद्याःचःयाहवःयःद्यवःधरःवश्ववः यदे सळ्व हे द प्येव सर रेगा सर हुदे। |दे स्व नश्व सळ्व हे द इस राष्ट्र र्रेन्द्रिन्वानी देवारायरायहवारायर्षेत्रासुन्वाना धेवने। धेत्रासु र्या.सदु.मुर्रायम्बर्सर.सर.येषू । । यञ्चरात्रं सर्यात्रं स्वरायत्रा. स्वर्धे स्वरायत्रः यक्त हिन्द्रस्य पर्त्य हैवाय पर्त्य वश्ची यात्रा वह सन्ध्य स्था है। वादः शुःष्परः उरः न विगः ग्रुरः न त्रहे गाः हेन र प्रश्रम् अश्वरः अधिन यः हे र र ज्ञान्यः पर म्यायायाप्तात्ता क्रीयाप्ताः केवार्यदेशस्व स्थाया द्वासः विवासः स्थाया न्या भेरदिवायाविशक्षेत्रास्त्रा नेदेक्ष्यायास्त्राम् मेयावा वस्र अर् के अर्थ के कि स्वर्थ के निर्मा के निर्माण के स्वर्थ के निर्माण के स्वर्थ के निर्माण के स्वर्थ के स्वर्य के

शुदे कें शवर्षायायावयम्भायदे त्यसायम् त्यम् यम् मुद्रास्ट्रित्वे तार्मे र्श्वेटः इस्रानविःश्वदःनाधिवःहे। देःश्वदःवःवज्ञुदःनःददः। सळवःददः। वेः क्ष्याम्बर्धिन्यान्दा नम्यानुः सेन् वेदान्य इत्तुः सेन्यान्दा नमे ह्येदा न्स्रीयाश्वास्त्रात्रम् वस्त्रात्र स्वाद्ये । स्वत्त्र स्वत्त्रम् स्वत्त्रम् । स्वत्त्रम् । स्वत्त्रम् । स्वत्त व्यवन्यम्यम्यभूनःपदेःनेष्यभ्यःनेनेनेः स्वार्यः सुर्याश्चेः स्वार्यः हेराः शु-नमग्-मदे किन्य-नम् धेन के शमदे सुम्मी किन्यश्यक्त हेन स्रि न्यामि अप्पेन्यास्य वित्रे । पिन्यास्य अपन्यासि अर्क्षित्स्य स नत्व'गर'ले'व। ने'यश'गलव'म'नर'सशुव'मर'न्सेग्रां पर्दे 'सर्ख्व'हेन' न्ना ने स्था नावन न्य से समुन पर निर्मा के पाय पर निर्मा वस्र १३८ सम्बन्ध सम्बन्ध विश्व स्थान स यर-दश्चिषाश्रासदे सळ्द्र-छेट्-द्रा पाव्य ग्री-देषाश्रामी-द्रि न्य-श्री-र्यदे मळ्य हेर्र्र्र् नर्स्याद्यात्यात्रम्भ्रत्राचि सक्ष्यात्रेत्रित्ते । विष्याक्षेत्राः वस्य स्वतः स्वतः स्व धरः ने अः धर्याः इत्रः धरः ने अः धरः ग्रुः चः चारः धेतः धरः ने वे व्यवश्वारः स्वतः धरन्त्रीयाश्रापदी अळव हिनाधीव ही । ह्याश्रान्ता दें ने हिन्दा प्रशा

<u>न्ना के अन्ना कुन्ना वन्न अन्ति अर्धन हेन् से असुन पाइस्य अर्थीः</u> यक्व हे न से यश्व पान पान पान र स्व क्व र सक्व हे न से यश्व र नम्मे अभिक्षेत्रम्मे अभिक्षाम् देवे विस्थान्य स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स सळ्व हिन् पेव वे । । पह्रा न्या ने पान्ये मान्य हिन् निर्मा स्वा प्राप्त । न्भेग्रायदे अळ्व हेन्नो न्नायर या वस्र उन्से समुद्रायर न्भेग्रास्ते अळ्ति हेन पेनि स्ते श्री माना मी राने ग्रामा सम्त्रामा वा वा हेगा हुःसारे सामिते भ्री माने के प्याम्या सामित्रा सामित्र सामित सामित सामित सामित सामित सामित सामित सामित सामित स यश्यावव दर्भ से श्व राम दिशे वा श्राय से सक्त है द दिशे दर निर्मा स्थाप *क्रेन*ॱयः प्यतः त्रस्य राज्ञात्रः त्रीयायः यदे । सर्वतः क्रेनः प्रेनः यस्य में अन्ते मुन्यम् मुन्यम् मुन्यम् मिन्यम् मिन् मर्भायम्वार्भायाः प्रिस्थाशुः सान्वाः मध्येतः है। प्रिस्थाशुः सान्वाः मद्रे हिरः नहेव नर से जुदे । नि न सुर नि क हु इस नर सार मार सार मार सहव न से सक्त केट्'वे 'स्ट'नविव'केट्'ग्रेश' ॲटश'शु'स'न्न'म'धेव'मस्'रेग्'मर' त्रुद्धे । ने :वः ने :न बेद : माले ग्रायः इसयः तुरः ष्यरः रुरः । । यः तुरः ष्यरः रुरः

है। क्रिंशाव्यायम् न्याये स्वीत्रः ही त्रः क्रिंशा ही त्रायाय स्वायं स्वयं स्वय यने वे के अकि निक्री से निकाय प्राप्ते व वे । । ने का निकाय के अप व निकाय के व यर् र नर्भ भारे। क्षेत्रा नाडे ना नी भानसूत पति क्षेत्रा क्षेत्र क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्र क्ष र्ना हु हु। अवर वुगायर हु न्या ग्राम धेव पर्वे । र्रा इस पर्न नठर्भामते 'न्रीम्थामायदेन् मानुमाळुन'ग्री सुम्थान्माय स्रीम्याने 'के शान्य' राक्षेत्रर वाववारायार्शेवारायारात्वारात्वाराह्यात्रस्वाराहे दे त्वावी दे हे दिया यळ्व हे न प्येव दें। । यह या हे व पा न न पह या हे व प्यया यन्य प्य प्य ७७। विह्नेना हेत त्यश्चाय स्थाय विष्यंत प्रत्यास त्या विष्यंत्र प्रत्या विष्यं विष्यं विष्यं विषयं विषयं विषयं लीव माने वि ने वे त्रामान् मिनामिन माने माने किनामिन मिन किनामिन किनाम मुँवानदे ने शास्त्रार्शे से प्यटान्या सर रेया समार प्येत समावत न्या व षर कु के र श्वेषिक पर प्राप्त पकर पर प्राप्त प्राप्त र श्वेष पर है व पर है वे पे श्वेर नः इसः सरः नसूरः सदे सक्व हेर धेव ते । विरः क्वः ग्रेः स्वि संदर्भ सम् यदे के राने निया है न नक्षे सायायान सकत हो न यदे । याद साक्ष हा है द से न सा माउवानी के भागामान्या प्येवामाने वि मेदी नमानु पार्केन प्येवा के भागी अक्वा

१९८७ वर्षे । १८८५ वर्षे ५८७ वर्षे अर्थे अर्थे २८५७ क्षेत्राची १८५८ व्या १९८५ व्या १९८५ व्या १९८५ व्या १९८५ व्य वे ने निर्देशका श्री स्वित्र स्वि के सामी सक्त के निष्पेत्र में । निर्देश में इससाग्री क्रिंव मार पीव पर ने वे के सार्सिमार ग्री सळव के र र्वे। । पह्रमान्यवाहे मासु मासु मासु मासु मासु वि । प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र ल्य मी सक्त हेर जेत्र सर रेग सर मुद्रा हे त्र राय है साथ तर राय नुरः कुनः श्रे अशः न्यवः वह अः न्यवः नु शः ष्याः वर्ने : भ्रूनः ने शः गर्शे यः तृ। । नर्डे अःक्ष्वः यन् अःग्राह्य अःग्रीः में वः ग्रामः ग्री अःग्रमः क्रुनः श्रे अअः न्ययः । र्रेरः न्वेरिश्रायदः हेशःशुः वह्याः यरः वशुरः यः श्रुरः रुवः श्रे स्रशः न्यवः रायदे यश्चर द्वारा इस्र १८८ विव से दाया या वा राय विव १८८ गर्भेषा विह्रान्ययानेवे भ्रेम्कें त्रेच के नाम्या वर्षे व्याप्ते स्था न्मयः इस्रश्राद्ये रेष्ट्रेस् से प्राप्तायः यहुवा स्मरः तुः नवे रेष्ट्रेसः वा बुद्रशः की रेवि स्था खुश्रामाहिँदायान्त्रवृद्धार्मा विह्राद्यायागुत्रात्रशाहितासे । क्रॅंशन्तरम्बाधितरम्बर्भ इसम्बर्धर ग्रह्माने क्रिंशन्तरम्बर्धे

वस्र राष्ट्र वि वार्षे नि से दाना नि स्वता से दाना से इसमाइसायात्रसमाउदाद्वीदायासेदायम्बर है। गुवावमाहेदासेदमा यदे के शक्त मान के व नर ग्रुट नर वशुर न अपी व इस नर ग्रुट न दे के अ इस अ ग्रुट ही अ इस यम् जुम् न्या क्रें व गुव वका हें व क्रें मार्च क्र मार्च क्र मुंच मार्च व व व व व व व व व व व व व ने'य'त्रे अ'म'र्शे सेंदि'र्से 'में इस्राम्यम्य सम्दर्भे न्त्री खुर्याय कें सम्दर्गार' वगायी दें र्वे हिन्द्र अर्दे व पर लेव पर दे निया पा हता ही ख़ाना पा नहे व व व नन्यायाया नन्यायी र पहेंद्र हिरा ने अद्यास में । भ्रिका र्वे । श्चिरिन्दे । नियार्थे । इसायर ने सार्थे । विदे । विदर्भे । गुन नसा क्रेंबरब्रेंटशःश्री । इस्रायमः ग्रुमः में बिशार्येषाः यमः स्रमें व समः वर्तुः ग्रेनः यय ग्रुमः दें। विरायायमाने स्रूरायर न्वायाहे स्रूप्ताविव न्यारा हे से यावर्याद्यायेवः ग्रीख्यार्याः हार्श्वेदः विदःहेवः व्यद्याः प्राच्ययाः उदःग्रीः वावर्यायाधीव प्राप्तिव कुत्रम्य प्रमान्या ह्या या से रामा वर्षाया हुर्याया सर्विन्यरत्तुन्त्रान्यसेन्यदे खुरादर्वेन्यरत्त्वुरहे। वहसन्ययनेते ग्राबुद्रशः ग्री देवाया सुरुष्या प्येव प्ययः देवा प्ययः ग्रुवे । देव व्यव्यव्या स्वयः

वर्षः श्रीशरेवे के केवाया शुः वडर् प्रायरे र्वा नगव श्रुवा है। । गुव व्या क्रेंब्रार्केट्यार्क्यान्यान्य निव्यक्षात्र निविष्यक्षात्र नि यार बया से दाय भेता । दे श्री सादे प्राप्त श्री दाय से न्याः श्रे सः इयः यसः न्याः न्यः हिंदा से स्याः से द्या । याद्र यः स्वः यो दः श्रे यः श्रे यः ने। ।ने अन्व अर्थेन में वर्षे वे न के अन्य न न में के अर्थन अर्थन विन नरत्युररेर्भ्रुम्पदरत्वुर्। । यारयो मारे क्षेर्प्यार्ग्यहे क्षेर् र्यः लेशः या । दे वे विश्वास्य स्वास्य श्रें स्थानियाः भ्रेतः स्वितः भिष्याः स्थानियः स्थानियः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः अ:तुअ:प:र्चेन:पर:पशुर। । नर्डेअ:थ्व:पर्अ:रे:नविव:गिर्वेग्य:पदे: श्रेश्रश्राद्युद्राचि अळ्व हेट्राहे स्रु तुर देवा यर वर्गे त्यवाश विह्रा न्मयाने निविवाना ने निवाना महस्र राष्ट्री से स्वरान्ता धीनान्ता हुन स्वराम्य स्वरा मश्रास्तानु द्वी नायाधीत सेंद्राणी देव गार दे नविव नाये नाया से से स्थान दे सर्वित्यरत्तुः ज्ञानासे द्वाराय चुरास्रे। स्वाया स्वायरा चेत्र्। विश्वराद्यस्य विष्या हे ने विषय विषय अशि विषय विषय

क्रॅंशःग्रीःश्लुः अर्देवः परः पर्ः पर्गुः पश्चि । वरः वर्षः उत्तरः प्रवाधः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः सर्विन्यर्विन्वर्ग्यम्। यास्यक्षेत्राचर्त्रे स्राया वर्ष्ट्राचर्वित्रः वर्षा यहसान्ध्यार्श्व अन्यशान्दाले शास्त्रान्त्र्त्रे सामास्त्रास्त्रा गुराधिः हीराहे। यहसा न्ययायनि सुस्रेनिया वाहेन वें गाया से समासेनाया ध्रैरः अन् परः अर्दे न परः प्रनुः चुः न से न ग्रामः। क्षेत्रः अर्दे न परः प्रनुः चुः सः यदे द्वर वी श श्रेर शर पर प्रमुर व द्वा व वर्षे वा प्राय श्रे अश पर लुवाश मायास्ट्राचरास्त्रस्त्राचरावर् ज्ञानासे राज्या स्त्रस्त्रस्त्र ज्ञा यदे निन्द्रित्र अष्ट्र निन्द्र त्युर है। महिन्द्रिया मन्द्र। वर्षे वा मण्य क्रूँ सरायर विवास पर्वा मी सारो सराय हुर नाहे क्षान ने नविव न्। ने नवित्राम्नेग्रासदे से स्राप्त नुहाना पर क्षेत्र वनसान्दर्ने साम्यानक्षेत्रामा सर्विःसरः वर्नुनुसःसःसरार्थाःसरः नुदे। विर्वेसःस्वःवन्सःहःतेः चविव मिनेवायायया श्रुवाया से सया सक्षेत्रा सक्षेत्रा विवा नश्ची विह्रान्यकार्थेययार्थेन्यवर्यायेत्रायेत्रयेययायेत्रायेत्रायेत्रये शेशशास्त्र नित्र से द्राप्त हो द्राप्त शेशशाम्बद हो द्राप्त हो । मुर्रे । वर्डे अः स्वरः वर्षः दे : वर्षे वर्षा नेवा राष्ट्रे : शुंदि : खुवा वादः वया राष्ट्रे

मन्ता ने निवित्रमानेवासामवे ध्युवानामामामामाने विश्वस्था मन्त्र नकी निर्मात्र अक्षेत्र व्यवास्य वहस्य निर्माय निर्मात्र स्थित स्थानिय । ने निवित्रमिनेवार्यायस्य स्वर्था स्वर्थाः स्वर्याः स्वर्थाः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्थाः स्वर्याः स्वर्य वियायाद्या क्यां के दार्थ मुक्तायों दायदे स्थान साम्या मुका भी विदार्थे द्रास्य सु न्यान्यायान्यात्राचे । निःचविवायानेयायायते । प्रायायाया स्थाने । प्रायायाया स्थाने । प्रायायायाया । ठव्रची मिर्स्सर्भात्रा यहे गाहे व्रची मिर्स्सर्भात्रा के साची मिर्स्सर्भात्रा वर्षानदे । विश्वशन्दा वर्षानदे वर्षानदे वर्षा ग्री विश्वश्व द्वारा वश्वश्वर दि। ने महिरायात्र मन्त्र नु निर्मे निर्मे । निर्मे साध्य प्रत्य निर्मे । निर्मे साध्य प्रत्य निर्मे । निर्मे साध्य यानेवार्यासदे सद्वार्यम् ह्वार्यास् चिटाकुत्रायात्रायारायात्राप्ताद्वा केरा ग्रे पिर्मिर ते प्रक्रीर प्राचीर विचार प्राचीर क्रेव्स्राम्यायायायायाची यळव्त्ते दिन्द्राम्यायायायाया वहसान्ययाविकासुःसेन्यवे सळविकिन्ये सर्वे सर्वे सर्वे वार्यास्य ग्राम्य क्षेत्र प्राप्त अपेता अरेत् प्रमाहेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त अपेता क्रिंशःग्रीःविद्रः वे निर्देश्वरःयः यदायाः स्त्री क्रिंशःग्रीःविद्रः वे स्यानि यर संयोत्। यर मा शुः शुः ह्य त्य भावन्या संकेतः में प्यर संयोत्। यर मा

য়ৢॱয়ৢॱ८वॱয়য়৾৽ঀঀয়৾৽য়৾ড়৾য়৾ৼয়৾ঀ৽য়৾৽য়ৼয়৽য়য়য়য়ঢ়। क़ॕॺॱয়ৢ৾৽য়ৢ৽ঀ৾৾৾ঀৼঢ় न्ना नर्डे अप्युन प्रन्भा श्रुवायि भ्रुपानक्षानान्ना वृत्रायान्ना नक्षेत्र नगुर्न्न मुन्यान्यायो अर्थे अर्था उद्गास्य अर्थान से दाव्य अर्भु दायादे हि दे सूर र् रे निवित्रमिनेग्रासायशा हुरावरारेगायरावशी यग्रा वहसार्यया ने निवित्र मिलेग्रासः याञ्चमा सम्मिर्मा सामि । ज्ञान हिन् पीत्र सिन हिमः ८८। श्रुयापदे सुप्पटादे निवेद मनेग्रायदे चिद ची क्राय कि प्रवेर प्रवे ध्रेरःर्रे। । नर्डे अः व्यव रद्या अर्दे व रचरः वर् र नश्ची र नः या अर्के अः चरः वर् र वा अः व। देवे श्चर र्ने नविव मिने ग्रमारे के रामी श्चर विव रामे इससायाधे ने साम्री सूरावा के दार्थे त्वीर विद्या सूत्राचित्र वा त्वारा नकृत-न्यना-तु-स्रासक्षेत्रा-न्या-ग्राम-त्यनुमाला वृत्र-भित्रा सम्या मुश्राह्मश्राण्ची ह्रस्याचर में या निर्देश्य या सामित स्वीत स्वारा स्वारा स्वीत स्वारा स्वारा स्वारा स्वारा स्व न्मयायने सुरक्षे न्मेरका अर्देव मरायन् होन्या केन्यरायन्य प्राप्त प्रमायन है। शेसराउदासमुक्ति र्रेदि निदानी क्राया है न ना शेसराउदानी पर्या न्नरकेन्ग्री भ्रम्भानान्दके अदे न्यीयादिक्र मी कु नेवान्द से नेवार्षि

व'यश'शेसरा'ठव'इसरा'याश्वर'ना'छेव'र्से 'यत्तुर'या'ने 'यश'ग्ववर'र्मे 'छु निया नदासे नियान्या विश्वीय वृत्तान्दा वे स्त्रा सेवारी के स्वारा ८८.रेष.त.तम्ब्राच्याका.तर.वी.ट्र्र.विका.ता.तका.क्षेत्र.वा विवाका. चध्ये.विट. या देख्यानावदायात्री देस्यात्र्यायात्राच्या व्याप्ती से व्युद्धायादे विवादी ने निविद्याने विष्यास्त्रे के राशि श्लाप्या के राशि निर्देश मानित्रा है से निर्देश के राशि निर्देश के राशि स् न्ध्रेग्र ७७। । पदे वन्य न्द्र ने य न्द्र न वर्षे यय प्रयं ने द ह श्रुट न चुर्यायाययापटाद्वायरायुरायापेतः यदे द्वेरा दे त्ययायेयया उत् इस्रायायाये ने या ग्री सूराया के दार्थे निर्मा सूत्राया वे वाया प्रमान हुन मेर्पान्नापनुरानी इसायर में वानदे खुरायनदः विना न्ना वर्षा है से वर्त्वूरःरें। ।वर्डे अः खूवः वर्षः देः विवः विवायाने वायः पः न्राः ग्रुटः कुवः से सयः क्रियायाम् मार्थान्या व्याचेत्रे देयायान्तरायाः केत्रे संभू तुः इसययाः ८८। ५६८.स.य.श्रुट्र.सद्य.क्षेत्र.खेश. स्व.श्रेश.क्ष्याश्रास्त्रस्था १८८।

यान्यः वे अः नश्चेः नः ने त्या नर्डे अः व्यवः यन् अः न्ये न्याः यानः त्या अ। वहस्रान्ययः वर्ने त्याने प्रविव प्राने प्राया इस्य है ने प्रविव प्राने प्राया प्र त्रीत्रात्रीक्षात्रक्षत्रक्षा व्यव्यापाराद्रम्। तञ्जूनायावावायीकात्रव्यक्षाउदातुः सुमासुन् सुमार्केषामापा वसमाउट वें नायर वर्षुर नदे । यस दे प्या नश्चनःयःने हे स्वानःनिवन्तः देवे वित्तः देवे वित्तः श्चित्राचर हो दारा दे । द्रापा दे । बस्र शास्त्र द्राप्त श्वास स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः वर्षे न पर वशुराया ग्राम्या या प्राप्त वा या प्राप्त विष्ठ व नर नहें र त्या र त्यापर गुवावका सवर से सका ग्री से सका रहा। विंदा विं श्रेश्रश्नात्त्र विदायके निते प्राप्ती नियाने प्रमानि प्रमानि । राव्यक्षराउद्दार्वेतायरावश्चरात्रे। यहसाद्यवाइसाग्रद्यार्वाद्यादेशात्रेत्रा यरे सूर सुरा सुरा शुरा र्कें ग्रारा प्रयय विग् । दे प्रवित ग्रिग्रा राये ही त मु मिन्या मिन्या विकार व नविव मिलेग्रायदे चिव ची क्राया ची सत्र प्राया प्रमानिव स्तर स्वाप्य र चुर्दे। विर्ट्साञ्चर वर्षा वही वा हे व ची विस्तर प्रेंट्सा सु सार्वा या वा व याद दे : सेंद्र प्रायम् । याद दे दे गें विषय वास्य विषय विषय स्वाप्य विषय

यार है : क्रें र प्राथमा यार है र में विषय या या या विषय प्राथमा है व म्) विस्रक्षाः स्वास्त्राः स्वास्त्राः न्याः न्य न्गेविक्ते। वर्नेक्षे अक्षेग्रारुवक्त्रस्थरान्ता सेस्राउवक्ष्यानस्यानः इससन्दर्भ देवासन्दर्भ दुसन्दर्भ के देवासन्दर्भ दुन्यन न्नाम्बर्यान्ता हेया पर्सुन्या हुन्याम्बर्यान्ता हुवानिस्यान्या राक्स्यश्चारा दवः श्रेटाक्स्यश्चारा वेषाः राष्ट्रस्यश्चारा व्याः व्याः र्शेसर्भात्रपत्रवास्याप्त्रा ह्यें राजात्यवापाइसर्भावे सेंत्रपाधेवाया ह्या कुन से समान्यतानमया पान्द हैं राज सर्वे ना न्द स्वनाया हिससा है निया न्ना ने निवेद मिलेवायाया इस्थात शुराना दे निर्मेद साधेद दें। प्रह्सा न्मयायहै गाहेत् श्री विस्रशार्धे द्रशाश्चान्यान्य न्त्री हो यस नहीं गाम्या न्रें अर्थे नकुन्ते न्र्योव त्या गहे अते स्यन्त्र ने वा प्रम् वृदे । नि वशः नर्डे अ'ख़्द्र'वन्र्य'या जुर कुन'र्ये अर्थान्यव'वह्र अ'न्यव'र्ये अ'वि 'स्नून'हे या गर्भेषाहै। । नर्डे अप्युन प्रन्यान्में रया प्राप्ते अप्यम्प्र वर्षे व्या ग्री स्वा म्यायित्रायित्रायाः यद्येत्राधाः व्यविष्ठाः व्यविष्ठाः व्यविष्ठाः व्यविष्ठाः व्यविष्ठाः व्यविष्ठाः व्यविष्ठाः नर्ड्र अप्युक्त प्रद्या श्री अपने प्यानगाय सुर्या या प्रद्यान्य प्राप्त प्रदेश के पे प्रविक

यानेवारायदे चु न न सुन पर रे रायदे दें त न सूत्र पा धेत है। यदे दे दे न वितः निया । दे निविद्यानियाश्यापि नियानिया नियानिया नियानिया । दे नियानिया नियानिया नियानिया । विवासिया नियानिया नियानिया । नन्द्राचा ज्राक्तासेससाद्यवान्त्राचे स्रेंद्राचीसार्क्सामी स्र र्धेरशःशुः ह्रेन्यश्राराश्चेरशेर्यर प्याप्तर प्रमाप्तर देवा प्राप्तर प्रमुराहे विश यशिरश्राश्चा । लूच. ध्व. मु. जु. स्थानमः योथवे. जार्चन याः ह्याशः र्से।। ।। नसः में निवि निर्देशाहियाः या से समः उत् श्री । निसमः नियाः हुः से नः यः र्शेग्राश्रान्यमा हु सेन् पाया विश्वान मासुन्या साने त्या है ति है वा है वा है वा है वा है वा से वा साम साम साम पिराया विषया विषया विषया कि त्या कि त् यर नहें न पर हाले व क्षुराया हो हा न पर नहें न पर होते। नि न न ग्रद्धात्रास्त्रास्त्राच्याचात्राद्वा धित्रास्त्रास्त्रास्त्राचात्रास्त्रे। देःवावहेवाहेवःश्रीः पिस्रसः अश्वा प्रिंद्रसः शुः द्याः सः द्याः वः वे स्रोस्रसः उत् द्युः सः न्यसः ग्रद्रा र्द्रायम् इस्राया स्थान विष्ट्राया स्थान ग्रम्भेन सूनानस्याग्री केंग्ना परासेन्या नेन्नान्य ग्रम्सेसस

न्यदे न्यो वन्तरवाद विया यात्र शर्मा ने दे ही मा देव हो । विस्था ने न्या व्यान्य स्थान्या संविधा हु। ने न्या हु हुन ख्रम से सस्य न्यय सः यश्रियायराकुरायात्रस्ययाञ्चेतायसाची प्रतरायीया श्रेति। दे प्रयात्रास्य से श्चे चित्रा र्शे र्शे दे श्चे चे साधिव पदे छव विराह्म समाग्री श्चे पासे प र्ने। । पायः हे : दे : दवा द : श्रें : श्रें दे : श्रें : चेंदि : चुट : कुव : श्रे अशः दयद : इसशः दट । न्ययः इस्र अः श्रुर्यः या ग्रुटः कुनः से स्र अः न्ययः याटः सुः न्याः ने : न्याः नुः धिनः ग्रीशः श्रें व स्वर ग्रेन्स ने द्वा व्यवस्थ उन् वे दे द्वा हु श्रे स्वर विश्वर डेदे हिर हुर बे व हुराया गर्य हुरो में प्रमाय कि कर है न्वो नदे सन्यायायायायास्ययायाययययः त्याश्चानाधेवाते। वर्ने क्ष्र-दे-द्या-हेद-श्च-तर्गुर-वा ले-ले-श्च-रू-हे-द्यो नदे-क्रेश-इस्रश्यः नर्हेन त्यु शर्हे अयर हो ८ हेर। देश रे अ ही अ हे । द्या हु हु । नवे रहें अ हे ८ ब्रिनःसदेः श्रम्यानः ठवः नुःवशुरःनदेः ध्रेरःने। नेःक्षरः वःवनेःयः नश्रयः यन्तेः धेव प्रमः मेगा प्रमः हुर्वे। हिम कुन से सस म्पर्वे पावस प्राप्त वि प्यानहेवः वर्षान्तः नविः श्रुनः परः ने दः दे । रनः दः दः नवादः नः वावर्षः पदः । भ्रुनः

यद्र क्ष्य विस्नायात्र सार्टा व्याप्त से से से समायात्र से समायात्र सार्टा व्याप्त कुनः श्रे अश्वः न्यवः वादः वात्रश्चात्रश्चाः प्रवे : नश्च श्वः प्रवः व्यनः कुनः ग्वन ग्री देर भे पहेगामदे नम्माम प्रमान प्रमान प्रमान प्रमान स्थान प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प् विस्रायाम्य सामादावे न इट कुन से स्राय द्वार प्राय प्राय । यावर्यान ने के दाया नहेव वर्षायादाया यावर्यात् वीं दार् स्टान विवासी ख्या विस्र उत्र द्रा वक्षा नदे कुषा विस्र प्रदा से मासूदे दे साद्र न्या विदा कुलाबिस्रमान्ता वर्हेराचासुदासुद्रास्रक्षित्रास्ते नवा स्वान्यास्त्र विष्या सरक्षित्रभारादे विट क्वा हु । विद्या शुः श्रेष्ट नर विद्या प्रिया पदे । श्रेष यान्त्रम्यान्त्राचारावे व। ज्ञान्त्रम्याभ्रम्भन्याः स्वान्त्रम् यावर्गानाने हेरायानहेव वर्गायाराया यावर्गाव वर्गे रात्र सरामविवासी निर्मा गह्रमायाहेर् न्या वर्षेत्रमा स्प्रमायायाया वर्षेत्रकण्या वर्षेत्रमा न-न्। नश्रमान्त्र-न्-श्रुवश्रमः पर्वा नाम्स्रश्रप्तेनः न् नुस्र सन्दर्श्वेदाहेदेग्व्यावराम्दर्ध्वाम्यार्थस्य स्थान्त्रः हेत्याः हेत्

र्ध्रेग्रथः ग्रेशन्त्रविद्वन्द्वेत्त्र्यम् न्त्रेत्रः याम् न्त्रेत्रः याम् न्त्रेत्रः विद्यान्यवे विद् यान्त्रम्यान्त्रित् जुरक्तास्यस्य प्रमान्त्रम्याः ने छेन या नहेव वस्रा मान या नावस्य व में निर्मु हान स्व में है ना स निर्मे सत्रुव्याये के राया सम्राम्या प्राप्ता प्रमेव प्राप्ता सम्राम्या प्राप्ता हेव के रा वर्तेषानरावर्त्वरानाषास्रावसायान्ता वृत्रार्वसान्तरास्याम् साम्या ८८ ह्य स्ट्रांस स्ट्र न्ना ने न्या केन न्य श्रुव सेंद्र प्रवे हें या श्रुव की श्रायश हे श्राय स्व श्रुद्र नःवःस्रान्यःमः स्रे ने वः त्रुवः स्र न्यः धेवः नदे स्र स्यः स्यः नवाः नवे यः मनि पदी प्येत है। पदी प्रमेश हार क्रिना से समाद्र प्रमेश के दिन हो दिना यदे किंगा ने अपार्ट्या इसायर साराविषा यदे यदे व सारा ने सारा सरमावना सदे नित्र संभी शासदे। नि त्या श्रुत से दि भी शास है । वि धेव है। यह सि है। हेव डिट पर्रेय नर पर्रेट न प्रायम न हम मान हैं न्यायाय दे दे या प्राय्या । यात्रयाया वि दे दे दे प्रायाय हेत् द्या हाया वि श्रुवा धर हो दारे वात्र शर्म दूर से तथा वहेत तथा ते हार छ्वा हो स्क्रीर से तथा वर्षा वी. वर:र्विर:क्वाःग्री:श्रेश्रश्राविर:वर:श्रे:ग्रेट्री विव्यादाविश्रादाःवा

नहेव व रावे । जुर कुन ग्री क्षेर में लाय तुना नी नर र तु क्षे ता स्व राय । ५८। व्यट्याश्चित्रविषानाइटा द्वी नवे श्चित्रवाद्येयान्य स्थानमः वसेयानमः हो निर्मे । विष्यामा विष्यामाया वहेव वसार्वः अश्री विषयः गान्व क्राया क्राया प्राया क्ष्या प्राया क्ष्या क् मुनः वर्देन्यवे विस्रस्सु भ्रे विद्या वर्देन्य वर्श्वेन्यवे क्रेंब्स्य स क्रम्भाग्रीमाग्रामागुन्नमार्देनार्येम्भामास्येम्। नेन्ने। नान्यामानि।मा यानहेत्रत्राहे के राह्म स्थापरा ग्राविना पात्रस्थ रहत है न्याया याया स्थापरा प्रस यदे क्रिशः क्रिया राक्षेत्र से प्याप्त प्राप्त प्र प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त ल्ट्रिश्राश्चान्त्रवे क्रुश्याविष्याचाविष्याचा विष्याची विषयाची विषया ग्रान्यमः न्यान्तः हे मःशुः नक्ष्रं पाया भे नहेव प्रमः शुर्मः नार्वे वरः ने प्रविवः यानेवार्यायदे थे। नेरायर्वे वायर हो न दे । वित्र कुवारो सर्या न्यय इसरा स्वानस्यापाराद्रात्र्वापारावर्द्द्राप्या गुला स्वापारावर्षा यर्वे न्राये सूया नस्य क्ष्य न्राय न्राय क्ष्य क्ष्य न्राय क्ष्य क्ष्य क्ष्य न्राय क्ष्य न्राय क्ष्य क नःगरःदरः वृत्रः परः नहें दः परः ग्रुः ले त्र । श्रुषः या श्रेष्रशः उतः वः यतः ।

नदे न इस्र न्दर्दे । विद्रक्त से स्र न्दर इस्र पिट्र विद्रापा निद्र न व्यापरान्द्रित्यराना वेश श्रुरामा वेश ग्रुद्धे अवरायह्यायाद्दा सेसराउदानी देवाना नदे थेटायानेटाया समस्यादार दे। । नुदाकुनासेसरा न्ययः इस्र भागव्यायानः न्यः वृत्तः यमः न्यः निः न्यः न्यः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्या धर्मे अर्भे मिन्न विकास मिन्न विकास मिन्न विकास मिन्न मः केत्र में जे निवे में प्रिन्त निवा प्रेत्र है। ने निवा क्रायम श्रुम्य त् जुम क्रिन सेसस्य म्या स्थान र्वे। निवि ग्नार वे त्रा दरे सु हो। हार क्वर से सस रमदे दर्भ न स हैं र ब्रॅट्यामा उत्रामी भूताना नेवामा केत्रामा नेवामा केत्रामा निवास केत्रामा नेवामा केत्रामा नेवामा केत्रामा नेवामा शुर्रायायदेवश्रायाद्दा द्वो वदे द्वाया सावश्रवाश्रायाद्दा वदावेदाद्दा नडरामदे से सराद्र थ्रव मर्दे । श्चिन मा केव में नवि में दे द्या मी गहेव र्रेरःश्चेनःमःइसःमरःश्चेरःनरःग्चेरः मदेःर्हेशःइसःमःनविरःरेगःमरःग्चःश्चेः नवि'ग्राट'वे'त्र। दर्ने'सुंसे। शुँग्रथ'न दुरे'रे'नवित'ग्रेन्य्रथ'हर्न्शे। श्रेव.र्जर.धृश्यः यन्ववायासर.ची.य.र्टा श्रिवायाय देव.श्रु श्राया व्यवायाय उर्गी देव र्रे क्र रायकर तर विराधित है र रे राविव यो के यो या या विषय र र

गर्भेषःनःगन्नःमरःगुःनःन्। र्धेग्रयःनदुवे स्रोध्ययःवद्गःश्रथः उत्रिशे नर्भेन्द्रमभाष्रमभाउन्।याहे भाशुःधीः महानमानुःनः नृहा नृषोः नदिः हानः चुर्यायान्द्रायान्त्रयान्यस्य वित्तान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्र कुन-हु-र्जेट्शः शु-नर्शे नर्दे। । जुट-कुन-सेसस-र्निट-सर-कुन्-रा-इससः ग्रैभःग्रदःधेरमःसुःभेभःगरःदगायःबिदः। श्रदःगरःदगायःगरे हे नदे हें त बॅर्सरायाञ्चाबॅ वे निवे में पर्ने न्या धेव है। ह्या छ्या से समान्यर ने न्या लूर्थाश्चः जुर्यास्य विद्या लूर्या श्चर्यास्य विद्यास्य ब्रिट्री निवित्तार वित्तर दि स्था से के कियाया बराम परिता क्रिक्ष के परितर स श्रद्धाः क्षेत्रः प्रदेः प्रदेः प्रदेः प्रदेः प्रदेः प्रदेः । क्षेत्र्यः प्रदेः प्रदेः विष्ये प्रदेः प्रदेः विषये प्रदेः प्रदेः विषये प्रदेः विषये प्रदेः विषये प्रदेः विषये प्रदेश विषये प श्रेश्रश्चात्रस्य प्रस्ति वात्राद्य । विष्टा कुनःशेस्रशन्नवः शन्दः सँ रःकुन् नः है । सृ नु रः गुरः गुरः भे व । परः नहें नः परः नुःवे न अभाग र्रे रेरे दे भे रेरे दे भाष्य माराविकारा ५८। १२.७वामायदे म्रेर्स्स्रिस्स्रिन्स्रिन्स्याधेव यद्या यहेवामाया वसमा

उन्दायमायान्त्राच्याच्याच्याच्या त्रुत्याचे क्षेत्राच्याचे मायाचे यदे धिरह्गा हुर्ना हुर्ना वर्गाय नरमात्र राष्ट्री सरम् वर्दे। विरः क्वासेस्रान्यवासामित्राचार्त्रसम्बद्धन्याहे स्वानुरागुरायाधेतः नर नर्हे र नर मुले व अराम पर्याय या से अहे र में अर्थे न मि वयाष्ट्रवार्ष्ट्रवार्ष्ट्रीयास्त्रवार्यात्रवार्येत्यास्यास्य स्वात्रवार्षेत्रवार्येत्रवार्षेत्रवार्येत्रवार्येत्रवार्येत्रवार्येत्रवार्येत्रवार्येत्रवार्येत्रवार्येत्येत्रवारवार्येत्य न्वान्दर्धिन्शीर्गाव्यक्षित्राधित्रास्य स्वान्वानि स्वीतः स्वानिस्य वक्रयानदे दे सान्दान्य नाये दारान्दे नायर नहें नायर नहें नायर के वार्षे सका न्ययः अ'ग्राश्रुअ'यर छुन्'यः है 'क्षु' तुर ग्रुर या धेव'यर गर्हेन 'यर तु' वे वा ब्रुच.स.लुब.सर. यर्ह्रेट.सर.चेक्र्रा विट.क्व.श्रुभश्र ७७। विसय.श. नवे पर कुर् पर है सूर तुर शुर राणे व पर नहें र पर तु वे व शुर पा वरःगीःभ्रमाः अर्घेरःगीः यसः स्र्रेनसः न्दः स्वः सः र्घेनः ससः र्हेवः संह्यः सः र्हेवः यर ने न्यते । धे के शक्ती विद्या विद् बुँग्रायन्दर्भव्यः यदे केंगः हे सूर्द्रम्यायन हे न्ह्रस्य प्राप्त वहेंग्रायः यविश्वासायीवास्य वर्षेत्राचरा वर्षे । विद्याल्य से स्राया सामा स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य

महिल्यात्रम्या विष्यात्रम्य विष्यात्रम्य विष्यात्रम्य विष्यात्रम्य विष्यात्रम्य यदे ने अपा वस्र अरु वस्त्र । यद्या प्रमा विकास वि विकास विका ध्रेर'नरेव'रा'नश्रय'ग्रेश'श्रे । ह्या'रा'य'हेश'शु', तुग्र श'र्थ नेव'हु'श्रुर'नर' न्गाय नवे व्यय त्यापा प्रमान्य त्वाया प्रमाने विष्या स्थाने हिन्य स्थित । स्थाने हिन्य स्थाने विष्या ढ़ॖज़ॱऄ॓*ॺॺॱॸॖॺढ़ॱॺ*ॱड़ॖॗॹॱय़ॸॱढ़ॖॸॱय़ॱॾऀॱॷॱॹॖॸॱॹॗॸॱय़ॱऄ॓ढ़ॱय़ॸॱॸऻॾॕ॒ॸॱय़ॸॱ तुः वे त्र अभाषा हेत् उटायहोयानरायहुटाना वन से दि ख्याया वृत्राया मदे हिरादर् होराबस्याउराया से समुद्रामदे पर् नेयायान्याप्राप्रा यक्त या से न प्रति न ही न संकित प्रति वा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप यावर्यायाधीवः यरःवर्द्देर्यरः गुर्दे। । गुरः कुनः श्रे अर्थः । न्यवः श्रः नर्त्वः यरः क्रिन्सि भ्रम्म स्राम्सि स्राम्सि स्रम्सि स्रम्सि स्रम्सि स्रम्सि स्रम्सि स्रम्सि स्रम्सि स्रम्सि स्रम्सि स्रम् नशः विव. १. १८ १ हे अ शुः बुवा अ स ५८ । श्रु र निवे विका ही सम् र मुवा स लीव्ययरान्हें र्यारानुदे। । नुरः कुनःश्रेश्रश्रान्यवाश्रान्नुर्याराकुर्याःहैः क्षे.येर.वीर.ता.लुय.तर.याह्रेर.तर.यी.बु.या श्रिमामा मह्य.तर.वरी.येर.त बेट्रियाना बेट्रायश्वास्त्र अस्त्र अस्त्र मिन्रिया हिट्या स्तर् क्ष्रम्पर्देन्यानिवेदार्वेन्यम्भाभागेषान्यन्य अळव्याम्मभाउन्यान्यम् र्वेन'म'न्रा न्या'मदे'स'याय्वस्य प्येन'मर्न्य्हेन्'मर्न्युर्वे । व्रिरः छ्नः श्रेश्रश्नात्रात्रात्र्युः प्रमः कुन्याहि । श्रुः तुमः श्रुमः यो वः प्रमः वहिनः प्रमः त्रुः वेः वा अभाषा भेरामी र्कें मार्था रहा केंगामी र्कें मार्था दिए भेरमे दे केंगाया इससायान्तर वितासदे विता क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वामान स्वामान क्षेत्र स्वामान स्वामान स्वामान क्षेत्र स्वामान नकुः केवः में अर्थे अर्थः उवः वस्य ४ उदः ग्रीः श्रे अर्थः गुवः तुः स्वृः नदः वः मुन् र्रे र्रे थर द्वापर देवाय के दर्भ में न पर दिया के राष्ट्र वा के दर्भ लेव.सर.चर्ट्र.सर.चेट्र। विट.क्व.श्रेशश्चरत्य.श.चर्थ.स.क्ट.स.ह..हे. नुरः ग्रुरः राधीतः परः नाई दः परः नुः वेः व श्रुर्यः । यद्यः मुर्यः वस्यः उदः ग्री-नगर-नश्चर-गरकेत्र-में भें नगरि द्वीर। श्वेत्र-केत्र-में भू-नृदे कें राग्री श्च र्वेन मन्त्र अर्देन मन्त्र भेराम केन में र्वेन मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र मन्त्र लेव.सर.लर.यर्ह्रेर.सर.घेट्र विर.क्य.श्रुश्चर्यर्त्रेर्यक्षेत्र.सर.त्रंत्र.चेव्यंत्र. यद्गःश्वरःकुर्नःमःहै स्थ्रः त्ररः शुरः यः धोवः यरः नहेँ न्यरः ग्रः वे वे श्वरः या क्रॅंशःग्रे:श्लुःर्वेनःभने हेन्नेनःभिनः हुन्स्यायमःन्यायःहेन्ग्ग्रे:श्रेमःन्न। धेन्यासुः गुन'म'हेर'ग्रे मुंर इस'म'बसर्भ'डर'र्'हेर्न सेंर स'म'र्र । ने स'ग्रेरे क्वेन' यः इस्रायमः न्वायः भे रान्ता सर्वेतः वः इस्रायमः न्वायः भे दः प्रमः वहेनः यम् जुर्दे। राने प्रणामी राष्ट्र प्रायम हैं साम है सुर तुः धेव ले ता हुरामा नुदःकुनःसेससःद्यवःगदःगेःकेंविदेःसुःस्रे। सःनदुःयसःनहससःदसःससः प्रशः श्चें दःसदे साया के सार्श्वे दःसाय दुःया लुग्न साय धे दार्वे । । सादे द्वापी सा यक्ष्याया है सुर्धिय वे व क्ष्याय। व्या क्ष्याय स्थाया विष्टा विष्टा क्ष्याय स्थाया विष्टा विष्टा विष्टा विष्टा कुन से सस न्यदे । धर न्या य हे न भी मुँ त से न या य ह्या हिरा वससय । इस्रायरान्नायापरावर्षेनायानेवे के दार्शावस्राउन् देना उरावर्षेनायापीता र्वे। । राने न्यामी कुष्म श्रुव प्यापाट धिव विष्व। श्रुर्या विष्या विष्य प्रिया प्रिया प्रिया वस्र १८८ त्यः स्वर्षे त्यसः क्ष्रें र न त्यसः तुर न न न त्यो । सारे प्राप्ते । लूर्थाश्वीयत्त्रह् क्षेयिल्लुयं कुर्या श्रिमानी चेराक्ष्यास्त्रम्या ने न्यायाद मी के रामे राया प्याप्त न भूता नाय नुसा स्वा नुसा नी सासा ने न्या हु अशु याद वर्हे द यदे अशु दे के पर्दे द या वित पर्वे व या धेत हैं। श्चेंत्र'ये ८'य'य' विवाय'य'ये 'वेय'या ८'या शुर्य 'य' १'य' १५व 'र्वे य' ग्री 'श्चेंत्र'ये ८' यर विग्रामाराणिवायान्या ह्या ह्या से समान्यते हुँ वासे नामा

ब्यायायायार धिवायारे या केंया ग्रीनि हैर या हैं या या या या विष्या या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषय बर्ट्रियः वर्षे प्रत्राचक्षाचर या है अर्था के अर्था के अर्था वि न्वेरशःशेः अळवः हेन्दे अर्रेरः नश्चः वः इस्रायाहेशःहे। वेः व्यायो अळवः १९८८ । स्टर्मी अर्क्ष्व १९८२ है। । दे खा हो खा मी अर्क्ष्व १९८५ है। दे खा हो । न्यामी अळव हिन्दी ने त्याह्या पदी अळव हिन्दा वि नदी अळव हिन गार धिव पर्दे। नि य ह्मा पदे अळव हे द वे हे त्या मार्चे द अव मार्से प्राप्त के द यदे कें राष्ट्रिन्द्र। भे बन्यदे कें राष्ट्रिन्यान धे त्र यदे। विषय विषय मक्त है न ते हें त से न मान्त । सूना न स्या न ह या न दे के स है न न न धेव पर्दे । ने ल रूर में अळव हे र वे क्रु अळव रूर । केर रूर । क्रा पर हैंगायप्ता ने निवेदिन्द्रा यत्त्वायदे ने अप्यश्चर्य से मःक्रिंशायान्वासेनामानाधेनाम्ये । निष्याद्वन में साने निष्याप्रेन में साने निष्याप्रेन । हेर्गीशक्षाक्षाम् निर्माहिष्यान्य स्थापर र्वास हेर्गी क्रिंव सेरास स वह्रवास्य होत्र हो। रद्भवी अळव हेत्र हो अवे अपीव हें। दि हेवा शस्ते ध्रेर्से पक्षे प्रदे पर्नु ने रान्ता पर्ने प्रदे पर्नु ने राम्री राक्षेर्या में प्रदेश पर् वि'नदे'वर्भभार्त्। वर्नुनिम्बस्थाउर्वायासीसमुद्रायदे'वर्न्भभाग्वेगा हुःदेशायावर्षेताग्री। कुःसळ्दात्यार्शेग्रायाया नसूर्यायदे ळेंशादे प्राणी दे यह भूपानविवर्त्यता हु भेषि भेषा है। के अर्थी न् बेहर अर्थ लुग्रस पर है। ळॅंशःग्रे:८ग्रेट्सःग्रे:त्रे:व्राव्य:५श्रेवाय:पदे: धे८:वःत्रेट्र:पय:येययःग्रे: र्श्वेन्यायळवायायेन्यावित्यापेन्यी। स्टानीयळवाहेन्यान्येग्याययाते याधिवार्ते। ।वाववाययार्केयाग्री:न्त्रीत्याग्री:म्राची:यर्क्वाहेन्वसूवायार्वेयाः वःलट.टे.जम.४व.ब्रूम.त. ज.घट.क्य.थे.लूटम.शं.पर्यंत्राचाट.लुय.स.टे. वे किया अ के व से अ व ह्या के दा। दे अ क्षे र न र प्यार हो र है। । दे प्य अ वि . मद्रे नर्गे द्रम्या विष्या यादा धेवाया देवी के वाया केवा में या पह वा किटा देया र्श्वेरः नरः वे : शे : हो र दे । । हारः कुनः से सस्य र नयः वे : सळवः हे र : रे : या हे : या सः क्रॅंशःग्री:न्रीरशःह्रेषाश्वराधारःनषाःचः हेनःश्चेत्रःभेनःचःवःवहषाःहिनःश्चेतः येन्यायात्वायात्रयात्राम्यात्र्यात्राम्यात्र्यात्राम्यात्र्यात्यात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्य न्रीम्राम्यते थिन्या होन् म्रामे या स्त्राम्या स्त्राम्य स्त्राम स्त्राम्य स्त्राम्य स्त्राम्य स्त्राम्य स बे'व। यरे'क्ष्ररःकें अ'ग्री'न्दीरअ'ग्री'त्री'त्रमामी'अळव'हेर'य'न्सेम्अ'सदे'

ल्येर्जा न्या अरार्ज्नेर्ज्ञ स्वर्ध्यार्ज्ञ स्वर्ध्यात्र स्वर्ध्यात्र स्वर्ध्यात्र स्वर्ध्यात्र स्वर्ध्यात्र स नवे श्रिम्ते। ने श्रुप्तश्वने त्यायव सम्ति मावश्वास वे न्नु व से न्यायम सम् नरः हैंग्रायः नदे नुरः कुनः ग्रीः बनया या धेवः है। के या ग्रीः नुने र या है ग्रयः नर वर्षात्रं ने निया में विष्ठा निया है ने प्रेम स्मानिया वर्षा निया यश्रियाची न्यीयायिक्राधेर्या श्रान्या या ले या या ना या श्री स्याने त्या नुया यश्याची न्यीयादिराधेर्याश्यान्यानात्वेत् श्रूयाया गुर नम्याश्रायदे दे भे दे भे शायन्य पान्ता वार्ये द्यापान्ता नासून गुर यद्व.क्ष्र्याम्बर्धामक्ष्र्रमान्त्रीयाम्यान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम नविन-न्यामित्र विन्यामान्ता अप्तिमान्ता न्याम्य विन्यामान्ता इसरायासी सुनान्दा। सर्देव न्यर द्वाय नासेदा पान्दा। सुना पर कनारा मः से न् मानार धिव माने वे न् समासुस ही न् ही त्रा विस धित्रा सु न्वा मा बेश नुदे । यह या मुया ग्री कें या या दे या पान मुन्न वे पाइ वे या पार यशिर्यात्री यर्ट्रमात्रेय.तर्याग्रीमासर्ट्रार्ज्ञे । यत्रामास्याम् या यदेशसम्बर्धानक्ष्यम् र्या शुः नश्चन्यमान्द्रमाधिन्यदे । द्रवामी स्व यम्यावियाः यदे हे १६ १५ रा धेवा ५ ५ या यो अदे र सूर्य भे दा ह्यूरा यदे ।

क्रुं न न अव विवाद सुर में के वा हुआ में निर ख़ुव के वा वर्शे न निर सुर में के. गहुअ:र्रे न्दःहे स्वान निवाद्वात है सुर्वे न निवाद्वा है न गुरु निवाद मदःसःमित्रेशःश्रीशःश्रुवःभीवःहःश्रुवःदिवःसःद्वेतःसःद्वेतःसःद्वः नेःमदःतः नेःमदःतः स्ति ग्री अभी देवा अप्या श्री दाय अर्थों वादा विकार विवास ५८। ५वेवित्यर वसार्वेर हे वसार दायर वर्षे न ५८। केंस मुद्राय इसमा ८८। श्रे.मूर्याः इस्राप्टराञ्चरादेवाः वर्षे प्राप्ताः स्राप्ताः स्राप्ताः इसस्पर्ता ग्रीचेगाः इसस्पर्दाः द्वारे गायमें निष्ट्राः ने व्हरान्याः नर्देसः पदिः विष्यामाने भ्राम् न्यान्य अक्षा विषयुन्य मानाम् धिन्य ने निविन यानेवार्यायात्रस्रक्षराउट् ग्री प्रस्रका उट् र में द्रा यान्त्र प्यट र मा नर्डे अर्पायम् वनाव प्यार प्रतिम् त्राम्य म्या सिंद्र के म्या प्रमा विस्था स्थित । वस क्रूॅर-व्यान्त्रियाक्र्रेंट-पर-विवायाने-द्यापन्नेव-पर-नेता गार्के पर्देव पर-होत्। उ.र्डे के व.स्. पहीव सम् होत् सन्ता नवा कवा वा हो हो वा स्ता व होवा है। गुवावयाहें वार्ये न्याया उवाया धेवाय दे हा नामा केवारे यान में मार्थे नाया

क्रेंब्र'य'न्द्रा सुर्अ'र्वेद्र'क्रेंब्र'यर'तेन्य'न्द्रा न्वा'नर्डेअ'यदे 'ठ'र्डे'ने 'क्रे'तु ८८ अधुत्र पार पोत्र पारे दे पार्वित पार्वियाया पाया बस्य उर् ग्री बस्य उन्-नुः सेन्-प्र-न् ग्वितः प्यन्-नुग्-नर्डे सः प्रः प्यतः प्रम् दः नहेन्-र सः प्रशः नन्ना हिन् श्री श्राचार्या स्वाप्त स्वाप्त निम् वारायित स्वापीति स्वापीति स्वापीति स्वापीति स्वापीति स्वापीति स मेर्नान्ता मन्त्रापरान्मानर्धेमान्त्रम्यम्यम्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त नेशया वर्गेनामञ्जादनः यशयद्रशमायानि नरवर्नेशयानामाय यदे सुर में दर हु र व त्या प्रत्याय प्राप्त प्रत्य के प्राप्त है । नविव मिनेग्रायानहरार्श्वे असान्यायायात्वारायाते भ्रीतायो नामान्या याव्र पर न्या नर्डे अपने हें अरुपार त्वारा व अरुअपर राजविषा राधित या यहरा व्यव्याप्य वाष्ट्रयाच्या प्राचित्र मिन्ने वाष्ट्र वाष्ट्र वाष्ट्र वाष्ट्र वाष्ट्र वाष्ट्र वाष्ट्र वाष्ट्र भ्रान्यात्रयम्। ज्यात्रयात्रयः व्याप्यात्रयः व्याप्यात्यात्रयः व्याप्यात्रयः व्याप्यात्यः व्याप्यात्रयः व्याप्यात्यायः व्याप्यायः व्याप्यायः व्याप्यायः व्याप्यायः व्याप्यायः व्याप्यायः व्याप्यायः व्याप्यायः वयाप्यायः वयाप्यायः वयाप्यायः वयाप्यायः वयाप्या न्या नर्डे अप्त है 'शें शें र अप्त ह्वा अप्तर शे अश्र उद्य में 'रें द मुन्य नहर क्रूँसरा सुरवहँगागी। देरविवरम्नम्यासरायावेरदेरमुरतुर्दर समुवरपदेर र्शे श्रें र अ नहग्राश्रापदे नहर ह्रें अश्र से द पादर। ग्राव्य प्यार द्या नहें स्थार यादी भी या नुति क्षेत्राय इसाय राष्ट्राय या या या स्वाय स्वाय स्वय या सार्वेता या वे

लूर्थाश्चित्रभ्रम्भात्रभावर्थित्याश्चित्रभाश्चित्रभाष्ट्रभावाङ्कितः वर्ग्यश्चरः। इवःयः दरः। क्रेरः रे व्यहेवः दरः। क्रेशः स्वः दरः। क्राः स्वः वरः मुल्यन्तर्भ। इस्राधरम्ब्रियानदे त्ले स्वर्धराम्यक्षरम् म्याधराष्ट्रस्य स्वर क्रम्यास्य वर्ष्युत्राचार्ये द्राष्ट्री दे निष्ठित्र मानेवायाया है । वर्षे द्रमासु क्रम्याया इस्रामानतुर्वासे दे द्वासे दायादा वावराधर द्वा वर्षे साम दे त्यादा वे खुरा ग्रे व्याप्त ने नाया पर वहुन । यव वनवन वे खुर नु साम हुन माया यर पहुना है। खुरा ग्री प्यर्थ है प्हुं न ने निवन्तु हना नी प्यर्थ नहा। ये न ग्री प्रमायापार दे निविद्यापीय भी दे निविद्यापियाम निवास परि श्रीद प्रमारी । यश्यादी पो स्वेश र्श्व तर्रा पर्यो प्रदेश द्वीर प्रदा पो स्वेश ग्री हे श शु प्रदार नदे हिर शुर्रा नश्रूर दर। व्याय है विवाय है विवा ने। ने प्यापो ने या ग्रीया गुवावया नक्षरा न है राणे वा प्यति । श्री राणे प्रेया है वा रा वर्ते.य. लुष्ट्री ।लु.च्रूष्ट्राच्यूष्ट्रिय.कुप्य.कुट्रालुष्ट्राच्यूष्ट्राच् इसाशुःपन्नरानः धेवार्ते। निविवाधरान्त्रः नर्देशानसावीः न्या नेश मुदे निर्देश में या नहाय निर्देश मुका स्था ने दे में में ने दे थे । ने अन्दर्भ वेदि न्या कवा अन्या केद्र न्या प्रवास क्षेत्र न्या वस अन्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य

हैंग्रायायानेवे भ्रिन्देवे पो नियान्त्या हिन्या मार्थित सामार स लिव्यक्तिः निव्यक्तियायायायात्वे प्राचित्रः निव्यक्तिः निव्यकिः निविष्यकिः निविष्यकिः निविष्यकिः निविष्यकिः निविष्यकिः निविष्यकिः निविष्यकिः निविष्यकिः नि न्यान्य न्यान्य क्षा क्षेत्र व्यवस्थ क्ष्य क्ष्य व्यवस्थ क्ष्य क्य क्ष्य क्य क्ष्य क्य क्ष्य क्य ग्रें के रायपदे रापायहै पक्षित्र हे रायुर्वे दे प्यान्द में पित्र है प्रस्ने पाय है। स्त्रप्रतिः के संत्रित्ता वर्षा क्या संयोगसः प्रति संस्थानस्य श्री विश्ववादी. विवाश हे किव से श्रावस्था विश्ववास हस्य दे हिया स वस्रमाउद्ग्द्रमासिव्याम् वर्षे मार्थान्य स्थान्य स्थान वन्राः श्री रास्यमें रेषे व्ययान्ये । श्रुन् नवनः से वानः नवाः विन्याः सुन्यः सुन्यः ने नवाः वे मिर्णः चुःन्रान्त्रक्षेत्राय्ययार्थे याहे । व्यान्याया व्यान्य व्यान्य विष्या विष्या विषय । हें ८ : इस्रायम मावया पाने : साधिन हैं। । सर्क्न : हे ८ : इस्रायम : यावया पाने : मन : ह यावर्गायदे तो दुर्हे अन्योद्यार्भेर विष्या शुर्वित्र विष्या है। द्वी विर्वत्वर विष् न्या यश्चान्ये । जुन् नवर से ने न्या सुर न्यर ने या प्यर जुरे । । या ब्रम् प्यर जुर ळुनःश्रेश्रश्चान्पदेःवेनापरःश्चुनःपः आरः नेनापरः ह। आरः ननापदेःश्चुनःपः लर.र्मग्नास्त्रच। लर.र्मास्त्रः मञ्जूनश्रास्त्रे प्रात्रं प्राप्त्रं ल्यार् स्मास्त्रच। षट'द्वा'यर'श्रुव'य'य'क्स'यर'वाव्रश'यदे'तुट'कुव'सेसस'द्वादे'केंस'र्श्हेर' प्रान्ता क्षेत्रकारामरक्षेत्रप्रान्तरन्तो नाक्षेत्रप्रान्तरके कालामावकारावे क्षा मःलरःम्याः ७७। यमः । इरः छ्वः श्रेस्रान्यवः वः न्यः श्रेनः प्रे न्मे न्या ग्रम् मेया प्रमान्त्र वा प्रमान्य वि क्षुनामा वा का प्रमान का प्रमान का प्रमान का प्रमान का प्रमान का ढ्नाः शेससः न्यदे वस्त्रवायाया स्वाप्तरः ह्या १५वः वस्या है। १५वः वस्या स्वाप्तरः वस्य स्वाप्तरः वस्य स्वाप्तर विट.क्व.श्रेश्वराट्यंतु.चश्चव.तत्.विट.तर.त्य. तर.वि। विट.क्व. सेसस्य निर्मात प्रस्ति । त्या विवास प्रस्ति । स्वास्ति । स्वासि । स्वासि । स्वासि । स्वासि । स्वासि । स्वासि । वहिंगाहेत. यर्दरवहिंगाहेत्रायश्वर्यायदेशयदे लेश्यार्यायोशयावत्रश्चे र्देव ग्रु.च । प्यतः सेवा प्यतः श्रु । ग्रुट । स्कृत । से स्या प्रवि । वा प्यत्र । वा प्रवि । वा प्रवि । वा प्रव र्वेशःग्रीःनक्षुनःसः अदःदेगाः सरः या व्यायः सरः या नक्षुनयः सदेः द्वो र्र्क्षेदः अट-देवा-वर-द्या वेवाश-वर-वश्चवश-वदे-द्वो श्वेट-अट-देवा-वर-द्या नम्सः निष्यायाये क्षेत्रायायायात्रयायाय स्वाप्यस्ति । देवान्यायये क्षेत्रा रायाम्बर्गारायर देवारायर है। देरविवरम्वेवार्गायदे पर्वारायर देवार नर्गु। देः चलेव्यानेवायायदेः दर्यानदेः वनयः ग्राटः देवाः पर्गु। न्वेरिकाने वाश्वरकाया प्यरासेवा यस सुदे। । सुरा कुना के सका न्या है । क्षेत्र ग्री मिर्मिश्वारम् स्वार्थ स्व

श्रेश्रश्नित्रे श्रेश्रित्यी गान्स्रश्नात्वा सर्देर नश्रुव राणीव दे। नि यः वेषा यम् श्रुवाया ग्रान् वे व दे वे अर्देम व श्रुवार्गे म व शर्मे म द्रुवा रायश्वस्यारात्रकुट्र्रियाः यर्त्र्युष्ट्री योःवेश्राग्रीःक्षेप्राश्राद्धस्य सर.पर्शिर.यदु.जूर्या.सर.श्रेय.स.रटा लु.ख्रा.श्री.क्र्याश.लूरश.श्री.ध्रेयश. यदे द्व पानहे न पर प्रमुर पदे खें मा पर क्षुन पान हा द्व पानहें न पदे । न्गर रेवि के अ प्रेन्स सु या हु या सर त्युर यवि के या सर सु या सर । न्ग्रन्भितं के अप्पेन्या सुग्र्या मुग्र्याया स्वाप्ते । जुन् कुन स्रोस्य प्राप्ते । कः सापीत् । प भ्रास्त्रव्यस्य भ्रम्भ्राष्ट्रम् । भ्रम्भूत्रम् भ्रम्भूत्रम् । भ्रम्भूत्रम् । भ्रासम्बद्धाः स्त्राम् स्त्राम नरःश्चितःमः नदः। नद्यः नगवः नवे व्ययः नवः वर्षे नरः वर्षे स्वरः नवे वर्षे न यरःश्रुवःयः ५८। वयः ५वः यरः श्रेटः वदे ५वः यः यः धोवः यः ५८ः वर्षे वायः यरः वशुरावदे विवाधराञ्च वाराप्ता प्रायाया धेरापाद्रायम् विवाधायदे देव है सूर्यायित्र स्थित स्थत स्थित स्थि यम् श्रुवाया श्रे। जुम कुवादी लेशम्या ग्रीम्म प्रदानित पीताया लेशम्या ग्रीश वे 'दे 'यम'ग्वव 'यदे 'य'र्स्य' हु 'द्वेव 'य'र्म्यम् सुन हो देवे 'द्वेर' द्वर रहन

श्रेश्वराद्यतः वेश्वर्यायाः विष्याच्याः श्रुवायमः श्रेत्राच्याः स्वर्याः स् वर्ते व रामः हो द रावे र के का इसका या वे वा रामः लुवाका या धिव र वे । । हा द र र र र सेससर्मित 'पो 'नेस'ग्री 'किंग्स'पें रस्य सु 'हसस' मर 'प्यूर नि केंस'है ' नवि है। नवि गर वे न भे १९व म ५५ म १५ म १५ म १५ म यदे श्चित्रायन्ता वेवा यर्थह्य यर वेव या व्रव नुव विषेष नेशःग्रीः वैवाशः धेरशःशुः १ अशः धरः वशुरः नवेः वैशः नवेः वे दिः ने द्वाः यः नहेतः वया कें पर्ने न्दरकें ही सायायों ने यान्दा से सम्बन्ध परि कें यान्व प्रवि श्चे श्चे। नवि ग्नार वे न्व। हो ज्ञना हु से हिंगा स न्दा। क्रोत्र से न्या न नि यासी १९व माया महेव व्यव विक्ति वह्यानायानहेव वयाते के ही याया हो व यो नाया हो वे । १९व नवे ही नायाया नहेव व रावे के ही साया गिते सुगा तु प्रयूर नवे नर्से दावस्था साधिव पा या द्वीत्र हे 'कें ग्रा क्षेत्र | नि 'या क्षे 'छ्त्र मात्रे 'कें का या ले 'य ग्राक्ष मान्दा ग्राह्म वनायाने दर्म्या प्राप्ता हे निष्ठे नायाने दर्म्या प्रमास्य स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्त

भे पहुनामाने नावन मंभाने भागान उरा भ्रमामा के अपना निर्मा नावन से नक्रुभःग्रीभःवहिषाभःमभःग्रहःष्ठ्वःदुःभेःवहुषाःवी । १९वःमवेःश्चीनःमःवैःर्केशः ग्राधेर न है न र श्रुन पर दर्। श्रेश्चान दर्। ग्रासे य र र र श्रेश पर र र । भूनर्भात्रे प्रतित्यान्ता व्रवायायाये नस्यायायाया वर्षेत्रायायायाया वर्षेत्रायायायाया र्रे। विवायर्थर्वियर्वे वर्षर्वे वर्षः विवाद्ये वह्याय्वे स्टर्मे अवे अपर हैंग्रर्भार्यान्ता नर्झे सर्भार्यान्ता कन्त्रायायाये ग्रर्भार्यान्ति। ७७। । नर्से सम्मान्ता नन्तान्तान्ता सम्मान्तान्ता नावनः न्वानी अः वेवा अः धरः हैं वा अः धः न्दः। वर्श्वे अअः धः न्दः। वश्वनः धः वः वे वरः हैंग्ररायान्या वर्षे स्रायान्या वर्ष्यायास्य स्वायान्य विवासायसा ग्राम वशुरार्दे । दिःषाभ्रीःष्ठवःषाः माराधिवःषादरः। व्वतःदःभ्रीःवह्याःषामाराधिवः मन्ता व्रवासवे क्षेत्रामानाधेव सवे केंबाने माशुबाने स्वया के नामित्रामा यशः तुरः नदे 'षे ' ने शःग्रे 'क्रॅं वा शः षे र शः शुः हस्र शः यरः दशुरः नः षे दः वै। विवायम्यम् अरेवः यमः वेवः यः ववः नुवः नुवायः वामः धेवः यदे वे अपे वे निया क्रेस्ययस्यायात्वयात्वरात्रा नर्झेस्ययाययात्वरात्वराये थे या ग्री क्षेत्रायाः भेत्रायाः विष्या स्थान्य स्था इवःभःनहेन्धरःवशुरःनवे के शःग्रहःनवे हे। नवे गहःवे व गहःवगः नवि त्यान्यत्र यानवि या इसाय सम्हित्याय स्तर् हो नु दाया हो । स्तर्भा स्तर्भा न्ना स्राप्तर्भेषामानाम्मम् स्राप्तर्भा स्रम्पत्रम् । स्रम्पत्रम् । स्रम्पत्रम् । स्रम्पत्रम् । ८८.र्षेय.त.स्थ्रा.ज.य८वा.४८८.की.र्याकायर.स्था.तर.स्र्रा.सर.स् ५८। क्रम्यायक्रियायमः श्रेष्ट्रियायश्चयायायाये ग्रायमः ग्राव्ययाः इससः यानक्ष्मनः यायानिकाइसायमः सिन्यायमः त्रेन्यान्ना वेषाया केवार्या केवार्या ब्रॅंश्यरपर्देन्यन्त। श्रुन्यरपर्देन्यः इस्राया सन्हेन्यन्ता नर्हे न्'य'न्न्। इस'यर'ज्ञ्नानि 'श्लें क्'र्षेर्स' शु'श्लें क्'यं रे'व'र्से स'य'न्न्। श्चित्रायाः इस्रायम् स्ट्रित्रायम् स्ट्रित्यात्मा क्रियाः श्चात्रेयाम् स्रायाः ग्रम्यत्रिः ग्रम्याम्याम्याम्याम्यत्रिः वित्रः म्रम्याम्याम्याम्या मर्दे। विरक्षितःश्रेश्रश्चर्तत्वः नग्नरः सदिः क्षेश्रः स्थः शुः गृत्वाशः सरः वर्गुर-नदे कें शाग्रदान ने भे। मन्तर या भें ता प्रेत प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प न्गर-रेवि:क्रॅंशः इस्रशः ग्री: नाव्रशः संभित्रः पायः श्रीं रः नः न्दा न्गरः रेविः ळॅंशाइसराग्री पादरायाधेदायायाञ्चे रायायाचे पायर क्षुयायदे हेराया इसा

मन्त्रसुर्धाः बर् बेर मे हे सम्मन्ता सुन्ति हे सम्मन्ता सुन्ति हे स मर्दे | निःवः बदः बेदः मी हे सः मंत्रे कुं महिरा ग्री सः रेगा मरः ग्रुः है। वे गः ग्री अरे ना पर गुरक्षे। न्यापदे के अर्दा ना मार बना क्षेत्र ना न्यापाया लीव मित रहें अन्यामित रहें अर्थ सेंव माल सहें व मर लेव माय सें। सेंव यदः हेश्रायाप्यम् मृत्रियाग्रीश्रारीयायम् ग्रास्त्री इत्यदे में विश्वेष्यमें स्थे कुट-५-१०नव-विवा-भ्रेंब-ध-५८। देश-धवे-देव-ग्री-अर्दे-भ्रे-इ-प्रश-५-यावाशः निरायान बुरान इसया श्वेंदानया से । विदा कुना से सया द्वार कुना सेससान्यदे कासाधितायां से समुदायमाधिन ग्रीसागुदा हु हैं नियापन पति र्भे प्दर्न 'न्या पेतरहे। क्रेंतरम प्यापेतर के संस्य शुरु के ना नक्ष्म प्याप गुर्रायान्द्राया स्वाप्ता स्वाप्ताय न्ना ब्रोट न में इसर न्ना हेरा सुर हैं व न इसराय न न न हिन है हिन । गुरानान्द्रित्यान्दा भेषामुक्तान्दा नेशानान्ध्रित्वस्राकेवार्धे इस्रायान्त्रो नदे नर्डेन द्युयार्डेस्य पान्ट से समुद्रायान्ट वन हेट कु के नःवःश्रेश्यानः इस्रश्यान्ता नन्गान्तेनः ग्रेष्ट्रेश्चे नःमः इस्रान्यः नन्यानः नन्ये स्रम् पर्दे। १८ त.स्रें य.स.क.लू ८.श. कु श.म.चे . इस.स.च श्रुस.ची श.म.च.म.च. हो। धेर्पर्यं हेर रदा नद्यां हेर् के नर्दा थे ने अन्त्रे अन्तर्याया थेर् से ळेशपर्वे । वन्वाकिन्दे व्हरम्युर्चराके निह्नाधाराम्यापास्याम्यास्य रेगायर गुःक्षे। नन्गःहेन्याळे नदे नन्गःहेन्या दिन्दि स्रुवान्य विद्यानिद्या देशासेस्र व्याप्त मातृत्रायात्र सेस्र उदार्शेत्र या इसरायाने प्यान्ता सुर्देन पान्ता सेसराउन से तराया सुराना वकनःमःन्दा भेस्रयः उत्रहेराः शुः श्रृंतः मह्मर्याः शुन्दादे न्वदः नु नु स व्याक्रिया'रा'उव'र्ग्ये अ'दे'या वि'त्रसंस्या स्थासित्र सम्प्रित्ते द्राप्तम् वर्त्ते व र्शे । द्रवो निया निर्देश वर्ष्युया से हिंसाम है । इसाम विदेश ग्रीया मेरा ग्री है। शेसराउद नेशपानर्रे द्वस्य केद में इसरा है दिन प्राप्त । क्षेत्यान्वायान्यस्थे नेन्यान्यने त्यायस्य स्यान्यायान्यस्थे । निम्रक्र शेशश्रान्यते मानुषान्याय प्रमाय प्रमाय वि के शामान प्रमाय वि भे । यन भे ७७। । भ्रे नर्भे अपि श्रे न पायते श्रे न पायते । भ्रे न स्थापा स्थाप स्थाप । भ्रे न स्थाप स्थाप । स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप । स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स यान्स्रश्नात्वात्वात्वात्वर्त्त्रात्वर्त्त्वत्वात्वर्त्तात्वत्वात्वात्वर्त्त्रात्वर् हो न प्रभाव हो न प्रभाव मा प्रभाव मा स्थान स

यार्चेश्रायायाश्रेस्रशाहे प्रमः सावि प्रशार्चेश्राया सुराये द्वाराणी दार्वे । हि शासु नश्रुव नाया विवा नर इसा नर हैवा नर्भावा न्यू सारा विवा नर वहेंवा न धेवर्दे। व्हिंयर्विस्रस्य न्यार्थः क्रिंवर्षे द्राया न्द्राया हिंवर्यः षेट्रस्यः स्वार्थे द्रसः स्वार्थे द्रसः र्श्वेन्यमायर्श्वेन्यः धेवर्दे। । येयमाउवरन्यन्ये नुषायमा हुन्यमः नु यात्र्रीत्राचरात्रीत्राचरात्रीत्राचरा अर्केनाः तृत्वेद्वात्रेत्राच्यात्रभाषायाः र्दे। विटःक्वाःश्रेस्रभःद्वतःश्रेस्रभःव्यः इत्रम्भशःवःवसःद्वःचरःवर्तेःवःवादः नवि र्से दिने न्या धेत है। से समा उत् न्न प्रमालु ग्रमा साधित पा इसमा यार्झ्रेन्यान्ता सेस्राउन्हेन्यान्यान्स्रन्यन्याचेनायाः केन्यां पर्देन्या इस्रा यास्री प्रक्रमामा स्रीतामा निर्मा स्रीतामा स्रीत वर्देन्'मः इस्रायः से समुद्रायः क्षेत्रं पान्ना से स्रायः हतः हुवः विस्रायः यावर्यान्तरः व्ह्रियः विस्रशाया से यावर्याना इस्यराया द्वे यात्रा भी वर्ते दाळ्यात्राः ग्री अभी पर्य पर्य हिंदी । दे प्या ख्रिया विस्र अपाय समाने स्यापाय श्री स ग्रीशरेग्।यर ग्रुष्ट्र। यय ग्री समय या हेश पा से रापा रहा। द्वा हिससाय क्कें वरमेट्र प्राप्त । वर्ष्मवर्यायायायायायाया । व्हिंया विस्रयायामे वावसायाये ।

इस्राचानिकानीकारीकारीनाचरा शुक्ते। द्वाया विस्रकाया क्रिन् शुरावारा नक्ष्रना यायात्री गुरायरार्से । जिहाकुतार्से सराह्मदाह्मदासार्या पेतायाहरा वर्त्रेग्रायायायहेत्र्वात्रम्यायाविः धेर्यास्यः ह्यस्यायरावशुराहे। वेगाया र्षेद्रशासु द्रम्या याद्दा सेस्र राउदा श्री देवा श्री हिंदा राषेद्र साम्य स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स ८८। यक्षेत्र.त.लूट्य.शे.४व्ययात्र.८। ८ग्रे.यु.कूया.इया.थ.ध्या.थ. क्षेत्राराधित्राशुः १ अरुषार्ये । वित्रक्तार्ये अरुष्ट्रपतः निवे से किरुष्यः वित्रा न्दा नर्गेव भन्दा नर्भेन वस्त्र व्यापान हें वे सन्दा वर्षे सन्दर्भ नर्भेन स्वापान हों न यने न्याया ग्रम्क्राके अअन्ययान्य न्याये ग्राम्य दिन्य के के अपहें वा धेव थर देव हे स्वाप्त प्रविव साधेव प्राधेव श्री देव हे स्वाप्त प्रविव साधेव र्वे। । इर छ्न से सस न्यय श्च पर्ने न्यं न वे न वे न या पा धे न प्य है न है । सूप्त नविन संधिन चं धी देन हैं भू न नविन संधिन हैं। विट छून नर्शेनः वस्रशात्रःनःत्रान्ते स्वापाने धिवायाम् देवा है । सुनानिव साधिवाया थेव श्री देव है क्षेत्र नविव संस्थित है। श्रिट कुन से समाद्र नक्षेत्र नगुर-५८-१४ द्या शु-शु-५-५८। व्यवायान-५८ द्वेषानदे से ययान्दाकृतः

मन्ने वित्रम्पर्मा वित्रा हुँ न् ग्रार है क्षुन वित्र संभित्र भी का मी देव है क्षु नःनिव्याधिवः व्याधिवः वे दे त्यमान क्रिया स्ट्री क्रिवा हिन् यम उव प्येन मान्य स्था मन्या पाने व र्भे निश्नुव प्रश्नावि द्वार्थे दि दु निश्चु नश्चार्थ स्थार्थ नश्चित् श्चेश देवा प्रमः नुर्दे। । यादानी भ्री मासी १९व मा पो १० सा प्यान्य स्था १९ समा प्यान मा प्यान प्यान प्रान्त प्राप्त स्था । डेना नेशःग्रदःने नेदाया के नेदान प्यदः सार्वे सामसार्थे दसासु हससामर वर्गुर-वर्वे भ्रेरः र्रे। । यार-यो भ्रेर-१३४-५५ वर्ग-४-थो भी अ-र्थे र अ-र्थ, क्रम्यायम् वर्ष्युमानाधेन प्रमाञ्चर्यातः विवेष्ये मान्यावेष्यातः विवेष्ये मान्यावेष्यात्रः विवेष्यात्रः विवेष्य ग्राम्प्रियास्य स्वर्षेत्र हे त्या देश ग्राम्प्रेन हो नुष्य स्वर्थे व निष्य प्राप्त हो नुष्य स्वर्थे व निष्य ग्राम्प्रेन स्वर्थे व निष्य स्वर्थे स्वर्ये स्वर्ये स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर् য়ৄয়৻ঢ়ৣৼয়৻য়৾৻৾৾ঽয়ৣ৾৻ঽয়৻ঢ়ৣৼয়য়৻য়য়৻ঽয়৾য়৻ঽয়ৣ৾য়৻য়ৣ৾য়৻য়ৣ৾৾য়৻য়ৣ৾৾ঀয়৻য়ৣ৾৻ मुन्दिन देव मुन्दि । भूनि निका पित्र । भूनि डेदे हिम्प्रतृत्र पासे प्राप्त से प्रत्य प्राप्त से प्रति से प्राप्त से प्रति से से प्राप्त से प्राप्त से प्रा डे'वा देश ग्रदःदे'होदःया बे'होद्दरणदःये'वेंशःवेदशःसुःहसस्यानरः वशुर्यंत्रे भ्रिर्भे । वारावी भ्रिरावे वा प्ररास्त्रे वा प्ररासे वे वा प्रमान्त्र विवास

राणे ने शार्षे र शाशु १३ स्थान र वशु र र र शो त र र शो के ते र शे र शे र शे से श हैन्गुरः धेर्मासुः नष्ट्रव हे व। नेमागुरः ने होन्य। से होन्व प्यरः पे से स लूरश्रश्राश्चायात्रात्रालूरश्राश्चेश्वायात्रात्र्यीयः सूर्वितः सूर्वितः सूर्वितः ध्रैरःक्षेटःनःर्रे क्रिय्यायःनद्याःहेट् ग्रीःवयायःनशः क्रियःयरः क्रेट्यःयरः न्रीट्यः इव्यानहेन्यर वशुरा याधवायर हुरावा हेवे हिरान्रे राधे पवे क्षर नमायहे नमाय प्राप्त । दर्भारी प्यर न हिन्दु नमाय प्राप्त हिन्दु न नःयरः व्यान्यः व्यान्यः विष्याः विष्यः विषयः र्ना हु नहे न पर विकृत्य न न । भे ने न न पर सूर न दे हैं न प्राप्त है। नहें ५ नर वशुर नदे छेर रें। । गर गे छेर नक्ष्र पदे गिर्वे शक्षापर र्झेटश्रायम् छेत्रय। इवायायहेत्यम् वश्चमायश्चर्याया छेते छेत्रः र्रे ने दे दे के हैं अरु के प्रह्मा प्राप्त के मान्य के निर्मा के कि के निर्मा के कि के निर्मा के कि के निर्मा ल्रास्थानस्व देन नेया ग्राम ने से प्राम्य नेया व्यय ग्री स्वी नायय मन ह नहें न'यर'वशुर्र'न'न्ना भे हो न'व प्यत्रभूर'नदे भ्रीन'यथ'रन हु नहें न यर वर्गुर वर्षे भ्रेर रे । वार वी भ्रेर नेवा य के त से वा से सार दर । भ्रूर

पश्चास्य स्थाप्य स्थित्य प्राप्त स्थाप्य स्थाप हेदे हिर्नु हुर कुरा से समाद्या इसमाया मुमाया से भेर्नु दारा द्या थर न्यामिते 'पें व 'हव 'वळन' मा प्यामें प्राप्त स्थान सुव हे 'व। ने स ग्याम में हो न त्या नेशायशा भी भी नामशासना हु नहे नामराय भूसाना ना भी भी ने नामशास हार नवे श्वेन प्रश्नास्त हु नहे दासर वशुर नवे श्वेर में । यद मी श्वेर या श्रद वर्गुर्राताधीत्रायराञ्च्यात्। डेवे श्रीरानेगायाळेत्रार्याययावत्त्रायात्र्र्विगः सरायर्देर्पारियाराधेर्यास्थातस्रमः हेत्रा देशाग्रहारे होराया देशः यश्राग्री क्षेत्राम्यास्य पुरवहेदायसः वश्चरायादा। क्षेत्रोदायादाः श्चितःपर्यान्तरम् त्रामहेत्रपरावश्चरत्वये श्चिरःस्। । यादःमी श्चिरःयावश्याय्येवः यायार्श्वेरावाद्यारार्विते के अप्पेर्यास्यात्वासायरावयुरावा प्येत्रायरा श्चरात्रा देवे श्चिराचन्वात्यास्य सरायर्देन्या छ्टाचान्या यात्वायायान्या वेना यन्त्रव यन्त्रव पन्ता श्रेस्य उत्तर्भव पन्ते न स्वर् डेवा नेशःग्रदःने होदःषा नेशःदग्रदः विकेशसः विवादाः इससः वे से यक्चराया वर्षेट्राय्ट्रेर्यास्ट्रेंट्रायशक्च्यायाक्ष्यायायायाटाल्ट्र्यास्

क्षर्यायर वशुरायवे श्रिरः र्रे। विष्यो श्रीर बर बेर वी केराया नगरः र्रेदिः के अप्पेर्या अपार्वा अपराय सुराया भेता स्था हिते हिरा येग्रायर विनायदे के दायर केंग्रा से राय दिया कुंवा वर्षे राया वा र्शेग्रम्भते के मार्स्यमान्ता धेरमार्ग्यान्ताना धर्मे मार्ग्यान्ताना धर्मे मार्ग्यान्ताना स्वाप्ताना स्वाप्तान वस्य नाये दाय दाय में दिन हैं विश्व के स्वार्थ स्वीत स वदे हे अः सः न्यारः सेंदिः कें अः वें न्या शुः च हुवा अः सरः व शुरः नः वे व सरः । शुरुः व। डेवे में राजवर में भ्रें राजकर में भ्रम्य प्राप्त के राज्य के र नक्ष्रनःयायाध्रेत्रकेर्येषायापराप्रेंद्रशासुन्त्रकेर्त्रा देशाग्रदादे होताया नेशायटान्यामिते स्रुनामायशास्त्रस्यामाय स्वाप्तान्य वात्रस्य स्रुप्तर्था क्रम्भास्य त्याप्त स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वित्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्वीत्र स्व र्रेदिः के अप्पेर्मा शुमा तृता अपम्य प्रमुक्तः नाये वाममः श्रूषा वा विदे शिमाने नविव मिने ग्राया प्रति । पो भी या ग्री निर्मा स्था भी या से । वि या श्री निर्मा स्था प्रति । सर वेद्रायाक्षेद्राग्यद्राय्येद्रमासूत्राचेत्रा देशाग्यद्रादे वेद्राया देशाद्रमाद्री क्रूश्यास्त्रम् न्यायदेवस्यस्य द्वस्य स्याप्त्रस्य स्याप्यस्य स्याप्त्रस्य स्याप्त्रस्य स्याप्त्रस्य स्याप्त्रस्य स्याप्त्

यदे थे ने शरी दर्वे दर्श राया विवास स्प्रिस स्था सुर दिन प्रशाह समा वर्गुर्रायदे भ्रेर्र्भ । ग्रार्गी भ्रेर्ग्यक्ष्र्यायाया न्या केर्स्या गुर्याया अध्वर यर भेर भेर भुत कुर्ति । यर प्रश्नुर राय भेर यर क्षुर यर क्षुर या है दे हिर क्षुर राय इस्रायम् से प्रतीन्यान्या से प्रक्रम्यायान्या वर्तीन्यासे से याना हेन ग्रदःधिदशःशुःनश्रृदःहेःद्या देशःग्रदःदेःगुदःहःश्चेदःया दक्षेषाश्रासःयःह्यः धरःवाषोरःवशःग्रदःग्रुःग्रुःशःब्वाशःधरःवशुरःववेःध्रेरःर्रे। ।वादःवीःध्रेरः नन्गि हेन हे सूर शुरायान विवासी नाईन पासी समुवासर पिन शुरा गुवाह डे'व। नेश'ग्रन'ने'गुव'ह'र्श्वेन'य। नश्चव'रा'यश'क्र्य'यर'वायेन'नश'ग्रन' ॻॖॱॻॗॱय़ॱढ़ॖॻऻॺॱय़ॸॱढ़ॻॗॸॱय़ढ़॓ॱॺॖऀॸॱॸॕऻऻज़ॸॱॻॊॱॺॖऀॸॱॸॾॕक़ॱढ़ॻॖॺॱढ़ॸॕॸॱ नर हो न पर से सब्रुव पर पे न हो राज्य हु हुई न पर प्रश्नुर न पे व पर गुव हुः श्रूर्यात् विवे भी राभे नर्भे नर्भे न्या पर पिर्यास्त्र मुद्र के वा नेया ग्रह ने गुव ह र्श्वे द न्या स्वानस्य से नर्शे नर्शे द ने न न न स्थान मार्थे द नशःग्रदःगुःगुःषःतुन्।शःसरःवग्रुरःसदेःभ्रेरः र्देः । नादःनीःभ्रेरःश्चेनःसः

क्यायरायाद्यायदे क्या थे सम्भाष्य सम्य सम्भाष्य सम्य सम्भाष्य सम्य सम्भाष्य सम्भाष्य सम्भाष्य सम्भाष्य सम्भाष्य सम्भाष्य सम्भाष्य नःधीत्रायमः श्रूर्यात्। देवे श्रीमः वेषाया केत्रः में प्यायुष्णायवे प्रयायश्रीर्या मसेन्यायर वित्रासु नमून हे ना ने या मुना में गुना हो हो ने या में या मे ळेत्र'र्से त्या इसायर पायेटा नर्या ग्राटा ग्रा ग्राच्या त्या या स्वाप्त र त्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त र्रे। । यार यो भ्री र नर्भे अपने भ्री न पर में अपन भ्रूर ये व पर या तुर प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय प्राय प्र वर्गुर्रानाधेनः चराञ्चरान्। हेदेः भ्रेर् मुन्तानाध्यान्यः। देः भ्रेर् मुन्तिवानाध्यान्यः। मदे मत्र भें तर् दुः म्राम्य १६त माया भें म्राम्य १६ त्र म्राम्य १ यः न्वो नदे निवेशवित्र कें अवित्र मान्य प्याप्य सुन्न हो न्यदे हो र र्रे। विट्यो भ्रेर्वर्भे अपि भ्रेवर्या विद्यापात्र अराह्या वित्र विद्यापा गर्लर्गवर्गर्यस्यग्रूरः नःषीत्रयरःश्रूर्यत्। हेवे स्रीरःकेनासे नर्वेर्यः हेर्र्र् मायाप्यम् श्वीत्यते श्वीत्राची । वादावी श्वीत्राच श्वीताय खुवा विस्रभादवात्यावात्रभास्यस्थि। हो दासाय हो दासा वात्याद्रगायावस्य हा स्था लेव.सर.श्रूबाचा द्रव.हीर.चश्चरा स.ट्या.ल.चेबाक्रर.श्र.यीबाला ट्र

नश्चीत्रान्धित्रासुःवेत्राःश्चित्राःश्चित्राःधत्याः स्वान्धत्रः हे त् । देशःग्चतः देः हो द्या द्यो परि प्रमेश्वर्षा हो त्या हो त्या विष्ठा विष्रा विष्ठा विष्र नर ने न्यते भ्रेर में । मान में भ्रेर न क्षेत्र यदे क्षेत्र य र में भ्रान सर्वे मा हुरदिन्देन हिर मान्यामा मानुष्यन्याय प्रमाय स्वयुक्त ना स्वयुक्त स Bेर:बुर:कुन:शेअश:८्पव:स:रॅल:हु:Bेद:प:इश:पर:८ग:प:इसशःप:क्षे: गुरुषा १८। भ्रेष्ट्राच १८। वस्त्रेव वगुराभ्रे हो १ व मा भ्रेष्ट्र व १८। हे अरु से अ श्रुव रादे र्के अर्म्यून पर पर्दि र पर हे र ग्रुट र् में र से स्वर हे र ५८। भ्रे.भश्चर्यः क्रेंब्रस्पर्यः। भ्रे.पर्यस्क्रेंब्रस्यः व्यायः वर्षे वर्षः वर्ग्यम् नाया केते । द्वेम प्यान्त म्यान्य विकास । विक ह्यें विटा शेस्रश्रासहस्या हेर्रिटा हें दायरे मनश्री के साम हेर्रिटा वेगापान्सवायायार्थे यापाने नाता वर वेरान्ता वर वेरान्ता वर सेराया ये ये स्थारी या वित्राया हे शाशुः श्रें तायर श्रें राजा हे राजार खेर शा शुः नश्रू ता हे राजा वीया ग्राम्प्रेप्तवा होताया नवी नवे स्वाया स्वया स्वाया स्

नवे इन्न कु के द में पित्र स्राधी प्रदेश प्राप्त । द्र्यो प्रवे इन्म कु के द में धिर्यासु पहिंदा नर्ये द्वययाया धेव पा ही प्रयाप्त पार्या प्र नमः ब्रेन्यते : ब्रेम्यो । वानः वी : ब्रेम्यायः अः अः अः प्रमा । वर्षे वार्यः यः इसः मानि क्रिंग न्रें अपें क्रिंग निक्षामानि र्येट्श क्रुं क्रिंग सम्बर्ध मानि स्वरं श्रूयात् देवे से मान्याया विकास हिमान प्रमुद्धा स्थाप के नाया के नाया हिमान प्रमुद्धा सामा के नाया हिमान स्थाप से नाया हिमान स्थाप से नाया है नम् अ त्वाकारान्त। अहरामुका ग्री नगाय से १३व मा पद पे हरा सुन सूव डे वा दे द्वा की शासाद दे द्वा हो दाया द्वी कर है का साम है से का वर्षिरः नवे सूर्या नस्या की रापहे वार्या पान्ता। यान्त्र की दें न ही न से ज्या प ५८। ५मे नदे इन कुर नर्दा केंग्र इस्राय धेर महिरादा हे केंग्र बन्यश्राम् । विद्यास्य स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्व श्रेश्रश्नात्रविष्यान्दानविष्ठुः नायदेन्यान्दा श्रुप्तेन्यान्दा अद बिट मी प्रविश्व स्वर्ते द्रारा द्रा विश्वेत विगुर द्रारा स्था सुर्भेद स्वर् म्याम्यायायदेन्यादेवाहे स्थानायविवायाधेवा यदे मुद्दास्य स्थान्यरा वशुरानाधीत्रायराञ्च्यात्रा हेते ही रानन्गाया कग्राया नरा ७७। । नडरुरायामान्यायार्वे नासार्यार्या द्यार्यायायार्वे वार्यायाः से स्थान

नन्ता वर्षिरानन्त्रधारम् वर्षात्रभावन्यान्यवानिष्यान्ति वर्षम् निष्य नन्दा कें वर्ने लावर् वहें वर्ने दानदा है। सावाद्यर हुवा वर्ने दान कैं अप्तर बर बेर परेंद्र पायर पेंद्र अखु पश्चर हे दा दे द्वा पी अ ग्राट दे न्या ग्रेन्था कें अप्यहें व प्राकेन्य व विस्ति म्हिन्य वे प्राची व या ग्री व या ग्री व नन्नाकिन्यासुन्नरहोन् मदेष्टिम्मे॥ ॥नसमें निवाद्याकिराम। यन न्यामिते क्षुनमिते स्वर्धेव यार वे वा ने प्यर में र व्यर्भे र नुक्षम नविरर्भेगायर ग्रुस्रे। ग्रुट्स्यार्थे समान्यताने स्रूट्यायर न्यायर विवासाय यानर्से दावस्थान्दा धेर्ने साग्ची स्वेषा ग्री स्वामानस्यासान्दा देषा नहेत्र वसा श्चेतायाम्यायमान्यापान्या ने या यहेत्यस्थि वस्य उत्तर्यः नगमः र्रेदिः के राष्ट्रपायर प्रमुवाय प्रमुन । दे प्यानहेत् त्र राशे स्र राउत् प्रस् उर् ग्री देव इसाय वस्र उर् त्य हैं र न रहा न से द वस्र र प्राप्त है से द न श्चे नद्र । नर्रेन्द्रसम्पर्णः नेमः ग्रे स्वमः र्यवासः प्रमुरः नदेः र्रेमः वे निवि है। यर निवा निवे निश्च निवित्त ८८. र्रे अ. मूं. मुं ८. १ मूं अ. १. १ मूं अ. १ १ १ मूं अ. १ १ १ मूं अ. १ १ १ मूं अ. १ मूं अ. १ १ मूं अ. १

न्यानान्ता नर्भे अन्याम्यान्यान्यते । भ्रिनायाम्यान्यान्यान्याः नदे के रादे निवे है। वेवानायराह्म सम् से वर्षे निव निवा महा वे रावित न्याया से सुनाय है कुं पें रसा सु रें रान हे न न रान से सुनाय है कुं लूरश्री श्रूराय १३८ २८। लट २वा यह श्रूयाय लूरश्री श्री ह्या श्रायह श्रू र्धेरशःशुःर्श्वेरःनःहेर्द्रा ।श्चें वस्रशःउर्वसःर्गरःर्वदेः केंशः परःर्वाः परः वर्चियःतरःवर्चिरःयषुःक्ष्र्यःयषुःक्षे। यश्चेषः यःषुःयश्चेषःयषुःक्चेष्यशःचिरः नदे न्दर्भे अअ उत्रेष्ट्रिं अर्थे क्षेत्र स्तर् हो न्दर्भे ने दे के कु ले अर् हुट नदे । न्ना भूगानभूवानर्डेन्याकेन्द्रेन्दे देवे कुःवशाबुन्यवि न्ना व्रवायान्। श्रेयशायश्चारी द्रियशाया हे न दे ने दे ने वि कु त्यशा चुन न वि वि । श्रेयशा उत् ची । र्ने त. मी : इस्राया वस्राया उत्ती न निष्या प्रमाण विष्या । वस्ती स्थाय विष्या । इससाम्बर्धानवे स्वराह्म स्वर्धान्य हो न्या है। स्वर्धित गिर्हेशन्ता वे कें अप्यश्च स्थायर ह्यें त्यर हो त्यान्ता दव रें त्र त्वें व्यान्य स्टूर्य व्यान्य इसाय देशें राय राष्ट्री न्या प्राप्त विवास प्रम्य प्राप्त र्बे अन्यायश्वस्य स्वायमः क्षेत्राचमः होत्यात्ता वस्वायायात्रावात्रस्य स्व श्रेस्यर्द्रा विराधि नदे स्रेस्याय्या इसायर श्लेर् नर हो द्रायदे । हिर

कुनःश्रेस्रश्नान्यवः धरः द्याः पवे श्रुवः यः वः विवाशः यः हे १ द्वरः श्रुवः वा ववः र्श्वेनः यन्ता केंग्रायाम्यान्याम्यान्यान्यते ।हिःस्यानकेंग्रश्चेन्याधेन। ने'याक्रमानि'र्रि'र्जे'त्र विष्ठिर क्रिया से समान्यते के मायमानि समानि श्चित्रे देवे श्चेर के अ श्चित्र या भेव हैं। दे भार इस या श्वर रेवा यर शु श्रेश्वराष्ट्रम् वर्षेत्रमा होत्रमा स्वाप्ता होत्र मास्यश्वराची नाया यात्वा'म'न्र'सद'यान्यार्थार्थरपर्दिन'स'हेन्'ग्रे'स्रेर'स्रेर'यहेप्त' हेन्द्र'। रेग्रायायात्रयाम्ब्रेवासेन्याम्स्रयया ग्रुटाकुनाग्री सेस्रयाक्षेत्रपाहेन्न्। यःरेलः हुः श्रेवः या श्रद्धार्यम् राद्यम् या या इस्य या या या प्रत्या हित्र विश्वाया हित्र दिया न्नः अ'कृ'तु'र्रुअअ' व्यंत्रुअ'र्य'र्द्र्र्र्र्य्य र्श्वेर्द्र्र्य्य र्श्वेर्द्र्य र्श्वेर्द्र्य र्श्वेर्द्र्य ८८। भ्राम्य विकास मान्य विकास भे निर्धे निर्देश हि क्षेत्र व क्षेत्र अराध्य हिंदा प्राधेव। दे वा क्षाय वे द थॅर्डेन् सेसमाउन मसमाउर्गे देन पार्श्वेसमार गुन्हें रहे देरे धैरःश्रूष्ठारायरःश्रुर्पायापे वार्ते। । दे वे क्याया व कुर्पुरे वायर ग्रुश्रे। सेसयाउदावस्याउदायासहसायरा गुस्यायरा ग्रेट्राया हेट्राया सेसया

उत्राच्यमा उत्राच हिंदा से द्रमा पा उत्राच प्राच राक्षेत्रप्ता सेस्रश्ची कुत्वर्त्ता सेत्रप्ते चुस्रसः स्रास्रक्षाप्तरः स्र र्शेरःगुवःन्वावःवरः होन्यः हेन्न्यः। वनुःवहिते वान्रः श्रुन्शः हेन्वावः ववेः नविव-र्-गुरुव्यावयात्वरम् म्यानाक्ष्ययासु विव-सर ग्रेन्पिन्। सहस्रायरात्र्रास्यात्वरस्रायायेष्ठायरात्ते न्याः हेन्याः हिन्याः सहस्रायाः नर्षा वस्य वस्य उर् नर्वे र नर्वे र पर्वे । प्रमा स्य स्य प्रमा निष्य नन्मन्। हु: बेन् प्रदे विन्या विन्या शु: क्षेत्र निन्न । अष्रव्य प्रस्त स्व स्व स्व । कैंगा: पर 'न्या सर नर्जे न सदे 'कैंगा न्र 'सूत सं हे न न्र । सहस्र सर न्यो 'नदे । इन्निम्बस्थाउन्। ब्राह्माकुनाकुनाकुनाकुनाकुनाकुनाकुना सेससन्धयन्तो नः र्ह्येन्य धेवा ने त्यः इसम्बन्धः व ने दे दे व वन वी यरयामुयाग्री केंयापेंद्रयासु श्चेत्राप्त्रा भ्रीत्राप्ति भ्रीत्राम्या शुःश्चेत्राधराग्राचाहेत्वय। नवीःवागुताहाश्चित्रधराग्रेताने। नेविःश्चेरा न्वो नः श्चेन्याधेव वे । नि वे क्याया न नुव नु सेवा यस । हा से । से याव या यदे श्चेत्राय हे दादा। भे यात्र श्रायदे ख्या विस्र शहे दादा। श्वेदा यहे वि नर्जे न नर्जे न नर्जा है के के न साथे व सदे न के व स्वा अहे न नर्जा के सका उव

मी देव मान विष्य मान विषय मान १९८८८। ल्राप्त श्रुःश्चेत्राचरात्रुः निष्ठात्राच्यायायायात्रव्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्य व्याप्त क्षेत्र से समाद्याय के माला निष्या ने स्वाप्त के प्राप्त के वा गुव कुन मासूर से खेव मान्य। मार्ने वासूर से खेव मान्य। वळन मासूर श्रे त्येत्र प्राप्त इसायम हैं वा प्राक्षम श्रेम श्रे त्येत्र प्रमान विष्ये स्था श्रे त्वे । यावराञ्जीयायायाञ्चीरायाञ्चेयाविता धरान्यायराञ्चयायराञ्चेन्दी ।नेवेः ध्रैरःकें अप्यामावर्यायां वर्षे । १ दे दि स्याया न दुः महिरास्य न स्वाप्य न स्वाप्य न यान्सर्भान्याः क्रेंत्रायाः कुंवाः विस्रायायात्र्यान्य सारान्द्राः कुंवाः विस्रायाः यात्र्याः या अधीव पर इस पर के हिंगा प हे न न न ने त्या नहेव वस नुसाम है। यान्स्रस्यात्मेवास्य होनास्तित्ता ने त्यानहेवान्स्य स्वराद्यस्य ने वास्तित् ५८। दे त्यानहेव वया से समाद्येव पा हे ५५८। दे त्या नहेव वया छव विसा ग्री मेगापान्य स्वापित स्वीत्राय में निया स्वीत्राय स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व केव में निर्मेव संदे थेन व होन संभित्त होन संभित्त होन संभित्त होन व्यास्यानुः द्वेवायावाये स्रायान्याचे व्यास्य विष्याच्या विष्याः विष्य वर्त्रेग्रायराने व्यापावन पाइय्यान्य वर्त्ते ग्राया है दान्य ने व्यापहेन

वशः इसः धरः प्राः पर्दे गः हेवः पर्दे भी सः धर्मे प्रवस्य मा की विषयः केवः धः ८८. अर्थ. वर्श्वे अ.स.वे. प्रचे अ.चे. श्री र.श्री ८. वर्षे १. दे वा. हे व. स.वे. नेशम्यराक्षेत्राम्यस्थि पहित्रम्यस्य वित्राम्यस्य वित्रम्यस्य शुःळेलाबिटाइयापरार्श्वेरानाकेत्रात्रा भेषापाइयापरान्नापदेकेषापा नविःश्वरमाने केंग्राधेरमामाधेरमामान्त्रा मुन्नामाने नविनः मामिनः मन्दा अदेशम्बर्द्ध्वरिद्धरायद्वेश्वरायदेश है। इस्रायानविःसँ दे द्वाद्या स्या इस्रायान कुर् सँ द्वादे इस्रायान दुः यिष्ठेश भी व दें। विदः कुन से सश द्यय त्य द्र द्र पा क्षेत्र प्रवे द्र वे द्र वा वाद ले । व। जुरःकुनःशेस्रशः न्यवःशेस्रशः न्दः में नश्चे नःयः वशः न बुरः हे। विवाःसः न्ना नरन्ना श्रः अन्ता कुः श्रे अश्यः उत्। श्रः श्रः न्तो नि स्तः स्ति । स्ति । स्ति । स्ति । स्ति । स्ति । स यम् नश्चुन परि नात्र शास्य शुर शुर परि द्वी न परि स्था नार्ते न परि स्था निर्मा परि । यह त्रेन्यावस्य राज्य से स्वराधेन्या सुराया तृत्राया प्रते स्वराया सुराया प्रते । र्वे। १८ भ्रः स्ट्रिं न्युः हे भ्रूरः घः सत्यः सर्यात्र स्वायः स्वे स्थाः सहे त्र स्वायः स्वयः उव क्षरा र नी क्षेरा नुवे ने न स्थाने वा है न र वके न र ने न प्रमः

ग्रम् कुनासेससान्यवादी ने स्रासाधिवाते। न्यो नवे इत्यामस्रीन पदे श्रीमा र्ना हुन्दान्द्रा अर्केषा हुन्वाव नश्यहें दुन्य स्क्रुत्य स्क्रुत्य स्क्रुत्य नु: धर धेव दें। । ने क्षे क्रेंन् ग्रे हे क्षेत्र कुवे के के कि पार्ट का क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क यन्दरक्षे अश्रुव यः क्ष्र्यने वे ने क्ष्राया धेव है। द्यो पदे इत्य धेंद्र अः श्रु श्लेवः धर गुः नदे : भुर गुर हिं भुः नर दश्चरः नदे : केंश हस्य सामा गुर हिं भुः निर गुव ह निहर नर हे द निहे से से से नु पर धेव के वि दे से से द से से बे अरशः मुशः ग्री विरः इसायरः नश्चनशायः दर्धः समुद्रायः सूरः ने दे दे सूर अ'भेव'हे। न्यो'नदे'इ'न'भेन्य'स्थ्र'श्चेव'न'इस्थ्र'ग्रे'इस'नर्म्य रेग्'यर गुन हेर्'सर्व, यर श्रुवाय इसायर श्रुवाय हे मुन्य पर न्याय है। यान्स्रस्याने निर्भुतः स्राज्ञुतः स्राज्ञुतः स्राज्ञुः स्राच्या स्राज्ञे स्राच्या स्राज्ञे स्राच्या स्राज्ञे स सुरः सर्वि नरान् मुन्याव्यात्रे नरा हुरान् सुराने ने ने हा स धेव है। रट वी नगर रेंदे केंश सर्व पर दिये वा नदे ही र हा न है न ७७। । पपर पेत ते। । ने ख़ से न शे हे ख़र हा न पपर ही में ति त या सूर । नर ग्रेन्थे। सर ग्रेन्स्य संभेत्र प्राप्त प्रेन्दे ने प्राप्त संभेत्र है। ग्रम् सेसस्प्रित है है ते सक्द है द ग्रीस द्वा में दिर द्वा म में दे हैं वास ग्री केंस

वस्र उर्ज्या के राज्य स्राप्त विकार है। स्राप्त विकार के है ॱक्षर-'हे 'अ'ग्वव 'श्वु'ग्वव र्ग्चे अ'वह ग्वराध्य अ'र्षे र अ'शु क्चु'न'क्षर हे 'हे 'हे ' क्षायाधेत्रहे। जुरक्तायेस्याद्यवादे वर्षे नाइस्ययासु हेत् सेंद्यायदे ग्वतः वस्रकारुन् ग्रीकासे वहिन्यारायम् वहुन् प्रति द्वीमः सेन नो सू नुः पनः धेव दें। १ ने भ्रे कें न है । भ्रे र के र वो । विष्य के व रें का श्वे र खुवा प्रमाय हुर । नःक्षेरःदेखेरदेखः अव्यान्त्रेष्यः म्यान्यः म्यायः स्यायः स्याय मूर्रे के रुष्पराक्ष्रे तु पर पे बर्वे | दे क्षे के रिष्टे के के रे के के रुष्ट קבין אינה ליאיקבין שאימיבאימיקבין אוימבאימיקבין חליחיקבין सूना नस्य मी हैं दारादना नी याहे या शुःळनाया यादा। विदावि न द्वा मी या र्वे अन्तरत्त्वुर्रनःक्षरादेवे देने क्षायाधेव है। ग्रुरक्त सेयसन्दर्भः भे भे भारादे ही राम्बाक्ष तु पार पो व है। | दे क्ष भे द ग्री है क्षर महा है र तु यशनवद्यात्राक्षे निवे के शास्त्र प्याप्त निवास मित्र प्राप्त निवास मित्र मित्र प्राप्त निवास मित्र मित्र प्राप्त निवास मित्र मित्र प्राप्त निवास मित्र मित कुन से सस न्यय दे 'हें द सें दस या नर्डे साथर द्वी 'नदे 'इ नदे 'हें नस हो द नश्यापर वर्ष्ट्रन्तरःश्चे नदे श्चेर् सन्याश्वर्ध्वरायदे विदार्षे वर्षे त्राप्तः नुष्ट

लिव हैं। नि के सूर्य ने के हैं के स्त्रेय के बहु वे साम अस अस अस सम्मान स्वास्त्र वा सम वर्गुर्रानाक्ष्राने ने ने क्षायाधीन है। ज्ञारक्ष्मायो समानिया ने स्थापन वन्यायान्या ग्रम् कुनाके वार्षे सान्यो प्रते । इत्यार्थे स्थाशु प्रवे । श्री सा कुते क्वित क्वित क्वित सक्षेत्र ननाम क्षेत्र नुष्पर प्येत हैं। निष्य सें राष्ट्र सें राष्ट क्वाक् सक्र राजनाव कु सक्र हिरा राष्ट्र राजा राजा स्मारी के रो है। ग्र-क्रिनः से सम्भाद्यतः दे । ह्यान्द्र-त्यमायद्यान्द्र-ग्राह्य-क्रिनः क्रिनः केदः से । त्यानहेदः मद्र द्वो . नद्र इ.न.द्वा वी श्र इस्य मर हे नद्र ही र रे र न या वात्र श्र पदि हू क्षे.ये.लट.लुच.चू। १५.के.चूर.कु.ह.केर.५.रच.ज.चेवश.चठु.के. क्षश. रदानी ज्ञानायाना सेदायर द्वायाना सदाना सुर देवी देवी देवी सामित्र য়য়য়৽ঢ়ঢ়৽ঀয়৽য়য়৾য়৽ড়ঢ়য়৻য়ৢ৽য়য়৽ঢ়ঢ়য়ঢ়য়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽ र्वे। । ने भ्रः सें नः ग्रें : हे म्ह्रमः क्वें नः सें स्था सें मुलः सें निन्ता हेनः ग्रीन्द्रित्वित्वे भ्रीत्राक्कित्वा क्षित्राच्या क्षेत्राच्या क्षेत्राचे वित्राच्या क्षेत्राचे वित्राच्या क्षेत्राचे वित्राचे वित

याधिवासमाध्रमाने वे ने स्थायाधिवाने। ह्या क्वा से समान्यत वे नानवानः बिट.क्वाग्री सुँग्राय्टाय बेंबाय एके राष्ट्री दावे प्रीयः विष्यः स्था श्रीयः व वर्जुर-नःष्ट्र-तुःष्परःषीत्रःत्रे । निःष्ट्रःश्चेर्-ग्रीःहेःष्ट्रर-वित्रःवेशःश्चर-नःश्चेशः नु के त भें निषा निष्य हो निष्य भूम ने ते ने भू साधी त ने । निष्य क्षेत्र से सस न्मयः वे 'क्यामरः में वानः श्वनः से दः नुः श्वरः प्रवे 'न्यो 'नवे 'क्यानक्षेत्र' प्रवे ' धिरार्वेरातुःरेवार्याके स्थातुः षारा धोवार्वे। । दे स्थार्थे दाग्री है स्थार्ये रातुः रेव र्से के गूर्क्र माहन्दर विव हु से सहस्र माहूर दे वे दे हु साधिव है। नुदःकुनःसेससःद्वयःद्वे :बनाःयःसेदःयदे :द्वेदसःसुःबुनासःयसःनुःनःसहसः ब्रिट्यने नदे स्ट्रा ह्यें न अवसायदे ही र यहे असदे रह्या न विवास या है। इस्रास्ट्रिंद्र, स्ट्रास्ट्रस्यः सर्द्रा स्ट्रास्ट्रियः व्यास्ट्री स्ट्रास्ट्रियः वर्षः वर्षे स्ट्रास्ट्रीयः व क्षरादे ने दे प्रायाधीव है। ज्ञा क्ष्या श्रेयशाद्य ने कें व से द्या पाय है स नश्राक्षेत्राम्यस्थि। श्रुम्यति । श्रुम्यते । स्वाप्यति । त्र्त्या पर्वे स्वाप्यत् । स्वाप्यति । ॻॖऀ। ग्रान्यः वर्षे व

शेशश्राद्यतः वे स्टामी हें व से द्याप्या शेशश्राद्य वश्रायदा वर्रग्राम्यते भ्रिम्क्रिंत स्मामार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य मार्ग्य मेर्ग्य स्माम्य स्माम्य स्माम्य स्माम्य स्माम्य धेव वि । ने सूर ग्रुट कुन शेसश न्यदे खेंव प्रव ग्री नि यह गा हेव व म्याम्यायदे दिस्यार्थः दे स्थान् न्या दे द्या प्रमान्य म्या स्थान्य स् र्षेव 'हव 'दर 'श्व 'यम 'र्षेव ' अश्व | हव 'दर्भ 'से द 'य 'थेव 'र्वे | दि 'श्व र व ' नुरः कुनः श्रे अश्रान्यवः ने 'पेनि 'हन' न्ये 'श्रेन्'यान्दः श्रुन या पीनायरः ने या परः चेत्। । पार द्या प्रते : श्रुव पारा पा इस पार पाव स प्रते : चुर : कुव : से सस द्वा दि : नक्ष्मनःयानादावे न जुद्दः कुनः श्रे श्रश्चः प्रदे रहे शःयानाव्यश्चः राष्ट्रवः वे शःशे बेना यन्दर्भवरमदे अर्दे भेरगुवर्ह्स्य ग्री नदेवरमदे खुलान नद्दा इट नदे देन नमून पर गुरायाधीन पर वारा भीन हि पर मान्या ने पर पूर्वा पर ॻॖॱज़ॱॻॖॖॖॖॖॴॱऄॖॸॱॸॖॺॊॱज़ढ़ॆॱॾॱज़ॱॻॖॖॖॖॖॴॱॴॱॿ॓ॺऻॱॳॱख़ॆढ़ॱय़ॕॱॸॣॸॱख़ॗढ़ॱॴढ़ॆॱऒॸॕॱऄॗॱ बनः शॅ क्ट्रिंदः पंत्रेदः दूवः या गुवः क्ट्रिंचः दूवः द्वः पदेः वदेवः पदेः व्ह्रिंवः नन्द्रमा देशमित्रे देव नम्भव मर्गुन्य या निर्देव मर्गुन्य विष् यान्तर्हेन्याने मा नुदे । द्वापान निन्यान हेन्यान मान्यान स्वापान स्वा वियायाना भीता है। यदी स्वर्ता के यादी से प्रति स्वर्ता से साम स्वर्ता से साम स्वर्ता से साम से साम से साम से स यम् ब्रेन्य धेव पदे ब्रेन् हे। यान बया क्रेन्य हेन् क्रें या प्रमा ब्रेन्य हेन्य प्रमा यादात्रवात्यात्वत्वाः सेदायाद्वा कें राष्ट्रियाः हिदादाः कें राषावद्वाः सेदाया न्दा ह्रीं पर्देग्रायदे अवतः न्दा ह्री रायदेन रायदे अवतः न्दा हे रा सर्देव सर हैं वा राप्तर। दे छे द ख्रिय छ व छ व से र खें र रा स्था व हैं पा छे द ८८। ८.७४.७४११५८१११४४१११४८११८८५४१८८५४१८८५४१८५४ लूर्थाश्री.भाषीयेवात्राता धेरीरेटा यर्या.भुरात्यध्रित्राताश्रूत्रात्रातु विर यदे र्श्वेट य हे न न ने हे न यो अहा र्श्वेर या र वे न ने वि स्मर या र वया क्रॅंट्र य हेट्र क्रें रायर हेट्र हेर् वा इयाय विवा वी राधी द्री वाराय प्रिया क्र नश्रुव नायशह। ने या भे नभे नाया के यह यह यो व हो। नहें या से या सुमार्थ । श्रेश्रश्चात्र्वात्त्र्यात्त्रा नेते श्रू क्षेत्र्यात्रा क्षेत्र्यात्रा क्षेत्र्यात्रा क्षेत्र्यात्रा श्चित्रिं न्देशसं या श्चेश्वास्यश्चेश्वात्र्यात्र्यात्रात्र न्त्र्यात्रात्र न्त्र्यात्र न्त्र मु र्रे य दर विष्ठे वा से द सर प्यर से दिसे वार्य विष्ठे विष्ठेर वार विष्ठा नन्नासेन्यः क्रिंश्यर्ग्नेन्छेन्। इस्रायाचिना वित्रश्रम्भेन्यराधेन्यः शुःनश्रुवःचःयशःह। नेःयःन्द्रीम्यःचःवेःवनैःधेवःह। नर्देयः रामश्रुयःराः

हेत्र हेट प्रवेश पर प्रवृद्ध पर हेर् छेट । याह्या पर हेर् से प्रयेग्य प्रया ही या मश्रागुत्र नह्रम् श्रामदे निष्पाद्य स्थलक्ष्य हिन् से प्रदान द्रिम् श्रामदे । हि क्ष्र के राष्ट्रें राष्ट्रे राष्ट्रे राष्ट्र हो राष्ट्र वा इयाया विवादि वया थे प्रयोग्या यः विष्यः शुः नश्रूवः यः यश्रः है। देः यः श्रेः नश्रे नश्रे यदेः विष्ठः है। नर्देशः र्रे निश्वसर्रे से ह्ना प्रयान्यूया परि है दाया है या प्रयान मुन् यश वुर्नित्रे में के द्वर्नित्रे में याद्रामि मा अपि विश्वराधित न्रीग्रायदे । हि क्ष्रूर के राजन्य से नारा है राजर हो न हराया यदियापि वर्षान्ध्रयाराप्येत्रासुरायसूत्रायरान्। नेप्यान्ध्रयारान्ते वर्रे भित्र है। दर्रे अ से दे हिंदाया वसवा अ सवे भो भी अ ही दुर्भ या दे नवा यापाराधेवायाप्रधेवायायास्त्रे। देखाधराह्या यात्वायीयात्रेयाययागुवा नम्ग्रासामाम्भूनायमा हुनानदे निर्मिति निर्मासक्त हेन से वर्षान स्थित्र है। इस्रायान्त्वायार लेखा यन्यायी सायह्यायर से वुसाय न्या याल्य न्यायानभूतानुः सेन्यान्या न्यरासिया बुयासाउत् श्री श्रीन्यायसायमा न्यान्यः वन्रान्दा अळ्वः अः त्रस्रान्दाः वर्षाः प्रद्रान्यः

न्ता क्राम्यः केश्यते क्षेत्रः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्त्रः स्थान्त्रः क्षितः क्षा ब्रॅट्यायदे हुँ द्राषुवावयापद द्वायर वद्यायदे । हि सूर हुँ वर्देवायः वर्देग्रम्भायाधित्रासुन्यसूत्राच्दा दे ते हेट्र्सू वर्देग्रम्भायाधित्रासु नश्रूवर्यायश्रास्त्री । नेर्याचे ज्ञानाः हुः श्रूष्ट्रिन्यस्यानाः लेखा वीद्यस्य स्वीदः र् इस्यायात्रक्तरि दिस्यारी दे किरायाह्यायर यहितायया क्रियायाया ८८। श्रे.स्या. सर.पह्रंब.सश्जू.पर्ट्याश्चरत्रा स्या.सर.पह्रंब.सश्जू. वर्देग्रभामात्यामहेत्रत्रभामद्गारुष्टेद्वामभाश्चीवर्देग्रभाम्पाद्वा भे ह्र्या धरायहेंत्राधरार्श्वे पर्देषाराधायात्रहेत्रत्र राजन्याः सेन्यरायहेत्राधरार्श्वे वर्देग्रमः चन्द्रा नद्रम् सेद्रास्य देव नमः ह्री वर्देग्रमः । नहेव वशायद द्वा पदे से सरा शु वहेंव परा श्रें वहें वा सामा दिया निवा है वहेंत्र मश्रें वर्देग्रायम् प्रमा दे प्यम् सेस्रासे द्रम्य प्रमा नर्ते। क्रियानामाध्यानेमा गुवानह्रम्यामामये म्यावसान्ता। नेमागुवा

हेंव : ब्रॅंट्स पा उव : ब्रें : क्रॅंस इसस पा हे स पा थू 'दू र सक्द स पर थूव है। ध्रेव के लें ना नी के या पार्रा हैं या परि के या पार्रा के या पार्रा हैं रापि है गुव व रार्श्वेर निर्दे हे राम निर्दे । याव राम व रामेव मी हे राम निर्देश है राम निर्देश है राम निर्देश है राम केन्:ग्री:केश्राय:न्न:सें। |नेवे:वाकेव:सें:ह्यायम:ग्रुट:व:न्वा:वा:वा:पदे: सेससासु वहें तारा हैं वहें ग्राया या नहें तारा प्राया है वा नि नाया से ग्राया स वर्द्रवाश्वास्त्रात्त्रा यदान्वास्यस्थे व्यवदेश्ये स्थान्त्रात्त्रे व्यव्यान्त्रा रायानहेव वया भे प्रो नाया भे प्राया समायहेव प्रया हैं पर्दे प्रयाप्त या गुव व य हैं व से म्यापि नम् नु प्रदेव प्रया हैं। प्रेन्व वे हैं। चना हि.स्. तर्मन्यायाः नक्तराधे वर्षे हे। दे त्या च्या र क्वरा से समार्या वर्षे हिं वर्देग्रम्भाराने न्या व्यासदिव सम् विवासम् व्याप्त स्था विवयन्या व्या षर: द्वा:यर:वहेंद्व:दु:षर:क्षे:वह्वा:वश्वाका:य:हेंद्र:यर:षर:क्षे:हेंद्र: र्दे। १८े पर्रे के दिन्दु के प्रदेश अपने के के किया हि के पर्देश अपने वाम अप यादाधितः साम्ने। दर्देशासे दे केदाया है सामसागुत प्रम्यासाम मुदायसा वुर नदे रे में हेर र क्रें वर्षे गरा पेंट में लेश क्रें वर्षे गरा दे। | हे सूर

श्चर्यायदेनश्रायदे अवयः श्चेंश्वरायदे हो द्वा इस्राया विवा वार्था द्वारा विवा वार्था देवा वार्था द्वारा विवा वार्था द्वारा विवा वार्था द्वारा विवा वार्था द्वारा विवा वार्था द्वारा वार्या वार्था द्वारा वार्था द्वारा वार्था द्वारा वार्था द्वारा वार्या वार् न्देशसंख्याभ्रम्यायनेनश्रायाधित्राशुन्नभ्रम्यः व्यश्रानेनेयाधिन्यवे न्रें अर्थे वा भूर पायरे नका पार्ते परि धेता है। यह सु है। वें वा पर कें का नन्ना सेन् माया से सामा इस सामा बस सास हुन हुन से सामी सक्त है नानु वस सास हुन बेट्रपंकेट्र्यस्वरम्येव्ययेव्ययेव्ये । हिःसूर्केश्यर्वेवर्यरहेंग्यर श्चें यामर हो दा हे या म्यामा मार्थय हो या हो। दे र या से हे हि दर्गा नहीं। मः क्री नित्र निर्देश से की सम्भावि से निकार नित्र में नित्र नित्र में नित्र नित्य नित्र नित्य नित्र न ५८। वर्षायात्र्यास्यान्यान्यान्यायार्ट्स्त्रेन्स्यान्यायार् शु नश्रुव पर प्राप्त हो वा से प्रशेषाया पर परिष्ठ स्व पर प्राप्त हो है से स्व यर. विश्वास्थान्त्रेश्वासायरार्यात्राह् क्षेत्रायाविष्यास्य हिंह्म्यश्वास्य स्था नमून प्रश्रा | ने वार्टे ने हिन्दी न्दी न्दी वार्य प्रति वित्ते । विराध्या गुव नह्रम्य राये में में हिन् ग्री या से निस्त्र मान प्रीव स्त्री । ने प्या ही ह्रा मान शेन्द्रीम्यास्त्रे विदेश्येद्रात्रे। देन्त्रे किन्ने किन्न न्वान्यरत्वुवन्यन्विश्राशुःश्रेन्यश्रश्चान्ध्रवाश्वानःध्येत्रसर्वे । निःवः नेश्रामाष्पराद्यामाही भ्रामानवितासमा हु हिंग्रामाने पदी प्येताहे। देवे दें में हैन्न्द्रियळ्वयाधिन्याधीन्द्रिन्दिर्धान्याधीन्द्रिन् नशःशिंशिंग्यान्यान्याव्यावे नेशायाम्यात्रिंगशायानाया यद्। हि.क्षेर.क्ष्र.अर्च्य.तर.ह्याय.त.चेर.क्य.क्ष्य.क्ष्र.त्र.लूट्य.श्.यर्ह्य. नःश्चें अप्यम् हो न हे व इस्य पार्वि व वी स्थाय वि व वि स्थाय वि व वि स्थाय वि व वि स्थाय वि व वि स्थाय वि व व र्वेन प्रमासी समुद्र पिते हिंग्या सी हिंद नाय माते। दे त्या पिते दे पित्र सी सम्बन्धने प्रते प्रते प्रीतः है। क्षेट्रपा हिन्दे हिन के निकास के प्रति प्रति । क्षेत्र नः से नः पानि । से नः पानि विष्या । सक्षित् सामिन स है। ने न्या वस्र उन् ग्रम् सर्वे प्रम्प प्रमुद्धेन प्रासेन प्रावे राष्ट्री । ने प्यम यर श्रेन्य वर्ष्ट्र वर होन्य वर्ष वर्ष वर्ष न्त्र श्रे वर्ष हुन न्त्र अन्दिनाः भ्री नदे मुद्दानी निहेदारी प्येत हो। विवेति न साम्राह्म नदे । वे वर् ने न्या वर्षे ने के ने के निष्ठी के निष यदे सुंग्राम ने वित्र नदे सुन धेन में । इत सुन से सम नयदे पाहेन में नेशः शॅर्भर्माराने । श्रेष्ठा श्रव्या स्त्रेष्ट्रीय स्थितः श्रेष्ट्रिया स्थितः स्याः स्थितः स्याः स्थितः स् शेशशास्त्र वास्त्री दान हो ना वाशान हेता है। जुदा कुन केता से दिर्दि पा धीता र्दे। हि.क्षेर.पे.क्षेर.खेयायायपु.श्रुष्या.क्षेत्र.श्रुप्य.या.प्रत्य.व्या.

यी अ'र्धेर अ' खु' अ' या तुवा अ'र्घ' हे द र् र् अ'र्घर' हो द हे 'द । इस'रा या हे वा'यी अ' म्रास्त्र स्त्रे स्त्रीयाया अश्वा । साझ्र सार्यः क्रें साम्रस्य साम्राधः है स्त्रः नःनिव्यन्तः हुः हैं ग्रायायाया है। देःयाधरः न्याया है भ्रानःनिव्यन्तः न्या हुः हैंग्रर्भार्या दे प्यते 'प्येत हो। के राष्या यह गा से दाय हैं से स्वाप्त के राष्ट्र प्या है दा यः मरः चित्रे की अः गुत्र व्यक्षः हें त्र हें द्र हें द्र या संसे दः संस्टा है वा वर्षा से दे इस्रामानिके से स्नामिति के निम्निके स्वामिति स्व न्यव मदे ने न्वा र्वे न्या विषय अ न्या मुद्रा निष्य मदे । त्रे विष्याः स्थान्य विष्याः न्यः स्थान्य विष्याः प्रविष्यः प्रविष रु:नश्रृत्रःयःयशःश्र्री ।देःव्रु:नवेःत्रे:न्नगःतेःवदेःधेत्रःहे। यादः त्रवाःयः नद्याः बेर्पायायात्रवाराते सुप्त्रायवायायाया सुप्तरायात्रा हेर्पा सर्देवः यदःराक्तियः उवः रुःवश्चरः नः न्रा ग्राह्यः नः प्रारं । नहम्मार्थः यहेन ध्रैर-१ वहेंब-य-वाहब-५:बन्धूर-यय-ग्रुट-वदे-र्रे-वे-हे-१-५-ज्यान-ह्रेंद-मंद्रेन्'ग्रेश न्यूशमण्डित्रासु'सानहग्रारायदे'हुरन्रेशनुःविद्राहास हैंग्रश्यश्राक्षेत्राण्ची प्रम्याः हेन्यायहें त्रायरावेत्रायने याहेत् सेन्याया हेन्

नःवःश्रेग्रायःश्वेदःनःविद्याशुःक्षेवः नरः होदःग्रे। ह्याःकुनःशेस्रयः न्ययः वे ने भ्रायाधीव वे । । ने प्याने के नाह्यन के यान्यव प्यते हो ज्ञाने प्यते । धेव है। यद वया य प्रत्या से द राय याव राय दे कु यहिरा में या प्रस्य नम्यावस्यान्त्र। देसाग्रीसादह्वामायिक्षाग्रीसाहस्यापसास्याप्ता यश्रास्यापराया वरायदे द्वेरार्से सेंदे ह्ये 'त्रिन्त्रा' तृष्ट्रा प्राप्त स ग्रद्राक्तेशन्यम् प्राप्तरा न्यम् प्राप्तेम् ग्री ग्रुद्राकुन से समान्य में हे हे अधीत्र'सर्वे । दे'त्य'र्श्वेट'न'त्य'क्सअस्य त्वित्य'सर्वे ही न्व्या'हे त्वदे 'धीत'हे। यादात्रमायायद्याः सेदायायाय्यात्र सामित्र के सामद्याः सेदायाः सेदायाः हिदादाः सर्वित्यमः विवायमः भूगा छेर। बासून्यमः जुराववे से विविद्यायः कर्ना प्याची निर्देश से स्थानी निर्देश से समान्य दे ने से सालिय नर्दे। निःयःश्रेश्रश्चात्र्यः विष्यः नदेः श्रेः व्याः वेः विदेः धेवः हे। यादः वयाः यः नन्ना से न्यायान्य स्थाने व्यून्य हिंदा नाया ह्यायर विद्याया है स्टानी गुन हुःहैंग्'रा'ययाचुर'नदेः धुयाह्मस्रयायादरुःवेयाचेद्राचेर्यंग्'यार्येग्यार्यः ह्येत के लेंग हु त्यूर ही। हुर कुर से सम द्राय है हे सु स धेत परें। हि स्र-कुंदि-क्रेंश्याय-तेन्दिन्। इसायाविष्यात्रीया

हैंगायाधित्याशुरवस्रवायः न्मः नेष्यम्नग्यादे स्थानाविवास्यातुःहेंग्या राखेंद्रशासुरास्त्र्वारायसाते। देःयायहेंद्वारायार्से सेंद्रहेंगायांद्वे यदी पीता हे। नन्नाः सेन्यदेः ने सामाने हेन्या मासून्यसा तुन्यते में केन्द्रान्यस नःहेन्द्रः नेशःगुन्नः नहगशः पःद्रः ज्ञायः नःहेन्द्रः। अळनःहेन् सेन्यः केट्रट्रा अट्रियाः अक्षित्रः श्रेष्ठाः या विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य विष्यान्य धेव पर्दे । १ ने पर ने पर न्या पर है सु न न विव र न न हु हैं यू अ पर वे पर े प्येव है। ग्राबुद्दान्द्रान्द्रद्वान्यायायेद्रश्चास्त्राः हिंगान्यः होद्दान्यते :द्ध्यानविदाधीदायाः ग्रेन्यन्ता धेन्याग्रुयायदे कु्यार्थे कें या स्टार्म्यायान्य स्वर्धिय राम्बाराक्षेत्रायापाटाधेत्रायदे। हि.क्षेत्रायवरावियायदे क्षेटायाके निर्धेत्रा यर हो द हे व। इस या विवा वी श के साम द्या से द पदे भी साम दे पद द्या यह भूगानिव सर्वेदायाया है। दे या पर द्यापा है भूगानिव दार्थेर नन्ने वरे भेतरो यमन्दर्भेतर्स्य मासक्तर्भेतरम् मास्य म्रेन्न्त्रेन्न्येन्यदे के राष्ट्रेन् यान्ये वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् वास्त्रम् र्ने हिन्द्र ज्ञायात्र श्री राद्रा दे स्वरासर्वे रायर वे वायर ज्ञार से दायर धिर-१८। अ५-३वानिहेर्णेवनिहेर्से । हिन्हेरिहेर महिन्हेरि

ॻॖऀॱয়य़ॖॱॾॣॕॕॕॕ॔॔॔॔য়ॱय़ॸॱॻॖ॓ॸॱढ़॓ॱढ़ऻॱक़ॕॴॱॻॏॹॱय़ॴॱॸ॔ॱऄॕढ़ऒॕॸॴॱय़ॱॾॣॕॸॱ नवे महिन में जिन्या शु नक्ष्र माययाहि। ने या श्वें न न ने प्येन हो। ने या यदं सूर न ने सूर् हे न ने हे र ल से साम में न सामे र ने साम साम में न नवे यम निर्देश में निर्मा वसमा उर्देश निर्मा विष्य विष्य %त्रचें अ'ग्री'नक्ष्मन'म'न्ट' ग्रुट'कुन'ओअअ'न्धवे'नक्ष्मन'म'य'ग्री'न्या'ते'हे' र्थिन् हे न इत्र में भारी स्थायानिये। १३५ में भारी नक्ष्र न स्वायानिया श्रेश्रश्नात्रात्र नश्चरायदे ने ज्ञान्ते स्थान न हु नश्चरा ने श्राम्य ७७। विद्रं । श्रुवायदे १३व र्डे ४१ ५८ । अर्दे व सदे १८ कुवा उव सी १३व . इसारान्ता ब्रान्छ्नानुः वित्रक्षानु । वित्रवे नर्वेन मःगठिगाःमदे छ्व वें शर्भे । नि त्यः श्रूयःमदे छ्व वें श्रुव वें स्व ते चुर कुव से सभः न्मश्रासेस्रश्राह्म इस्रशामन्त्रानदे द्वीरः स्वयानामान्येत्रानदे । निःवः सर्देन पर्दे प्रकृष उत्र मी १९५ वें रादे नाप वन्ना से प्रवेश के राप र्च अन्ता के अन्य नित्रा से दाया थे वा प्रमास में ता प्रमा ले ता प्रमा से अ लट.रेची.सर.क्रेची.स.चीट.लुच. सत्। रि.ज.चीट.क्षेच.धे.लूटश.शे.पचीर.

यायमा ने निविव याने या भारा प्राप्त है । यर यात्र मारा सर मारा है मारी है सारा क्रवे.सू.रेयो.ज.लूर्य. थे.चे श्रायालूरश्राश्चीश्रश्रायमु श्रीर १ विर १ वर्ष १ विर श्राम् अर्थः क्रुशः क्रुश्यः श्री श्राप्य र प्रमुखः तरः अह् नः यह वाः प्रसः अह् नः । विहः वनशःहे नरःक्षेत्रनरःषदः अह्दादे। दे कुःदेशः व जुदः कुनः केत्रः व स्वरं यम् श्रुवायम् हो न्यावान धोवायम् । । ने ने स्मा हान कुवा केवा में समें वामा ने यः हैं न्या रा विव हु दुया नर वशुर है। यर या मुया शे रे न्या या उव दिर में श्रेश्रश्चित्रायायान्ते व्हानुराने श्रेष्ट्रात्याने प्रति वर्षे प् याडिया'यदे'हत्रवं र्श्व दिर्देशहें न्द्र र्श्व दे रहें स्वेत हिं कुर पदे रेया था उत् धेवः मदेः धेरः दरः। विवेषाः हः से समः उवः ग्रीः देवः वः सेः धेरः र्टा र्वायम्याग्रीयायहेग्यायदेग्वेरास्यान्याय्याय्या यद्गे नश्रम्भारा उत्राहित्तरः वर्ष्युर विदा ग्रुट कुन केत्र से सर्वे नर नश्चन यदे अलामा से न्या नामा धीव यदे । विने त्या के नियम का का नियम से नियम सर्द्धरशःसरःश्चेशःविदः। मृत्यःसँदेःनदेःनदेःवदःसँद्रशःश्चेंदःग्चेशःसर्द्धरशः

सहसायर शुरायाविका निवा विदायाया दे त्या विवा वि सुवा विदेश तु न न्ना नश्रुव नर्डे अन्ना नर्डे दे नाव अन्य साम अन्य भी व ना विवासे अने ने क्षास धेवाव। ने पहिरादी धवायाने साम्ची मा हा सुरापर मा मिया वग'रा'से न्'रादे 'न् वे न्रस'त् 'वुन' कुन' से सस'न्यव'न्न' वि 'नदे 'नर्वे न्या याडिया'सदे '६व' र्चे राग्री 'त्रया' ग्रु ग्यूर 'रेया' सर 'त्रा क्षेत्र हो ते 'याहे रा ग्री हो 'त्रया' वे नश्यान नाम में दे के श्रायम निष्य निष्य के श्राय प्रमानिक विश्वास प्रमानिक विश्वास प्रमानिक विश्वास प्रमानिक न्वायरःश्चरायन्ता हेशःशुःवर्धेः यन्ता देवाशन्ता वातृतः प्यतः न्वाः यम्प्रहेव्याप्तम्। क्रिम्प्राप्तम्। अश्चाप्तम्। क्रुव्याप्याप्तम्। क्रिव्याप्रकाशेः देशकेर्परा विर्धार उदालशाविर्धरर्पर र्वावयाश्वर्पर है वर्षानु दर्ग वर्गुर वर्षे हेव वर्षा ग्रह रेषा पर गुर्वे । विवर्षे अवे वर्ष यदिया हु 'वि 'यर याद्र श्रायदे 'यश्राश्राश्राय उद्याधित' ही। हु ह रह्य श्रेस्र श ग्री निर्ने निष्पत्र निष्पत्र विषेषान्य निर्मेषान्य निष्ठि के अरक्ष्य द्वार्य निष्

व्यव पः पीव नी। हार कुन से समा द्राय है से समा उव वसमा उद ही नदे न षर द्या यर वसे वा चर हो दाया द्यार से दे के राक्ष्य से दाया द्राया है वा धेव दें। १३व र्चे अ दे १८ रू अ अ ग्रुअ ग्री अ अ ग्रुअ ग्रु र १३व र अ र अ इस्रथःग्रीयायार्थ्याद्भः वार्थ्यः हुः हो द्वारा वार्थ्यः वार्थ्यः वार्थ्यः वार्थ्यः वार्थ्यः वार्थ्यः वार्थ्यः वे सुँग्रायानवेदे से समा उत्वायस्य उत्ते। १३व वे माने समा माने पानदे क्रिंश्यक्रियायान्स्रीयायान्यदे पीन्या होन्या व्ययाप्य न्यायम् श्रुवाशानः यरयामुयाग्री:य्याशुःशे:दशुराग्री। ग्रह्मक्र्यःयेययाद्यःदे:दर्नुहिः। ८८। श्रेश्रश्चार्या क्रिंश्यात्राचार्यात्रीम्रायदिः धीर्या होर्यायश लट.रेची.सर.चैय.केट.शरश.भेश.कु.श्रश. श्री.कैर.स.लुध.ध्री विध्य.स्था. नर्डेन प्रमुषः न इस्र रिं निर्मेन स्थायायायाया निर्मा । से स्र रिं निर्मा राम् अष्ठअः यरः ग्विग्। ग्रटः अरअः क्रुअः ग्रीः रेग्वशः ग्रीः अळ्वः क्षेट् 'द्रटः स्रीः ख्रवः प्रदेः [૽]૽ું ₹'ગદ'&ુગ'એઅઅ'ન્ધવ'કૃ∓'અદઅ'નુઅ'ફ્રઅઅ'ગુેઅ'ઍેદઅ'શુ'એ'વાેેેેુદ' यी । जुर कुन से सरा द्वार दे 'दे 'यस न क्विंग'रा पी द दें। । ७०। । १३ व র্ষমার অধন্য প্রবাশেন ক্রুন্র নাত্রীর দের প্রীন্য ন্বন র্ম প্রেম্বর প্রীর নাত্রীর দেও लर. ब्रेश्नाश्चर्याक्रियाक्षी सहरामाचेराक्षी व्यामाले वाक्षी व्यास्त्र स्था

शेशश्चान्यतः ते भूतः हेगाने त्यान्दार्धाः शेशशान्भे नामशान्य तुशार्थे। १९५ र्वेशके अवर विवासर क्रिंस क्रिंस विद्यालय के असर विद्यालय विवास कि यदे हैं र र प्य विवास पर ने क्षेर के र र से र सम् नर्हेन्यर गुनदे देशसाधिव ग्री गुर कुन सेसस न्यव है पीव है। गुर कुन से समान्यतः ते समन मुना सम सुम सामा धेत प्यान समु निम से न्यानी अ.४४. व्रस्त स्टास्टा अट्या क्रिया व्यया उत् विषा क्री या वर्षे दारा लेव दे। १३व वे अंदे रहेव संहर्भ निव वह वे निव हो है निव लेख है। लूरशःशीःचीयःतः लुयःलरःश्रुष्ठाशःवयः स्राधाःशुःश्रूषःशूरशः त्रदः वरः वुः नर हो र पाय पोत्र हो। हार कुन से सरा र पय है जावन हो हैं न पाल्या स यदे स्रीराने वर्षा नहीं नाया धेव हैं। विवार्ष कार्य समाम स्री नाय लेव.लट.ह. क्षेत्र.घट.केच.श्रेश्चरतंत्र.ध्येच.श्रूट्य.स. चट.त.श्रुश्चरत्य. इस्रायायाये ने याग्री सूराया हो रायदे हि सासूर्याय यह यह वा हे वाग्री श्चेत्राग्वर्या ग्री वेद्र राष्ट्रेट्र ग्रुट्र ग्राप्टे १ सुर तुरस प्येत्र ग्री । ज्ञाट क्वर से सर्या न्ययः वे :धीवः वे । । ने :चलेव :चालेवायः यः क्ययः वे :नुयः हवा : छः छवः वे यायः क्रेश्विर्यसर्द्वयायायायीतः या देत्याययाग्यरः ग्रह्यस्येययः

न्ययः इस्र राक्षेत्रः वित्रः वित्रः यम् र द्रायम् र राधितः वे। ने र न्याः यस्य र र न्याः लट.रेबा.सर.पर्वीय.सपु.हीर.हू। १८.रेबा. थु.क्वे.बाधुश्र.य.कुश्.खुय.धिर. यर-दुःवयम्बार्यायदेः धेवःयर-रेगःयर-तुः ह्रे। वदेः ह्रर-देः द्याः यी शः शेस्रशः उत्र⁻ॲंट्र अ:श्रुं त्रुं राम: ग्रुं अ:पान्टा। अट्य:ग्रुं अ:ग्रुं : क्रें व:र्जे व: यर गुरुष्य रि. शुरु है। है व्यर्थ गुरु कुन ग्री विज्ञ रा गुरन है या पर्टा है हि सूर व र्वेट्या शुः श्चेव पर ज्ञ्यापदे से स्या उव क्या स्या पर र्वे व पर सहिं। ने। यने सु हे नियम मुनायार्थे नियमित यार्थे साम्याय यार्थे साम्याय स्थाने सि स् नःक्ष्म वानारीं लाने क्षां आधीत पाने निवित नुपरि लाया सेवापर चेत्र । १३व. व्याच्या. १३वा. १३ व्याच्या. म्रम्याने निवस्तर्भेटान्नो नदी निवस्तर्भेयानित्र निवस्तर्भा विद्यास्त्र निव्यास्तर्भा न्नरःकुनःकेन्द्रस्थः वन्नर्यान्त्रस्य स्वानः सर्वे । वनः कुनः श्रेश्वराद्यतः ते 'दे 'यथ' नर्ज्जिया' यथ' ग्राद्याद्याद्याद्या स्ट्रा हिन हिन हिन श्रेश्रश्नात्त्रात्राचेहेव व्याचे १६व व्याचेश स्वर्शात् वृतः नराववृत्रः व्या र्वेशप्यानहेत्रत्र्याते नुराकुना सेस्यान्ययः इस्या सी प्रतृरारे । विहेता हेत्र:स:८८:वहे मा:हेत्र:वश्यःवर्गःसदे :वेश:स:८मा:मीश:मवित्र:ग्री:देत्र:ग्रु:नः

यार. खे.या पर्न.ज.चेर.क्य.भुभग्न.र्स्य.स्र्यामा.वस्य. नःलरः रहा लेकामेष्यः रेक्स्लरः रहा है। नःमेष्यः रेक्स्लरः रहा ग्वन् श्री अया अव्यान्त्र ग्यान् सुन हो हिन् अन्यान्ति । वहुन सिन ग्रिन ग्रीरानक्षरामदे से सराउद इसराया नक्ष्मामा मुस्राग्री यस क्रामा न्यायाके नम्बूनियमायाकी नम्बुन्यान श्रुन्यान श्रुन्यान सेन्या धेन से न्या धेन से । वहिना हेत परि लेश पाना होता गुत्र त्र शहेत से र र र प्राया र र रे र नदे महिन्दा वर्ते दक्षास्य महिन्दि महिन्दि महिन्दि । नर्दे। गिवानमार्थेन स्थानमान्यामान्येन विभागम्भभभागे पर्देन ळग्रान्ता वे सूरान्ता गृहे सुगा सुना हे नातः स्वाहा सुराना इस्य ग्री भूग्यायायहेत्रामाहेत्रात्रा देवे मात्र शास्त्र या वित्र साधिताया हेत्। यायानहेवायाहेरादर। यराश्चेरायराश्चेवायायानहेवायाहेरादर। ध्वेवारी व्यानिवे स् नर्भातान्ता रे रे र्यामी श्वरायाया वे राया वि सर्विन्यरावेवायाया नहेवायां हैन्याराधिवायर्गे । गुवावयाहेवासेर्या वर्तेर गर वे व रर रर गे गहेत से ल नहेत प्रमागुत व राहेत से राम स्वार्थाना स्रुत्थान दे । खुत्यात्या वर्षेत्र कवार्यात्रा वे स्थूत । वाष्ट्रे सुवा

मीर्थागुवावर्थान्यीर्थायदे माव्याके नामा धिवायदे । न्यमार्थायायाया प्राप्ता धरःविष्टः धर्मा अष्ठ्यः धरः यावविष्यः धरे । श्रे अर्थः अष्ठ्यः धरः विविष्यः धरे । श्रे रः न्तरः क्रनःग्रेःस्रिन्यरद्भारम्यद्भारते के याद्भारत्ये याद्भारत्ये याद्भारत्ये विष्या ने 'इस' सर मार्वे व 'सर हो न के दिया न के साम है स' मन्या है न र म ह है व सर है से साम है साम है से साम है यदः श्रे न्ते न अश्रा । यदः द्रशेषा श्रायः श्रे स्र श्रे न दः वा हदः दे । वा द्रश्रायः त्रःनवे श्वेरःवनदःवरःत्रेदःदे। दिवे वेवा पुःवावशःवःरनः पुःवहेवःवरःत्रेदः दे। देःस्वःहुःवञ्चरःवश्राश्रशःयःस्यःस्यःस्वःस्वःसःग्वरःषीशःगुवःवशः न्ग्रेश्राचावत्रीतावतुता नरावतुराचाने इसाधराम् विता धरावतुरा र्रा दिवे के ना हु पहें ना हे न प्याप्य प्यापित हैं या माने के स्वाप्त के स्व श्रम्याते। याहेवार्यात्यावयास्यात्युराविराने हिन्यह्वास्य होना र्ने। निवे देवा हु हेव डेट प्रवेश नर ए बुट न श गुव हु हैं र अ य न्टा वाट वनायानन्नासेन्यायानुन्हिस्यानन्ना केंयायानन्नासेन्यायान्त हुः इति सामान्यान्य स्वार्वे वास्य हो नुष्टे । निष्टे । विष्टे । विष्टे । विष्टे । विष्टे । विष्टे । विष्टे । यादेशास्त्रात्युराहे। देासूराइसासादेाद्यायीशागुवावशाहेवार्सेद्रासारा रवाश्रासन्दर्भविरश्चेतान्दरम्भःसरः वार्वेत्रसदे वाहेत्रसेर शुरस्दे

नेश्यामान्यान्येत्रान्तेते यहेगाहेत्यये नेश्यान वेश हरी विहेगाहेत यशयन्यायदे नेयायाना वे वा ने सूर वर्षेत्र कवायान्या वे सूर परा यिति ख्रिया यी अ'गुव'व अ'न्यी अ'यदी 'गुव'व अ'र्हे व'र्के द अ'य' क्रिया यह अवव' मदे गुत्र त्रा हेत् से द्रार्थ द्रापि निष्य प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व निश्वानामान्यित्र मर्दे । ने प्यम्याम् वित्व । इस्यम्यार्वेत्र महेत्र महेत्र में ने यान्यम्भाम् अस्यान्यम्भाम् हेत् छेटावर्षेयास्य वर्ष्ट्रान्यस्य स्व ८८। यट वया या यहवा से दाय र से सारा हिया यह वा से दाय र से सारा म्रीम् भी भाषा इसाया निवेदी । श्रिवे सक्त हिन् से निभाषान्ता महागी। सळ्त हे द से स्वेश संदूर गृत त्र शहू त से द्र शहू त से स्था संदेश सळ्त हे द से स्वेश स न्ना क्राम्य ग्रुट नदी अळव हेन् से लेश मदी महेव में शासुट कें नामा भे भें यानर से से दे निया है द ग्री से समा या से से र हैं या है द विनद मा यार पित पर्दे । ने प्य शेस्रश्च भे दे सक्त है न ते क्राय पश्चा श्वा भे ने प धरा गुःश्ले हेव केट प्रवेष धरा प्रवृत्ता में मावा मार्थे पा केट पर हिता है। क्षराश्चीःभ्रद्राचेनायाणीं नासेदायां हिताना वर्देदाळग्यायासेवायायासेवा

यश्चिदःयदुःश्रेष्ठशः ग्रीश्रांशः ग्रीश्रांशेदःग्रीशःश्ची ।श्रेष्ठशःग्रीः स्टःगीः यक्त हिन् ग्रम् इस प्राचा शुक्ष श्री श्रम् वा प्रमान हिन् क्षित्र । स्राचा विव ति स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स मीर्थाने निवेद हिन्सी नियम्भाय निवास वसम्याय मार्था हिन्समा ये ५ नियान से ५ के नियान सम्भारी । ये समारी गुत्र त्र मार्के सिर्मा मिले अळ्वॱ१९८७८८₹अप्याम्थुअॱश्रीश्रास्त्राप्यस्त्राः हु। त्युत्रप्यत्रा पहुनापः ८८। क्रु.नशहे। वर्त्ते.नःइस्रश्रंश्रंश्रंश्रंद्वेनशव्युनःसःस्रश्रंदेःगुद्रःद्र् क्रेंब्राब्रेंट्यायाययुवायाधेवः वै । देग्ध्रमाययुवायामम्मायीः भ्रून्वेवावीः क्रुवः मुक्तित्र प्रमान्त्र । नुक्रेम् राम्यस्य राज्य मुक्ति । नुक्रम् राम्यस्य राज्य स्वर्थाः व ८८। ब्रेट्रपद्रियाक्षाक्षाम्यस्प्तर्यस्य विद्याप्यस्य विद्या र्हेन खेट राया पहिनाया धेन हो। निर र कु न र र हे सूर कु न या राये र ने वर्षः हें वर्धे दर्भाया क्रुप्ताधीव हो। देशायनाय वेर्धे प्रनीपाया देशायनायः वे निवो निष्य मेर्यायनीय वे ध्युवाया मेर्यायनीय वे व्यक्ष समित्र प्रमायनु हु नःलर्द्र। निर्भावनायः ने हिन् स्त्रामः इस्रभः यः इस्रभः यः इत्रस्यः मः इस्रभः यः कुः न'न'अ'पर'वर्देन'कनार्यादर'वे सूर'वार्य्यार्थे गाया यारे यापर थे गान्याया है।

क्षेत्र'यर्देत्र'ळग्रथ'त्र'च्छश'यर'शुरु'त्रथ। यर्देत्र'ळग्रथ'त्र' ज्ञथ'यर' वश्चरानाना वर्तेन क्वाशान्य ज्ञाना सुरान्या वर्तेन क्वाशान्य नडमःसरःवशुरःनःद्रः। देःष्ट्रःनुःयःर्भेग्रामःसःधेदःसःयःकुःनःदरः। नरे.न.ज.श्रूपाश्चर्यायेश. के.ये.ह.क्श्चराक्ष्याच्यर विच.हराक्षे न'न्न। नन्न'केन्'ग्रे'नने'न'श्चर्य'हे'सून्न'नश्वात्रक्ष्य'गुर्व'हुःश्चेन्'यर'ग्चेन्'य न्ना ने प्यम् अर्देन प्रमः लेन प्रायमा साधिन श्री श्री न रे व्यापायमा प्रीन प्रा यर शे दें समायर हो ता पात्रा दियो या इसमाया दे सायर श्रुराय दियो श्रदःनदे श्रेरःभ्रवशः धेदशःशुः र्वेषःवरः तेदः। द्रदः। श्रेरवो वः धदःदवाः यर ब्रूट नवे भ्रेर क्रेंब प्येंट शर्श केंब नर ब्रेट पर्टा वर्बेर नर्टा मुद्रायाद्रवात्याहे अःशुःळवाशायाद्रदाविदाविदाविताद्वीशाविशाविद्यायदाव्युद्रावा चुर्यायात्रस्रक्षरास्त्र चुर्नायत्। वाबुवार्यायार्सेवार्यायायाः सर्विःसरःन्वावःववेःश्चेत्र। वान्वःनुःसवःसःवक्केःवःसेन्।सवेःन्श्चेन्रसःयःसिः र्शेर्यत्वम्यार्थान्त्रीरार्शेर्यराहेश्यास्य स्था सर वहेवास्य होत्रास्थे। ते

क्ष्र-र्देव-दे-गुव-ह-क्षेव-धर-होद-धर्हेव-बेंद्र-श्राच-इव-होश-वर्ष्ट्र-धरे-द्रिवेद-न्देशस्य न्या ग्राम् नेया प्रमा ग्रुदे । श्रिस्य ग्री इसा प्रमा ग्रुम निये सक्य हिन ग्राट इस पर पार्श संग्री सर देवा पर श्री है। से हिवास पर दि हैं वास पर दे सक्त हिन निमा पर्माया चुमा शे । सक्त हिन निमा से निमा शे । सक्त हिन । ग्री अरे । दे यशमान्त्र पुर्ख्याननिव साधिव सम्वर्हित प्रश्र है से स्र शहरा धरःद्वाःशःश्रुवःधरः होदःग्रदःश्रःहेवाशःग्री देःश्रूरःख्यःविवःदुःवर्हेवः यम् ब्रेन्यमान्ने हिंगमायम् वशुमाने। ने प्यम् श्रुन्यमानुमः वर्षे हिंने हेट्र दे से अर्बेट या दे निविद हेट्र में अर्क्द हेट्र अर्बेट निवस्ति अर्बेट र्रे। विर्यासान्त्रमानी सक्ष्यां हेर्रे दे दे स्यामान्त्र सम्यान्त्र स्यामान्त्र स्यामान्य स्यामान्त्र इससाशुःकुः नःसे दः पः द्वा हे १ द्वे र १ वर्षे वा परि १ द्वे समान्य प्राप्त । सक्द हेन् ग्री सन्से ग्रास सुर्पेन्य सुर तुः सः प्रेद प्रदे सुर ग्रिक सुर सेन् यदे सळ्या हे न न में न स्रोत्ता स्रोत स्राप्त सळ्या हे न न में स्रोत स्र यश्रायदान्त्राचि स्वत्राचि सक्त हिन्द्रा श्री स्वर श्री नायश्याप न्ता धरायन्यायान्दा वक्के वर्षे नाययाधरान्त्वा धरायन्यापान्दा अन्तिवा

यांडेया'त्रा'यांडेया'तु'त्रज्ञत्यायायायायायाः प्रत्याप्यस्यत्यायस्य प्रत्याप्यस्य वर्षुर्रात्रायमापराद्यापराद्यापराद्या यमाग्रीमागुवावमार्हेवार्सेरमा मदि तर् हो र त्या प्या प्या प्रमाय स्था प्रमाय हो । वि या से प्राया हो । यक्व हे न वे से क्वें न परे विस्था है। यक्व हे न पेव पर न से न से है। के वर्दे वार्द्रेश्वरी ख्रायश्रायदात्वा यर वर्षायायदायीत है। ज्ञातायश्रायदा नदे हैं र न यश्या पर द्वा यर द्वा यर द्वा चु नदे हैं र न से द र यश्या लट.रेबी.सर.परेश.स.रेटा। वी.च.सुर.सपु.श्चिर.च.जश.लट.रेबी.सर.परेश. नर्दे । क्रें श्रें अप्यान्देशमें नुवायश्यापर नवायर यन्श्रायपर प्येत् है। कें भ्रे अप्याधर श्रेन्पा वज्जून निर्वापन्ति । वन् ज्ञेन्पा वृत्ता विष्या विष्या विषय षर-द्या धर-वर्ष-ध-द्र-। दे-वर्डिद-ध-वर्ष-ध-द्या धर-वर्ष-ध-न्ता नेवे व्यवसातु वयुनाय वसाय । प्राप्त सामा नेवा ने व्यानहेता नुःसःनसूत्रःयःर्धेदसःसुःगर्धेःनःसस्तरः इसः

यश्यापर द्वा यर वर्षा पर्दे । दिवाश ग्री अळव हे र रे प्यार वावश भ्रावश नविरः इसः यः न्युरः रेयाः यरः ग्रः श्रे। इसः यरः सः न्याः यदे यात्र सः भ्रानसः न्याः इस्राध्याप्त्राचि प्रावस्याभ्रावस्य द्वा स्थाप्त्राच्या प्रावस्य भ्रावस्य ८८। लूटशःश्राचियशासद्याचित्राश्चित्राच्याः विश्वास्त्राः विश्वास्त्राः विश्वास्त्राः विश्वास्त्राः विश्वास्त्र यावर्गःभ्रान्याचे सळव साम्राम्य स्वाप्ता प्राप्ता निष्ता हो र वयायावराष्ट्रातुः धेवार्वे । वियायम् न्यायवे यावयाञ्चन्यार्वे में यावेयाया न्ता सुरुन्तः सेसर न्वेदः राधेदः द्वी । से से महिष्या पदि वाद्यः भ्रम्य अन्तर्भ स्त्रम् रदःचित्रविष्ठाव्यक्षाः उद्दिदः च्रायः विदः चे त्या के द्वार्थः वाष्ट्रायः विद्वार्थः वाष्ट्रायः यश्रायदान्त्राचरत्राचरदा देवे इतायश वृद्दाव से सबुदाचर क्षे नवे : इस्रामा त्यस्य प्याप्त प्रमान्य स्थान स्था ग्रम्भन्याद्ये 'र्षे द्या शुः ग्रुच प्रदे 'चरे 'चर्टा व्युक्त च स्यापा ग्रुयः यश्रायदान्त्राचरत्र्याचार्येवाते। देःयावशुक्रानाक्ष्याचार्य्याचार्य्याचार्या न्या धेत है। म नि न स्था स्था स्था र स्युम् न न है व है से या यो याव र য়ৢ৾৽ঀয়ৣ৴৽ঀৼ৻ঀয়য়৽ঀ৴৽ৼঀ৽য়৽য়ড়৾ঢ়য়৻ৠ৽ঀয়য়৽ঀয়৾৽ঀয়ৣ৴৽

नर्ते। ।।नयःम् नवे नद्गन्त्र्यास्य स्रे न्यास्त्रे। । न्यान्यः यान्स्रश्राद्यात्यात्रवार्चेशाणीः नक्षुनायाना विःव। यदे व्हास्हे नह्ननः ७७। | शेसर्थान्दा धेन् ग्री से निने नायन्यायमा स्वापित स्वापि ग्री नक्ष्मन प्राया क्षेत्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्ष्मी प्राप्त प्र प्राप्त ग्री नक्ष्रन राज्य क्षेत्र राज्य । ज्ञार वालाय निवासे दाय दिया के अल्यानियाः बेर्यायाञ्चनायदे ने यास्याची नक्ष्यायाया क्षेत्रायदे । दिः यासूरायागुरा वयार्श्वेद्राचरा हो दाया वह वा से समाद्राया देश है । वह वा से व्याचरा भे हो न प्राप्त हो 'क्षेत्र' सामञ्जूलाम न । हो 'क्षेत्र' से लाम र हो न पा न । हो 'क्षेत्र' से लाम र हो न पा न है 'सूर'न दुल'नदे 'इस'म'ने 'नदे रादे मामर'नु हो। रट'मी 'से सर्भागी 'हुल' निवेत्र संभित्र संभित्र या होत्र संस्था गुत्र त्र सं निर्देष स्था [*BSLANG?] यदे न इन से सर दिया वही वा सिवार विषय । यह वा सिवार विषय । यही वा सिवार विषय । यह विषय । हे. स्थायायमा मान्यायमा मुद्दान्य से सम्भावा हे हे से या नर से हो ह राधिदार्दे। यायाहे सुया ग्री शास्त्र याविदाया गर्दि रा रा ग्री रा रा रे रा वर्से ग्रायर वर्गुर दारे दे सावर्याय धेव दें। । ग्रिवा या वर्या व ग्रिवा ग्रुटः अ'न्यया नर्रान्यः नर्रात्यः वाडेवा न्यया द्वाचेवा ग्रुटः न्यया नर

नवःनरः गुःहे। यः नययः नयः ते ः ह्याः यः यात्रयः प्रापः व्याः परिः द्वाः विस्रभाषमः विस्रभाष्ट्रम् विस्तानायान्यम् सामान्यम् विस्तानाया ग्रद्धः दर्वी भा भ्रूयाः पदिः से सभः ग्रीः नक्ष्यः पदिः याया भः देः दर्भया सः प्रभः इस्रायर निर्मा त्रिया प्रायम स्थापित है। निरा बना त्राय निर्मा स्थापित क्ष्रनः धेत्र त्र्वा व्रिकायः नद्याः क्षेत्रः यक्षाः नक्ष्यक्षः त्र्याः स्वेत्रः स्वेक्षः स्वः व्यान्त्रें त्रायि याग्राया वे दे दे ते हिन्दा हो ज्ञा हु है ग्राया प्राप्त है ग्राया व यदे विकेट न भेतर्ते । निक्षन य न शुरु में ने न न क्रायम न क्रीयाय नश्चनःपःन्दःश्चेःसत्रुत्रःर्द्वेश्वे नक्किन्न्दःनश्चनःपःन्दःहेशःशुःसत्रुतः यदे के अप्तकुर पेंदरो देव से दाया पेंद अस्त सु लेव या दर। पेंद अस्तु सन्दर्भ द्वे सायशः व्रवा व्रवा व्रवा व्रवा व्रवा व्रवा स्वरा सायशः व्रवा शुःग्रात्रः नः प्राः अरिशःशुःग्रात्रः तः त्रशः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः व नःवर्त्वरःनर्ते । नश्चनःमःन्दःहे अःशुःसत्रुवःमदेःहे अःनक्कृत्वे ने न्नायशः नर्ज्जेग्रामार्वित्यायमार्द्रमा सर्ग्युद्री विम्यासरस्यानस्रम्भानस्य प्रेति द्वी र्र्जेटः यार ले ता ने न्या ने क्या या या शुक्ष नु से वा भी नि कुया था भ्रे.के.बुट.क.खेयाअ.टेट.ध्याअ.अर्थेंचे.चा क्र्यू.च.टेटा व्यूट्य. र्श्वेन्द्रा गर्झेन्द्रपद्रा कुंयाविस्राद्रा क्षानाद्रा नस्राप्तासीसम्बद्धा रान्दा लें जुन्तालें द्रशासु वार्वे वानान्दा स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्व स्यात्रास्त्रीय.ता सैया.तषु. सुस्यात्राःस्यात्राःसवितःता सैया.तषु.स्र र्नान्दाह्रवाश्रास्र बुद्धाराया ने न्वान श्रुवार विश्वस्थार प्रमास्य स्वाप्त स ८८। श्रु.ज.लूटश.श्र.पार्ष्ट्रज्ञा वि.यावश.ग्री.लव.ज्या.८८.अश्रवी स्वा. अर्वेद्राची प्यत्रायमा प्रदासम्बद्धा दे माने मानि स्वाप्ति प्यत्र प्यता प्रदासम्बद्धा ने निष्ठे निषे के निष्ठ में प्राप्त प्रमान्दर समुद्रा ने प्राप्ते निष्ठा ने प्राप्त निष्ठ समुत्र पर्दे । विवास पर नक्ष्म स्थापि दिने क्षेत्र पार विवा दे दे क्षा स नविरःरेगायरः गुःक्षे। क्वेंरः नः ५८। नश्रयः नः ५८। हेग्रयः नः ५८। अवरः विगायर वर्षे नमार्थे । किं वर्षे व्यागुर हुः क्रीं नवे क्रीं र न र । कें र नमा য়য়য়য়য়ৢঢ়ড়৾ঢ়য়য়য়ৣয়ৢয়য়য়য়য়ৢয়য়য়য়য়য় धेव पर रेग पर नुरे। किंश निन्म से द पाय से शपदे नश्याप दि स्वर यदे श्रेरवार वें न यर ग्रुन प्रान्त वार वी अ वें न यर ग्रुन रे वाहे अ या व

सूर्यस्य गुर्वे दे ते हिर्तु सर्वे न्या हेत्र प्रमाले व स्य से द्राय प्रमाले व स्थान उत् मी देव लिए अ शु कें या न दर। श्वा राम भी रहा से श्वा से प्रमान न से र नश्रयान्यस्तुत्रसुर्वास्त्रम्याधेत्राचरार्यम् नुति । वावत्रमीः द्वरा शे पहें ना मदे ने रामरा के रागी है नविद है दाया मह नविद मी रा गुद दर्श क्रेंबरब्रेंट्यः याबेद्रयम्हेंग्यायाप्त्रा देख्यप्रेंबरबर्वेग्योप्तम्प्रा ह्या न्द्रायश्वन्द्रश्वान्ता वर्षिराचान्ता वर्षेत्राचान्ता वर्षेत्राचान्ता वर्षेत्राचान्त्री वर्षेत्री वर्री वर्षेत्री वर्षेत्री वर्षेत्री वर्ष र्ने हिन् से न्से न्स न्स ने हिन्स मार्य सुत सुस स्वास मार्थ द सम मेना सम ह्ये। ।गुव वयाहें वार्ये म्यामा मयय उत्ती महेव में भीवा अका हि नर्भे समान्ता दे निविव हे द कुत से पकत्य प्राप्ता से प्रदेश माना माने सवर विवासर पर्चे न सुव श्रम क्षेवायान धेव सर रेवा सर चुरे । नि स येग्रायर्यं अप्रायक्षित्रयात्रे द्वो ह्वें दिवे ह्यायात्र्यायात्र्यात्रे अप्ताये प्राये हि है नःनिवेद्रनुःसःधेदः सरःरेगाःसरःग्रःश्रे। नश्रसःमःमुन्तःश्रेद्रःस्द्रास्त्रः क्रियायायाद्या नययायासुन् सुयास्यायास्य मान्यायास्य लट क्रैट्र ता क्रैं र य लट क्र्य्र प्रशासी | दे ता यश्याय क्र्य्य क्रिं र य सुद शुक्षः र्क्षेत्राक्षः यात्री स्वर्धाः विश्वराष्ट्री विष्यः यो स्वर्धः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्य

५८। श्चानाने राज्या श्री शार्के गायम यहिन या ५८। यहिना हेन या ये हिना हे वहेंत्रःहेंग्रयायम् होत्यादे से श्रुत्या राष्ट्रया हो या हिंदा पर्दे । यिग्राश्चर्यस्य स्वर्ध्वर्यः पर्वे द्वो क्चिंद्वर्यः वित्रम् वित्रश्चित्रः वित्रम् वित्रम् वित्रम् वित्रम् हे भ्रानानितः धेवायरारेगायरा ग्रास्री नससा यापारा सुवासुसार्केगाया यःश्चिर्नायः सुत्रःशुत्रः स्वितास्याः स्वा । निस्तः निन्नायः पदे श्चित्रायः यः यावर्गानानाने वा ने न्या के इसायान विस्तेया यस ग्रासे क्या विस्र षव यग नुवा न्दा क्वा परे कुंया विस्र साम क्रिस मा के साम परि वा केंवा साम । क्षः नर्भागुत्रात्र्यः नृग्रीयाम्याक्षुत्रानायनुत्रान्ता ने ययानस्रानायासे सिर्यास्य देशयात्रात्रा हेयात्रे विषयात्रात्रात्रे विषयात्रात्रात्रे विषयात्रात्रात्रे विषयात्रात्रे विषयात्र यदे 'इस'यर'र्ग'य'स'र्चे न'यदे 'हुर' यहे ग'र्के गर्भाय'सून इस'यर नसूत्र' न-१ वहेना हेन परे इसम्पर्म निन्धि स्थान केन केन विन्य केन याक्षानाम्यानम् नसूतानु नेव गाराषे नित्यानसूरमानि रहें या नगन् सेन त्रभः भ्रमा न्या र्कुता विष्य अष्ठ स्य प्राप्त द्वा भ्रम्भ मान्य प्राप्त हिस्स अ विव गुर के राप्तिया से दाया ये वा प्रमासे राप्त कुंवा विस्र राज्य रा मर्दे। दिन्द्रमः मदेः श्रें सामायाम् स्थानामानः लेखा यह गाहेन यसायद्रसः राहें दार्शे दार्शे दार्श वा विस्त्रा मा विस्ता मा विस्त्रा मा विस विसर्गाद्र भ्रव पानार पिव पदे स्रिसाय पान्य सामानि या हैं साम दे क्रिंशयादःद्रवाद्रभेषाश्रादादेःद्रवाद्रवाद्रवाद्रवे अळव्तिः विद्रवादः धेवःवादे वि वगाना से नाम है। हैं साम दिस्या विस्तरा भी ताम से नाम स इससमादाने व दें सम्मायाम् सम्मादान से त्याने नित्ता ह तहें सम्मादा नन्नानी र वहें व र प्रान्ता क्षुर नदे हु न प्रान्ता ने दे हु न के न प्राप्ता नश्रश्रानितः र्नेन्यते श्चित्रान्ता नेते श्चित्रान्या नेशः निवन्तः श्चित्रित्रा नेविश्चित्राया सेत्राप्ता निवेत्र श्चित्राया नेविश्चित्राया सेत्राया सेत्राय सेत्राया सेत्राय सेत्राय सेत्राया सेत्राया सेत्राय सेत्राया सेत्राय सेत् नेते क्किन्या से न्या प्रमाणिक विषय स्थानित स् नदे सुँग्रान्दास्त्रमुन्दाये यात्रस्तर्ये न नदाये न नदाये । स्तर्या ग्राबुग्रभःत्रः। व्रिःसरःक्षेःप्रदेःकुःत्रः। य्वयःयःदेवेःकुःसेत्रपःकेत्त्रः। न्ना यान्याचन्याः सेन्यम् । सेन्यम् विद्यान्यः विद्यानः ५८। यदःवयायः वर्षाः स्रावृदः वर्षे त्यः विद्वाराः व्यावृदः वः बेट्रपट्टा देशमञ्जानायाः सँग्रायायाः सेस्राउत्दुरदेश्वापट्टा

नेरायर्गियायायोग्यायरायहेवायान्या नेरायर्ग्यायायायायोगः वर्देग्राम्यायम्यम्यस्यहेव्यपाद्या देसःवर्देग्रम्यदेश्रीम्रमः द्रमः देसः वर्देग्रम्भाराखेग्रम्भारम् वहेंत्रामाष्यम् द्वीयायायवे । । यासुस्रामाखाते वीमानु श्चे नायमायहै ना हे वा पार्टा विना सार्धेरमा शुमिर नायमायहै ना हे वा बेर्नान्द्रा क्रेंब्रश्रास्य वहुवायायाव्यवस्य प्राप्ता वर्देन्य व्यावस्य सन्दा नन्गाकेन्छै। द्वाराष्ट्रिस्याम्यान्त्राह्मस्यान्ता नावन् ह्याः विस्रभाष्ठ्र-रुवार्सेन्याधर-न्स्रेवार्यायमि । निर्वे सायाने निर्वा ने सुवा विस्रश्राह्मसाध्याप्त्राप्तापीदार्वे स्रुसार् क्वेंसापार्ता दे र्वे हिर्दार् हे ज्ञानाहा गुव हिर्मे वारा द्वा वी शास्त्र वा विस्र शाया गुव हिर्मे वारा धर द्वी वारा से ने ॱक्ष्रमः श्चें राज्ये रकें राजे 'ज्या'वे 'ज्या'या से न' प्रवे 'क्ष्य' विस्रराया मना हु 'वे ' नरःश्चरः यःलेवःद्री ।र्देवःश्चेःपत्रेवःयःपत्रेःहेर्श्चेशःनश्चरायाशुस्रःहसः पर-द्या-प्रात्यश्च इस्रश्चर्यश्चेत्राशः शुः नडद् प्रश्चास्त्रः स्यूनः प्राप्तः रेगायर हुरे। विशेद्वस्य ग्री क्षेव्यस्य है हें द अश्वी सिर्माय कुर नरप्रशुर्रानाधेवार्ते। । षो प्लेश ग्री स्वीया वि । वना से दी पावया प्रायेश पर्

दशुर्रानाधेन्यरारेगायरानुर्दे। । दे निवेन्यानेग्रायराम्याम्यरम्यायान्यः कुं निहेश ग्रीशपदिनामरप्रमुर्गनाधेताही केंशाग्री खुनाशलेशपाहे नर यानेवार्यायदे यानुव्यायदे व्यवस्थापार लेखा ने दे दे दस्याय पाहेर्स्य सुरवस्थाय न्मा गुवःनेश्यदे शेस्राहे न्यायहे ग्रायन्मा हेश्याम् वर्ते वायते । यान्स्रश्राद्या यो श्राप्यदान्या सम्भास्य स्था सम्भास्य । पर्दे। वित्यम् रचा ग्रम्स्य पर प्रविर रेवा पर ग्रुष्ट्रे। इस पर ग्रम् ८८.भीय.वश्रुव.सूर्य.स.स.स.स.स्या. स.८८.५६वा.सप्त.वायश्रुव.स.८८.। गुव व राष्ट्रेव से द्रायदे कु पे द्राय शु श्रू द राष्ट्र द । इस पर जुर रा याञ्चर्यापते कुः वेद्र सार्श्वर्या मृत्र विष्य के विदेश्या सके वा हान दे निर यावर्यायदे वित्रास्त्रें व पर्दे । नि यः गुव वर्षाक्रें व से द्या पर्दे कु वे व्यापा यिष्ठेशके। ब्रस्ट्रन्यश्चित्रविः देन्तिः केन्त्रीश्चात्रव्यक्ष्येत्राचिः देन र्ने हिन्दु असेव पर वेव डेन्गुव हुई ग्राय न्या ने या पेव हुन हुन नुःसर्देवःचरःवेवःकेरःगुवःहःहेवाःचर्दे। । इसःचरःन्वाःचदेःखसःयः श्रुवाःचदेः

कुः अट इस रा गहेश ग्रेश देवा यर ग्रु हो। देस ग्रेश इस यर द्वा यदे यसम्यागुवावर्षाहेवासेन्सामाञ्चागुवाहाहेवामान्ता गुवावर्षाहेवासेन्सा यन्त्रव्यान्यः गुन्तः हेन्। प्रश्रेष् । श्चान्त्रः व्ययायन्यः इयाप्यः निवायः यःभ्रूगःयदे कुष्परः इसःयः गहेशः श्रेशः रेगः यरः ग्रुः हे। बः सूरः यशः ग्रुटः यदः र्रे केंद्र त्या अर्दे व प्यरः वे व प्यश् श्रु प्रव त्यश्य प्रद्रश्य वे श शु प्रवे ः कैंग न्नु न्ग्र ग्री अंद त्य अं अर्थ त्य अ नुद निवे और नु वर्दे ग्रथ पार्ट । सेससायसातुरानदे सेराया वे ना वे सातु नदे किंगा तु न्यासारी सेरानु गुर हुः हैं गाःस्थार्थे। विदेश्वराग्वयायवे अर्के गाःगीः ववशार्श्वेदायां देश्वे देशाहिः यदि कुःल्रिस्स्सुः श्रम्भारायस्य देवा पर्मः गुद्रि । श्रिसः सं प्रवाहित्यासः यार ले ता हे अ र्रे र ता वस्त्र र ता तह ना र दे के ते ना हे श से से र र र र र यक्त हिन्ने अपर्दे। । पाहे अपरा से न्या विष्ठ । प्रहेन प्रति । यह निष्ठ । यह निष्ठ । यह निष्ठ । यह निष्ठ । यह न यविदे यात्र शर्श शुरुर यदे निर्देश में याद थर थेत या है। दे थर में में हिन ने खें न पाया धेव पाये हिमानमा नाई न पाया में समापाये से माने हिन् पुरा र्वे। । पारेशस्य से न पारे प्यापि रास्य से न प्राप्त स्वाप्त प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स

हें वर्: ब्रेंट्स प्रमः वर्मुराया महिसा सुः सर्वे वर्गा से दारा सम्बे इस्रायर ग्रुट न्यर वश्चर है। । यहें ५ मा श्रम्भ उद्गी माने वे ते मान्य रासु स गुर्ग्यते न्देशियां ग्राम्भेत्राने प्यत्व सूत्रायां स्राप्ति स्रापति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्रापति स्रापति स्रापति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्राप्ति स्रापति स्रापति स्राप्ति स्रापति स्रापत ध्ययाची में में में दिया के प्राप्त निष्य के प्राप्त निष्य के स्था के सेन्याधेवार्ते। । पहिषासुःसेन्याने त्यापिष्ठ सासुःसर्विवायायसानेः गुव व अ हें व : ब्रेंट अ : धर व चुर : व जा के अ : खु : अर्दे व : धर : बे व : ध : बे द : ध : व अ : वे वि स्यापर ग्रुट पर प्रशुर है। दे स्थर व गहेश शु से द पर वि सक्व है द दे वे ने निवेद निवेदाया निवास मा इस सारी हो सारी मित्रा वस सार हिना पर वर्गुर-नःधेव-मरः देगा-मर-गुर्दे। |दे-ल-क्रेव-मत्ने-सुव-सुक्ष-स्वाका-मर्म्सः राष्ट्रान्ता नेदे वान्यसारवाची प्रवस्य तु सुव सुया क्रिंवासारा ह्रयायाष्ट्रान्त वर्च शर्च दे स्वर लेव सुव शुक्ष केवा श्रामा इसामा खे ता नहेव व शर्थे सामे राष्ट्राचार ले जा चार ची ही र क्षेत्र राष्ट्रा चार ची राक्षेत्र राष्ट्रा चार क्षेत्र यन्ता है क्षेत्र क्षेत्र यन्ता ग्राच्य क्षेत्र यने न्या स्त्र क्ष्य केंग्र या धेत नर्त्। विश्वरातुः सुव्रश्वरार्द्धवारानानाने विष्ठान्त्रेताः साम्रोदाने য়ुःदर्गःयशःवन्शःयवे न्त्रीदशःन्तः। सुदःसैवे ख्रुवाः अन्दः वरुशःयवे सुः त्र'यश'वत्श'त्त्रेत्स'त्त्। वसवाश'मंदे'यश'र्षेत्र'शु'€वाश'म'त्त्। वरावी द्यालका स्वाधस्य कुला चार्टा ही सेला ही द्या अखा विकास स्वा यर कुषानर्दे । ने पारव्यमानुदे सव पेंत्र सुव सुम कें नामान है कें दानाया नक्षेत्र'नगुर'ते द'य'दर'। दद'यश श्चेत्र'य प्रिस्थ शुः श्चेद्र'य'दर'। विवर यदः स्वानस्यायमाधारान्वायर म्याया प्रान्ता क्षेत्र वात्रमा के प्रान्ति स्वार्थः यशर्धेरशःशुः शेष्ठ्रश्रशः प्रम् दे निविद्याने वाश्यः या नहेव वश्ये न्यदे मान्यस्य न्या त्या स्राप्ति स्वता प्रेत् मानः वि त् । ने ते क्राप्ता स्था ने प्र यर ग्रुः है। विर ग्रेव ग्रेक कें नायदे नुका व ननर धुना नी नन्ना में केव में लट.रेबो.सर.बीच.सपु. की.बु.चुका.बीका.बीच्य.स.रेटा। लेक.लू.रका.शी.बीच.स. ५८। रेवे मान्यानस्रव मवे क्रें ५५७ हे ५५५। क्रें व मवे क्रें ५५७ हे ५५०। न्ता अश्रार्श्वेत्रावते तुर्भावत्थ्वानान्ता यश्वाम्यान्य त्वीत्रावशः श्री दिःयः न्वरः ध्रुवाः वीः वन्वाः वें क्षेत्रः वें प्यरः न्वाः प्रमः व्युवः प्रवेः क्रुः वेयः

न्यम् हिः सेन् प्रायमेव प्रान्ता कुः वन् प्रान्तः से विष्ठे राष्ट्रि विष्ठे राष्ट्रि । नदे न कु छुट दु न्द कु के द में प्रयुव म न्दा हे ' भे से श की म की में की म की हैं । र्ने हिन्छी न प्रान्ता ने अने प्रदेन प्रमाने न प्राप्त अभी हिन पर्शाते क्षेत्रित क्षारा द्वा श्वर रायरा देवा पर्रा द्वा स्वर है। क्षेत्र क्षारा द्वा वार ले व। शुःन्व शैः कुदे क्कें व द्रा पदे अपार्य पित्र शुः शे के यापदे क्कें व द्रा इस्राचानिकाः श्रीकाः श्रीतायस्य श्रीकान्ता । इस्राचानश्रस्य श्रीकाः विकासिकः मैंद.भ्रेंच.रटा क्यारा यक्षेत्राग्रीयादकु.क्षेत्राग्री.श्रेंच.रटा खेत्राजयाश्री. भे रुट नदे क्कें वर्ते । दि न्य द्या मी क्कें द्र य वे से से स्गुव द्याद नर हे द यदे र्भाव श्रुवि क्याय थे श्रद्यायय देवा यम श्रुव श्रुव क्याय थे वार वे व वहे गरायायहास्य राये हैं व नि न नग हुन रेवे हैं हैं व नि । য়ৼয়৾৾য়য়য়ৣ৽য়য়ড়ৼয়ড়য়ড়য়ড়য়ড়য়ড়ৼয়য়ৼ৽য়ঢ়য়৽য়<u>ৄৼ</u>ঢ়য়ড়৽ৠৣ৾য়৽ न्ना ने निवेदायालेवायायाया क्षेत्रायम् स्रीत्रायमे स्रीत्रायम् स्रीत्रायम् स्रीत्रायम् स्रीत्रायम् स्रीत्रायम् मायामें अप्रोप्तिन्यामित क्षेत्र में । । न्यामी क्षेत्र माने भी अप्यान हों न यदे रुषात क्रिंत क्राया थे श्रुर्व स्वाया थे त्रा प्रमान क्रिं क्रिंत क्राया थे वार बि'व। हैंगश्रायर ग्रुप्तायानहें र रश्रायदे हैं व रहा। केंग्रास् भ्रीप्रायायानदे क्कें वर्ता रेग्रायायर्त्रायायायरे क्कें वर्ता वक्षवरायात्र प्रेयाये क्षायां नवे क्कें बन्दा दे निविब मिलेग्यायाया वि नवे क्कें बन्दी । पिदारी क्कें दिनाय के क्क्रीं त इसाया था श्रम्यायाया स्वाप्यम् न्या स्वाप्यम् निष्यं स्वाप्यम् स्वाप्यम्यम्यस्यम्यम् स्वाप्यम्यम्यस्यम्यस्यम्यम्यस्यम्यस्यम्यस्यम्यस्यस्यम्यस्यस्यस्यम्यस्यस न इस्र भारत्यात्र मानि निष्या के ही स्र भेर निष्य मानि स्र भार्य स्र भारत्य गरिगासे। क्रेंबिरह्मसम्प्रां माराबे वा नास्त्रम् जुरानान्यात्रम् योदे नार्वे नार्या त्रेन्यासे नर्वेन्यस्से नर्वेन्यदे हुँ त्रन्य वस्त्रायान्य वर्षेन्यदे गर्दान्य भेगाय कराय भेजात वर्ष में वर्ष प्रति । वर्षेत्र याहेर-व-८-तिव-शे-१-तिव-शेव-वर-वर्देर-वर्ष-वर्देर-वर्ष- श्रुव-८-। क्ष-व-कुनः से ससः न्यवः नत्वासः नत्वासः मदेः सन्सः मुसःग्रेः विनः मुः के वः सँ नः श्चॅ्रव.स.४स.सर.श्चॅ्र-त.र्टा चममात.क्ट्र-र्थामरम.मैम.ग्री.क्र्यासर्थ. त्र श्रुव प्रश्र के शावस्था उद्या शाविद प्रमा । वस्य शाय हिया हे व प्रश लेव. यदुःस्व श्रमःस्व नामः यदुः विदः यमः विदः दुः वार्म दः दुः दः दुः मानः

क्कें व त्यया मी क्कें व के । चिर क्वा ये यथा द्या है के के दें दें में माद्यया त्या व बॅं अ'रादे 'यद'र्षे द'र्खंद' से द'र्याद अ' से द'दे 'दे 'त अ' ग्राद' दे 'इस' पर द ही 'बिट' नश्रुव प्राप्ता क्यापर प्रे पाया स्थापि प्रवासि प्रवासि के या स्वासि स्व बेर्'र'र्न्न'र्षेर्'र्र्र्र्र्र्न्यर'रेग्'र्यर'तुर्दे। विर्'कुन'सेसस'र्पदे'सदे'स्रापर' श्रे श्रूर दें। । सुर से दर नडश स दर सुर से स्थे द से से स्था सर माहत यान्वनामविः श्र्रें अन्ते। वाषा न्हाक्षे प्योप्तन् वेन्नान्। । व्युक्तान्ना वाष्ट्र वान्यान्या ह्य स्थर दर्ग । वित्र दर ह्या दर वरे व दर्ग । वि वया या वय द्या व धेव। सिर्म्स्त्रम्भासन्दर्भन्तर्भामद्रम्भामद्रम्भामद्रम्भामद्रम्भामद्रम्भामद्रम्भाम ग्वराते। हेर्यस्त्रामाम्बर्धास्त्राच्यान्यस्त्रह्रित्स्यः च्या ७७। । नर नहें दानर गुले जा श्रुमा श्रमा श्रमा नियानर नहें दानर चेत्। सिंग्।यर्षात्रस्थाः वर्तित्याः चरः वर्षेत्राः चरः चित्रस् सः चराः चरः न्ह्र्यूराच्युःवे व श्रुश्या व्यानान्ता अव्यान्यूष्यान्यूष्याच्युः है। अर्देरशायदे हुं। नदे हुंगा नह्या वहूर नर वहूर न न निर्धित परि <u> ५८.चल.चर.चर्हेर.सर.चेत्री १८.केर.ची.श्र</u>ी.चत्र.वार.लुच.स.ट्र.लश्चायर.

श्रेश्रश्राच्या व्याप्तरः वर्द्द्रियः वर्षे । वर्षेश्राचित्रे । यर्थत्राच्या भ्रेस्यायदे स्वाप्तर्था विस्रमास भ्रेस्य स्वाप्तरा विस्रमास भ्रेस् नर्षान्द्रात्रे साज्ञान्य नर्स्त्रियर जुर्दे। दि । भदा गुत्र कुर ना । भरा मात्रम् अभागान्तर में नामाधित त्र है दे हि मा केंद्रे वर्त हो नामा में। लूरश्री शिर्य जारा शाया स्वाप्त प्राप्त स्वाप्त मी शाया रूपी प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स यावरा भे व इसाया वुरायदे हिन्यम श्री हिम् हे। वने सूम न्यायर्डेस मायायमाने केंद्रे वर् हो नानेंद्र नर नुमाया यायमाने से नुमामाद्रा यायमाने केते वर् ने निर्मिश्य निरम् नुमाया यायमाने भी नुमायि श्रीमा र्रा विष्य हे न्या वर्षे अपवे हो अके न द्वार्य हे सूर हो अपवे न द्वार वर्षे व. यधुव.रं.श.प्यायाश.सुरः। यावव.रं.श.र्श्चरःश.लुव.या यार.मु.हुरःश्चे. मकेन्द्रमायायगुराना मेदिने यमान्वरामदे मान्यः गुरामने यादःधेव। यायःहेःदेःयशयाववःयवेःयावशःशुरुःयःभेदःवःवेःशःश्चिरःयावशः सहस्रायाधीत्रात् विवे श्री माने त्याहेत् स्राया हिंगा विमायसा सहस्रायमा

वशुरःवे व अभाग न्यानर्वे अपवे ग्यान्ये ग्यान्ये ग्यान्ये । यान्ये । याप्ये । यान्ये । याप्ये सकेन्द्रमायमः मान्न'न्न'मान्न संभित्र'मिन्नेन्द्रम्'मिन्ने । प्रे र्वेत्र उत्र दर्ग ने निवेत्र हेट्र एका पर द्या पर युवाय पे वित्र केट्राग्यम् क्षेष्ट्री अकेट्राच्याययायाव्य प्रमः वाव्य याधियायाकेट्राच्ये प्रमः शे. गु. नदे : भुर : ने हे : सूर : नहें र : पर : शे : गु. ने : सूर : न सून : ने न हैं। दिवे सुराग्रम् राग्नुराय श्रुं अके दार्गायमान्वरावयान्वराय प्रेतः बिशयरी नरे वे द्वारा निवास धिव साधिव साधिव वे वि । वाय हे वावशासूर सा बेट्रिंडेवर्वा देशवर्वरेख्रित्वे क्षेत्राचित्रं वर्षः ध्रेर्-र्ग्यान्वर्रेयायायागुन्न्यश्रेत्र्येर्यायागुन्, तृत्वतुर्-नर्व्युर्-नर् यसःगुर्ने हे से प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य देवे से मान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य प्रमान्य र्षेर्प्यार्विः वर्र्प्रवायर्ग्युर्वे। ।वर्षे अःथ्वयःवर्षाः ग्री अःग्रहः वावर्षाः ग्रुर्प्यः ने केन व्ययन में रया न्या गुव नहमाय में में केन व्यन्ता । यमें व वेव नमा ळगशःगुवःहेंवः बेंदशा । अर्देवः वेवः नगः ळगशः थेंदः भेवः या । देः वेः द्वः

यम् ग्रुम् नः प्रेम् । प्रमे प्यामे प्राप्ति स्वामा प्रमा प्रिम् । प्रमास प्रमास स्व गुर-दे-छेट्-दी। विगानाओट्-मदे-दिवीट्याधिव-हे। दि-छेट्-दग्नाना ह्या सेट्-धेवा विश्वास्य स्था विदेश्व है दिये राज्य वार्स दाय स्था वायर गर्भेर् परे क्षेत्र अध्याप्य प्राविषा यो या या या या या या यह । यह विष्य से विष्य या या या या या या या या या य यर'नश्रद् नश् नर'र्जेय'वस्थाउद'नउद'र्छर'गातुनश'हे'नद्दस्थानेर' ग्राबुद्रशः त्रस्रश्रास्त्र ग्राह्म्य स्वर्थः स्वर्थः म्राह्म्य स्वर्थः म्राह्म्य स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर शुरः व। नःषरःदेःग्रें नःदरःष्ट्रवःमःष्यरः धव। क्षेः व्यवःमःषरः याधेवः धररेगाधरागुः वादेशविवातु। न्यावर्षे साधाववसागुराधाने सार्वाणः सर्क्षेत्र श्रीशागुत रह श्री राजाना वर्केन जाना वर्षा वर वर्षा वर् क्रेंबरब्रेंट्यायान्दा गुवावयान्ग्रेयायात्रस्य वर्षायान्य । र्गे निव निव मान्य अधीत्रायरान्हें दायरानुही । इत्यायन्ते रायान्य श्रामुरायदे अळ्दा अरा वहेंत्र राष्पर श्रेंत् की वहेंत्र राष्य्र विद्रायर द्रु वसवायाय षेत्र यर देवा यम् ग्रुः भ्रे देवे प्यम् ने नविव के मानविव मुन्य के मानविव मानवि

७७। । अशुक्र राष्ट्रेक राष्ट्रा नावक रामा या नावम रामा की साम करें साम है रहा यदे सु तु त्यापर द्वापर हे श शु अर्घर दें ते श पर द्वापर र वहें द पर भे त्रापाधीत ते । । न्यापर्वे सामासुर में दे खूना साम् प्रकार से सु प्रमा यसविष्यत्रे प्रति प्रति । स्राचान्या । स्रोधान्य । स्राचान्य । स्राचान्य । स्राचान्य । स्राचान्य । स्राचान्य । वन्यः वे व । अर्थाः व वर्ष्वः यः वययः उनः धेनः वः ये नः प्रायः व वर्षः यः येनः मदे न्त्रीत्रायनव विवाधिन या होना है सा ही साव विवास या सूर्य सा सरायह्या या यह्यासदे इसासराने सारायर्गे वासरा हो दि । देना हु गुरु नाविदे :इस नर ने रायदे नार राष्ट्रें र नर हो न ने। गुरु नावि :इस धरक्षायान्ता वहुणायवे क्षयायरक्षायाकुः सेन्यासे क्षेत्राया है हैं। वर्षासानुषापवे प्रनिष्याक्षापर प्रणाप दे सः से प्राप्य स लर.श्र.वर्ग्ने.को इ.च.छेट.टे.लर.श.लुया श्री.छेट.टे.लर.श.लुया श्रवंश. हेर्-रु: पर सः पेता अः संतर्भे दः हेर्-रु: पर सः पेता गर्वे र श्वे वः हेर्-रु: पर सः लेव वित्। शे हेर ग्रे ग्राम्य सु लार शे प्रमें स्रो सर्म न मुराय हो हो ।

व्यामान द्वेते सो समा उत् 'त् नान्नामान दे 'निसमा वसमा उत् 'त्रा पर्वे 'न वस्र १८८ दिया है। या वस्र अध्यक्ष १८८ दिया है। या वस्र १८८ दिया है। या वस्र १८८ दिया है। या वस्र १८८ दिया है। र्वेन'म'मस्राय उत्पर्म देनायान दुव्यामस्या उत्पर्म। यामस्या उत्सें यादाद्याः भेत्राची प्राप्ताः श्री प्राप्ताः श्री प्राप्ताः श्री प्राप्ताः स्री प्राप्ताः स्री प्राप्ताः स्री प वे हें अपाये के दाया है। युवाया इसका ग्री के के सम्मान के वापाद है से सुवाया धेव मवे भ्री र्मा निर्मा नर्जे अप सुर में वे भ्रमा अप र निरम्भ मवे शुर्म यशयशयन्यापदे न्त्रीत्यन्। सुर मेंदि ख्रूषा या से न पदे सु न त्या वन्यामवे न्त्रीत्यासु खेत्यासु सु सु त्या हात्या हात्या हिन् पर हे खेत् डे'व। श्रुम्मा सुर'र्वेदे'ख्रुम्मा'स'र्रान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस्मान्यस् येव मण्येव त्या सुर में दे खूवा या ये द मण्याव या या व या स्था प्राप्त या ये । येवः मधीवःमः न्दा सुदः में दीः भूषाः सः न्दाः वडकः मः याषा वावकः मः वीः भूषाः नर्थान्दर्भायाधेवाय। स्टार्सिटेख्याः अतिरायायाव्यायावे स्वा नर्थाः सेन्द्राः प्रमान्द्रा सुद्रः सेविः भ्रूनाः सान्द्रः नरुषः प्राप्ताः नाम्यः न यावर्गासुरामाने भ्रेष्ट्रे मान्द्राप्ता वा भ्राप्ता स्टामिन स्वाप्ता मेर्पायायात्रमार्ये पात्रमासुरायात्रे भ्री सकेरात्र्याप्राप्ता मेर्पाया

अधिव हैं। । वाय हे सुर सेंदे ख़ूवा अ से र सदे सु र द य अ पर र र सदे र न्त्रीत्रासुः वित्रासुः सुः ह्यः त्रयः वन्यः प्रवे वात्रयः सुनः प्रवे सुनः यहे । इगान्दरवर्षेषायासेदा याधिवाया है सूराने ही सकेदाइगामी यावशासेदा यर पावर पर प्रमुर वि व इस्यापा न्या वर्ष या प्रमुर पावर प्रमुर पावर प्रमुर पावर प्रमुर पावर प्रमुर पावर प्रमुर मळे ५ द्वा मी कु यम चुर न संभित्र है। दे नित्र वित्र है ५ त्या द्वी मामा प्रदे या मा नर्स्से समामित्र कुं त्यमा बुद्दाना धेता है। देवे हिनः क्षे सके दार्वा धेंदा ग्राहा उटा बेट्या सेट्या उटा है। वाव शासूरायाया वे वाववा दुःवसूराया वे द्यारा रे विगासेन्याधेन्या वस्त्राप्त्राच्यात्राप्त्राच्यात्राच्यात्राप्त्राच्यात्राप्त्राच्यात्रा ने ने भिर्मा शुक्ति सम्बन्ध निष्ठ नि न्यायाः मरः ग्रुःनः प्यमः अवः विष्युमः सिदः स्वाः अनः सिदः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्वाः स्व वर्षायदे रिवेट्र संस्था संस्था संस्था संस्था वर्षायदे विषय संस्था संस्था संस्था संस्था संस्था संस्था संस्था स यम् नहें न्यम् नुवस् से न्यम् नहें न्यम् नुः वे स्थापा कें न्यमः यर्हेर्न्यर मुद्री । सक्रव हेर्न्हे सु मुर्ग्य महेर्न्यर मुले सु रामा ह्ये रा मः सेन् मदे सक्त हिन्ना के सः ग्रीन् हिन्स निन हु इस मन्न न्या मदे यक्व हिन् पोव के । विवे से मार्थिन यम नाईन यम शुले वा सुराया स्र

र्रेदि'ख़ून्ना'स'न्द्र'न्य स्प्राप्ति सुद्र'र्सेदे'ख़ून्ना'स'सेद्र'स्रेदे'स्रुप्ति सुद्राप्ति सुद्राप्ति सुद्र यदे न्रीट्राच्याव्यासुर्यं नेदे के या है न्यो विषय्याया है न्यो से राहे । ळॅं अ'हे ८' से 'व विषय अ'रा' दे 'हे ८' व्या यहे व 'व अ'दे ' क्टें व 'वें ८' व्या ही अ'से ८' चर' षर से रेग्र रिवेश रहे हिर रें। विकार है से सुर न रहा की न रहा विवार मः अप्येत् : व्ये । कुः भ्रमः न्दः नः केनः नु न्यः न्दः । न्ये मः ७७। १८४ नवर निर्देश स्थापिय १८४ मिया हो निर्देश स्थापिय १८४ में स्थापिय १८४ न्दः त्रयः नः केन्द्रः शुक्रः यः धोवः के। नेवे : श्रीकः धोनः यक्षेनः यक्षेनः यक्षेनः यक्षेनः स्वा यर नहें द्रायर ग्रुव्या भे ह्या यर नहें द्रायर ग्रुले ता श्रुया पार नर्हेन्यर हुर्वे । ने के वे ही र वे व हुराया ने नवे व हेन् इस्ययर न्या मश्यम्यापुरश्चे नदे श्चिम्प्रम्। स्यानुम्प्यदे श्चिम्प्रम्। स्यानुस्यदे श्चिम्प्रम्। क्रॅग्नायासे दायते हिरासे । विवेशनदेशनर न्हेंदायर नुवस्य नदेशन स्थापेता यर निह्न प्रमानु ने सुरुषा देव प्रमानि यदे नरुषा निहे नर निह्न प्रमानि । नुदे । क्रेंन्यवे निर्मान्य के साधिव के । निर्मे के में मुन्ति के कि स्थान वन्यामान्त्रेन् श्री श्रीमार्से । सिमार्सिया साम्रोन् मान्ये श्रीम्य प्रायमान्य ।

र्येट्र अ.श्.लूर्य श्री.श्री.रय.जयात्र या. स.स्यया ता.में या.याया ययया यवस्य मन्द्रन्तुः चःवयावः क्षुः धेदः द्रसः वो स्रुसः स्रो सेदः देः वदेः वरः न्वेर्रू ने वा वे न्यव प्रान्ता वर्षेत्रन्ता हिन्यम् नुवयाया स्यापमः ग्विना'रा'णर'से र'या सर्वे द'रसद'णर'से र'या न वर रद 'णर'से र' धैरःर्रे । अवःर्वेशः ८८। देः निवेदः मानेवाश्वः रायः हेदेः धैरः होः ववाः सेटः दे। वर्ने भूर १९वर्षे अर्चे भ्रेचि पर्मा निष्य निष्य निष्य निष्य । स्वर्थ । स्वर्य । स्वर्थ । स्वर्य । स्वर्थ । स्वर्य । स्व त्व. जमायरेशायहारियाशी.लूरमाशी.की.प्याजी.पर्याजी पु.यख्ये. यानेवारायंत्रे वसराउन् श्री वसराउन् नुः श्री नाया से सम्यः नायी दार्वे वि दा श्रुमाय। सुर रेवि क्षुना सान्दा नडमानवे सुग्दन तमा तन्या नही नही नमाया ग्रवस्यायात्रे क्षेत्रायाः न्दान्वस्याप्त्रः क्षेत्रायात्रस्यात्रस्यावनायाः यावर्गानायाचे क्षेत्राचा स्था पर यावया प्राये निर्देषे क्षेत्र विष् सक्य सार्ट्याये सार्च त्ये ये सम्मार्थ हैं सम्मार्थ हैं । समार्थ हैं । सम्मार्थ ह डेट'वनानामायवे । धेरहे। वर्रे भूर'र्न् नायर्डमाय सुर'र्से वे भूनाय र्दर नडर्मामदे सु: दत्र व्ययाय द्यामदे : द्वित्यायः वात्यामदे : सळ्त्या स्यया

उर्-ग्री:वस्रयाउर्-र्- सारमाम्यायायायान्। इसायरःश्चेत्रायान्। मान्यान्तः ये द श्री श्री न पाया प्राप्ता नाया या पारे हो हो दे हैं द से दि स्था परि प्राप्त स्वाया स्वाया है या श्री है। अळव अन्दान्यवयादव येव या है यावया है नाम हमान मानवा माने यात्रे सुर रेवि भ्रूषा सासे दायाया से दाया से दि से सादे । भ्री वाया से दाया र्षिः वरःरेगाः परः हर्षे । गायः हे रे व्यः श्चेनः यः से रः यः रे। हे स्ट्रूरः रे विवरः मिलेग्रासायाञ्चेतासाक्षीत्रासाक्षीत्रासाया यहा श्चेन'म'सेन'म'भेन'न्। डेवे श्चेर'न्म'नर्डेस'म'भरने 'नवेन'मेनेनस'मदे' यहर्मित्री हो निष्ठा श्रुमा श्रृम् श्रुम् स्वास निर्मे समाया से निष्ठी स ५८। ने भ्रः नुदे ने नाम उन पोन पमाने दे भ्रेम न्या नर्डे माम ने भ्रम नदे नमसम्मान्यः वित्रम्पित्रासुःसुःसुःत्रान्यस्यन्यान्यस्यन्ते वित्रिम्सीः वेन्ने। विन्नेविःभ्रमायायेन्यवे स्थान्याययायन्यायवे न्वेन्यास् ल्टिश शुःशुः ह्य व्यव्याय दिया यदे । वया या से दिया प्रति । दिवी हिर्माण हिर्मे विद्या प्रति । वै। ग्राञ्चन्याय्ययान्वन्त्रः चार्ट्रन्यमः च्याय्या ग्रावन्यः धोवः यमः चार्ट्रन्यमः न्रहें न्यर हुरें। विश्ववाय न्य है न्यू न निवेद नुर्से र न व्य सेवाय प्राप्त ।

वर् ग्रेन्वस्थाउन्ना विस्थावस्थाउन्ना वर्गे नावस्थाउन्ना षर-दे-निव्य-द-नेवान्यर-नुदे । सिर-सेदि-स्वाः अत्राः सेद-सदे सु-द्वाः प्रशः वन्यामवे न्त्रीत्या सुः धेत्या सुः सुः सुः सुः स्वाया विः वा त्रुवायायः से वायायः यान्तरार्वेनायरान्हेन्यरानुवस्। न्वरार्वेना यासाधिनायरान्हेन्यरा नुःवेःव। श्रुभःम। नगरः र्वेनः यरः गर्हेनः यरः नुर्दे। । नगरः र्वेनः वः रेः अरेवः र्नेर्नरम्बर्गा अर्देन्न्थरम्बर्गा अर्देन्न्थरम्बर्गा श्चराया यायावे सर्व र हो राया यायावे सर्व र शे हो र हो हे नविव योजेयायास्य शुर्त्रा स्टार्स्टि ख्र्या याये । यदे शुर्त्र त्याया याये । न्वीरमासुःसुःसुःत्वःयमायन्यायानःधिवःयःनेःवेःसर्वःनः सहन्ते। ।नेः यशम्बन्धाने सर्वे न्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स् ने'ग्रान'मी'ग्रान्यार्थ,'यान्यान्यान्यात्यायीत्रात्व। हे'स्ट्रम्पने सर्हेत्रपु होन्छेत्रा श्रूमाया श्रूमः अछ। । पार द्या पारे श्रूम प्यापार । यस दे स्थात नर्झे सरायदे नियम वी राहे। यह सु हो नियम तत्वी वा या या हुँ सरायम विग्रायायार्भ्रेय्यायम्य दिग्।याय्यायम्यमः ह्या । यूरार्मः स्रुयान्ते। क्ष्र-श्रेष्ठाश्राचा से द्राया है व स्वर्षे व स्वर्ष व स

व्याप्पराशेस्यान्दान्वस्यानिः श्चित्राचार्याः श्चित्राचार्याः स्वित्राच्याः लट.क्व.ट्र.चब्वेच.ट्र.चक्व.चर.चेत्र्। विष.च्या.चेट.क्व.वे.व्यंट्र.क्व.वि.व्यंट्र. न। हे.सूर रेंदि भ्रूगा अ से द पदि सु र द र यस पद स पदे द ही द स या पाद स निरा व्यवः सेर्यः परः र्मा यरः ह्वारायदे व्यटः क्वासर्वि यरः श्रुवः यरः न्वीरमायाम्बर्मानेरावीनः वेष्ठा श्रुमामा सुरार्धिते भ्रूमामान्दानवमा यदे सु द्वाप्त व्यवस्थायदे द्वी द्याया म्यून स्वी द्वी द्वी सुर सुर र्रे दे खूना अ से न पदे सु न द न स्था पद र स दे न ही न स त न व स पर है हैं स प वस्र १८८८ व्या वित्। यन १ मा स्था १८८ क्रिया पर १ मि १ र्रे। विष्यः हे स्ट्रास्टि खूवा सन्दर्भ नवे सुन्दर स्वरूप स्ट्रि न्वेरश्रायाम्बर्भिन्। व्यावासेन्यायान्त्रा धराईम्बर्भित्राचित्रः व्या सर्दिन्यरः श्रुवःयरः हो द्रे दे हो हे स्थ्ररः श्रुवः विवानी या श्रुवः से दःयप्र न्यान्यराह्न्यात्रान्यते जुराकुनास्य वास्त्रान्य वास्त्रुचानु स्वान्य यावी में विवासी नावी वा यह से हाता ही निवासी से वा से से वा वा श्रुमाया केवे वर् ने नियम्भायम् वर्षायम् श्रुमायमः ने न

र्ने। । नर्डे अ'सेव'पर्याणी अ'ग्रार'६व'र्झ अ'ग्रार'कुन'रु'र्ले र अ'युर्याना यश्वश्राक्षेत्रः नर्गेरश्रावश्रा देग्रश्ची:तुःर्वेत्रःची:त्रः नविवःठवःवेःहः वर्षितामी मिटारा प्रवि । वर्षे स्र शावसा वर्षेता प्रविता प्रविता स्र त्र विवास । यावर्गायर विश्वास्त्र है। न्यूयाय वर्षायर विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास वर्रे नभ्रम्भायामास्यास्य र्रम्याधितासमान्त्री म्यार्थे । । दे वे प्रे प्रमास्ये वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे नश्चेरशःशुः वेदःग्रमः व्यादे स्वादः हु-दुय-व-धीव-है। ह्य-दव-यमाय-माय-मार्टिवः सर-द्याय-वर्षे हीर-है। नुदःकुनःशेसशःद्यवःषशःददःर्से यःषदःदे क्षःसःषीतःर्दे। ।दे ते दे क्षेत्रः केंदे वर् ने र नशेर अवस्पार्य र से दे त्यु अ ने वर्ष से सामर ने र हेर । श्रुवायते तुर्या मे राके रास श्रुव पाया निया स्वार में प्राया स्वार से प्राया स्वार से प्राया से प्राय से प्राया से प्राया से प्राया से प्राया से प्राया से प्राया से से प्राया से प्राय से प्राया से प्राय से प्राया से प्राया से प्राया से प्राया से प्राया से प्राया से दवःवर्यायद्यायदे द्वित्याशुः धेत्राशुःशुःदवःवर्यायद्वदःवःश्रेवःयरः यमायन्यापते नित्रेत्या शुः वित्या शुः वित्या शुः सुः त्यमायन्या सि स्रुसानुः से समा श्री । ने निन्दर्भिते खुश ही दा ही शान क्षत्र शान है शान है सा नुति ही दा विन्र

ययायावावतान्वाची राष्ट्रा श्चेर् राण्टर है 'नवीं रायाने 'क्षेर'रवा हु नवे दायर यावर्षः धरः हो नुर्दे। । नुरक्षः प्रवायश्यन् रूपः प्रायश्यमे व । प्रायश्यम् व । सर र नावरायया वह ना हेव की निसंसार न व व सर है र र र र ना ह रे नविवः गिर्वेग्रायः न्दः गुरः कुनः शेश्रशः न्यवः इस्रशः वः नश्रेवः नगुरः गुःनः ५८। बट क्व भी से नाम भी नाम नाम नाम निष्य पर दि अट.२.अटश.क्रिश.२ट.२८.छ्ठ.श्रेशश.२४४.२४४.०० श्रेश.लट.२व.४४.भेष. אביאבי לן שביקקיטדיאַמיסדיאביןיטיס, שרן שביקבישבין नगार्थे दाराया इया वर्धे सातु हो दार्गे । । याया हे द्या वर्षे सारा ह्या छ्वा हा लूरश्राश्यायात्राचीयात्राचीयात्राचीयात्राचात्राचात्राचीयात्राच्यायात्र सर्विः सर्ह्या अः सरः पळंटः कुः नरः प्रशुरः वा डेवे : ध्रेरः न्याः नर्डे अः सः वस्रभाउदायादात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा रेग्रार्शः श्रे : व्यापित्रवे : श्रेरःहे। वर्रे : श्रूरः न्या वर्डे अः यः इस्र अंहे नः वा प्यारः न्यानर्डे अपायायावे पारे पारे कायशाह्यापर में यावे रास्तर में विष्युपाया मेर्नायते सुर्द्व त्यमायन्मायते निर्देष्ट्या सुर्धेन्या सुरस् ह्या स्वायमायन्यः नरः हो दःषा याया दे भी शारना ग्री शाह्र शासरा में या ना मिं द शाही दाय हो ।

व्याः श्रूदः वर्षा देवे : भ्रुदः देवाशः ग्रुः ग्रुः व्याः भेदः ग्रुः श्रूषः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः उर्- ग्रुर-कुन- हु-प्पेर्स शु-दश्चन-धर-से । दशुर-घर-से ग्रा-धर-ग्रुदे । १९४. ইমান্ত্র ক্রেন দুর্ভেদ মাধ্য দেলু মানা দি মেনার ভঙা বি শ্লৈন यर गुरुपारिवर गुरुपारे के विष्ठ हैं वा भी हैं विषय विषय है या विष् यर ते न नि । रे अ विषय वि से से नि न सर तुर व अ न न न में वि से स य न न क्रेव ग्री में अप्य हे न त्या है अप्वर्थ है वा प्यर ग्री न है। वि स्वर हिव है अप्राप्त र कुन हिर्लेट्य शुर्व शुर्न से के दिन हिर्दे निया से प्राप्त से प्रा शुः शुः द्वः त्यसः तद्वः तदः तद्युदः तः देः क्षेत्रः ग्रुदः कुतः स्रे ससः द्वादः प्यदः प्यदः प्यादः ৳৽য়ৼয়৽য়ৢয়৽ৼৼ৽য়ৢৼ৽ড়ৢয়৽য়৾য়য়৽ৼয়য়৽য়ৢয়৽য়ঢ়ৼয়ৢয়য়৽য়ৢ৽ नवगाउँ र रे रे सूर रे र्वा वी शावहर र्स्ने स्था श्राववगाय है सूर्य सेवा य न्मवःनमः ॲन्मःशुःशुःन्वःयमःवन्वःनवेःक्रेवःश्वेनःवनःयःवःर्मेन्यः न्याक्रेन्यात्रचेयायान्यत् ययाग्यात्यित्याशुःशुःस्त्राययायन्यान्यः वशुरारमा ले'म्। यारामी भ्रिराने प्रमा भ्रेनामर शुरा हिरा सर सा मुसा नर नुदःकुनःशेस्रशःद्यवः इस्रशःग्रेशः नहदःश्क्रें स्रशः शुःवहे गः परः वशुरः नःदेः वै मावरायाधीव भ्रम्मन्यायाधीव हे ने वे मावरायो न ने । विन कुन ह र्षे न्या

शुःवशुरः नः ने 'धर वार वी 'कें न्नु व से न राधर 'न्वा पर हैं वारा पर वे 'जुर' कुनः र्वेन प्रमाद्युमः नः देवे के तुः दे प्रविद प्रविष्य भिष्य प्राप्ति दमः युमः द्रशः सुमः यशयन्ते । विरः कुनः हः धेरशः शुः वशुरः नः ने के न्रः में हिन् वशः हवः वेशः ग्री:रेग्राश:उद:धेद: धर:पर्हेट्:धर:ग्रुव्या देव:हे:ग्रुट:कुव:श्रेय्य:द्र्य: रैग्राराउदाधिदासरावर्हेर्प्यराव्यावे वा श्रुराया सारेश्याये रेग्रारा उदा धेव पर नहें द्रायर गुः हो। सारे या परे से समा उत् ग्री केंग्र महारामा यावयान्यन्दर्भ । दे प्लेंद्रश्राश्चान्द्रन्थश्वान्द्रप्रश्रास्त्र वि स्टेंश्चा रेग्रास्य सु दे रेश्य प्येत्र प्रम्भेग् प्रम् हुद्रे। । ग्रान्स दे म् ल्वास प्रमे व्य हे सूर पक्के नदे पहे गुरु पा से न्या मा निय के नदे पहे गुरु प षर से दर्भे । दे द्या दर यावत दे नवित या वे या अया सुर से दर सुर से दे म्वास्यसे द्राप्ति स्वाप्त्र विष्या विष्यस्य द्रिया स्वाप्ति स्वास्य स्वाप्ति स्वास्य स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वापत वर्षामान्वान्ते सुवाषानद्वराष्टान्दः षटानुःश्रेश्वरास्त्र श्रीन्द्वानययः श्रीश्वास्त्रात्वाः वाह्रवःद्वःसद्दाःसरःदेवाःसरःश्वःश्वे। ददेःस्रःश्वेःद्वरः नर वर्ते निरं के निरं दे वर्षे व वर्षे के वर्षे के निरं निरं निरं के के निरं के के निरं के के निरं के के निरं

न्मा गुनामदे न्मे अह्न मानविदानु विदेश पान कुराने विदान नाम न हुदे। १८९ है दे निविद्यालेग्रायदे अर्केग् हु ग्रायर न पेद है। ८९ ५८ NT:कुन् परि:ग्रुम:कुन:शेस्रशन्पर:नर्जिन्य:कुम:तुग्राश्चर्यशः मायत्रीमानी भाष्ट्रमानी । निर्वेदासाळे दार्सा खालु मार्सा स्वरूप देशे सामा केव में अप्तह्या ग्राट के अप्याह्म अपराद्या अपराद्या विव पुरह हम अपराद्या नश्र है । अर कुर महस्रायश्र ग्र हिर कुर से स्राय प्र क्ष्मारादे नर्भस्य म्हर्स्य प्रमान्य म्हर्स्य स्तरे वस्य उत् पृत्रे स्वर्धा स्था केश हिन् पर नु तयवाशया केश गुर्ते अया शेर शेर्र रन वी इस प्रश्चात यदे खें अपा इस पर द्वाप्य पह्चा वे । । अपा विकास कु द्या इस अपि । ने नशाग्रदाकेशाम्बन्धर प्रमाशास्त्रायह्या है। ने निवेदानु शान्या यदे नराया तुनाया ना ग्या श्रम्य अराउदा दुर्गे दाव या में दा दुर्ग द्वा प्रदेश दुर्ग वसवीश्वासद्वःश्वर्थाः स्थाः सम्यानम् द्वान्त्राः विष्टः क्रिवः श्रेष्ठश्वराद्याः शनइःपरःकुरःपःइशशन्तेःतेःनवितःग्नेग्रश्यतेःग्रश्रःगःतेःन्।त्याःश्रंशः

राः भेतः तुः इसः यरः द्वाः यसः यह्वाः भ्रे। देः सूरः तुः देः विवः वाभेवासः यदेः ग्रम्यान्त्रे न्याः वे न्यम्याः श्री भार्त्रे । श्रिमः सन्द्रा वह्रम् स्यः श्री न्यः स्या ८८। हैंग. गेवुःश्चित्रायायायायायायात्राच्यायम्। विकास्यायमः नशः के शः इस्रशः इस्राधरः ग्विनाः दशा देः न्नाः हे नः ग्रीः सरः न्नः ही देः सक्दः क्षेत्रप्ता नेप्त्वाक्षेत्रधेः अश्वा विक्यावदेष्यवप्ता नेप्त्वाक्षेत्रधेः याडेयावर्गन्त्राप्यप्ता क्रियाये दियाप्त्रियायप्ता क्रियायप्तरा श्चर्यान्द्र। शुप्तविरावर्षायाः श्रीवाशायश्चर्याः हुः इसायराद्वीः वावादाः लेब्स्यन्ता देन्याकेन्छ नसून्यन्ता सर्ह्रस्य सरस्य सन्ता रेगायर हुरे। । अप्टर्भार्गामी क्यायर गात्र त्याप्य प्रत्य प्रति । न'ने'न्यमा'रु'सेन्ने। र्स्मिश'र्डस'विमा'यर'नम्भून'य'ने'येन' मश्रास्त्रीम्रायदी प्रदा मक्ष्रमायपदी प्रा स्वायपदी प्रा मान्नाया धर नश्रुव धर पदी वा नव्य द्या ग्राट मह्या धर ग्रुटी । श्रुट में प्टर महवा धर

निष्यः प्राप्तः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विष्यः